ओम्



शब्दार्थप्रकाश ॥

संस्कृत डिक्सनेरी ॥

संस्कृतसे भाषा जिसमें

स्वर वर्णोंके क्रमसे संस्कृत शब्दों का अर्थ स्व-
देशीय भाषामें उन्नाम प्रदेशांतर्गत वडोराग्राम
निवासी श्रीदीक्षितकुलोत्पन्न परिडत वि-
श्वनाथ प्रसाद शर्म्माने अति परिश्रमसे
संस्कृत पढ़ने वाले विद्यार्थियों के
लिये विरचित किया

जिसको

श्री कान्यकुब्ज कमलोद्भव श्रीमान् वाजपेयि परिडत दुर्गा-
प्रसाद शर्म्मा ने अति शुद्धता पूर्वक निज आज्ञानुसार स्थान

कानपूर

परिडत शिवशंकरलाल के कैलास—यन्त्रालय में छपवाया

प्रथमवार प्रति १०००]   [फरवरी सन १८८४ ईसवी

सूचना ॥

यह शब्दार्थप्रकाश ग्रन्थ संस्कृत से भाषा राजकीय विद्यार्थियोंके लिये बनाया है क्योंकि ऐसी पुस्तक संस्कृत भाषा की देखने में नहीं आई जो सहजही में शब्द का अर्थ जानाजाता जैसे कि अंगरेजी डिक्सनेरी होतीहै इस ग्रन्थसे संस्कृत शब्दों का अर्थ डिक्सनेरी व लुग़त्के तरीक़े से प्रथम शब्द पीछे अनेकार्थ देशी भाषामें रक्खेगये हैं बहुतसे संस्कृत कोष व ग्रन्थ एकत्र कर निर्माण कियाहै उन ग्रन्थोंके नाम नीचे लिखे हैं ॥

१ मेदिनीकोष	९ विश्वकोष
२ त्रिकाण्ड	१० अनेकार्थ
३ रत्नमाला	११ अभिधानमाला
४ भागुरि	१२ अमर
५ शब्दार्णव	१३ शब्दार्थ
६ शाश्वत	१४ पुरुषोत्तम
७ एकाक्षर	१५ हलायुध
८ हैम	१६ रुद्र

यद्यपि बहुतसे कोष बने और बनायेगये परन्तु ऐसा देशीय अर्थ संस्कृत शब्दोंका किसी कोष में मिलना बहुत दुर्लभ है इसको सज्जन महाशय देखकर जरूर प्रसन्न होंगे यह संस्कृत राजकीय पढ़नेवाले व अन्य विद्यार्थियों को निहायत लाभ दायी है। भाद्र कृष्ण ४ भृगुवार सम्वत १९४९.

दीक्षितोपनामक पण्डित विश्वनाथ कृत

श्री



शब्दार्थप्रकाश ॥

THESAURUS OF SANSKRIT WORDS.

श्लोक श्रीमच्छिवांप्रणम्याद्यां सपुत्रांशिवसंयुताम् ॥
वालानांसुखबोधाय शब्दभाषांचिनोम्यहम् १
यदत्रममचापलं तत्क्षमध्वंमनीषिणः ॥
यथामतिममोद्गता तथाभण्यतेभारती २

संस्कृतसे भाषा ॥

(अ)

अ संस्कृतका प्रथमस्वर थोडा अभाव श्रीवासुदेव.

अंश भाग वाटतौलके.

अंशु किरणसूर्यादिकों की.

अंशुक वस्त्र स्वेतवस्त्र दुपट्टा.

अंशुमती शरिवन औषधि.

अंशुमत्फला कदली केला

अंशुमालिन सूर्य

अंस कंधा भुजा शिर

अंसल मोटा बली

अंहति दानदेना

अंहस पाप बुराकर्म चोरीआदि.

अकरणि शाप गाली कोसना.

अकूपार समुद्र सागर.

अकृष्णकर्मन पुण्यकरनेवाला.

अक्ष बहेर मीठानमक सोरहमासा जुवे के पांसे जुआ रुद्राक्ष इन्द्राक्ष ग गाडीकापैहा

अक्षत जो टूटा नहो चावल लाई

अक्षदर्शक } जुवा बनाने वाला जैसे
अक्षधूर्त } शकुनी हुआ

अक्षपाद नैयायिक. [तपस्या.
अक्षर मोक्ष परब्रह्म वर्ण आकाश धर्म

अक्षरचंचु } लेखक लिखनेवाला.
अक्षरचण }

अक्षवती जुवापाशेका. [कील पैहाकी.
अक्षाग्रकीलक गाडीकीधूरी लोह
अक्षांति ईर्षादूसरेकाविभवदेखजलना.
अक्षि नेत्र आंख.
अक्षिकूटक हांथीकीआंखकीगोलाई.
अक्षिगत वैरकेयोग्य शत्रु
अक्षिव समुद्र लोन.
अक्षीव समुद्र लोन सहिजनवृक्ष.

अक्षोट } अखरोट.
अक्षोड }

अक्षौहिणी सेना का प्रमाण जिस में हाथी २१८७० रथ २१८७० घोडोंके सवार ६५६१० पैदल १०९३५० हों.
अखंड संपूर्णसबजिसमेंकुछमीकमनहो.
अखात देवता के द्वारके कुंडादि जैसे चक्रतीर्थ पुष्करादि.
अखिल संपूर्ण सब.
अग वृक्ष पहाड.
अगद औषध जिससे रोग नाशहो.
अगदंकार वैद्य दवाकरनेवाला.
अगम वृक्ष पहाड.
अग... श्रीदेवतालवृक्ष.

अगस्ति } एक ऋषि का नाम जो घटसे
अगस्त्य } मित्रावरुणके यज्ञमें प्रगट हुये

अगाध जिसकीथाहनहो.
अगार घर भवन
अगुरु शीसम सेरसई शिंशुपा.
अगुरु अगर.
अगुरुशिंशपा शिंशपा सेरसई शीसम.
अग्नायी स्वाहा अग्निकीप्रिया.
अग्नि आगि.
अग्निकण चिनगी लुकुई.
अग्निचित् अग्निहोत्र करनेवाला.
अग्निज्वाला धव धौकेफूल.
अग्नित्रय तीन प्रकारकी अग्नि यज्ञकी.
अग्निभू स्वामिकार्तिक जो शिवके वीर्यसे प्रकटहुये.
अग्निमंथ अरणी इरनी जैति.
अग्निमुखी भेलावा.
अग्निशिख केशरि कुंकुम रोली.
अग्निशिखा करिआरी शाग भेद.
अग्न्युत्पात आगिलगना धूमकेतु दि-
अग्र आगे अधिक श्रेष्ठ. [खाई देना.
अग्रज बड़ा भाई.
अग्रजन्मन् ब्राह्मण विप्र
अग्रतःसर आगे चलने वाला.
अग्रतस आगे पूर्वदिशा.
अग्रमांस हृदयकामांस कलेजा.
अग्रसर आगेचलनेवाला.

अग्रिय } बड़ा भाई श्रेष्ठ.
अग्रीय }

अग्रेदिधिषु } जिसकन्याकी बड़ी बहिन
अग्रेदिधिषू } कुमारी हो और उस का

अग्रेसर आगेचलनेवाला. [विवाहहो.
अग्र्य श्रेष्ठ मुख्य.
अघ पाप दुष्टकर्म दुःख शिकार जुवा आदिविपत्ति राग वैर.
अघमर्षण सूक्त जो संध्योपासनमें
अघ्न्या गौ गाय. [जपा जाताहै.
अंक चिन्ह गोद लक्षण.
अंकुर नवाकिल्ला अँगुशा.
अंकुश हाथीहांकनका.
अंकोट
अंकोल } अकोहर पिस्ता.
अंखोट [जाय.
अंक्य जोबाजागोदीमेंधरकेबजाया
अंग देह संबोधनमें दूसरेअर्थमें.
अंगण घरकाआंगन सभाकाआंगन.
अंगद बिजायठ बजुल्ला एक वानर का नाम. [वनेहों.
अंगना स्त्री नारी जिसके अंग उत्तम
अंगन आंगन.
अङ्गविक्षेप नाचना.
अङ्गसंस्कार देहमेंकेसरादिलगाना.
अङ्गहार अंगुलीघुमाकरनाचना.
अङ्गार अँगार जरताकाठ.
अङ्गारक मङ्गलग्रह
अङ्गारधानिका अँगीठी च्यरौसी.
अङ्गारवल्लरी कंजभेद.
अङ्गारवल्ली भारङ्गीऔषधि.
अङ्गारशकटी अँगीठी च्यरौसी.
अङ्गीकार स्वीकार ग्रहण.
अङ्गीकृत अङ्गीकारकरना.
अंगुलिमान अँगुलीसेप्रमाण.
अंगुलिमुद्रा अँगूठीरामनामादिसहित
अंगुली अंगुरी.
अंगुलीयक अँगूठी मुंदरी.
अंगुष्ठ अँगूठा.
अंघ्रि पैर चरण.
अंघ्रिनामक वृक्षकीजड़ नीचेकीडार.
अंघ्रिपर्णिका
अंघ्रिवल्लिका } पिठवनि औषधि.
अचडी सीधीगौ सीधीस्त्री.
अचल पर्वत जोचलनसके.
अचला पृथ्वी धरती [नहो.
अचिक्कण रूखा स्नेहशून्य जो चिकना
अच्छ निर्मलजल रीछ प्रसन्न
अच्छभल्ल रीछ.
अच्युत श्रीभगवान.
अच्युताग्रज बलदेव कृष्णकेबडेभाई.
अज बोकरा विष्णु महादेव ब्रह्मा.
अजकव शिवकाधनुष.
अजगंधिका बबई.
अजगर मोटासांप.
अजगव शम्भु का धनुष.
अजन्य उतपात बिजुलीआदिगिरना.
अजमोदा अजमोद अजवाइन.
अजशृंगी मेढ़ासिंही.
अजस्र निरन्तर अतिशय.
अजहा केवांच.
अजा बोकरी माया.
अजाजी जीरा. [काकरै
अजाजीव गडेरिया जोबोकरीसे जीवि
अजित विष्णु शंकर महत्तत्वादि

अजिन हिरणादिकोंकाचमड़ा.
अजिनपत्रा चिमगोदर,
अजिनयोनि हिरणकीजाति.
अजिर आंगन देश देह वायु.
अजिह्म सीधा सरल सूधा.
अजिह्मग बाण तीरजोसीधाजाय.
अज्जुका नाचनेवालीनटी.
अज्झटा भूमिकाआँवरा.
अज्ञ अतिमूर्खजोकुछकहसुननसके.
अज्ञान अहंकार जिस्केज्ञाननहो.
अंचित पूजाकिया.
अंजन पश्चिमदिशाकेहाथीकानाम.
अंजनकेशी नली गंधद्रव्य पनारी.
अंजना } दिशागजकी पत्नी.
अंजनावती }
अंजलि अंजुरी.
अंजसा तत्त्व शीघ्रता.
अटनि } धनुषकीकोटि.
अटनी }
अटरूप रुसाह रूसा.
अटवी वन जंगल.
अटा अटना घूमना.
अट्ट महल अटरा.
अट्या घूमना पृथ्वीपर्यटन.
अणक अधम नीच पापी.
अणव्य जंगल वन.
अणि गाड़ीकीधूरी.
अणिमन् महादेवकीसिद्धि.
अणीयस् बहुत छोटा.
अणु धानभेदबहुतछोटा.
अंड अंडापक्षीआदिका.

अंडकोश } पोता.
अंडकोष }
अंडज ब्रह्म मछरी पक्षी सर्पादि.
अतट पहाड़सेजलगिरनेकास्थान.
अतर्कित अकस्मात साहस. [नहो.
अतलस्पर्श, अगाधजिसजलकीथाह
अतसी अरसी. [लांघना.
अति बहुत पूजा बड़ाई लांघनाउलटा
अतिक्रम वीरोंकीसंग्रामयात्रा.
अतिचरा स्थलकमलिनी. [नष्टहो.
अतिच्छत्र खर, अँकराजिससेखेत
अतिच्छत्रा सौंफ.
अतिजव बहुतजल्द वेगवान.
अतिथि अपनेघरमेंजोकोईब्राह्मणादि
अतिनिर्हारिन् दूरकीसुगंध. [आवै.
अतितु बिनानाव पारजाय.
अतिपथिन् सुन्दरराह.
अतिपात उल्लंघन अतिक्रम.
अतिप्रसिद्ध प्रकाश बहुतनाम.
अतिबल बड़ाबली बेगवान.
अतिमात्र अतिशय शीघ्रता.
अतिमुक्त सेवतीकाफूल.
अतिमुक्तक तिनिशवृक्ष.
अतिरिक्त अधिकहुआ बहुतखाली
अतिवक्तृ बहुतबोलनेवाला.
अतिवाद निठुरबोली कड़ीबात.
अतिविषा अतीस.
अतिवेल बहुतशीघ्रता.
अतिशक्तिता बहुतपराक्रम.
अतिशय, बहुतशीघ्र बड़ाई.
अतिशस्त अतिसुन्दर.

अतिशोभन बहुतहीसुन्दर.
अतिसंस्कृत योग्य सहन शीलता.
अतिसर्जन बहुतदान.
अतिसारकिन् अतीसारीरोगी. [हो
अतिसौरभ आमवृक्षजिसमेंबहुतसुगंध
अतीक्ष्ण कोमल.
अतीत व्यतीत बीतगया.
अतीतनौका विनानावपारजाय. [नहो.
अतींद्रिय इंद्रियोंसेज्ञानजिसवस्तुका
अतीव अत्यंत बहुत.
अत्तिका बडीबहिन. [कियाकरै.
अत्यंतकोपन बडाक्रोधीदिनरातक्रोध
अत्यंतीन बहुतचलनेवाला.
अत्यय नाश कष्ट.
अत्यर्थ अतिशय.
अत्यल्प बहुतछोटा बहुतथोडा.
अत्याहित बहुतभय बडीभय.
अत्रि एकऋषिकानाम.
अथ } अथो } मंगल अनंतर आरंभ मश्नसंपूर्ण.
अदभ्र बहुत बहु.
अदर्शन विनाश न देखपड़ना. [हुये.
अदितिनंदन देवताजोअदितिसेमगट
अदृश अंधा विनाआंखका.
अदृष्ट आगि पानीसेभय.
अदृष्टि क्रोधकी आंख.
अद्धा साक्षात् तत्त्व.
अद्भुत रस आश्चर्य.
अद्मर बहुतभोजनकरनेवाला पेटभरू.
अद्य आज अभी.
अद्रि पर्वत वृक्ष सूर्य.
अद्वयवादिन् बौध जैनि.
अधम कम निंदित नीच.
अधमर्ण कर्जदार ऋणी.
अधर नीचेका ओठ हीन नीचा.
अधरेद्युस आगेकादिन.
अधस पाताल नीचेकालोक.
अधामार्गव लटजीरा.
अधिकर्द्धि धनवान धनी.
अधिकांग कमरपट्टा पटुका.
अधिकार व्यवस्थाकरना मजापालना.
अधिकृत अधिकारी जैसे राज्याधिकारी ग्रामाधिकारी.
अधिक्षिप्त किसीकेऐश्वर्यादिकीनिंदा करना दुर्वचनकहना.
अधित्यका पहाडकेऊपरकीधरती.
अधिप मभु स्वामी मालिक.
अधिपांग पटुका कमरपट्टा.
अधिभू प्रभु मालिक.
अधिरोहिणी सीढ़ी.
अधिवासन सुगंधमाला धूपादिसेवस्त्र तांबुलादिकोसुगंधितकरना.
अधिविन्ना बहुतीसौतियोंमेंपहिली स्त्रीकानाम. [दार्थ बनतेहैं.
अधिश्रयणी चूल्हजिसमें भोजनके प-
अधिष्ठान पट्टा ग्रामनगर मभाव आसन
अधीन आधीन वश. [स्थान.
अधीर कायर भीर लेड़ार भगोड़ा.
अधीश्वर चक्रवर्तीराजा सबपृथ्वीका मालिक.
अधुना इदानीम् इससमय इस काल.

अधृष्ट　लज्जावान शर्मीला जोबहुत शर्माय.
अधोगंतृ　मूस चूहा नीचेजानेवाला.
अधोशुक　नीचेकाकपड़ा लहंगा धोती.
अधोक्षज　विष्णुइन्द्रियज्ञानजिनसेनीचेहै.
अधोभुवन　पाताल नाग लोक.
अधोमुख　नीचेकामुख.
अधोरण　महाउतहाथीहांकनेवाला.
अध्यक्ष　अधिकारी कामकाजकरनेवाला प्रत्यक्ष आंखकेसामने.
अध्यवसाय　उत्साह उद्धाह.
अध्यात्म　जीवात्मा ठगता थोड़ा.
अध्यापक　पंडित पढ़ानेवाला.
अध्याहार　तर्क चतुराई बुद्धिमानी.
अध्यूढ़ा　जिसस्त्रीकेबहुतीसौतीहों.
अध्येषणा　गुरुआदिकेलियेद्रव्यादि मागना.
अध्वग　राहचलनेवालापरदेसी.
अध्वन्　मार्ग राह.
अध्वनीन }
अध्वन्य }　विदेसी राही.
अध्वर　यज्ञ राजसूयादि.
अध्वर्यु　यजुर्वेदी यज्ञमें.
अनक्षर　न कहिने योग्य बात गाली.
अनंग　कामदेव जोबिनाअंगसबको वशकरताहै.
अनच्छ　मैलापानी मैला.
अनडुह　गाड़ीलैजानेवालाबैल.
अनध्यक्ष　जोइन्द्रियोंसेग्रहणनहो
अनंत　आकाश शेषनाग जिसकाअंत न हो.　[या साग भेद.
अनंता　पृथवी जवासा सरिवन दूब मा-
अनन्यज　काम जोआपहीआपहो.
अनन्यवृत्ति　एकाग्रचित्त एकांतमन.
अनय　जुवाआदि विपत्ति अनरीति.
अनर्थक　विनाप्रयोजनकीबात.
अनल　अग्नि आगि.
अनवधानता　चित्तकीघबराहट किसी
अनवरत　नित्य　[काममेंचित्तनहो
अनवस्कर　सोधा निर्णय किया
अनवराध्यं　मुख्य श्रेष्ट प्रधान
अनस्　गाड़ी शकट　[नहुआहो
अनागतार्तवा　जिसस्त्रीकेरजस्वला
अनातप　छाया सूर्यकीप्रभा परछांही कांति　[अपमान.
अनादर　तिरस्कार आदरनकरना
अनामय　आरोग्यता रोगनाश.
अनामिका　छगुंनियाकेपासकीअँगुरी.
अनायासकृत　भिगोयकरकाढ़ाबनाना.
अनारत　नित्य अतिशय शीघ्रता.
अनार्यतिक्त　चिरायता चिरैता.
अनाहत　कोराकपड़ा नयावस्त्र.[मारते.
अनिमिष　देवता मछरी जो पलकनहीं
अनिरुद्ध　कृष्णकापौत्र.
अनिल　वायु देवगण स्वातीनक्षत्र.
अनिश　नित्य दिनरात.
अनीक　सेना संग्राम लराई.　[पती.
अनीकस्थ　राजाकेरक्षाकरनेवालेसेना-
अनीकिनी　सेना सेनाकीसंख्या.
अनु　पाछे बराबर लक्षण समीप.

अनुक कामी कामवश.
अनुकंपा करुणा दया.
अनुकर्ष रथकेनीचेकाकाठ
अनुकल्प मुख्यसेअधम जैसेसकरके स्थानगुड़.
अनुकामीन जैसीइच्छाहो तैसाचलै.
अनुकार विडम्बना जैसेघोड़ेकीचाल गदहाचले.
अनुक्रम परिपाटी सीधीचाल.
अनुक्रोश कृपा दया.
अनुग पीछेचलनेवाला पीछे
अनुग्रह अंगीकार कृपा
अनुचर नौकर टहलुवा
अनुज छोटाभाई
अनजीविन् सेवक दास
अनुतर्षण मदिरादिपीना
अनुताप पछिताना शोचकरना
अनुत्तम मुख्य श्रेष्ठ
अनुत्तर सबसेश्रेष्ठ जिसकाजवाबनहो
अनुनय समुझाना सूधा करना
अनुपद पीछेकेपैर एड़ी पद पश्चात
अनुपदीना पौला जोपनहीपैरमें बांधीजाय [पमानहो
अनुपमा दिशागजकीपत्नीजिसकीउ
अनुप्लव अनुचर नौकर
अनुबंध दोषपैदाकरना [डाञान
अनुबोध गई सुगंधमें सुगंधकरना थो
अनुभव साक्षात प्रत्यक्ष [नोकीसलाह
अनुभाव कटाक्षकरना प्रभाव सज्ज
अनुमति पूर्णिमासी जिसमें चंद्रमाकी कालकुछकमनहो
अनुयोग प्रश्न पूंछना
अनुरोध अनुकूलता मनकेतुल्ये
अनुलाप बार बारबोलना
अनुलेपन कुंकुमादिकालेपकरन।
अनुवर्तन मनके अनुसार कामकरना अनुकूलता
अनुवाक वेदकाअंग [आलसी
अनुशय बहुतदिनकावैरपछिताना
अनुष्ण ठंढा जोगरमनहो
अनुहार विडबना जैसे खन २ शद्ब नू पुरोंकीध्वनिहै
अनूक शील स्वभाव वंश
अनूचान जो शिष्यसांग शिक्षापढचुके
अनूनक संपूर्ण सब जोकमनहो
अनूप जिसदेशमेंपानीबहुतहो
अनूरु गरुडकेबडेभाई अरुण सूर्य्य के सारथी
अनृजु कुटिल टेढा
अनृत झूँठीबात झूठबोलना सेवा वृत्ति कुत्तेकीसीजीविका
अनेकप हांथी
अनेडमूक जोकुछकहनसकैमूर्ख, अंधा
अनेहस काल समय
अनोकह वृक्ष जिसकीगाडीनसकै
अंत प्रलय नाश मरनाअंत्य
अंतःपुर राजावों की स्त्रियोंका घर
अंतक यमराज [रानी का महल
अंतर अवकाश अवधि परिधान जैसे गाडी अंतरमें धरदो अंतर्धि पर्वतके अंतर सुर्य्य है भेद जो अंतरसेरसौ

पहाड से हैं तादर्थ्य तुम्हारे से ये
कर्जहैं छिद्र आत्मीय विना बाहर
अवसर मध्य अंतरात्मा सादृश्य
अंतरा मध्य
अंतराभवसत्व मरण जन्मके वीचका
अंतराय विघ्न उपद्रव [प्राणी गंधर्व
अंतराल मेघ आकाशकामध्य
अंतरिक्ष आकाश [टापू
अंतरीप द्वीप जोस्थलजलसेघिराहो
अंतरीय लहंगा नीचेकावस्त्र
अंतरे मध्य वीच
अंतरेण मध्य विना वर्जना
अंतर्गत भूलजाना वीचमेंपड़जाना
अंतर्गल भिटी कालीभिटी
अंतर्वा }
अंतर्धि } आच्छादन छायजाना
अंतर्द्वार छिपाहुवादरवाजा खिड़की
अंतर्मनस व्याकुलचित्त
अंतर्वत्नी गर्भिणीस्त्री
अंतर्वाणि शास्त्री शास्त्रपढ़नेवाला
अंतेवासिन् शिष्य चेला
अंतर्वेशिक अंतःपुरकेचलनेवालेखोजा
अंतावसायिन् नाऊ नाई
अंतिक समीप निकट
अंतिकतम वहुतसमीप
अंतिका वडीवहिनि चूल्ह
अंतेवासिन् शिष्य चेला चांडाल
अत्य अंत नाश मरना
अंत्र आंत
अंदिका चूल्ह भोजनवनानेका

अंदुक }
अंदू } हाथीकेपांवकागहना
अंध अंधा विनआंखका अंधकार तम
अंधकरिपु महादेव जिन्होंने अंधका
सुरकोमारा
अंधकार }
अंधतमस } अंधकार अंधेरा
अंधस अन्न भात
अंधु अंधाकुवां,
अन्न यवादि भात अन्न भोजन
अन्य }
अन्यतर } भिन्न अलग और
अन्यतरेद्युस् }
अन्येद्युस } और दिन
अन्वक् }
अन्वच्च } अनुपद पिछाड़ी
अन्वय }
अन्ववाय } वंश कुल गोत्र
अन्वाहार्य महीनामें अमावसकोश्राद्ध
अन्विष्ट }
अन्वीक्षण }
अन्वेषण } ढूंढना खोजलगाना
अन्वेषणा धर्मादिकाखोजकरना
अन्वेषित ढूंढा खोजलगाया
अप् }
आप } जल पानी
अपकारगी निंदा कलंकलगाना
अपक्रम पलायना संग्रामसेभागना
अपघन देहके अंग शिर आदि
अपचय नाश होजाना हरणहोना
अपचायित }
अपचित } पूजाकिया पूजित
अपचिति पूजा नाश वृद्धि

अपदांतर मिलाहुआ एकमेंमिला
अपटु रोगी अप्रवीण
अपत्य लड़का लड़की पुत्र पुत्री
अपत्रपा औरसेलाजकरना
अपत्रपिष्णु लोकलाजकरनेवाला
अपथ
अपथिन् } कुमार्ग कुराह
अपदान कर्मपूर्वचरित्र दानदेलैलेना
अपदांतर मिलाहुआ मिलना
अपदिश विदिशा दिशाँकेकोना[कारण
अपदेश स्वरूपछिपाना बहानाकरना
अपध्वस्त धिक्कारकिया चूर्णकिया
अपभ्रंश अशुद्धपद अशुद्ध
अपयान संग्रामसेभागना
अपर उत्तरभाग हाथीकेपीछेकाभाग
अपरस्पर नहीपरस्पर
अपराजिता विष्णुक्रांताफूल शनपर्णी
अपराद्धपृषत्क जोनिशानेसेचूककर
बाणफेंकैनिशानानमारसकै
अपराध वैर बिननाहककोदुखदेना
अपराह्न दिनकातीसरापहर
अपरेद्युस और दिन
अपर्णा श्रीपार्वती
अपलाप छिपानेकीबात
अपवर्ग मोक्ष ज्ञान
अपवर्जन दानदेना
अपवाद निंदा आज्ञादेना
अपवारण आच्छादनमेंआदिकीछाया.
अपशब्द अशुद्धपद अशुद्ध.
अपष्ठु उलटा विपरीत.
अपसद नीच शूद्रादि. [जानजाय.
अपसर्प दूत भेदलानेवाला छिपीबात
अपसव्य दहिनाअंग देहकादहिनाभाग.
अपस्कर रथकीसवलकड़ीआदि.
अपहार हरजाना हिरायजाना.
अपांपति पानीकेमालिक वरुणदेवता.
अपांग नेत्रोंकेकोर कटाक्ष अंगहीन
तिलक.
अपाची पश्चिमदिशा. [कीजगह.
अपान वायु गुदाकीवायु गुदा भाड़े
अपामार्ग लटजीरा. [नमानै.
अपावृत्त स्वेच्छाचारी किसीकाकहा
अपासन मारण मारडालना. [ल्पना.
अपि निंदा दोकामभें प्रश्न शंका क
अपिधान छायामेंयादिकी छाही.
अपिनद्ध संग्रामकेलियेकंचुकादिधारण.
अपूप पुवा चावलकेपिसानकेभोजन
बड़ाउर्दके.
अपोगंड जिसकेअंगअच्छेनहों नाकटे-
डीविचपिटी कनटुचा टेढमुहा ल-
कवाकीबीमारीवाँह इत्यादि
अप्पति वरुण जलकेस्वामी.
अप्पित्त अग्नि.
अप्रकांड गुच्छा झुड्डा वृक्षांग.
अप्रगुण आकुल व्याकुल
अप्रत्यक्ष इंद्रियोंसेभिन्नकाम.
अप्रधान जोश्रेष्ठनहो सामान्य.
अप्रहत विनाजोताखेत वनकट.
अप्रामाण्य श्रेष्ठनही सम.
अप्सरस् देवताजाति स्वर्गलोककीवे
श्याउर्वशी आदि. [वंध्यवृक्ष.
अफल जो वृक्षअपनेसमयमेंफलनदेय

अबद्ध जिसबातकाकुछअर्थनहीं.
अबद्धमुख जिसकामुखबंदनहोरातिदिनबकाकरै.
अबंध्य फलनेवालावृक्ष.
अबला स्त्री जोबलहीनहोतीहै.
अबाध जिसेकुछबाधानहोनिस्संदेह.
अबगान समझाना.
अब्ज चंद्रमा कमल शंख.
अब्जयोनि ब्रह्मा जोकमलसेहुये.
अब्जिनीपति सूर्य.
अब्द वर्ष मेघ पहाड़ मोथा.
अब्धि समुद्र नदी देश नद हाथीकामद.
अब्धिकफ समुद्रफेन. [मानवाक्य.
अब्रह्मण्य ब्राह्मणकोदंडमेकहैवधस-
अभय तृणजाति खर.
अभया हर्रे.
अभाषण नबोलना चुपरहना.
अभिक कामीमनुष्य.
अभिक्रम वीरोंकीसंग्रामयात्रा.
अभिख्या शोभा कांति नाम यश.
अभिग्रह लड़ाईकोबुलाना.
अभिग्रहण चोरीकरना डाकाडालना.
अभिघातिन् शत्रु वैरी.
अभिचर अनुचर नौकर.
अभिचार हिंसाकार्यमें हत्यायादिकरना जादूमूठचलाना. [न्यान.
अभिजन वंश कुल जन्मभूमि जन्मस्था
अभिजात कुलीन पण्डित सुकर्मी.
अभिज्ञ प्रवीण चतुर.
अभितस् समीप निकट दुहूंओर शीघ्रता सब सन्मुख

अभिधान नामकानामहै सीता राम.
अभिध्या परायाधनस्त्रीआदिकीइच्छा करना. [प्रकाशकरना.
अभिनय हाथ आंखआदिमनकीबात
अभिनव नूतन नवीन नयाखआदि.
अभिनवोद्भिद् नवीनअंगुश नयाकिल्ला.
अभिनिर्मुक्त जिसमनुष्यादिकोसोतेहुये सूर्यअस्तहो.
अभिनिर्याण गमनकरना यात्राकरना.
अभिनीत न्यायसेपदाकियाद्रव्यादि अपनेपरिश्रमयायोग्यतासेमिलाद्रव्यादि. [पत्तिमेंफंसना.
अभिपन्न अपराधी शत्रुकेवशहोना वि-
अभिप्राय आशय मनकीबात.
अभिभूत अहंकारनष्टहोना माननाश.
अभिमर } संग्राम लड़ाई.
अभिमर्द }
अभिमान गर्व अहंकारद्रव्यकुलपशुगुणादिका ज्ञान नम्रता हिंसा.
अभियाति } शत्रु वैरी.
अभियातिन् }
अभियोग लड़ाईकोबुलाना आज्ञादेना
अभिरूप स्वरूप सुंदरता.
अभिलाव धान्यादिकाटना लौनी.
अभिलाष वांछा मनोरथ.
अभिलाषुक अभिलाषकरनेवाला.[ना.
अभिवादक नमस्कारप्रणामादिकरनेवा-
अभिवादन प्रणामादिकरना.
अभिव्याप्ति सर्वत्रव्याप्तहोना.
अभिशस्त जिसपरमिथ्यादोषलगाहो.
अभिशस्ति वांछा मांगना.

अभिशाप मिथ्यापाप झूठपापलगाना. इसनेमदिरापियाचोरीकियाइत्यादि.
अभिसंग गालीदेना कोशना.
अभिषंग निरादर तिरस्कार हारजाना.
अभिषव सोमाभिषवयज्ञाङ्ग मदिराव-नाना.
अभिषस्ति यांचना मांगना.
अभिषुत कांजी सिरका. [जाना.
अभिषेणन शत्रुकेसमीपसेनालेकर-
अभिष्टुत स्तुतिकरना प्रणामादि.
अभिसंपात संग्राम लड़ाई.
अभिसारिका जोस्त्रीपतिकेपासजायवु-लावैपतिको. [वस्त्रादि पहिरना.
अभिहार चोरीकरना डांकाडालना क-
अभिहित कहाहुआ कहीबात.
अभीक कामीमनुष्य.
अभीक्ष्ण वारवार सर्वदा निरंतर.
अभीप्सित प्रिय प्यारा अतिशयवांछित.
अभीर गोपाल अहीर.
अभीरु
अभीरुपत्री } शतावरि छतावरि.
अभीषंग गालीदेना कोशना.
अभीषु घोड़ेकीवागडोर किरण.
अभीष्ट प्रिय प्यारा वांछित.
अभ्यग्र समीप निकट.
अभ्यंजन तेलवउवटन.
अभ्यंतर आकाशमेंयकामध्य मध्य.
अभ्यमित रोगी ज्वरादिसेव्याकुल.
अभ्यमित्रीण
अभ्यमित्रीय
अभ्यमित्र्य } जोवैरकरतेशत्रुकेसा-मनेसामर्थसेलड़नेको जाय.
अभ्यर्ण समीप पासः
अभ्यर्हित शुभ साधुकापूजन.
अभ्यवकर्षण घावसेवाणादिनिकारना
अभ्यवस्कंदन छलसेलड़ना.
अभ्यवहृत भोजनकिया.
अभ्याख्यान मिथ्याकहना.
अभ्यागम संग्राम [लगारहै.
अभ्यागारिक जोअपनेकुटुंबपालनमें-
अभ्यादान आरंभ प्रारंभ.
अभ्यांत रोगी वीमार.
अभ्यामर्द संग्राम लड़ाई.
अभ्याश
अभ्यास } समीप पास अभ्यास करना.
अभ्यासादन,छलसेमारनाधापामारना.
अभ्युत्थान उठिकेसत्कारकरना आ-सनसेउठकरआदरकरना.
अभ्युदित जिसकोसोतेहुए सूर्य उद-यहोअर्थात्प्रातःसंध्यादिकर्मनकरे-उसमहापापीकानाम.
अभ्युपगम
अभ्युपपत्ति } अंगीकार ग्रहण.
अभ्यूष कमपका मेवादि कच्चापकान्न.
अभ्र मेघ वादर आकाश.
अभ्रक अवरख अभ्रक.
अभ्रपुष्प वेंत.
अभ्रमतंग इंद्रकाहाथीऐरावत.
अभ्रमु दिग्गजकीपत्नी.
अभ्रमुवल्लभ ऐरावतइंद्रकाहाथी.
अभ्रि,काठकाकुदारा नावसाफकरनेका.
अभ्रिय वादरआना मेघआना.
अभ्री काठकाकुदार.

अभ्रेप न्याय नीति सुमार्गचलना
अमत्र पात्र लोटावटुईथालीआदि
अमर देवता जोकभीनहीमरत
अमरावती देवपुरी स्वर्गलोक जिस
कारजाइन्द्रहै
अमर्त्य देवता
अमर्ष क्रोध कोप
अमर्षण क्रोधी कोपकरनेवाला
अमला भमिकाअगरा
अमा साथ समीप अमावास्या
अमांस दुर्बल पतरा निर्बल
अमात्य मन्त्री सलाहदेनेवाला
अमानस्य लडकालडकीहोनेराकष्ट
गर्भनिकलनेकादुख
अमामासी
अमावसी
अमावस्या } अमावसतिथि
अमावसी
अमावास्या
अमित्र शत्रु वैरी
अमुत्र दूसरेजन्ममे
अमृणाल तृणजाति
अमृत अमृत मोक्ष पानी होमसे बाकी
अन्नकाभोजन विनामागेजोमिल
जाय घृत घी जल
अमृता हर्र गुर्च अवरा [न्हे
अमृतान्धस देवता जिनकाअमृतहीअ
अमोघा पाडरि विडंग
अम्बर आकाश वस्त्र
अम्बरीप चनाआदिभूजनेकाखपरा भु
जवाकीखपरी [मकरजाति
अम्बष्ठ वैश्यकीस्त्रीमेंब्राह्मणसे॰ो वर्ण
अम्बष्ठा जूही पाठा अम्लोनिया
अम्बा माता महतारी
अम्बिका श्री पार्वती त्रिभुवनजननी
अम्बु जल पानी
अम्बुकण छिनकी त्रिट्टी शीकर
अम्बुज कमल स्थल बेंत
अम्बुभृत मेघ बादर
अम्बुवेतस पानीकाबेंत [वह
अम्बुशरण सोता जहांआपनेआपपानी
अम्बकृत बोलतेमेंलारबहना बातकरने
मेंथूकआना
अम्भस् जल पानी
अम्भोरुह कमल जोपानीमेंहाताहै
अम्मय पानीकाविकार फेनाआदि
अम्रातक अमाडावृक्ष
अम्ल रस आंवइत्यादि
अम्ललोणिका
अम्ललोनिका } अम्लोनिया
अम्लवेतस अमिलवेंत
अम्लान अविलोना
अम्लिका अमिलीकावृक्ष
अय शुभविधि मगल
अयन तीनऋतुकाएकअयन उत्तरायन
दक्षिणायन रास्ता मार्ग
अयस् लोह
अय-प्रतिमा लोहकीमूर्ति
अयाचित विनामागेमिलजाय
अयि समझानेमें कोमलवाक्य [इताद
अयोग्र मूसर जिसमेंआगेलोहालगार
अयोधन हथियार हलकाआगेकाभाग

अर तुरत अतिशीघ्र
अरग्वध किरवारवृक्ष.
अरघट्ट रहटदारकुवां पंपद रकुवां.
अरणि जिनकाठोंसेमथकरआगिनि कालीजाय.
अरटु श्योनापाढा.
अरण्य वन जंगल.
अरण्यानी भयकरजंगलजहांसिंहव्याघ्रादिरहैं.
अरत्नि छिगुनियाफैलाकरमूठीबांधना.
अरर केवांडा केवारा.
अरलु श्योनापाढा.
अरविंद कमलकाफूल.
अराति शत्रु वैरी.
अराल कुटिल टेढा. [करियानावका
अरित्र जोनावकाकाठपानीमेंरहताहै
अरिमेद दुर्गंधखैर.
अरिष्ट सूतिकाघर जिसमेंस्त्रीकेलडका लडकीआदिहो रीठी नीववृक्ष लहशुन खरानमठा कौवा शुभके अशुभमें मदरादि.
अरिष्टदुष्टधी मरनेकेकारणसेजिसकी बुद्धिदुष्टहोजाय.
अरुण सूर्य सूर्यकासारथी कालाला ल सायंकालआकाशकारंग
अरुणा अतीस.
अरुंतुद संधिभेदनेवाला मर्मभेदी.
अरुष्कर भेलांवा.
अरुस घाव
अरोक तेजहीन तेजनाश
अर्क सूर्य स्फटिकमणि मदार तांबा
अर्कपर्ण मदार.
अर्कबंधु जैनिभेद शाक्यमुनि
अर्काह्व मदार
अर्गल केवारोंकेपीछेकालंगर.
अर्गला लगर जंजीरबांधनेकी
अर्घ मोल पूजाकाअर्घ.
अर्घ्य अर्घदेनेयोग्य
अर्चा पूजा प्रतिमा.
अर्चित पूजाकिया पूजित.
अर्चिस,आगिकीलपटज्वालाप्रकाशतेज
अर्जक सपेदपर्णास कालनर्वरी.
अर्जुन सपेद अर्जुनवृक्ष तृण कृष्णके मित्रयुधिष्ठिरकेभाई
अर्जुनी सपेदगौ.
अर्णव समुद्र नद.
अर्णस् पानी.
अर्तन निंदा पीडा.
अर्ति पीडा धनुषकीकोटि
अर्थ द्रव्य कारण प्रयोजन.
अर्थना मांगना भिक्षा.
अर्थप्रयोग द्रव्यदेकरव्याजलेना सूद.
अर्थशास्त्र बृहस्पत्यादिप्रणीत
अर्थिन,सेवक नौकर याचक मांगनेवाले.
अर्थ्य,शिलाजीतजोप्रयोजनसेअलगनहो
अर्दना भिक्षा यांचा.
अर्दनि अग्नि आगि.
अर्दित पीडाकोप्राप्त
अर्द्ध आधा खंड टुकडा.
अर्धचंद्रा कालानिशोथ
अर्धनाव आधीनाव डोंगी.

अर्धरात्र आधीरात.
अर्धर्च आधीऋचा
अर्धहार वारालरकाहार
अर्धोरुक लहगा विवाहमेंस्त्रीकेकपड़ा.
अर्बुद दशकिरोड़रूपया मासकीकील कठोर
अर्भक बालक लड़का
अर्म आंखका रोग
अर्य वैश्य बनियां प्रभु मालिक
अर्यमन् सूर्य पितरोंकागण
अर्या } बनियाकीलड़की जे
अर्याणी } ब्यकुलमेंपैदाहुई
अर्यी बनियाकीस्त्री
अर्वन् घोड़ा अधम नीच
अर्वाक् नदीकापारतीरइसपार
अर्शस् बवाशीर
अर्शस बवाशीररोगवाला
अर्शोघ्न सूरन जिमीकन्द
अर्शोरोगयुत बवाशीरी
अर्हण पूजा पूजन
अर्हित पूजित पूजाकिया
अल हरिताल हरताल
अलक मुकुट ढेराल
अलका कुबेरकीपुरी
अलक्त लाख महावरकीगोली
अलक्ष्मी नरककीशोभा दरिद्र
अलगर्द } जलसर्प पनिहामाप
अलगर्द्द }
अलङ्कारिष्णु } गहनाकपड़ादिगहनेवा
अलङ्कर्त } ला अलङ्कारी आभूष
} णकरनेवालागहनेवाला

अलङ्कर्मीण सबकामकासमर्थ
अलङ्कार आभूषण गहना
अलङ्कृत आभूषणकियागहनापहिराया
अलङ्क्रिया आभूषणपहिरानेकायत्न.
अलञ्जर कराही माठ डेरा
अलम् आभूषणसमाप्ति सामर्थ्यता वा रणकरना
अलर्क,सपेदमदार बैलानकुत्ता [दिनेश]
अलवाल थहला वृक्षकेआसपासजल
अलस आलस्य अरसई
अलात जलताकाठ लुकुवाई
अलाबू } तुम्बी तोंबी
अलाबु }
अलि बिच्छू चोंध भवरा सम्पापांनि
अलिक माथ मस्तक मथ्था
अलिञ्जर कराही माठ ढेरा
अलिन्द दरवाजेकेबाहर सिढ़िया
अलीक माथ झूठ दूसरेकीगराबात
अलिन् भवरा
अलु झारी चालनीचावलजोनेरीदेह क्रियाफलमहादेवकेलिये
अल्प छोटा थोड़ा
अल्पतनु छोटीदेहकामनुष्य बउना
अल्पप्राण थोड़ासाप्राण
अल्पमर्ष छोटानाल नलिया
अल्पिष्ठ } बहुतछोटा बहुतथोड़ा
अल्पीयस् }
अवकर बटनीघरघरातरि घूरा.
अवकीर्णिन नियमवतनष्टहोजाय
अवकृष्ट निकालादियाक्स्थानादिगे
अवकेशिन बेफलवृक्ष निरमैलनफल

अवक्रय मोल दाम.
अवगणित अपमानकिया. [जानजाते.
अवगत जाननाजानलिया जानगये
अवगीत निंदित निंदाकिया मनुष्यों की बातें. [कजाना.
अवग्रह हांथीकामाथा वर्षानहोना रु-
अवग्राह हांथीकामाथा.
अवचूर्णित चूरणकिया पीसाहुवा.
अवज्ञा अपमान अनादर.
अवज्ञात अपमानकरना.
अवट } गड्हा गड्ढा गहिरा.
अवटि }
अवटीट चिपटीनाककामनुष्य.
अवटु घांटी गलेकीउंचाई घेंट.
अवतंस कानकागहेना कर्नफूलादि -शिरकागहेना मुकुटयादि.
अवतमस थोडाअंधकार कुछअंधेरा.
अवतोका जिसगौकाअकस्मात्गर्भगिर परै गर्भगिरनेवाली. [काभक्षण.
अवदंश मदिरापीनेकोभूंजेचनाआदि
अवदात सपेद गोरा पीला शुद्ध
अवदान कमपूर्व चरित्र शुभकर्म
अवदाह तृणजाति
अवदारण खाता कुदारा फरुहा
अवदीर्ण पतलाहोना पतलाहोगया
अवद्य अधम नीच पापी
अवधारण एक जैमेदूधकाअवधा-रणा रणएकयावाजीकरतेहैं.[समय.
अवधि सीमामर्यादा बिल गड्हा काल
अवध्य मारनेकोअयोग्य विनामतल-बकीवात.
अवध्वस्त चूरण चूरणकिया.
अवन तृप्तहोनाभोजनादिसे.
अवनत नीचेकामुख.
अवनाट चिपटीनाकवाला.
अवनाय नीचेलेजाना.
अवनि } पृथ्वी धरती.
अवनी }
अवंतिसोम कांजी सिरका.
अवंध्य जोवृक्षफलदेइ
अवभृथ यज्ञसमाप्तिकेस्नान
अवभ्रट चिपटीनाकवाला
अवम नीच अधम
अवमत अपमानकिया
अवमर्द उत्तमदेशकोदूसरेराजासेपीडा
अवमानना अपमान अनादर
अवमानित अपमानहोजाना
अवयव अंग देह
अवर हाथीकीपिछलीजांघ पिछलाधड हाथीका उसपार पिछाडी
अवरज छोटाभाई
अवरति विश्रांति शांत
अवरवर्ण शूद्र शूद्र
अवरीण धिक्कारकिया निंदित
अवरोध } राजावोंकीस्त्रियोंकाघररानि
अवरोधन } नकेमहल
अवरोह वृक्षकीजडसेजोलताऊपर-जायगर्चेआदि वरोह
अवर्ण निंदा गाली आदि
अवलक्ष सपेद गोरा
अवलग्न देहकामध्य कमर मांझ
अवलेप गर्व अहंकार

अवलंबित आसरा किया आश्रित
अवल्गुज बचुंकी
अववाद आज्ञादेना
अववाद निंदा गालीआदि
अवश्यम निश्चय जरूर
अवश्याय पाला जाड़ा
अवष्टब्ध समीप आश्रित
अवष्टंभ गर्व अहंकार
अवसर प्रसंग समय
अवसान अंत नाश मरण
अवसित घर समाप्त माप्तहोना
अवस्कर गू विष्टा झाड़ा गुदा
अवस्था बालादि बाल कुमार युवा वृद्धा मृता
अवहार पानीकीगोह मगरा
अवहित्था आकारछिपाना शोकादि मुखराछिपाना
अवहेलन अनादर अपमान
अवाक् नीच गूंगा
अवाक्पुष्पी सौंफ
अवाग्भव } दक्षिण का हुआ
अवाचीन }
अवाग्र नीचेकामुख
अवाची दक्षिणदिशा
अवाच्य विनाकहनेकेयोग्यबात
अवार नदीकातीर
अवासस् नंगा दिगंबर
अवि रजस्वलास्त्री पर्वत मेढा सूर्यस्वा मी मूसा कंबल
अविग्न करवंद करौंदा
अश्र आंसकापानी आसू
अश्रप राक्षस निश्चर
अश्रांत नित्य
अश्रि } कोटि खड्गकाअग्रभाग ध्वजा
अश्री }
अश्रु आसू नेत्रकाजल
अश्लील शिथिलवाणी वुरीबात
अश्व घोड़ा
अश्वकर्ण शालोकावृक्ष
अश्वत्थ पीपर
अश्वयुग् अश्विनीनक्षत्र
अश्ववड़व घाड़ाघाड़ी
अश्वा घोड़ी
अश्वाभरण घोड़ोंके गहना
अश्वारोह घुड़सवार असवार
अश्विन् घोड़ी
अश्विनी नक्षत्र [केतय
अश्विनीसुत अश्विनीसुत रसवैद्य
अश्वीय घोड़ोंकासमूह
अषड़क्षीण जिसवातकोतीसरा नजाने
अष्टमूर्ति महादेव [द्यूतसारी
अष्टापद सारी सुवर्ण सोना कोठा
अष्ठीवत् ढोंपर मोरवा पैरकाएकभाग
असकृत् वारम्वार
असती व्यभिचारिणी छिनार
असतीसुत छिनारकालड़का
असन वृक्ष
असनपर्णी अपराजिता औषधि
असमीक्ष्यकारिन् विनाशुरुदापरि जो कार्ड करे
असार निर्बल जिसमेंयत्ननहो
असि तलवार खड्ग

(आ)

आ स्मरण सुधिकरना ब्रह्मा वाणी.
आः कोप पीडा पाप निंदा.
आं अंगीकार.
आकंपित कुछकांपना. [निकलती है.
आकर खानि जहांसेसोनाचांदीआदि
आकर्ष पांशा जुवां. [सिंगार.
आकल्प वेषरचनाना देहमेवस्त्रादिसे
आकार, अभिप्राय मनकीबात. [शहोना.
आकारगुप्ति शोकादिसेमुखकीशोभाना-
आकारणा, बहुतशब्दसेबुलानागोहराना
आकाश जहांतारागणदिखाईदेते हैं
आकीर्ण जहांबहुतमनुष्यादिएकट्ठाहों
आकुल व्याकुल बेहोश
आकूति अभिप्राय स्वभाव
आक्रंद बडाभयंकरसंग्राम रक्षाकेलिये दुःखसेशब्दकरै. [चाबाग.
आक्रीड राजाओंकेस्थानकेनिकटबागी
आक्रोश बुलाना रोना गालीदेना.
आक्रोशन गालीदेना कोशना
आक्षपाद नैयायिक [स्त्रीपापकोबुलावै
आक्षारण व्यभिचारीमनुष्यजोपराई
आक्षारित, जिसकीलोकमेंनिंदाहोयजिस कोपराईस्त्रीकेसंग सोझूठाकलंकलगै
आक्षीब मोच शेग्रल
आक्षेप, निंदा चबार आज्ञादेना चुगली.
आक्षोट } आक्षोड } पर्वतपीलु डोंगरिआकोड
आखंडल इंद्र जोत्रिभुवनकास्वामीअ मरावतीमेंराज्यकरताहै

आखु मूसा
आखुभुज् बिलार
आखेट शिकार जीवमारना
आखोड पर्वतपीलु.
आख्या कथा बात.
आख्यात नाम. [हानी
आख्यायिका पिछलीबातैंकहनाकि-
आगंतु अतिथिजोअपनेघरमेंकोईआवै.
आगम वृत्त शास्त्र.
आगस् अपराध पाप.
आगार घर गेह.
आगू अंगीकार. [रानेवाले.
आग्नीध्र ऋत्विज यजकहोमकेहोमक-
आग्रहायणिक मार्गशीर्ष अगहन
आग्रहायणी मृगशिरानक्षत्रपांचवां
आङ० किंचित् सीमा द्वितीयक्रियामें
आंगिक जोदेहसेकामहो
आंगिरस बृहस्पति इंद्रकेगुरु
आचमन जलसेजोसंध्यादिकर्ममेंहोताहै.
आचाम माड जोचाउरपकानेमेंनिका- लते हैं.
आचार्य पुरोहित गुरु.
आचार्या } आचार्यानी } गुराइनि पुरोहितनी.
आचित दशभार भारहीदमारदशाग- रकाहोताहै गाडीभर.
आच्छादन घिरजाना छाया [करना.
आच्छुरितक दूसरेके कोपकेलियेहंसी
आच्छोटन शिकार हन्या.
आजक बोकरीबोकरीकाझुंड.

आजानेय उत्तमजातिकाघोड़ा.
आजि संग्राम बराबरपृथ्वी.
आजिव जीविका नौकरी.
आजू जोरावरीनरकमेंडालना.
आज्ञा आज्ञादेना.
आज्य घी.
आटि } आटी } आडि एकपक्षी.
आडंबर तुरहीआवाज हाथीकीगर्ज नाक्रिवार संग्रामकाशब्द.
आडि } आडी } पक्षी.
आढ़क अढ़ैयातौलका.
आढ़किक अढ़ैयाभरबोनेकाखेत.
आढ़की तुवरिका तुर औषधि.
आढ्य धनी धनवान्.
आणक अधम पापी नीच.
आणवीन धान्यादिबोनेकाखेत.
आतंक रोग संताप भय शंका.
आतंचन दूधमेंमाटाडारना जावन.
आततायिन् चील्ह मारडालनेलायक.
आतप घाम सूर्यकाप्रकाश.
आतपत्र छाता छतुरी.
आतर नावादिकीउतराई.
आतापिन् चील्ह.
आतिथेय } आतिथ्य } निमंत्रणकरना नेउता.
आतुर रोगी बीमार.
आतोद्य एकबाजा.
आत्तगंध } आत्तगर्व } जिसकाअभिमानटूटजाय.
आत्मगुप्ता केवांच कुहिरी.
आत्मघोष काग कौवा.
आत्मज पुत्र लड़का.
आत्मन् देहकेभीतरकाजीवात्मा प्रयत्न वीर्य बुद्धि स्वभाव ब्रह्म देह.
आत्मभू ब्रह्मा कामदेव.
आत्मंभरि पेटभरू अपनापेटभरलेइ.
आत्रेयी रजस्वलास्त्री.
आथर्वण वेद.
आदर्श ऐना सीसा.
आदि पहिले पूर्व. [णवनाई.
आदिकवि वाल्मीक जिन्होंनेरामाय
आदिकारण पहिलेकीबात.
आदितेय देवता जोअदितिकेपुत्रहुये.
आदित्य देवता देवताओंकाभेद सूर्य
आदीनव क्लेश कष्ट दुःख
आदृत पूजा आदर.
आद्य प्रथम पहिला.
आद्यमाषक पांचरत्तीकामासा.
आद्यून जिसबहुतक्षुधाव्याकुलकरै.
आद्योत प्रकाश दर्शन देखपड़ना.
आधार खात खाड़.
आधि मनकीव्यथा आपत्ति.
आधूत कांपना थोड़ा.
आधोरण,महाउत हाथीकाहांकनेवाला.
आध्यान चिन्ता स्मरण शुधिकरना.
आनक पटह भेरी नगाड़ा.
आनकदुंदुभि वसुदेव कृष्णकेपिता.
आनत नीचेकामुख.
आनद्ध मुरचंग शंख घंटा वंशी मृदंग

आनन मुख.
आनंद, आनंदथु } कल्याण शुभ मंगल.
आनंदन अपनेस्थानपरआवनेवालेकी सेवाकरना.
आनर्त नाचनेकास्थान द्वारिकापुरी.
आनाय जाल मछरीफासनेका.
आनाय्य गार्हपत्यसेलेकरदक्षिणाग्नि मेंप्राप्तहो.
आनाह मलमूत्रबंदहोनेवालारोग
आनाह लंबाई
आनुपूर्व, आनुपूर्वी, आनुपूर्व्य } परिपाटी सीधाक्रम
आंत्र आंत पेटकेभीतर.
आंधसिक रसोईदार अन्नपकानेवाला.
आन्वीक्षिकी विद्याराजाओंकी.
आपक्व पोली,पकान्न,यवभूंजेघीकेपके.
आपगा नदी
आपण बाजार.
आपणिक [बनिया खरीदनेबेचने [वाला
आपत्प्राप्त जोआफतमेंहो
आपद् आपत्ति आफत
आपन्न आपत्तिमेंप्राप्त
आपन्नसत्वा गर्भिणी
आपमित्यक सबतरफसेप्राप्त
आपान मदिरापीनेकीसभा
आपीड जोशिखामेमालापहिरै
आपीन गौकेथन पेन. [त्यादि-
आपूपिक भक्षणकरनेवाला पुवाइ-
आप्त विश्वासिक जोलोकमेंप्रसिद्धहो
आप्य जलकाविकारकूट
आप्यायन चिन्ह व्यंजन. [नेवालेकी.
आप्रच्छन्न खातिरकरनाअपनेघरआ
आप्रपद, आप्रपदीन } जोवस्त्रपैरतककाहो.
आप्लव स्नान नहाना. [करस्नानकरै.
आप्लवव्रतिन् जोब्रह्मचारीव्रतसमाप्त
आप्लाव स्नान नहाना
आबंध जुवांमेंबांधनेकीरस्सी
आवुत्त भगिनीपति बहनोई
आभरण गहनाजेवर
आभाषण परस्परबातकरना
आभीर गोप अहीर
आभीरपल्ली, आभीरपल्लि } गोपोंकेग्राम अहीरकाघर.
आभीरी गोपी अहीरिन ग्वालिनी.
आभील कष्ट दुःख
आभोग सयतनासेपरिपूर्ण
आमगंधिन् बिनापकेमांसकीदुर्गंध
आमनस्य पीड़ा भगृतकष्ट
आमंत्रण अतिथिकीसम्मकारसेवा
आमय रोग
आमयाविन् रोगी
आमलक, आमलकी } अंवरा.
आमिक्षा पकेगरमदूधमेंदहीडालना
आमिष मांस उत्तमभोगनेपदार्थ
आमिषाशिन् मछरीमांसभोजनकरने वाला
आमुक्त कवचधारी

आमोद,आनंद अतिसुगंधकस्तूरीआदि
आमोदिन् जोअपनेपुस्तकोंतांबूलादिसे सुगंधयुतकरै
आम्नाय,वेद संप्रदाय बापदादेकीरीत
आम्र आंब
आम्रातक अंबाडा
आम्रेडित जोबातद्वितीनवारकहै
आम्लिका } अंबिली.
आम्लीक }
आयत लंबा.
आयतन यज्ञशाला
आयति आगेकाकाल प्रभाव लंबाई
आयत्त आधीन दास
आयाम लंबाई दीर्घता
आयुध हथियार
आयुधिक } अस्त्रादिकोंसेजीविकाकरने
आयुधीय } वाला सिपाही
आयुष्मत् आयुर्दायुत बहुतदिनजिये
आयुस जीनेकासमय उमर.
आयोधन संग्राम लडाई.
आरकूट पीतर.
आरग्वध किरवार.
आरनालक कांजी सिरका.
आरति विश्रांति शांति शांत.
आरंभ आरंभमात्र प्रारंभ.
आरव शब्द आवाज.
आरा आराआरीचमडाकाटकाटनेका.
आरात् दूर समीप.
आराधन,साधन सिद्धि लाभ. [बागहो.
आराम घरकेसमीपशोभाकेलियेजो
आरालिक रोटिकरा.
आराव शब्द आवाज.
आरेवत किरवार.
आरोग्य रोगनाश. [चढ़ना.
आरोह लंबाई स्त्रीकीकमर हाथीका
आरोहण सोपान महेलकीसिढ्ढी.
आर्तगल झिंटी.
आर्तव स्त्रीकामासधर्म.
आर्ति पीडा.
आर्द्र वोदा भीजा
आर्द्रक अदरख.
आर्य सज्जन श्रेष्ठ अपनेधर्ममेंस्थिर.
आर्या श्रीदुर्गाजी
आर्यावर्त्त देश जोविन्ध्याचलहिमाच लके मध्यमे.
आर्षभ्य अंडूबैल.
आल हरिताल.
आलंभ मारडालना वध.
आलय घर. [पानीदेनेका.
आलवाल थान्हा वृक्षकेचारोंतरफ
आलस } सुस्ती.
आलस्य }
आलान बांधनेकाखंभाहाथीआदिका.
आलाप बातकरना.
आलाबु } तुंबी तोंबी.
आलाबू }
आलि सखी साथिनि पांति सेतु पुल वीथी. [सारंगीइत्यादि.
आलिङ्ग्य देहमेलगाकरबजायाजाय
आलिंद दरवाजेकेबाहरचौक.
आली सखी पांति.
आलीढ दहिनीजांघपसारबांइकोरोंक

खड़ाहोना धनुर्धारीका.
आलु } झारी झझीधोईआदिधोनेकी.
आलू }
आलोक देखना बंदीजनोंकाभाषण.
आलोकन देखना दर्शनकरना.
आवपन पात्र भांड़ा बरतन.
आवलि पांति.
आवसित तृणकीराशि खरही.
आवाप थहला.
आवापक हांथकागहेना पहुंची.
आवाल थहला.
आविग्न करवंद करौंदा.
आविद्ध कुटिल टेढ़ा प्रेरणा भेजना.
आविध जिसशस्त्रसेछेदहो वर्मा.
आविल कीच कँदुवा चहला.
आविष्ट आसक्त लगजाना.
आविस प्रकाश स्पष्ट
आवुक पिता जन्मदेनेवाला
आवुत्त बहिनीकापति बहनोई.
आवृत् परिपाटी पुरानीचाल
आवृत घिरना लपेटना
आवेगी वरधारा विधारा
आवेशन कारीगरोंकास्थान
आवेशिक अतिथि जोअपनेयहांआवे
आशंसित } वांछाकरनेवाला. [मनोरथ.
आशंसु }
आशय आश्रय आशरा अभिप्राय
आशर राक्षस.
आशा दिशा बहुतदिनकीइच्छा
आशितंगवीन जहांगौचरचुके
आशिर राक्षस.
आशिस सांपकादाढ़
आशीविष }
आशीविष } सर्प
आशीस शुभकहना कल्याणकीइच्छा.
आशु शीघ्र धानी यव.
आशुग वायु बाण. [लालहो.
आशुव्रीहि धानी जिसकाचाउरसफेद
आशुशुक्षणि अग्नि.
आश्चर्य विस्मय तअज्जुब
आश्रम ब्रह्मचारी१ गृहस्थ२ वानप्र-
स्थ ३ संन्यास ४. [आशय.
आश्रय छोटेसेबड़ेकीशरण आशरा
आश्रयाश अग्नि
आश्रव क्लेश दुःख
आश्रुत अंगीकार प्रतिज्ञा
आश्व घोड़ोंकाझुंड
आश्वत्थ पीपरकाफल पिपरियां.
आश्वयुज }
आश्विन } कुवारकामहीना
आश्विनेय अश्विनीकुमार देवतावोंके
वैद्य. [परजाय.
आश्वीन जिसस्थानकोएकदिनमेंधोड़े
आषाढ़ दंडब्रह्मचारीका महीना.
आसक्त तत्पर लगजाना
आसन बैठका पीढ़ा बलीसेमित्रता
कमजोरसेवैर हाथीकाकंधा
आसनपर्णी शनपर्णी गोकर्णी
आसना बैठना आसनी
आसंदी आसन बेतकीचटाईआदि
आसन्न समीप निकट

आसव मादीमदिरा
आसादित,प्राप्त। [धा० सेनाकाघेरना
आसार मेघोंकीझरबड़ेजोरसेमुसरा
आसुरी राईकाली
आसेचनक जिसकेदेखनेमेमन न भरै
आस्कंदन सग्राम [नदेखेनसुनै
आस्कंदित जिसचालकीदौरमेंघोड़ा
आस्तरण हाथीकेपीठकागद्दा बिछौना
आस्था सभा प्रयत्न
आस्थान } सभा बैठक
आस्थानी }
आस्पद प्रतिष्ठाकास्थान
आस्फोट मदारवृक्ष [सूमी छेनी
आस्फोटनी जिससेछेदहामोतीआदिमें
आस्फोटा वनचमेली रानमोगरी
आस्फोत मदार
आस्फोता विष्णुक्रांताफूलबेलि वनच
मेली रानमोगरी
आस्य मुख
आस्या आसन बिछौना
आस्रव क्लेश दुःख
आहत अर्थझूठऐसीबाणी गुणाकरना
जैसेचारदूनेआठ [ढूहो
आहतलक्षण जिसकीगूरतआदिप्रसि
आहव संग्राम
आहवनीय अग्नि यज्ञकर्मकी
आहार भोजन [सेवनागड्ढा
आहाव पौसरा कुवाकेसमीपपत्थरादि
आहितलक्षण प्रसिद्ध जैसेविद्वान् ध-
नवान् बलवान्
आहेय सापकाफन विषकास्थान

आहो विकल्प मनुष्यवादेवता गदहा
व घोड़ा
आहोपुरुषिका अहंकारसेअपनाकोमा
नना हमधनीपण्डितचतुरज्ञानी
इत्यादि
आहिक,वादिक वहुतसंस्कृतबोलनेवाला
आह्वय नाम जैसे आपकाक्यानामहै
आह्वा नाम
आह्वान } बुलाना गोहराना
आहूत }

(इ)

इ काम महादेव चन्द्रमाकीकिरण
इक्षु ऊख गन्ना पोंडा [कंद काश
इक्षुगंधा गुखरू तालमखाना बिलारी
इक्षुर तालमखाना
इक्ष्वाकु कड़ईतोंबी एकराजाकानाम
इंग जंगम चर चलनेवालेमनुष्यादि म
नकेयोग्यकर्म दूसरेकेआशयकोजा
नकामकरना
इंगित आकार दूसरेकेमनकीबात
इंगुदी इंगुआवृक्ष
इच्छा मनकीवाञ्छा,मनोरथ
इच्छावती जिसस्त्रीकीइच्छाभोगकीहो
इज्जल स्थलबेंत समुद्रफल
इज्याशील वारवारयज्ञकरनेवाला
इत्वर स्वेच्छाचारीबैल अहृजिससे
कामनालियाजाय
इतर नीचजाति भिन्न अलग
इतरेद्युः दूसरेदिन
इति कारण प्रकरण प्रकाश समाप्ति

इतिह लोकपरंपराकेउपदेशमें अव्यय
इतिहास, पुराण पुरानीवार्त्ता महाभारथ
इत्वर शीघ्रता [णकरै
इत्वरी स्वैरिणी जोदूसरेपुरुषोंसेरम
इदानीम् इससमय
इध्म ईंधन शूखातृणकाठ
इन सूर्य
इंदिरा लक्ष्मी विष्णुपत्नी
इंदीवर कमल
इंदीवरी शतावरि
इंदु चंद्रमा [दिशाकामालिक दिग्पाल
इंद्र अमरावतीकामहाराजाधिराजपूर्व
इंद्रद्रु अर्जुनवृक्ष [होरहोतीहैं
इंद्रयव इंद्रजव जिसकीनालीलच्छा
इंद्रलुप्तक गजा खल्वाट
इंद्रवारुणी इंद्रोरनिलता
इंद्रसुरस } निर्गुंडी
इंद्रसुरिस
इंद्राणिका
इंद्राणी इंद्रकीरानी
इंद्रायुध इंद्रधनुष जोसूर्यकीकिरणोंसे
मेघमेंदिखाईदेताहै [वैरी
इंद्रारि दैत्यहिरण्यकशिपुआदिइन्द्रके
इंद्रावरज विष्णु वामनजीजोदेवमाताके
प्रगटहुये
इंद्रिय आंख, नाक, कान, जिह्वा, त्वचा,
ज्ञानेंद्रिय पाणि, पाद, गुदा, लिंग,
त्वचा, कर्मेन्द्रिय वीर्य जिससेसव
की उत्पत्ति
इंद्रियार्थ देखना, सुनना, सुगंधलेना,
स्वादजानना, गर्मशीतकाज्ञान, च
लना, कामकरना, मलमूत्रनिकारना
भोग, सुखस्पर्शादि
इंधन शूखातृणकाठ
इन्वक मृगशिरानक्षत्रकेपंचतारा
इभ हाथी
इभ्य धनी
इरण ऊसर जहांघासतकनहो
इरंमद मेघज्योति वज्रकीअग्नि
इरा मदिरा पृथ्वी वाणी जल
इर्वारु कर्कटी काकडी
इला बुधकीस्त्रीजिससेराजापुरूरवाचंद्र
वंशकाकारणहुवा पृथ्वी धरती
इली छोटीतरवार खांडा गुप्ती
इल्वला मृगशिराकेपंचतारा
इव समता जैसेचंद्रमुखीस्त्री
इष कुवांर
इषिका } हाथीकीआंखकीगोलाई
इषीका } सलाईछिद्रकरनेकी
इषु बाण तीर
इषुधि धनुष कमान
इष्ट यज्ञ दान जोइच्छा
इष्टकापथ खस तृणकीजर गांडरमूल
इष्टगंध सुगंधि
इष्टार्थोद्युक्त योद्धाकेउपायमेंलगना
इष्टि यज्ञ मांछा
इष्वास धनुष कमान

(ई)

ई लक्ष्मी वाण सर्प इंद्रधनुष रचना
ईक्षण नेत्र आंख देखना
ईक्षणिका शुभाशुभजाननेवालीस्त्री

ईडित स्तुतिकरना नमस्कार
ईति लोकाचार वहेना लोहकीट
ईरण ऊसर
ईरित प्रेरना भेजना
ईर्म घाव फुरियाआदिका
ईर्वारु } कर्कटी काकडी
ईर्वालु }
ईर्ष्या परायाविभवदेखजलै
ईलि एकधारा खांडा
ईलित नमस्कार
ईली खांडा छोटीतरवार
ईश महादेवजी ईशान्यदिशाकेपालक
ईशा हलकादंडा
ईशान श्रीमहादेव
ईशितृ स्वामी
ईश्वर श्रीमहादेव स्वामी
ईश्वरी श्रीपार्वती
ईषत् थोडा
ईषत्पाडु कुछपीलासपेदरंग
ईषा हलकादंडा
ईषिका हाथीकेआंखकीगोलाई सलाई छेदकरनेकी
ईषीका हाथीकाआंखगोलक
ईहा वांछा मनोरथ
ईहामृग वृक भेडहा भेंडिया

(उ)

उ कोपकीवाणी शंकर ब्रह्मा विष्णु गौरी सुन्दरनेत्र
उक्त कहाहुवा
उक्ति वचन बोलना
उक्थ एकसामकानामवेदमहै
उक्षन् बैल
उखा स्थाली थाली
उख्य,पक्वरहाअन्न परोसाअन्न [पैदाहो.
उग्र,श्रीमहादेव उग्ररस शूद्राणीमेंक्षत्रीसे
उग्रगन्धा अजमोद अजवाइनि
उच्च ऊंचा
उच्चटा नागरमोथा मुस्ताविशेष
उच्चण्ड शीघ्रता
उच्चार विष्ठा झाडा
उच्चावच वहुततरह
उच्चैःश्रवस घोडाइन्द्रका
उच्चैर्घुष्ट वहुतजोरशब्द
उच्चैस् वडा भारी
उच्छ्रय } वृक्षादिकोंकीउंचाई पहाडों
उच्छ्राय } कीउंचाई
उच्छ्रित ऊंचा बढनेवाला
उज्जासन मारडालना
उज्ज्वल शृंगार शोभाकरना स्वेत
उञ्छ } शीलाबिनना गेंहआश्रमोंकी
उञ्छशील } सत्यजीविकाहै
उटज पर्णशाला ऋषियोंके घर
उडु नक्षत्र नखत
उडुप छोटीनाव डोंगी चंद्रमा
उडुम्बर } गूलर
उदुम्बर }
उड्डीन उडनापक्षियोंका [कम्पमा
उत तानातानना कोरियोंका मध्यकोंवि
उताहो विकल्प जैसदेवलागधर्म
उत्क उत्कंठा मनलगरहा
उत्कट दालचीनी तज मतवाला
उत्कंठा मनमेंलगारहना

उत्कर राशिधान्यकी ढेरयवादिकोंका
उत्कलिका,पानीकाकल्लोल लहरीउठना
उत्कर्ष बड़ाई अधिकता
उत्कलिका मनमेंलगजाना
उत्कार धान्यकाउत्क्षेपण बसावना
उत्क्रोश कुररीपक्षी
उत्त बोदा भीजा
उत्तंस कानवशिरकागहना
उत्तप्त शूलामांस
उत्तम प्रधान श्रेष्ठ
उत्तमर्ण रिणदेनेवाला ब्यौहर
उत्तमा जिसस्त्रीमेंगुणशीलादिहों
उत्तमांग शिर
उत्तर जवाब दिशा राजाविराटकापुत्र
उत्तरा दिशा
उत्तरासंग } रुपट्टा स्त्रियोंकालुगराआदि
उत्तरीय
उत्तरेद्युस उसदिन
उत्तान उथल जलकम
उत्तानशय दूधपीनेवालाबालक
उत्थान पुरुषार्थ तंत्र पुस्तक संग्राम आंगनमें आवना आनन्द मलरोग
उत्थित बढ़ना उंचाई
उत्पतित् उछलनेवाला
उत्पत्ति पैदाहोना प्रगट
उत्पतिष्णु उछलनेवाला
उत्पन्न पैदाहोना बढ़ना
उत्पल कोंकाबेलि वर्णाना फूट
उत्पलशारिवा उपलसरी
उत्पात शुभाशुभसूचक बिजुलीआदि
उत्फुल फूलनाफूलोंका
उत्स जहांसेजलबहै
उत्सर्जन दान. [ग्रामको जल्दीमें.
उत्सव खुशीनाचरागरंगादि कोपसे सं·
उत्सादन उबटनलगाना
उत्साह उछाह शक्तिभेद
उत्साहन किसीकामकीउछाह
उत्साहवर्धन वीररस
उत्सुक उद्योग उपाय उत्कंठा
उत्सेध उंचाईवृक्षपर्वतादिकोंकी,देह की उंचाई
उत्सृष्ट त्यागकरना छोड़ना
उदक् उत्तरदिशा
उदक जल पानी
उदक्भव उत्तरदिशाकाहुवा
उदक्या रजस्वलास्त्री
उदग्र ऊंचा
उदज पशुनकोलेचलना व चलाना
उदधि समुद्र सागर
उदन्त वातकहना
उदन्या पियास तृषा
उदन्वत् समुद्र
उदपान कुआं बिहीर बावली
उदय पूर्वपर्वत जहांसूर्यउदयहोतेहैं
उदर पेट
उदर्क आगेकाकाल
उदवसित घर
उदश्वित् आधाजलकामठा
उदात्त स्वरकीसंज्ञा
उदान कंठकीवायु
उदार बृधापुरुष दानी बड़ा

उदासीन जोनशत्रुहोनमित्रहो
उदाहार कहनेलायक वर्णनकरना
उदित कहाहुवा बंधा
उदीची उत्तर
उदीचीन उत्तरदिशाकाहुवा
उदीच्य उत्तरकादेश नेत्रवाला
उदुंबर तांबा गूलर
उदुंबरपर्णी दांती औषधि
उदूखल उलूखल वोखरी
उद्गत वान्तसेअन्नगिरना कैकरना
उद्गमनीय धोयेवस्त्रकाजोड़ा
उद्गाढ शीघ्रता
उद्गातृ सामवेदीयज्ञमें
उद्गार वमन
उद्गीथ सामवेदकाशब्द
उद्गूर्ण उठानाशस्त्रोंका
उद्ग्राह ऊपरउठाकेपकड़ना
उद्घ शुभशब्द
उद्घन काठकाटनेकाघन ठीहा
उद्घाटन घटीकायंत्र
उद्घात आरंभमात्र
उद्घान वधन
उद्दाल लसोहरवृक्षवभोंकरी
उद्दित बंधा
उद्द्राव भागना
उद्धर्ष उछाह खुशी
उद्धव कृष्णकामित्र उछाह खुशी
उद्धात आरंभ
उद्धान चूल्ह
उद्धांत वमन
उद्धार द्रव्यउधारदेना चूल्ह
उद्धृत कुवांसेजलनिकारना जोकुछ निकालाजाय.
उद्ध्मान चूल्ह
उद्भव जन्म पैदा
उद्भिज्ज / उद्भिद् / उद्भिद — वृक्षलता जोपृथ्वीकोभेदकरहो
उद्भ्रम कांपना व्याकुलहोना
उद्यत शस्त्रादिकोंकाउठाना
उद्यम उद्योग बोझाआदिउठाना
उद्यान राजावोंके आनंदकेवाग घरसे निकलना.
उद्युक्त अपनेकामकायत्न [यत्न
उद्योग उत्साह किसीकामकाउछाह-
उद्र जलजीव मगराआदि
उद्वर्तन उवटनदेहमेंकरना
उद्वात वमन
उद्वांत वमन जिसकामदउतरजाय
उद्वासन वध मारना
उद्वाह विवाह
उद्वेग सुपारीकाफल व्याकुलता
उंदुर / उंदुरु — मूसा चूहा
उन्नत ऊंचा
उन्नतानत ऊंचानीचा
उनद्ध बड़ा गर्वित
उन्नय / उन्नाय — ऊपरलेजाना इच्छाकरना.
उन्मत धतूर मतवाला
उन्मथ वध मारना

उन्मदिष्नु मतवालेस्वभाववाला
उन्मनस् उत्कंठा चित्तमेंलगना
उन्माथ जालपक्षीमृगोंकेफांसनेका व धकरना
उन्माद, चित्तकाभ्रम शिड़ीकासास्वभाव
उन्मादवत् बैलान शिड़ी
उपकण्ठ समीप
उपकारिका } राजाओंकेघर
उपकार्या }
उपकुंचिका छोटीइलाची कालाजीरा
उपकुल्या पीपरि
उपक्रम आरंभ प्रथमारंभ देवाकरना
उपक्रोश निंदा गाली
उपगत अंगीकार
उपगूहन लपटानास्नेहसे
उपग्रह कैदकरना पकड़ना
उपग्राह्य भेंटदेनागुरुआदिको नजर
उपघ्न समीपकाआसरा
उपचरित सेवाकरना
उपचाय्य अग्निप्रयोग
उपचित समृद्ध सबसुखसंपूरण
उपचित्रा मूसाकर्णी
उपजाप भेद फोरफार
उपज्ञा प्रथमज्ञान
उपतप्त् रोगविशेष
उपताप रोगमात्र
उपत्यका पहाड़केसमीपकीपृथ्वी
उपदा बेवहार भेट नजर
उपधा भेद फितुर आरंभ पराश्रय
उपधान तकिया उसीस गिरदा
उपधि शठता ठगना
उपनाह वीणाकेतारवसुंदरी
उपनिधि धरोहर
उपनिषद् एकांत वेदांत वेदकाअंग
उपनिष्कर बड़ीसड़क जिससेहाथी आदिसुखसेनिकलैं
उपन्यास वचनकाआरंभ
उपपति जार यार
उपभृत् श्रुवाभेदयज्ञादिकोंमें
उपभोग समीप भोगादि
उपमा उपमादेना नजीर मिसाल
उपमातृ,दूधपियानेवालीबालकोंकीदासी
उपमान उपमादेना
उपयम } विवाह
उपयाम }
उपरक्त किसीव्यसनसेव्याकुल जैसे नमेवाजजुवारी सूर्यचंद्रमाकेग्रहण
उपरक्षण सेनकीरक्षा पहरा गस्त
उपरम } शांति विश्राम
उपराम }
उपराग ग्रहणपड़ना
उपरि आगे
उपल पत्थर
उपलक्षार्थ, अपनेअभीष्टकासिद्धकरना
उपलब्धि बुद्धि अकिल
उपलंभ अनुभव साक्षात्कार
उपला शर्करा कंकड़ी
उपवन बाग फुलवारी रामानन्ददायक
उपवेशन देश अमेअथवा
उपवर्ह तकिया ओसिरकेनीचेधरानाय
उपवस्त } व्रत एकादशीआदिका
उपवास }

उपत्रिषा अतीस
उपवीत जनेऊ यज्ञोपवीत
उपशल्य गांवकाकिनारा
उपशाय शयन सोना
उपश्रुत अंगीकार
उपसंव्यान नीचेकावस्त्र लहगाधोती
व्यजन मीठेखट्टे आदि
उपसंपन्न यज्ञकावलिदान
उपसर गर्भधारण
उपसर्ग उत्पात
उपसर्जन दान
उपसर्य्या गौ गर्भधारणकरनेवाली
उपसूर्यक सूर्य्यकेचौगिर्दकभीजोमंडलहो
उपस्कार शागादिकेलिये हरदीआदि
का चूर्ण
उपस्थ योनि लिंग
उपस्पर्श छूना दानदेना
उपहार भेंटदेना राजाकोकरदेना
उपहूर एकांत समीप
उपांशु जपभेद एकांत लिपटना
उपाकरण जनेउहोकरवेदपढ़ना कर्म
उपाकृत वलिदानयज्ञका
उपात्यय उल्लंघन अतिक्रम. [वस्तु
उपादान व्यवहार भेंट मांस भोगकी
उपाधि कुटुंबपालनेवाला धर्मकीचिंता
उपाध्याय पढ़ानेवालागुरू
उपाध्याया
उपाध्यायानी पढ़ानेवालीगुरुआनि
उपाध्यायी
उपानह जूता खराऊं
उपायचतुष्टय साम दान दंड भेद
उपायन चेवहार
उपालंभ निंदाऔरवड़ाकरबातकहना
उपावृत्त घोड़ेकालोटना
उपासंग तूणीर तरकस भाथा
उपासन सेवागुरूआदिकनकी बाणके
फेंकनेकाअभ्यास
उपासित सेवाकियादेवताआदि
उपाहित संयोगकोमाप्त आगलगना
उपेंद्र वामनजी विष्णु
उपोदिका
उपोदीका शागभेद
उपोद्घात किसीकामकाविचार
उप्तकृष्ट बोयेकेवादजोतना
उभयद्युस्
उभयेद्युस दोदिन
उम् कोपकीवाणीमें प्रश्न
उमा श्रीपार्वती अरसी
उमापति श्रीमहादेवजी
उम्य अरसीकाखेत
उरःसूत्रिका मोतीकामाला
उरग सांप
उरच्छद कवच बख्तर
उरण मेढ़ा
उरणाक्ष
उरणाख्य चकोंड़ी.
उरभ्र मेढ़ा
उररी अंगीकारकरनेमें
उररीकृत अंगीकारकिया
उरस् छाती हृदय
उरसिल
उरस्वान्

उरस्य पुत्रअपनीविवाहितास्त्रीका
उरीकृत अंगीकार
उरु चौंडाई
उरुवुक रेंडा रंडीकावृक्ष
उर्वरा सबनाजहोनेवालीपृथ्वी
उर्वशी अप्सरा
उर्वी पृथिवी
उर्वारु फांकडी
उलप बडीवेलि
उलूक उल्लू खूसट घुघुवा
उलूखल वोखरी
उलूखलक गुगुल
उलूपिन् शिशुमारमत्स्य
उल्का तेजसमूह लपट लुकुवाई
उल्मुक जलताहुवाकाठ
उल्व कलल स्त्रीरक्तपुरुषवीर्यमिलाहु वागर्भाशय.
उल्वण दुःसह
उल्लाघ निरोग जिसकारोगगर्इ
उल्लोच चँदवा ऊपरजलादितानना
उशनस् शुक्र
उल्लोल बडीलहरैंनदीआदिकी
उशीर खसतृणभेद
उषणा पीपरि
उषर्बुध अग्नि
उषस् प्रातःकाल सवेरा. [कन्या.
उषा रात्रिकाअंत टोपरीरातिरहैवाण
उखा } स्थाली पात्रभेद
उषा }
उषापति अनिरुद्ध कृष्णकापौत्र
उषित जलना
उष्ट्र ऊंट
उष्ण,ग्रीष्मऋतु वैशाख ज्येष्ठ चतुर गरमी
उष्णरश्मि सूर्य
उष्णिका पतलाभात गोलाथी
उष्णीष पगडी दुपट्टा मुकुट
उष्णोपगम } गरमी.
उष्णक }
उस्र किरणसूर्यकी
उस्रा गौ

(ऊ)

ऊ रक्षा चंद्रमा राजकुमार गल मंगल कलश वेदे यनियां उपमा राक्षस.
ऊदुंबरपर्णी } दंती जिसकाबीज जमाल
ऊदुंबरपर्णी } गोटा.
ऊत यस्त्रविननेकाताना
ऊधस् गौकेथन आयन
ऊन निंदित थोडा
ऊम् कोपकीवाणी
ऊररी अंगीकार
ऊरव्य वैश्य
ऊरी अंगीकार
ऊरीकृत अंगीकारकिया
ऊरु जांघ
ऊरुज वैश्य यनियां
ऊरुपर्वन गांठी जांघघीलीकाजोड
ऊरुबुक अंडकापेड
ऊर्ज यानिकमहीना
ऊर्जस्वल } पराक्रमी
ऊर्जस्विन }
ऊर्णनाभ मरगमकरी

ऊर्णा मेढ़ादिकोंकेरोमा
ऊर्णायु मेढ़ा कंबल
ऊधेक } मृदंगविशेष मुखकाबाजा
ऊर्ध्वक }
ऊर्ध्वजानु } जिसके पैरकीगांठीबैठेपरऊ-
ऊर्ध्वज्ञ } परहोजांय ऊंचीगांठीहो.
ऊर्ध्वज्ञु }
ऊर्मि लहरी
ऊर्मिका अंगूठी मुंदरी
ऊर्मिमत् टेढ़ापन
ऊष प्रातःकाल रेह खारीमाटी
ऊषण मिर्च
ऊषण पीपरि
ऊषर } ऊसर जहांघासतकनहो
ऊषवत् }
ऊष्मागम गर्मीऋतु
ऊह तर्क चतुराई

(ऋ)

ऋ देवमाता बालक वुद्धि हाथी पर्वत वेद शत्रु नदी अमृत
ऋक्थ धन
ऋक्ष नक्षत्रस्योनापाढ़ा औषधि रीछ
ऋक्षगंधा विधारा
ऋक्षगंधिका सर्पदकुम्हड़ा पेठा
ऋच ऋग्वेद
ऋचीप } तवा कढ़ाई
ऋजीप }
ऋजु सूधा
ऋजुरोहित इंद्रधनुष
ऋण रिणलेना कर्ज
ऋत सत्य बाजारकेदानाविननाया खेतकेशीलाविनना
ऋतीया निंदा
ऋतुमती मासिकधर्मवालीस्त्री
ऋतु ऋतु ६ वसंत ग्रीष्म वर्षा हेमंत शरद शिशिर दोमहीनेकीऋतु स्त्रीकामासिक
ऋते वर्जना विना
ऋत्विज होमकरनेवालेयज्ञादिकोंके
ऋद्ध तृणकीराशि नाजकीढेरी
ऋद्धि औषधिविशेष
ऋभु देवता
ऋभुक्षिन इंद्र
ऋश्य शीघ्रचलनेवालाहिरन
ऋश्यकेतु अनिरुद्ध
ऋषभ स्वरभेद औषधि वैल श्रेष्ठ
ऋषि तपस्वी सत्यवोलै
ऋष्टि खड्ग तरवार
ऋष्य हिरनजाति
ऋष्यकेतु अनिरुद्ध
ऋष्यगंधा विधाराऔषधि
ऋष्यप्रोक्ता केवांच शतावरि

(ॠ)

ॠ सर्प भुजा दनुजमाता भूषण जल कमल

(ऌ)

ऌ देवयोनि पर्वत पवन नागमाता अपनीमाता नेत्रकीहड्डी

(ॡ)

ॡ देवपत्नीकारण

(ए)

ए विष्णु रात्रि आकाश जल
एक संख्यामेंएक १ भिन्नार्थमें श्रेष्ठार्थ में रामएकहुये
एकक १
एकगुरु गुरुभाई एकगुरुकेचेला
एकतर भिन्नार्थ जैसेघोड़ेसेगधाभिन्न
एकतान एकचित्त एकाग्र
एकदंत गणेशजी
एकदृष्टि कौवा जोएकहीतरफदेखताहै
एकदा एकदा एककालमें
एकधुर, एकधुरावह, एकधुरीण } एकबैलकाएक्का.
एकपदी मार्ग रास्ता
एकपिंग कुबेर
एकयष्टिका एकलड़की मोतीकीमाला
एकसर्ग एकाग्र
एकहायनी एकसालकीबछिया
एकाकिन् अकेला
एकाग्र, एकाग्र्य } एकचित्तहोना स्वस्थचित्त.
एकांत अतिशय शीघ्रता अलग
एकाब्दा एकवर्षकीगौ
एकायन, एकायनगत } एकाग्र.
एकावली एकलरकाहारमोतीका
एकाष्ठील गूपा वृक्ष अंडेमदार
एकाष्ठीला पाढा
एड बहिरा

एडक मेंढा
एडगज चकौंड़ी
एडमूक मूर्ख बेवकूफ. [गायेजांय
एडूक, एडोक } जिसकेभीतरहड्डीहों कडुरजिस दीवारमेंमजबूतीकोपत्थरादिल
एण हिरणसुंदरनेत्रवाला
एत कबरारंग विचित्ररंगचुनरीआदि
एतर्हि इसीसमय अभी
एध, एधस् } काठ.
एधा समृद्ध बढ़ना
एधित बहुतबढ़ा
एनस् पाप बुराकर्म
एरंड अंडा
एर्वारु कांकड़ी
एलगज चकौंदी
एला इलायची
एलापर्णी रास्ना रहमनि
एलावालुक सुगंधद्रव्य
एव इसतरह इसप्रकार
एवम् तुल्य यथाक्रम प्रकार उपमा अंगीकार अवधार्थ
एषणिक सोनातौलनेकातखड़ी कांटा

(ऐ)

ऐ महादेव होय इंद्रधनुष
ऐकागारिक चोर
ऐंगुद इंगुदीकाफल
ऐण, ऐणेय } हिरणजाति
ऐतिह्य लोक परंपराकेउपदेशमें

ऐंद्रियक जोइंद्रियादिकोंसेकामहो
ऐरावण हाथीइन्द्रका
ऐरावत हाथी दिशागज नारंग
ऐरावती बिजुली
ऐलविल कुबेर
ऐलेय बालुकनामसुगंधद्रव्य
ऐश्वर्य विभूति सिद्धि द्रव्यादिक
ऐषमस बीतेवर्ष

(ओ)

ओ ब्रह्मा चंद्रमा कीच
ओकस् स्थान. [जलकावहना.
ओघ, शीघ्रतासेनाचनाआदि समूह झुंड
ओंकार प्रणव आदिब्रह्म
ओजस् तेज बल
ओड्पुष्प गुड़हर जासंद
ओतु बिलार
ओदन भात अन्न
ओम् अंगीकार आज्ञा
ओष दाह
ओषधी जोदवापागादिकोंकेकामआवै
ओषधीश चंद्रमा
ओष्ठ ओठ

(औ)

औ अनंत गणेश अभिमान
औक्षक बैलोंकाझुंड
औचिती } मैत्री मित्रता
औचित्य }
औत्तानपादि ध्रुवजी जोचक्रकेमध्यध्रुव लोकमेंहै
औत्सुक्य उत्कंठता
औदनिक रोटीकरा आचारी
औदरिक पेटभरू
औदुंबर गूलर
औपगवकै गौइत्यादिकासमूह
औपयिक न्यायसेद्रव्यप्राप्तहो
औपवस्त } व्रत उपास
औपवस्त्र }
औमीन अरसीबोनेकाखेत
औरभ्रक ऊंटोंकाझुंड
औरस } अपनीविवाहितास्त्रीकापुत्र.
औरस्य }
औलुक्य वैशेषिकशास्त्रपढ़नेवाला
और्ध्वदेहिक } मरेकेदशगात्रादिकर्म.
और्ध्वदैहिक }
और्व बड़वानल
औशीर चामर दंड शय्या
औषध औषधीहर्रइत्यादि
औष्ट्रक ऊंटोंका झुंड

(क)

क वायु ब्रह्मा सूर्य
कं शिर जल सुख
कंस,कटोरा जिससे दूधआदिपियाजाय कृष्णके मामाकानाम
कंसाराति श्रीकृष्ण जोकंसकेशत्रुहुये
ककुद बैलकीलाठ राजाओंकेचिन्ह
ककुद्मती कमरमोटी छत्रचामरादि
ककुंदर चूतरपरपीठकेतरेकुछगहिरा
ककुभ् दिशापूर्वादि वीणाकेतोंबा अर्जुनवृक्ष
कक्खट कठिन कड़ा
कक्ष बाहुकेतरेकांख शूखातिन वन

कक्ष्या हांथीकसनेकी चमड़ाकीरस्सी राजाओंकीडिउढ़ी कंधनी
कंक खंडरैचा बकुला
कंकटक कवच बख्तर
कंकण हाथकागहेना,
कंकणी घुंघुरू कंधनी
कंकतिका कंघीबालसाफकरनेकी
कंकाल मांजरि शरीरकीहड्डी
कंकोलक कंकोल कबाबचीनी
कंगु } कांकुनि.
कंगू }
कच बालशिरके
कचर मैला जोसाफनरहै
कच्चित अपनेस्वार्थकीप्रश्नमें इच्छार्थे.
कच्छ नदीकेआसपासका देश तुनि वस्त्रका अंचल. [निधि.
कच्छप कछुआ द्रव्यकीसंख्याकुबेरकी
कच्छपी सरस्वतीकीवीणा.
कच्छू खाजु
कच्छुर पामारोग निर्चाचिका
कच्छुरा यवासा
कंचुक सांपकीकेंचुलि सभार जोवा- णोंकोदेहमेंनलागनेदे
कंचुकिन द्वारपालक सांप
कट कमर हांथीकागंडस्थल पेटार
कटक पहाड़कामध्य पहुंचीकंकणादि सिपाँकेकमरकापिछाड़ी
कटभी मालकांगनी
कटंभरा } कुटकी चांदवेलि.
कटभरा }
कटाक्ष नेत्रोंसेबानकाना
कटाह कड़ाह खपरा कछुवाकीपीठ
कटि कमर करिहांव कूल
कटिप्रोथ कमरकामांस.
कटिल्लक करेला
कटी कमर चूतर
कटु रसभेद कुटकी नकरनेलायक
कटुतुंबी कडुईतोंबी
कटुरोहिणी कुटकी
कट्फल कैफरा
कट्वंग शोनापाठा
कठिंजर पणांस कालवराई
कठिन कड़ा पुष्ट
कठिल्लक करेला
कठोर पोढ़ा कड़ा
कडंकर } भुस तृणकाचूर्ण.
कडंगर }
कडंब दंड शाकनालीका
कडार पीतरंग
कण बहुतथोड़ा पानके कन
कणा पीपरि कालाजीरा
कणिका अतिहीसूक्ष्म
कणिश यवादिककीबालीधान्यादिकी
कंटक रोमरडेहोना छोटाशत्रु सुईका अगाडी
कंटकफल कटहर
कंटकारिका भटकटैया
कंठोलवीणा नीचजातिकीवीणा
कंठ गला
कंठभूषा कंठा गलेकेगहना
कंठीरव सिंह
कंडु खाजु

कंडुरा केवांच
कंडु } खाज.
कंडूया }
कडुरा केवांच
कंडोल बांसकापिटाराआदि
कराव मतवाला-नंगाहोवुलावै मदि-
राटिकाकीट
कतृण ऐहिसनाम तृण
कथा वार्ता
कद्‌वन् कुमार्ग बुरीरास्ता
कदन वृत्त
कदंबक समूह झुंड सेरस
कदर सपेदकत्था खैर
कदर्य,जोलोभसे स्त्रीपुत्रकोभीपीडादेइ.
कदल } केला.
कदला }
कदलिन् हिरणजाति
कदली हिरणजाति केला
कदाचित् किसीकालमें
कदुष्ण कुछगर्म
कद्रु पीतरंग
कद्वद बुरीबातकहनेवाला
कनक सुवर्ण
कनकाध्यक्ष सोनाकामालिक
कनकालुका सोनेकापात्र झारी
कनकाह्वय धतूर
कनिष्ठ छोटाभाई ज्वान बालक
कनिष्ठा छोटीअंगुली छगुनिया
कनीनिका आंखकीपुतरी
कनीयस् छोटाभाई
कनीयस् अतिछोटा ज्वान
कंथा मार्टीकीभीत फकीरोंकेवस्त्र
कंद सूरन जिमीकंद कमलमूल
कंदराल पर्वतपीलु गंठी लाखीपिंपरी
कंदर्प कामदेव
कंदलिन् } हिरणकीजाति.
कंदली }
कंदु मदिराबनानेकापात्र भट्ठी
कंदुक गेंदखेलनेका
कंधरा कांध कंधा
कन्यकजात जोकुमारीमें पैदाहो जैसे
व्यासकर्णआदि
कन्या जिसकेरजस्वलानहुवाहो
कपट छल डिंभ
कपर्द शिवजीकेजटाजूट
कपर्दिन् श्रीमहादेवजी
कपाट केवाँरा
कपाल शिरकीहड्डी
कपालभृत् महादेव
कपि वानर
कपिकच्छु } केवांच
कपिकच्छू }
कपित्थ कैथा
कपिल पीलारंग. [गन्ध रेणुका.
कपिला दिशागजकीपत्नीकानाम अ,
कपिवल्ली गजपीपरि,बडीपीपरि.
कपिश पीत
कपीतन अंबडा गंठी सिरसा
कपूय निंदित
कपोत कबूतर. [कास्थान,
कपोतपालिका काबुक महलमेंकबूतरों-
कपोतांघ्रि मालकांकुनि

कपोल गाल
कफ कफ
कफाणि } हांथकीटिहुनी
कफोणि }
कफिन् कफरोगी
कबंध जल बिनाशिरकाधडजोनाचै
कबरी बबई बालोंकीरचना हींगकावृक्ष
कपित्थ कैथा
कम् शिर जल
कमठ कछुवा
कमठी कछुई
कमण्डलु,ब्रह्मचारीआदिकापीनेकापात्र
कमन कामी
कमंध धड
कमल जल हजारपत्ताकाकमलतांब
कमला लक्ष्मीजी
कमलासन ब्रह्माजी
कमलोत्तर कुसुम
कमलोद्भव ब्रह्मा
कमितृ कामी
कंप कांपना
कंपन } कांपनेकास्वभाव
कंप्र }
कंबल कंबल नागराज वस्त्र
कंबलिवाह्यक गाड़ी
कंबि } चमचा कलछुल
कंबी }
कंबु शंख कंकण गर
कंबुग्रीवा जिसकेगलेमेंतीनरेखाहों
कम्र कामी
कर हाथी सूर्यकीकिरण गजदंड

करक,पहिलीवर्षाकेपथरासेबूंद मिलावस्त्र
करकटक गेंगटा सेकड़ा
करका बड़ेरबुंद
करज कंज बघनहा
करंजक कंजे
करट कौवा हांथीकागंड
करटु करडापत्ती
करण शूद्राणीमेंवैश्यसेहो खेत
करंट पिटारा
करतोया नदी
करपत्र धारा
करपाल खड्ग तरवार
करपालिका,खांडा.[पीठतकऊंटकाबचा.
करभ हांथकापृष्ठ पहुंचासेलेअंगुरिनकी
करभूषण हांथकागहेना कंकणादि
करमर्दक करौंदा
करंब } दहीमिलेसतुवा.
करंभ }
कररुह नाखून नह
करवाल खड्ग
करवालिका खांडा
करवीर कनेर
करशाखा अंगुली
करशीकर हांथीकीसूंडकेनलकीछिट्टी
करहाट कमलपुष्प भंभीर
करहाटक मयनफल
कराल ऊंचेदांत भयंकर
करिगर्जित हांथीकीचिंग्धार
करिणी हथिनी
करिन हांथी

कर्मीर विचित्ररंग चुनरीआदि
कर्मेन्द्रिय हांथ,पैर,गुदा,लिंग,खाल
कर्ष सोरहमासेसोना
कर्षक खेतीकरनेवाला
कर्षफल बहेर
कर्षू तौलकामान
कल गभीरस्वर
कलकल बहुतजनोंकाशब्द कोलाहल
कलंक चिन्ह निंदा
कलत्र राजावोंकाकिला स्त्री कमर
कलधौत चांदी सोना
कलत्र बाण ईंट
कलभ हांथीकाबचा
कलम धानआदि
कलवी शाकभेद करेंउआ पोई
कलरव कबूतर
कलल गर्भकाकारण
कलविंक गरगवा
कलश जिसमेंजलभराहो
कलशि } पिठवनि
कलशी }
कलशी दहीमथनेकापात्र मेहडवा
कलश जलभरा
कलहंस बतक बकत पक्षी
कलह लड़ाई
कला सोरहवांभाग बही रचना
कलाद सोनार
कलानिधि चंद्रमा
कलाप भूषण मोरपख
कलाय बाटनौलके

कलि संग्राम,शूर
कलिका फूलकीकली
कलिकारक कंज
कलिंग इंद्रयव भुजपलपक्षी
कलिद्रुम बहेर
कलिमारक कंज
कलिल मुसकिल जहांदुखसेजासकै
कलुष पाप मैलापानी
कलेवर देह
कल्क पापाधिक कीट हाथीदांत
कल्प द्विहजारदेवतावोंकेयुग प्रलय
    धर्मशास्त्र नीति
कल्पना कथा
कल्पवृक्ष देवलोकमेंहै
कल्पांत प्रलय
कल्मष पाप बुराकर्म
कल्माष,कबररंग चुनरीआदि-[कीधांत
कल्य प्रातःकाल निरोगपुरुष कल्याण
कल्या सुंदरबोली
कल्याण मंगल शुभ
कल्लोल बड़ीलहरें
कल्हार लालकमल
कवच बख्तर [करना पत्री हिंगवृक्ष
कवरी,कबई शिरकेबालआदिरचिशोभा
कवल ग्रास कौर
कवाट केवांड़
कवि शुक पण्डित
कविका } लगामघोड़ेकी
कविय }
कवोष्ण कुछगर्म

कव्य पितरोंकेअर्थअन्नादि
कशा जेरबंद कोड़ा
कशार्ह कोडामारनेलायक
कशिपु अन्न वस्त्र
कशेरु हड्डीकानाम तृणजाति
कशेरुका पीठकीहड्डी
कश्मल मूर्छासंग्रामादिमें
कश्य घोडोंकामध्य जहांपरकोडामारा जाताहै मदिरा कोडाकेयोग्य
कषाय रसभेद लेप काढ़ा
कष्ट दुःख मुसकिल
कस्तूरी जोहिरणकीनाभीमेंहोती है
कल्हार लालकमल
कह्व बकुला

(का)

कांस्यताल घंटाझांझआदि
काक कौवा
काकचिंचा } घुंघचिल रत्ती
काकचिंचि
काकचिंची
काकतिंदुक कटुतिंदुक कुचिला
काकनाशिका कौवाठेठी काकजंघा
काकपक्ष बालकोंकेबाल पट्टा कुल्लं
काकपीलुक कुचिला
काकमाची केवइया
काकमुद्गा मुगवन
काकलि } थोडेशब्दमें
काकली
काकांगी कौवा ठेठी काकजंघा
काकिणी रत्ती कौड़ी पणकाचतुर्थांश
काकु शोकभयकाशब्द
काकुद तालु
काकेंदु कुचिला
काकोदुंबरिका कठूंबरि
काकोदर सर्प
काकोल स्थावरविष कालाकौवा
कांक्षा इच्छा वांछा
कांक्षी तुवरी
कांच कांच शिकहर मणि नेत्ररोग
कांचस्थाली पाढरि
कांचित शिकहरमेंजोधराहो
कांचन सोना
कांचनाह्वय नागकेशर
कांचनी हरदी
कांचि,एकलरकीस्त्रीकीकंधनी कमरपट्टा
कांजिक सिरका कांजी
कांड दंड बाण निंदित वर्ग स्तुति पोर
कांडपृष्ट } शस्त्रसेजीविकाकरै
कांडपृष्ठ
कांडवत् } बाणधारी
कांडीर
कांडिक्षु तालमखाना
कातर लंडार जोसंग्राममेंभागै
कात्यायनी श्रीपार्वती गेरुआवस्त्रयुत आधी वृद्धस्त्री विधवा
कादंब बतकपक्षी
कादंबरी मदिरा
कादंबिनी मेघोंकेसमूह
काद्रव कोदवअन्न
काद्रवेय नाग
कानन वन
कानीन कंन्याकापुत्र

कांत सुंदर
कांतलक तुनिवृक्ष
कांता मनोहरस्त्री
कांतार, महावन दुष्टमार्गजहांसिंहादिहों
कांतार्थिनी जोमैथुनकेलियेपतिकेपास-जाय
कांति शोभा इच्छा
कांदविक भोजनबनानेवाला
कांदिशीक जोभयसेभागे
कापथ बुरीरास्ता कुराह
कापिल सांख्यशास्त्रजाननेवाला
कापोत कबूतरोंकाझुंड सज्जीखार
कापोतांजन सुरमा
काम कामदेव वांछा जोइच्छा
कामगामिन् } जैसीइच्छाहोतैसाचले
कामंगामिन् }
कामन कामीपुरुष
कामपाल बलदेवजी कृष्णकेबड़ेभाई
कामम् आज्ञा ईर्षा
कामयितृ कामी [वांदा
कामिनी जिसस्त्रीकेसुंदरनेत्रहों वृक्षका-
कामुक कामी
कामुका } जोस्त्रीमैथुनकीइच्छाकरै
कामुकी }
कांपिल्य } कपिलाख्यऔषधि
कांपिल्ल }
कांबल रथकावस्त्र
कांबविक चुरिहार कसेरा
कांबोज घोड़ेकीजाति
कांबोजी वनउर्दी
काम्यदान तुलादानादि [तीर्थ.
काय देह ब्राह्मीरोग्रंगुलीकेतरेहाथमे
कायस्था हर्र.
कारण निदान
कारणा नरकपीड़ा यमयातना
कारणिक प्रमाणोंसेवातकोठीकरै
कारंडव पक्षी म्लेच्छजाति
कारवी मोरशिखाऔषधि सौंफ का-
लाजीरा हिंगुवृक्ष
करवेल्ल करेला
कारा कैदखाना बंदिस्थान
कारिका नटी जीविका
कारीष शूपगोबरकाढेर
कारु तसवीरबनानेवालाकारीगर
कारुणिक दयावान्
कारुण्य दया
कारोजय } मदिराकामाड़वफेना
कारोत्तर }
कार्तस्वर सोना
कार्तांतिक ज्योतिषीपंडित
कार्तिक महीना
कार्तिकिक कार्तिक
कार्तिकेय कृत्स्न संपूर्ण
कार्पासी कपासवृक्ष
कार्य अपनेकाममेंनिपुणहो
कार्मण औषधियोंकाकर्म
कार्मुक धनुष कमान
कार्श्य शोंखी
कार्षक किसान खेतिहार
कार्षापण } रुपया.
कार्षिक }

काव्य शाल शांखो [रंग यम समेय
काल निमेषादिप्रलयतक मृत्यु काला
कालक काला देहमेंदाग
कालकण्ठक सपेदकौवा जलकाग
कालकूट स्थावरविष [ला पक्षत
कालखड दहिनीओरपेटमेमासकागो-
कालधर्म मरना नाश
कालपृष्ठ महाराजकर्णकाधनुष
कालमेशिका मजीठ
कालमेशी बकुची बचुकी
कालशेय डंडसेमथागोरस मठा
कालमेषिका मजीठ जेठीमधु
कालमेपी बकुची बचुकी
कालसूत्र —नरककानाम
कालस्कंध,तेंदु तमालवृक्ष [कालाजीरा.
काला पाडरि नीली श्यामनिधारा
कालागुरु अगर
कालानुसार्य शिलाजीत जायपत्री
कालाय मटर मोथी
कालायस लोह
कालिका मेघसमूह श्रीदेवीकानाम
कालिंदी यमुना अतिपवित्रधारा
कालिंदीभेदन बलदेव जिन्होनेहलमे
 यमुनाको खींचलिया
काली श्रीपार्वती
कालीयक दारुहरदी जायपत्री
कालेयक दारुहरदी
काल्पक कचूर
काल्य प्रातःकाल
काल्यक दारुहरदी [बिलकीइच्छाकर
काल्या शुभबात उठीगौ गर्भकेलिये
कावचिक बख्तरपहिरेवीरोंकासमूह
कावेरी नदी
काव्य शुक्र
काश कास जोकुवांरमेफूलते हैं
काश्मरी } खंभारि.
काश्मर्य }
काश्मीर पुष्करमूल एक प्रदेशकानाम
काश्मीरजन्मन् कुंकुम केशरि
काश्यपि सूर्यकासारथी अरुण
काश्यपी पृथ्वी
काष्ठकुद्दाल } नावसाफकरनेकेकाठके
काष्ठकूद्दाल } कुदारा
काष्ठतक्ष बढ़ई
काष्ठा,दिशा अठारापलकमारनेमें काष्ठ
काष्ठावुवाहिनी डोंगी नाव
काष्ठीला कदली केला
कास कास
कासमर्द देहमेंगुल्मरोग
कासर भैंसा
कासार तड़ाग ताल
कासू बरछी सैंती

(कि)

किंवदंति } सुनीबात लोकमेंवादादि
किंवदंती }
किशारु,नाजकीसीकुर मोरपखकाबाण
किंशुक ढूल ढाख
किंकर सेवक टहलुवा
किंकिणि } घुंघुरू
किंकिणी }

किंकि
किंकिदिव
किंकिदिवि
किकी
किकीदिव
किकीदिवि
किकीदिवी
किकीदीवी } लीलागणास नीलकंठ
किंचित् कुछ
किंचिलिक
किंचुलक
किंचुलुक } केंचुवा काड़ु
किंजल्क केसर कमलकेभीतरहोताहै फलकीधूलि
किटि शूकर सोर
किट्ट मंडूर लोहेकाकूर्द
किण घावकाचिन्ह मांसकीगांठ
किणिही लटजीरा. [का शब्द
किराव मदिरावनानेकीवस्तु मतवाले
कितव धतूर ठग जुवांरी
किन्नर देवजाति कुवेरकीमजा
किन्नरेश कुवेर
किम् मश्न निंदा विकल्प
किमु विकल्प
किंपचान अतिलोभी कादर जोलोभ सेस्त्रीपुत्रकोभीपीड़ादेइ
किंपुरुष किन्नर
किर शूकर
किरण सूर्यकीकिरण
किरात वनवासियोंकीजाति
किराततिक्त चिराइता
किरि शूकर
किरीट मुकुट पगड़ी
किर्मीर विचित्ररङ्ग चुनरीआदि
किल निश्चय
किलास सेंहुवारोग
किलासिन जिसकेसेंहुवाहो
किलिंजक बांशकेपिटारा कांवरिआदि
किल्विष पाप नीचकर्म अपराध
किशलय छोटीडार टेहरा
किशोर घोड़ेकावच्चा बालक
किष्कु हांथभर वित्ताभर. [डार
किसलय टेहरा नवीनपत्तासहितछोटी

(की)

कीकस हाड़ हड्डी
कीचक,बांसपोलें विराटकेशालेकानाम
कीनाश यमराज खेतिहर कृपण क्षुद्र
कीर शुवा
कीर्ति यश मसन्नता विस्तार
कील आगिकीलपट लोहकीकील
कीलक खूंटा जिसमेंपशुबांधेजाय
कीलाल पानी लोहू
कीलित बंधाहुआपशुआदि
कीश वानर बंदर
कीशपर्णी लटजीरा

(कु)

कु पृथ्वी पाप निंदा थोरा
कुक चनराक घाहा
कुकर जिसकेहांथअच्छेनहों
कुकुद जोकन्याकोसत्कारसेदानदे
कुकुंदर चूतरोंकेऊपरकेगड्ढा
कुक्कुर कुत्ता

कुकूल जिसकुवांआदिमेंकीलबहुत [लगीहों.
कुक्कुट मुर्गा
कुक्कुभ तीतर
कुक्कुर कुकरौंधा कुत्ता
कुक्षि पेट
कुक्षिभरि पेटभरू
कुंकुम केशर
कुच स्त्रियोंकीछाती
कुचन्दन लालचन्दन
कुचर जोसबकेदोषहीकहै
कुचाग्र स्त्रीकीछातीकीनोक
कुज मंगल
कुंचित टेढा
कुंज जहांबहुतलतावृक्षोंसेअंधकारहो
हाथीकादांत
कुंजर हाथी श्रेष्ठ
कुंजराशन पीपरवृक्ष
कुंजल कांजी शिरका अर्कनाना
कुट वृक्ष कलश घडा
कुटक फारहरका
कुटज कुरैआ
कुटन्नट श्योनापाढा केवटिआमोथ
कुटर जिसमेंमथानीबांधीजायदही
मथनेको
कुटिल टेढा
कुटी सभास्थान शाला
कुटुंवव्यापत कुटुंबपालक
कुटुंविनी जिसस्त्रीकेपतिपुत्रादिहों
कुट्टिनी जोपरनारीपरपुरुषकोमिलावै
कुट्टिम पक्कीजमीन दीवार
कुठर मथानीबांधनेकाखंभा
कुठार कुल्हारा
कुठेरक पर्णासवृक्ष
कुडगक वृक्षादिसेदुस्तरहो
कुडप } पावसेर पौवाभर.
कुडव }
कुड्य भीत दीवार
कड्मल कलीफूलकी
कुणप मुर्दा दुर्गंध. [मरोग
कुणि तुनिवृक्ष नांदरुखी जिसकेहाथ
कुंठ काममेंआलसी.
कुंड पिताकेजीतेदूसरेपुरुषसेहो जैसेयु
धिष्ठिरादि थाली हवनकाकुंड
कुंडल बालाकानकेपहिरनेके
कुंडलिन् सांप
कुंडी कमंडल ब्रह्मचारीआदिकापात्र
कुतप | दिनकाअठवांभाग दोघडी हि
कुतुप | रनके रोवांकावस्त्र.
कुतुक खेल
कुतप छोटीकुपिआ तैलादिधरनेकी
कुतू कुपिआ कुप्पा
कुतूहल कौतुक तमासा
कुत्सा निंदा
कुत्सित अधम नीच पापी
कुथ कुशा हाथीकागद्दा झूल
कुद्दाल कुदारा कचनारवृक्ष
कुनटी नैपालकीमनशिल
कुनाशक जवासा
कुंत भाला
कुंतल बाल

कुंद फूलवृक्ष पालक पलांकी भांटा
कुंदर
कुंदु } पालक
कुंदरु
कुंदरुकी शालय
कुपथ कुराह बुरीरास्ता
कुविंद कोरी वस्त्रबिननेवाला
कुपूय निंदित
कुप्य तांबाआदि
कुबेर उत्तरदिशाकेमालिकधनकेस्वामी
कुबेरक तुनिवृक्ष नांदरुखी
कुबेराक्षी पांडरि
कुब्ज कुबरा
कुमार स्वामिकार्तिक युवराज जोराजा
कापुत्रहोराज्यकाबन्दोबस्तकरै
कुमारक वरुणवृक्ष
कुमारी घिकुवारि कन्या
कुमुद कोंकाबेलि सपेदवर्णवाला
कुमुदप्राय जिसतडागमेंकोंकाबेलिहो
कुमुदबांधव चन्द्रमा
कुमुदिका कायफल
कुमुदिनी कोंकाबेलिसमेततलैया
कुमुद्वत कोंकाबेलिकेतडाग
कुमुद्वती तलैयाकोंकाबेलिकी
कुवां यज्ञादिकोंकेचारोंओरपरदा जिस
सेम्लेच्छादिन देखैं [घड़ा.
कुंभ गुग्गलवृक्ष हाथीकोशिरकीऊंचाई
कुंभकार कुम्हार
कुंभसंभव अगस्त्यऋषि
कुंभिका पुरयनि
कुंभिनी पृथ्वी धरती

कुंभी कायफल
कुंभीनस सांप
कुंभीर मंगरा मगर जलजीव
कुंभोलूखलक गुग्गुलवृक्ष
कुरंग
कुरंगक } हिरना हरना
कुरंटक पीतकरसैला पीतभिंटी
कुरवक लालकरसैला
कुरर कुररीपक्षी
कुरुंडक पीतकरसैला पीतभिंटी
कुरुबक
कुरुवक } लालकरसैला
कुरुविंद मोथा
कुरुविस्त टकाभरसोना [इ गोत्रवंश
कुल एकजाति जैसेब्राह्मणकुल मृगकुं
कुलक कुचिला परवर उत्तमकारीगर
कुलटा जोस्त्रीकुलछोड़दे औरपुरुषों
सेरमणकरै
कुलस्थिका फलधातु
कुलपालिका जोस्त्रीअपनेकुलकोपाल
नकरै
कुलश्रेष्ठि उत्तमकारीगर
कुलसंभव कुलमेंउत्पन्न
कुलस्त्री उत्तमस्त्री
कुलाय नीड़ घोंसला पक्षीकाघर
कुलाल कुम्हार
कुलाली कालासुरमा
कुलिक कारीगर नागभेद
कुलिश वज्र इन्द्रकाआयुध
कुली भटकटैया
कुलीन सज्जन अच्छेकुलमेंउत्पन्न

कुलीर मगर मगरा
कुल्माप } कांजी सिरका अधभीजेयवा
कुल्मास } दि घुघुरी बरेउर्द
कुल्मापाभिपुत कांजी सिरका
कुल्य हाड
कुल्या छोटीनदी
कुवर कपायरस काढेकेसमान
कुवल बेर मोती कोंकावेलि
कुवलय कोंकावेलि
कुवाद निंदाकहनेवाला
कुविंद कोरी
कुवेणी मछलीबांधनेकापिटारा
कुश कुशा जल श्रीरामके पुत्र
कुशल क्षेम राजीखुशी चतुर सामर्थ्य
कुशी फाललोहका
कुशीद } ब्याजलेना.
कुषीद }
कुशीलव चारणकथाकहनेवाले
कुशेशय सौपत्ताकाकमल
कुष्ट कूट कोढरोग दवा
कुसीद ब्याजलेना
कुसीदिक,ब्याजलेनेवाला बुगाहीआदि
कुसुम फूल
कुसुमांजन फूलधातु
कुसुमेपु कामदेव
कुसुभ कुसुमरंग कुसुमकाफूल कमंडल
कुसृति शठता मूर्खता
कुस्तुंवरी } धनिया.
कुस्तुबुरु }
कुहना लोभसेपरायाधनादिलेनेको
ध्यानमौनादिकर्ना
कुहु } अमावस कीरात्रि जिसमेंचंद्रमा
कुहू } नदीखे
कुहर छेद बिल

(कू)

कूकुद जोकन्याकोसत्कारसेदे
कूट पर्वतकाशिखर नाजकीराशिमाया
आकाशादि फंसरी कपट झूठ
लोहकाघन हलकाआगेकाभाग
कूटक जहांपरफाललगायाजाय
कूटयंत्र मृगपक्षीबांधनेकाजाल
कूटशाल्मलि काली शाल्मलीवृक्ष
कूटस्थ जोडमेंश्ःएकसारहै आकाशादि
कूणि,रोगसेदोपसहितहाथ अपरसादि
कूप कुवां बावली
कूपक चूहा नदी यातडागमें जलकेलिये
खोदै नावकेबीचकाखभा गड्ढा
कूवर जुवाबैलजोतनेकारथादिकोंमे
कूर्च नाककेऊपरभौंहकाबीच दाढ़ी
कूर्चशीर्ष जीवकवृक्ष
कूर्चिका दहीआदिदूधमेडारना जामन
कूर्दन बाललीला खेलकूद
कूर्पर कोंपर टिहुनी. [का वस्त्र.
कूर्पासक कंचुकी चोली स्त्रियोंकेछाती
कूर्म कछुवा.
कूल नदीकाकिनारा
कूलंकपा नदी
कूष्मांडक कुम्हडा

(कृ)

कृकण करकडापक्षी
कृकलाश } गिरगिट गिरदान.
कृकलास }

कृकवाकु मुरगा [लेउंड़ी.
कृकाटिका घीचशिरकापिछलाभाग
कृकलास गिरदान
कृच्छ्र दुःख कष्ट व्रतभेद
कृत सतयुग पूर्णता
कृतपुंख बाणफेंकनेमेंचतुर
कृतमाल किरवार
कृतमुख चतुर ज्ञानी बुद्धिमान [आदि
कृतलक्षण प्रसिद्ध पण्डित धनी योगी
कृतसापत्नका } प्रथमस्त्रीकिईस्त्रियोंमें
कृतसापत्निका }
कृतहस्त बाणफेंकनेमेंप्रवीण
कृतांत यमराज भाग्य पाप
कृताभिषेका पटरानी जिसकाराजाके साथअभिषेकहो
कृतिन् चतुर पण्डित
कृत्त खण्डित टुकड़ा २ कियाहो
कृत्ति हिरनकाचमड़ा चमड़ा
कृत्तिवासस् श्रीमहादेवजी
कृत्या क्षुद्रदेवताकरिकेंदूसरेकोदुःखदे- ना भेदकरना
कृत्रिमधूपक बहुतवस्तुसेबनीधूप
कृत्स्न संपूर्ण सब
कृपण दरिद्री निर्दयी
कृपा दया
कृपाण खड्ग तलवार
कृपाणी छूरी कतनी
कृपालु दयावान् दीनवत्सल
कृपीटयोनि अग्नि
कृमि किरवा
कृमिकोशोत्थ कौशेयवस्त्र रेशमीकपड़ा
कृमिघ्न वायविडंग
कृमिज अगरु
कृश दुर्बल पतला थोड़ा .
कृशानु अग्नि
कृशानुरेतस् महादेवजी
कृषक हल
कृषि खेती
कृषिक खेतीकरनेवाला हल
कृशाश्विन नटवा नट
कृषीवल किशान
कृष्ट जोताहुवा
कृष्टि पंडित बुद्धिमान
कृष्ण कृष्णपक्ष श्रीविष्णुसृष्टिपालक कालारंग मिर्च
कृष्णकर्म पापी दुष्टकर्मकरनेवाला
कृष्णपाकफल करौंदा
कृष्णफला बकुची बकुची
कृष्णभेदा } कटुकी
कृष्णभेदी }
कृष्णला घोंघचिल रत्ती
कृष्णलोहित कालालालमिला
कृष्णवर्त्मन् अग्नि
कृष्णवृन्ता पांडरि
कृष्णशार } मृगजाति जिसहिरनकीपी
कृष्णसार } ठ्याटिकालीहो
कृष्णा पीपरि
कृष्णायस लोहा
कृष्णिका राई
कृसर खिचरी तिलभात

(के)

केकर काना एकनेत्र कैंचा
केका मोरकीबोली
केकिन् मोर
केतकी खजूरभेद केतकी
केतन पताका निमंत्रण घर
केतु ग्रह पताका उत्पातलक्षण
केदर व्यवहारवस्तु
केदार खेत [रहताहै
केनिपातक जोकाष्ठनावकापानी में
केयूर बिजायठ बजुल्ला
केलि क्रीडा खेल हँसी
केवल निश्चय साधारण
केश बाल
केशघ्न गजा चाद्होना
केशपर्णी लटजीरा
केशपाशी शिखा चोटी झुटिया [वृक्ष
केशर कमलकाभीतर वरुणवृक्ष वकुल
केशरिन् सिंह श्रीदेवीकावाहन
केशव श्रीभगवान् उत्तमबालयुत
केशवत् उत्तमबालजिसकेहों
केशवेश बालोंकोढचमत्कारसेरचना
केशांबुनाम नेत्रबाला सुगन्धबाला
केशिक } उत्तमबालहों
केशिन }
केशिनी सरोंनी कोटिन्नाकीबेलि
केसर कमलकाभीतर वरुणवृक्ष वकुल
केसरिन् सिंह

(कै)

कैटभजित्,श्रीभगवान् कैटभदैत्य नाशक

कैडर्य कायफल
कैतव छल ठगना पाशा
कैदार }
कैदारक }
कैदारिक } बहुतखेत चक
कैदार्य }
कैरव कोंकाबेलि
कैलास श्रीशिवजीकेमित्रकुबेरकास्थान
कैवर्त्त धीमर गोडिआ
कैवर्तमुस्तक }
कैवर्तिमुस्तक } केवटिआमोथा
कैवर्तीमुस्तक }
कैवल्य मोक्षजिसमेंफिरजन्ममरणनहो
कैशिक } बालोंकासमूह पट्टाआदि
कैश्य }

(को)

कोक भेड़हा भेड़िया चकवा
कोकनद लालकमल
कोकनदच्छवि लाल सुर्ख लोहितारंग
कोकिल कोइली कोकिला
कोकिलाक्ष तालमखाना
कोटर वृक्षकीखोह
कोटवी नगीस्त्री [सख्या
कोटि धनुषकीप्रत्यंचा धारनलगानेकी
कोटिवर्षा वर्पिडा अस्पष्ट
कोटिश लोहबाटेनेवालामुद्गर घन
कोटी धनुष कीरस्सी रूपा तलवार
हथियार
कोटीश वन
कोट्ट पट्टिग्राम जहांगोंकास्थान
कोट्वी नगीस्त्री

कोट्टार किलासहितगांव
कोठ कुष्ठरोग [कोधार
कोण जिससेवीणावजायाजायखड्ग
कोणप राक्षस
कोदण्ड धनुष कमान
कोद्रव कोदव
कोप क्रोध
कोपना } जिसस्त्रीकेक्रोधवनारहै
कोपनी
कोपिनी
कोपिन् क्रोधी रातिदिनक्रोधकरे
कोमल सरल हलका मुलायम
कोयष्टिक टिटिहिरीपक्षी
कोरक फूलकीकली कंकोल
कोरंगी छोटीइलाची
कोरदूप कोदव
कोल छोटीनाव डोंगी बेर शूअर
कोलक कंकोल मिर्चकाली
कोलदल नखनामऔषधि
कोलंबक वीणाकासबभागतारछोड़
कोलवल्ली बड़ीपीपरि
कोला पीपरि बेरीकावृक्ष
कोलाहल,भारीशब्द बहुतदूरसेसुनपड़े
कोलि } बेरी,
कोली
कोविद पण्डित सर्वशास्त्रज्ञ
कोविदार कचनारवृक्ष
कोश } अंडा खजाना चांदीसोनाआदि
कोष } मियानतलवारका कशमकरना.
कोशफल कंकोल
कोशातकी शब्द लटजीरा
कोष्ठ पेटकाभीतर नाजभरनेकेकोठादि
कोष्ण कुछगरम.

(कौ)

कौक्कुटिक मायावी जोबिनादेखेसुनी
कौक्षेयक खड्ग तलवार [बातकहै.
कौंचदारण स्वामिकार्तिक
कौटतक्ष बढ़ई जोकिसीकेनौकरन हो
कौटिक मांसबेचनेवाला
कौणप राक्षस
कौतुक } खेल आश्चर्य
कौतूहल
कौद्रवीण कोदवकाखेत
कौंति रेणुकाऔषधि
कौंतिक भालेकरी भालालिये
कौपीन गुदालिंगढूंदनेकाकपड़ालगोटी
कौमोदकी गदाश्रीभगवानकी
कौलटिनेय भीषमांगनेवालीकालड़का
कौलटेय भिक्षुकीपुत्र छिनारका
लड़का.
कौलटेर,परपुरुषसेपैदाहो.[दिकोंकायुद्ध.
कौलीन लोकनिंदा कुलीनता पशुआ-
कौलेयक कुत्ता कुक्कुर
कौशिक गुगुरकावृक्ष इन्द्र उल्लू घुग्घू
विश्वामित्र सांपपकड़नेवाला
कौशेय रेशमीकपड़ा
कौषिक विश्वामित्र
कौस्तुभ मणिभगवान के पहिरनेकी

(क्र)

क्रकच आराकाटफाड़नेका
क्रकर करीलवृक्ष करकपक्षी

क्रतु यज्ञ
क्रतुध्वंसिन् महादेव
क्रतुभुज देवता जोयज्ञमेंभागपातेहैं
क्रथन मारडालना. [रोना.
क्रंदन. वीरोंकोपरस्परसंग्राममेंबुलाना
क्रंदित रोदनकरना
क्रम संख्या सीधा
क्रमुक लाललोध सुपारीकावृक्ष
क्रमेलक ऊंट
क्रयविक्रयिक खरीदबेंचकरनेवाले
क्रयिक वेपारीमोललेनेवाले
क्रय्य लेनेलायकवस्तु
क्रव्य मांस
क्रव्याद् } राक्षस
क्रव्याद्
क्रायिक गैंहकी सौदालेनेवाले
क्रिमि किरवा
क्रिया कारकसहित जैसेतलवारसेशत्रु कोमारो मारंभ निष्कृति जैसेमहा पापीको मारडालना शिक्षा पूजन विचार उपाय बहुतभेद
क्रियावत् कर्मकांडयोगी
क्रीडा खेलबालकोंका हँसी लीला
क्रुंच् } कुरकुंचापक्षी
क्रुंच
क्रुध क्रोध
क्रुष्ट रोना. [निर्दयी.
क्रूर औरसे वैर करनेकास्वभाव कठिन
क्रेतव्य } बाजारकीवस्तु मोललेनेयोग्य
क्रेय
क्रोड,शूकर हाथीकामध्य कनिया गोदी
क्रोध गुस्सा खफा
क्रोधन क्रोधी
क्रोशयुग दोकोश
क्रोष्टु शियार स्यार
क्रोष्टुविन्न कटैया
क्रोष्ठी काला बिलारीकंद
क्रौंच कुरकुंचापक्षी
क्रौंचदारण स्वामिकार्तिक

(क्ल)

क्लम } आनंदनाश थकजाना
क्लमथ
क्लिन्न चोटा
क्लिन्नाक्ष चिपरा जिसकीआंखबहाकरै
क्लिशित क्लेशमेंहो कष्टपावै
क्लिष्ट कठिन दोबातविरोधएकमेंमिली व विनआंखदेखैविनकानसुनै.
क्लीतक जेठीमधु
क्लीतकिका नीलीजिससे नीलरंगबनै
क्लीव } नपुंसक नामर्द कमजोर.
क्लीब
क्लेश दुख कष्ट
क्लोम फेफडा मांसपिंड
क्वण वीणादिकोंकाशब्द शब्दकरना
क्वणन } बाजाकीआवाज.
क्वाण
क्वथित पकाहुवा काढाआदि

(क्ष)

क्षण मुहूर्त दोघडी उत्सव
क्षणदा रात्रि

क्षपण मारण
क्षणप्रभा बिजुली
क्षतज रक्त लोहू
क्षतव्रत जिसकाकोईकारणसेव्रतनष्ट होजाय
क्षत्तृ रथवान् सारथी क्षत्रियाणीमेंशूद्र सेपैदाहो द्वारपालक
क्षत्रिय क्षत्री
क्षत्रिया, क्षत्रियी, क्षत्रियाणी — क्षत्रियवंशकीलड़कीक्षत्री कीस्त्री
क्षपा राति
क्षपाकर चंद्रमा
क्षम समर्थता कल्याण
क्षमा पृथ्वी सहनशीलता
क्षमितृ, क्षमिन्, क्षन्तृ — सहनशीलमनुष्य
क्षय नाश वृद्धि मलय रोग हानि घर
क्षव छींक राई
क्षवथु खांसीरोग
क्षांत शांत क्षमाकोप्राप्त
क्षांति सहनशीलता
क्षार कांच राख भस्म
क्षारक नईकलीफूलोंकी
क्षारमृत्तिका ऊसर जहांयामतकनहो
क्षारित जिसकीलोकनिंदाकी
क्षिति पृथ्वी वसनेकास्थान
क्षिप्त प्रेरणा आज्ञादेना कालभेद
क्षिप्र प्रेरणाकियाजैसेबाणफेंके
क्षिप्नु नकरनेवाला
क्षिप्र शीघ्र अतिशय
क्षिया हानि
क्षिप्णु निराकरण नकरना
क्षीव मतवाला
क्षीर जल दूध
क्षीरविकृति कूर्चिका दहीआदिसेदूध काविकार जामनदेफाड़ना
क्षीरविदारि, क्षीरशुक्ला — शुक्लविदारीऔषधि सपेद भूमिकाकुम्हड़ा
क्षीरसागरकन्यका लक्ष्मी
क्षीरावी दूधीबेलि
क्षीरिका खिन्नी
क्षीरोद समुद्रकाभेद दूधकासागर
क्षीरोदतनया लक्ष्मी क्षीरसमुद्रसेप्रकट भयी
क्षीव मस्त मतवाला
क्षुत, क्षुत — छींक
क्षुताभिजनन राई
क्षुद्र अतिलोभसेपुत्रादिकोदुखदे अति शय दरिद्री कृपण निकृष्ट अधम नीच
क्षुद्रघंटिका घुंघुरू
क्षुद्रशंख छोटेशंख
क्षुद्रा बटैया हीनअंगकीनारी नटी बेश्या
क्षुद्रांडमत्स्यसंघात, छोटेअंडामछलीकाढेर
क्षुध भूख
क्षुधाभिजनन राई
क्षुधित भूखा
क्षुप छोटीडालवृक्षकी पेड़रा
क्षुधा अग्नि
क्षुर छुरा खुर पशुओंके नालमपाना सुगनाउचाहायेपार

क्षुरक तिलकवृक्ष
क्षुरप्र बाणभेद
क्षुरि } नापित नाई नाऊ
क्षुरिन् }
क्षुल्लक नीच थोड़ा छोटा दरिद्री
क्षेत्र खेत शरीर सिद्धस्थान स्त्री
क्षेत्रज्ञ आत्मा पुरुष ईश्वर चतुर
क्षेत्राजीव किशान खेतिहर
क्षेपण प्रेरणा भेजना फेंकना
क्षेपणि } नौकादंड बल्ली
क्षेपणी }
क्षेपिष्ठ अतिजल्दी शीघ्रता
क्षेम कुशल धनहरी औषधि
क्षोणि } पृथ्वी
क्षोणी }
क्षोद चूर्ण
क्षोदिष्ठ अतिचूर्ण
क्षौम महलकीअटारी
क्षौद्र सहत
क्षौम अट्टा पटवरवस्त्र
क्षौर मुड़ाना बालबनवाना [कूआदि
क्ष्णुत शानसेपैनकरना तेजकरनाचा
क्ष्मा पृथ्वी
क्ष्माभुज् राजा
क्ष्माभृत् पहाड़ राजा
क्ष्वेड विष [कोकिल
क्ष्वेडा सिंहनाद पिंजरा व शुष्केवास
क्ष्वेडित वीरोंकासिंहनाद

(ख)

ख आकाश निधि शंख इंद्रियस्वर्ग
खक्खट कठिन कठोर
खग पक्षी बाण सूर्य
खगेश्वर गरुड़ भगवानकावाहन
खजाका कलछुल कलछी
खञ्ज लँगड़ा एकटांगका
खञ्जन } खड़रैचा
खंजरीट }
खट अधाकुआ
खट्वा पलग चारपाई खटिया
खड्ग गैंडा तलवार
खड्गिन् गैंडा
खंड टुकड़ा भाग कमलादिकोंकासमूह
खण्डपरशु महादेव
खण्डविकार शर्करा शक्कर
खदिर कत्था खैर
खदिरा लजारू
खद्योत जुगुनू सूर्य
खनक मूस खता
खनि खानि जहांसेरत्नादिनिकलैं
खनित्र खता बेलचा
खपुर सुपारीवृक्ष
खर गदहा अतिगर्म
खरणस् } पशुकेखुरसीनाक
खरणस }
खरकुटी बबई
खरमंजरी लटजीरा
खरा } देवताली देवडगरी
खरागरी }
खराश्वा मोरशिखा
खर्जुर चाँदी रूपा

खर्जू खाजु रोग
खर्जूर चांदी खजूरवृक्ष
खर्जूरी खजुरिया
खर्व बउना छोटीदेहका छोटा
खल भेदिहा जोपरस्परवैरकरावै
खलपू बहारनेवाला साफकरनेवाला
खलिनी दुष्टोंकासमूह खलमंडली
खलीन लगाम
खलु निश्चय बाणीकीशोभा
खलेदाह मेड चरही पशुवोंकेखानेकी
खल्या दुष्टोंकासमूह खलमण्डली
खात छोटेताल जोखोदेजांय
खादित भोजनकिया
खार, खारि, खारी } खाराभर मनभर तौलकाप्रमाण
खारीक, खारीवाप } खारीभरवोनेकाखेत
खिल विनाजोताखेत वनजरआदि
खुर नखनामगंधद्रव्योषधि शुक्ति
खुरणस्, खुरणस } जिसकीविकटनाकहो
खुरश्र वाणभेद
खल्लक, खेट } नीच अधम पापी
खेटक गांव ढाल
खेय परिखा खांवा खांई
खेला बालकोंकीक्रीडा
खोड, खोर, खोल } लंगड़ा जिसकीचालनबनै.
ख्यात प्रसिद्ध नामी [नले
ख्यातगर्हणा निंदित जिसकानामकोई
ख्याति प्रसिद्धता

(ग)

गगन आकाश
गंगा शिवकेजटाजूटसेनिकलगंगासागरमेंमिलीं अतिपवित्र ब्रह्मस्वरूप अनन्तफलदा [रणकिया
गंगाधर महादेव जोगंगाको शिरमेंधा
गज हाथी
गजता हाथियोंकाझुंड
गजबंधनी हाथीबांधनेकास्थान
गजभक्षा, गजभक्ष्या } सालई शालय
गजानन श्रीगणेशजी
गजारि महादेव जोहाथीमारखालका वस्त्रबनाया. [सागर.
गंजा मदिरास्थान लवणसमुद्र खारी
गडक एकमछरीकीजाति
गडु गलगंडरोग गंडमाला कुबरा
गडुर, गडुल } कुबरा.
गण समूह धनहरीऔषधि सेनाभेद
गणक ज्योतिषीपण्डित
गणदेवता देवतोंकेसमूह
गणनीय गनतीकरनेलायक
गणरात्र बहुतीरात्री
गणरूप मदार
गणहासक धनहरीऔषधि
गणाधिप श्रीगणेश

गणिका जूही वेश्या
गणिकारिका नरवेल
गणित गिन्तीकिया
गणेय गिन्तीकरनेयोग्य
गंड कपोल गाल हाथीकाकपोल
गडक मछरीभेद गडा
गडकारी, गडकाली } लजारू लाजवंती.
गडशैल मोटेपत्थर
गडाली मोथा
गंडीर कडुवासूरन
गंडूपद किंचुवा
गंडूपदी छोटा किचुवा
गंडूषा कुल्ला हाथीकीशुंड अंगुल
गतनासिक नकटा
गद रोग बीमारी एककोईकृष्णकेभाई
गद्य कवियोंकीवाणीसंस्कृतकी
गव्री गाडी
गंध सुगंध
गंधकुटी तालीस
गंधन उत्साह हिंसा आशयप्रकाश
[illegible]
गंधफली कृष्णविधारा चंपाकीकली
गंधमादन एकपर्वतकानाम
गंधमुखी छछूंदरि
गंधमूला, गंधमूली } कचूर
गंधरस गंधरस मिमियाई
गंधर्व देवताजातिहाहाहूहूआदि हिरना जाति घोडा गानेवाले
गंधर्वहस्तक अंडाकापेड

गंधवह, गंधवाह } वायु हवा.
गंधवहा नाक
गंधसार चंदन
गंधाश्मन्, गंधिक } गंधक.
गंधिनी शालय सालई
गंधोत्तमा मदिरा
गंधोली बर्रैया
गभस्ति सूर्यकीकिरण
गभीर गहिरा
गम, गमन } यात्रा चलना
गंभारी खंभारि
गंभीर गहिरा
गम्य प्राप्तहोनेयोग्य यात्रायोग्य
गरण गिरना
गरल विष शखियाआदि
गरा, गरागरी, गरी } देवताली.
गरिष्ठ बहुतगरू पूज्य बडा
गरुड भगवानकावाहन
गरुडध्वज श्रीविष्णुभगवान
गरुडाग्रज अरुण सूर्यकासारथी
गरुत् पंखपखना
गरुत्मत् गरुड पक्षीमात्र
गर्गरी दहीमथनेकापात्र मेहदवा
गर्जित मेघोंकाशब्द हाथीकाबहतामद
गर्त, गर्ता } गड्ढा गड्हा

गर्दभ　गदहा
गर्दभांड　गंठी लाखीपिपरी
गर्द्धन　वांछाकरनेवाला
गर्भ　गर्भ बालक कोखि
गर्भक　बालोंमेंधारणकीमाला
गर्भागार　घरकामध्य मांझघर
गर्भाशय　जिसचमड़ासेगर्भलपेटारहताहै
गर्भिणी　गाभिनि लड़काहोनेवाली
गर्भोपघातिनी　बैलकेसाथसेजोगौगर्भ डारदे स्त्रीआदि
गर्मुत्　तृणधान्य
गर्व　अहंकार
गर्वित　अहंकारी अभिमानी
गर्हण　निंदा गाली
गर्ह्य　निंदित निंदाकेयोग्य
गर्ह्यवादिन्　निंदाकहनेवाला
गल　गर
गलकंबल　गौंकेगलेकीलंबीखाल
गलंतिका　चावरधानेकीचलनी
गलित　गिरपरना गलजाना
गलोद्देश　गलेकीनर्ई
गल्या　बड़ेकाशोंकासमूह
गवय　हिरनजाति
गवल　भैंसाकासींग
गवाक्ष　झरोपा महलकारोशनदान
गवाक्षी　गोंडंबा लौकीभेद
गवीश्वर　गौवोंकामालिक गोपाल
गवेडु
गवेधु } मुनियोंकाअन्न गोडुवा
गवेधुका
गवेषण　ढूंढना पतालगाना
गवेषणा　धर्मादिकोजानना
गवेषित　ढूंढाहुवा खोजकिया
गव्य　गौकादूधदहीघृतमठा
गव्या　गौओंकासमूह
गव्यूति　दोकोश
गहन　वन जहांदुखसेजाय
गह्वर　पुरानाखातबिलनकिसीकाबना या कंदरा दुर्गमवन
गह्वरी　पृथ्वी धरती
गांगेय　सुवर्ण कशेरू भीष्मजी
गांगेरुकी　बला विशेष ककई
गाढ़　अतिशय शीघ्रता
गाणिक्य　वेश्योंकासमूह
गांडिव
गांडीव } अर्जुनकाधनुष
गात्र　देह हाथीकाआगेकाभाग
गात्रानुलेपनी　उबटनकीवर्ती
गान　गीत गाना
गाधेय　विश्वामित्र गाधिनंदन
गांधार　स्वरभेद　[कीस्त्री
गायत्री　खैर गायत्रीआदिछंद ब्रह्मा
गारुत्मत　कालीमणि
गार्भिण　गर्भिणीकासमूह
गार्हपत्य　होमकीअग्नि
गालव　पठानीलोध
गिर
गिरा } वाणी
गिरि　पर्वत गिलना निगलजाना
गिरिकर्णी　विष्णुकांता
गिरिका　छोटीमूसरिया
गिरिज　शिलाजीत

गिरिजा पार्वती
गिरिजामल अबरख
गिरिमल्लिका कुरैआ औषधिविशेष
गिरिश / गिरीश } महादेवजी
गिलित खाचुके भोजनक्रिया
गीत गाना
गीर्ण स्तुतिकरना नमस्कारादि
गीर्णि निगरण निगलना
गीर्वाण देवता
गीष्पति बृहस्पति
गुग्गुल गुगुरवृक्ष [गजरा.
गुच्छ हारभेद फूलोंकेगुच्छा माला
गुच्छक जिसहारमेंबहुतकलीहों
गुच्छार्द्ध चौविसलरकीमाला
गुंजा घुघचिल रत्ती
गुड गुड -मट्टीकागोला
गुडपुष्प महुवा
गुडफल पीलुवृक्ष अक्रोड
गुड / गुडी } सेंहुड
गुडूची / गुडूची } गुर्च
गुण सतोगुण रजोगुण तमोगुण का गुण सन्धिविग्रहयानआसनद्वैध्या श्रय धनुपकाडोरा भोजनपकानेवा ला जोरी द्रव्य रस गन्ध ऐश्वर्य चतुराई इन्द्रियविषय परान्म स ध्याआदि
गुणवृक्षक नावकेंमध्यकाखंभ
गुणित गुणना जैसेदुःकोपाचसेगुणा तोदशहुये
गुंठित जिसमेंधूलिलगिजाय
गुत्स बत्तिसलरकीमाला
गुत्सार्द्ध चौविसलरकीमाला
गुद झाडेहोनेकीइंद्रिय गुदा गाड़ि
गुंद्र नागरमोथा
गुंद्रा कालाविधारा नागरमोथा
गुप्तवाद मंत्र जोछिपाकरकहाजाय
गुप्ति पृथ्वीकाविवर भांडाआदिखोद ना रक्षाकरना
गुंफित / गुफित } गुहना जैसे १०८ रुद्राक्षगुहने सेमाला
गुरण उद्यम जैसेगेहूलेनेकाउद्यमहै
गुरु बृहस्पति गर्भाधानादिकर्मकरने वाला
गुर्विणी गर्भिणी
गुल्फ घुंटुवा पांवकेऊपरकीगाड़ि
गुल्म,जिसवृक्षमेंगांठिनहो पिलही मांस कीगांठि सेनाभेद कुशादिगुच्छ
गुल्मिनी फैलीबेलि
गुवाक सुपारीवृक्ष
गुह स्वामिकार्तिक
गुहा कन्दरापर्वतोंमें पिठवनि
गुह्य गुप्तवात गुदा
गुह्यक देवताजाति
गुह्यकेश्वर कुबेर
गूढ छिपाहुवा
गूढपाद सर्प [ककात्मकर्ते
गूढपुरुष दूत भेदिहा जोछिपकरमालि
गूथ विष्ठा मैला
गून झाडेहोचुका

गृरण उद्यम
गुवाक सुपारीवृक्ष
गृंजन लहशुन
गृध्न वाञ्छाकरनेवाला
गृध्र गीध
गृध्रसी वातरोगभेद
गृष्टि वाराहीकंद शूकर
गृह घर स्त्री
गृहगोधिका } मुसरिया छुहिया
गृहगोलिका }
गृहपति घरकामालिक जोअन्नादिदान
नदेमेश्ःकरै
गृहयालु जोसबसेगृहणकरलेय
गृहस्थूण घरकाखंभ
गृहागत अभ्यागत जोअपनेयहांआवै
गृहाराम घरकेसमीपशोभाकेलियेबना बाग
गृहावग्रहणी देहली डेहरी
गृहिन् गृहस्थाश्रमी गिरिस्त
गृह्यक जोपक्षीपिजरामेंराखेजायँतोता आदि आधीनगात्र नौकर
गेंडुक }
गेंडूक } गेंदबालकोंकेखेलनेका
गेंदुक }
गेंदूक }
गेह घर मकान
गैरिक गेरू सोना
गैरेय शिलाजीत
गो बैल गौ स्वर्ग किरण वज्र चंद्रमा दिशा वाणी पृथ्वी जल दृष्टि वाण रोम

गोक्षुक गुखुरू
गोकर्ण जिसहिरनकेगौकेसमानकानहों अंगुठाअनामिकायुतगोकर्ण
गोकर्णी मुरहरी साप
गोकुल गौवोंकासमूह
गोक्षुरक गुखुरू
गोचर मरुट
गोजिह्वा गोभी
गोडुवा औषधिविशेष
गोंड नाभि नीचजाति
गोत्र पर्वत कुल नाम
गोत्रभिद् इंद्र
गोत्रा पृथ्वी गौवोंकाझुंड
गोद मस्तककीचरबी
गोदारण हल
गोदुह } गोपाल अहीर ग्वाल
गोदोह }
गोधन गौवोंकासमूह
गोधा तल धनुषके पकड़नेकोहाथमें चमड़ाआदिबांधना
गोधापदी हसपदी लाललजालू
गोधि माथा
गोधिका पानीकीगोह
गोधिकात्मज स्थलकीगोह
गोधूम गोहूं
गोनर्द केवटियामोथा
गोनस जिससर्पकीगौकेसमाननाकहो
गोप,बहुतगौकामालिक अहीर ग्वाल
गोपति स्वेच्छाचारीबैल अहं
गोपरस गधरस

गोपानसी मकानकाऊपर महल अटरा
गोपायित रक्षाकिया
गोपाल अहीर ग्वालिया
गोपी सारिवाऔषधि. [सवद्वार.
गोपुर नगरकाद्वार केवटिआमोथा
गोप्यक दास नौकर चाकर
गोमत् गौवोंकामालिक
गोमय गोवर
गोमायु सियार
गोमिन् गौवोंकास्वामी
गोरस दंडसेमथागोरस मठाआदि
गोर्द माथेकीचरवी
गोल गोलपिंड. [यारसेहो
गोलक विधवाकापुत्र पतिमरनेवाद
गोला नैपालीमैनसिल
गोलीढ धंटा पाटलिवृक्ष मोरवावृक्ष
गोलोमी वचा सपेददूब जटामासी
गोवन्दी कालाविधारा
गोविंद गोवर. [गोपाल बृहस्पति.
गोविंद,भगवान् जिन्होंनेनंदकीगौचराई
गोशाल गोशाला
गोशीर्ष हरिचंदन
गोष्ठ गौवोंकास्थान
गोष्ठपति गोप अहीर
गोष्ठी सभा
गोष्ठीन जहांप्रथमगौवेंरहचुकी
गोष्पद गौकेखुरकेसमान
गौसर्ग प्रातःकाल भोर
गोसंख्य ग्वालिया अहीर
गोसान चारलरकीमाला गौकेथन
गोस्तना } दाष.
गोस्तनी }
गोस्थानक गौकास्थान. [कानाम.
गौतम शाक्यमुनि बुद्धभेद, एकऋषि
गौधार }
गौधेय } गोह.
गौधेर }
गौर सपेदरंग पीतरंग लालरंग
गौरव उठिकैआदरकरनागुरुआदिका
गौरिला पृथ्वी धरती
गौरी पार्वती जिसकेरजस्वलानहुवाहो
गोरोचना स्त्रीजिसकेगर्भादिन हु
वाहो जिसस्त्रीकेदोनोंवंशशुद्धहों
गौष्ठीन प्रथमगौकास्थानजहांपररहाहो
ग्रथित गुहनामालादिका
ग्रंथ पुस्तक शास्त्र धन
ग्रंथि बांसादिकीगांठि
ग्रंथिक पिपरामूल
ग्रंथित गुहनामालादिका
ग्रंथिपर्ण कुकरौंधा
ग्रंथिल मुवावृक्ष विकंकत. [किया
ग्रस्त ग्रहणकिया अस्तरलुप्तहो भोजन
ग्रह ग्रहणपड़ना सूर्यादिग्रह
ग्रहणीरुज संग्रहणीरोग
ग्रहपति सूर्य
ग्रहिणी रोग
ग्रहीत् सत्रग्रहणकरले
ग्राम गांव स्वरग्राम शब्दग्राम
ग्रामणी नाऊ श्रेष्ठ गांवकास्वामी
ग्रामतक्ष गांवकाबढ़ई
ग्रामता बहुतसेगात्र

ग्रामाधीन गांवभरकाकारीगर
ग्रामांत गांवबाहर
ग्रामीणा नील लील
ग्राम्य शिथिलवाणी गंवारूबात
ग्राम्यधर्म मैथुन स्त्रीपुरुषकासंयोग
ग्रावन् पर्वत पत्थर
ग्रास कवल गिरास
ग्राह मगरा ग्रहण
ग्राहिन कैथावृक्ष
ग्रीवा गल
ग्रीष्म गरमीऋतु
ग्रैवेयक गलेकागहनाकंठादि
ग्लस्त भोजन
ग्लह जुवांजीतनेकादांव
ग्लान } दुखीरोगसे
ग्लाष्णु
ग्लौ चंद्रमा

(घ)

घट घड़ा कलश
घटना } हाथियोंकीसग्रामकीतैयारी
घटा
घटीयंत्र रहट जिमयंत्रमेपानीऊंचेपर जाय
घट्ट घाट
घटा } मोरवाऔषधि बाजा
घटापाटलि
घटापथ राजाओंकीराह
घंटारवा शनपुष्पी [जाकोबोधकरें
घटिकार्थक बदीजन जेघंटाबजाकररा
घन मेघ घटाभांभआदि मयनाच मुद्गर अतिसघन कठिनता मूर्ति गुण
घनरस जल
घनसार कपूर
घनाघन बहुतघन
घर्म पसीना गर्मी
घस्मर भोजनकरनेवाला
घस्र दिन
घाटा गलेकेपीछेकीनसै
घांटिक बदीजन
घात बध मारडालना
घातुक मारनेवाला परद्रोही वैरी
घास तृण
घुटिका घुंटुवा पैरकेऊपरकीगांठि
घुण काठकाकिरवा
घूक घुघुवा उल्लू
घूर्णित जिसेबहुतनींदहो ओंघाई
घृणा दया करुणा निंदा
घृणि सूर्यकीकिरण
घृत घी अमृत
घृष्टि वाराहीकन्द शूकर
घोटक घोड़ा
घोणा नाक
घोणिन् शूकर
घोंटा बेर सुपारीवृक्ष
घोर भयानक
घोष गोपालोंकेघर अहीरोंकेग्राम
घोषक कवई नागनला [राना
घोषणा बहुतजोरसेशब्दकरना गोहे
घ्राण नाक सुगन्धलेना
घ्राणतर्पण सुन्दरसुगन्ध

घ्रात सुगन्धलिया

(च)

च पादपूरणमें दोक्रियाकेशब्द
चकोरक,चकोर.[चकहा पैहा सेना राज्य
चक्र सुदर्शनचक्रादि भँवरपानीकी
चक्रकारक व्याघ्रनख औषधि
चक्रपाणि भगवान जिनकेहाथमेंचक्रहै
चक्रमर्दक चकौड. [युतसवारी.
चक्रयान पुष्परथ राजाओंकीआनन्द
चक्रला मोथा
चक्रवर्तिन् सब पृथ्वीकाराजा
चक्रवर्तिनी चकवतऔषधि
चक्रवाक चकहा
चक्रवाड पृथ्वीकेआसपासकापर्वत
चक्रवाल मेघोंकामंडल पृथ्वीकेचारौं ओरकापर्वत
चक्रांग चकहापत्ती
चक्रांगी कुटकी
चक्रिक वंदिजन
चक्रिन् सर्प
चक्रीवत् गदहा
चक्षुःश्रवस् सर्प सांप
चक्षुष् नेत्र आंख
चक्षुष्या कालासुरमा
चंचल चपल चालाक
चचला बिजुली
चचु अएडाकावृत्त पत्तीकीचोंच
चटक गरगवापत्ती
चटका गरगैया
चटकाशिरस् } पिपरामूढ़
चटिकाशिरस् }
चटु प्रेमसेपरस्परझूठबातकहना
चटुल चलायमान चलतोंफिर
चणक चना लहिला
चएड बड़ाक्रोधी
चण्डा धनहरीऔषधि मूसापर्णी
चण्डांशु सूर्य
चण्डात कनैर कईल
चण्डातक लहँगा विवाहकीपेरीपवित्रा
चंडाल ब्राह्मणीमेंशूद्रसेहो चांडाल
चंडालवल्लकी } चण्डालोंकीवीणा चि-
चंडालिका } कारा बांसुरीआदि
चण्डिका श्रीपार्वती
चतुःशाल चौकघरकी जिसकेचारों ओरशालावनीहों
चतुर होशियार
चतुरंगुल धन वहेडावृत्त
चतुरानन ब्रह्मा जिनकेचारमुख है
चतुर्भद्र धर्म अर्थ काम मोक्षसमेत
चतुर्भुज विष्णु जिनकेचारबाहैं
चतुर्वर्ग धर्म अर्थ काम मोक्ष
चतुष्पथ चौरहा चौक
चतुर्हायणी चारवरसकीगौ
चत्वर आंगन यज्ञकेलियेसंस्कारकि यापृथ्वीकाभाग
चन कुछ
चन्दन हरिचन्दन सपेदचन्दन
चन्द्र चन्द्रमा कपिलाऔषधि कपूर सोना जल
चन्द्रक मोरपुच्छ जोनेत्राकारहोताहै
चन्द्रभागा } नदीकानाम
चन्द्रभागी }

चन्द्रमस् चन्द्रमा
चन्द्रवाला इलाचीबड़ी
चन्द्रशाला घरकाशिरा [चंद्रमा है
चंद्रशेखर श्रीमहादेव जिनकेमाथे में
चन्द्रसंज्ञ कपूर
चन्द्रहास खड्ग शिवकाखड्ग जोरावण
　एकोशिवनेदियाथा
चन्द्रिका चांदनी उजेरिया
चपल चालाक जोअपनेआगेदूसरेको
　नसमझे शीघ्रता पारा जोबिना
　विचारकोईकामकरै
चपला बिजुली पीपरि
चपेट चटकना थप्पड़ लपोटा
चमर हिरन जिसकीपूंछचमरकेकाम
　आवै चवर रोमोंकागुच्छा
चमरिक कचनारवृक्ष
चमस पात्रभेदयज्ञादिकोंका
चामसी प्रणीता यज्ञकापात्र
चमू सेनाभेद सेना
चमूरु हिरनजाति
चम्पक चंपावृक्ष. [ऋुद्र
चय परिखाकीमाटी खाईकीमेड़ समूह
चर भेदिहा दूत जोछिपकरकामकरै
　चलना
चरक वैद्यककाशास्त्र
चरण पैर पांव
चरणायुध मुर्गा
चरम अन्त नाश
चरमक्ष्माभृत् अस्तपर्वत जहांसूर्यअस्तहो
चराचर चलना स्थावरजंगमजीव

चरिष्णु चलनेवाला
चरु हवनकाचरु भातक्रियापात्र
चर्चरी ताली गान
चर्चा प्रमाणोंसेपरीक्षाकरना देहमें
　चन्दनादिलगाना
चर्चिका चामुंडादेवी
चर्मन् हिरनाआदिकीचाम ढाल
चर्मकषा थूहर थोहर
चर्मकार चमार मोची
चर्मप्रभेदिका चमडासीनेकीरापी
चर्मप्रसेविका } भाथी धौंकनी जिससेआ
चर्मप्रसेवक } गितेजकीजाय
चर्ममुण्डा चामुण्डा देवी
चर्मिन् भोजपत्र ढाललियेपुरुष
चर्या उपासनागुरुआदिकी
चर्वित भोजनकिया चबाया
चल चलना
चलदल पीपरवृक्ष जिसकाशनिवार
　कापूजनहोताहै
चलाचल चलना
चलित कुछकांपना सेनाकाचलना
चविका }
चविका } चावऔषधि
चव्य }
चव्या }
चषाल यज्ञस्तम्भकेऊपरकाकाठ
चषक मदिराकावर्तन पियाला
चाक्रिक घंटीजन
चांगेरी अम्लोनिया
चाटकैर गरगवाकावचा
चाटु परस्परझूठीबात

चांडाल) अधम अतिनीच चांडालजा
चांडाल } ति ब्राह्मणीमेंशूद्रसेहो
चांडालिका नीचोंकाबाजा
चातक पपीहा
चातुर्वर्ण्य ब्राह्मण क्षत्री वैश्य शूद्र
चांद्रभागा } एक नदीकानाम
चांद्रभागी }
चाप धनुष कमान
चामर } बालव्यजन,रोमोंकागुच्छा
चामरा } चंवर
चामीकर सुवर्ण सोना
चामुंडा देवी
चापेय चंपा नागकेशर
चार ‒ छिपाहुवादूत,बंधन
चारटी ‒ स्थलकाकमल
चारण नट,कथक
चारु मनोहर सुन्दर
चार्वाक जैनिमतीशरावगी
चार्चिक्य देहमेंचंदनादिलेपकरना [का
चालनी ‒ चलनी चालनाधान्यादिको
चाष } नीलागलासपक्षी
चास }
चिकित्सक वैद्य दवादेरोगीको
चिकित्सा रोगकाप्रतीकार जिनदवाओं
दिउपायोंसेरोगनाशहो
चिकुर बाल औरजोबिनाविचारेकिसी
कोमारडालेउसेदंडदेउसका नाम
चिहुर बाल
चिक्कण चिकना
चिक्कस पात्रभेद
चिंचा अमिली

चित् सुधि ज्ञान कुछ
चिता } मुर्दाकोजलानेकोलियेलकड़ीआ
चिति } दिइकट्ठाकरआगिलगाना
चित्त मन [रनरहै
चित्तविभ्रम उन्माद जिसकाचित्तस्थि
चित्तसमुन्नति मान औरसेअपनाको
अधिकविचारना
चित्तोद्रेक गर्व अभिमान
चित्ताभोग मनकासुख
चित्या चिता [वीर
चित्र चुनरीआदिकारंग आश्चर्य तस
चित्रक अरण्डकापेड़ चीत माथेकाति-
लक
चित्रकर चितेर रंगरेज
चित्रकृत् तिनिसवृक्ष
चित्रकाय सिंह
चित्रतंडुला विडंग
चित्रपर्णी पिठवानि
चित्रभानु सूर्य अग्नि
चित्रशिखंडिज } बृहस्पति चित्रशिखंडी
चित्रशिखंडिन् } अंगिरातिनकेपुत्र
चित्रा मूसापर्णी गोंडुवा
चिंता स्मरण मनकाविचार
चिपिटक भूनेधानकेचाउर भूनेयव
चिबुक ओठकेनीचेदाढीकेऊपर
चिरक्रिय थोड़ीदेरकेकाममेंबहुतदेरल
गावेउसआलसीकानाम
चिरजीविन् बहुतकालजिये
चिरंटी,बिवाहितास्त्रीकुछयौवनकोप्राप्तहो
चिरंतन प्राचीन पुराना [करनि
चिरप्रसूता बहुतदिनकीबियानिगौ प्र-

चिरविल्व करंजवृक्ष
चिरात्राय
चिरस्य
चिराय } बहुतदिन बहुतरात बहुत
चिरिंटी विवाहकेबादकुछयुवास्त्री
चिरिविल्व करंजवृक्ष
चिलिचिम
चिलिचिमि } जलथलचलनेवालीमछरी
चिल्ल चील्ह चिपड़ा जिसकेआखसे पानीबहै
चिल्लका झींगुर
चिह्न लक्षण मसा तिलआदि
चीन हिरणजाति
चीर वस्त्र
चीरी
चीलिका } झींगुर
चीवर ऋषिनकावस्त्र
चुक्र अमिलवेत चूक शाग
चुक्रिका अम्लोनिया
चुल्ल चिपड़ा जिसकेआखमेपानीबहै
चुल्लि
चुल्ली } चूल्ह जिसमेंभोजनपदार्थबनाये जातहैं
चूचुक स्त्रीकीछातीकीनोक
चूड़ा मोरकीचोटी चोटी शिखा झोटई
चूड़ामणि शिरमेंधारणकरनेकीमणि
चूड़ाला मोथाविशेष
चूत आमकावृक्ष
चूर्ण सुगधिकीवस्तुकाचूर्ण पीसीवस्तु
चूर्णकुंतल टेढ़ेबाल
चूर्णि चूर्णिका चुनी
चूलिका कानकेनीचेकास्थान

चूष्या जौरीकमरबांधनेकी
चेटक
चेडक } दास नौकर
चेत् पक्षांतर दूसरीबात
चेतकी हर्रे
चेतन प्राणी जीव
चेतना बुद्धि
चेतस् चित्त मन
चेल वस्त्र कपड़ा अधम नीच
चैत्य यज्ञकाघर
चैत्र चैतकामहीना
चैत्ररथ कुबेरकाबाग
चैत्रिक चैत्र
चैल,वस्त्र कपड़ा अधम नीच [तालफल
चोच दालचीनी अथवायाफल
चोदिनी यवासा जवासा
चोर चोर [कीबेलि
चोरपुष्पी शखाँलीबेलि कौडिल्ला
चोरिका चोरी [अँगिया
चोल चोलिया स्त्रियोंकीछातीकावस्त्र
चौर चोर
चौरिका
चौर्य } चोरी
च्युत गलिजाना गिरपड़ना बहना

(छ)

छगलक बोकरा
छगला
छगलाघ्री
छगलांटी
छगलांत्री } विधारामौषधि
छत्र राजाओंकाछत्र छाता

छत्रा सौंफ तृण धनिया
छत्राकी सर्पाची
छद पता पखना पर पंख
छदन पता
छदिस् छादन शांकर
छद्मन् कपट शठता
छंद अभिप्राय आशय आधीन
छंदस्,गायत्रीआदिछंद आशय आधीन
छन्न छिपीजगह एकांत ओढाना मूं-
दना छिपाना
छल कपट
छबि शोभा प्रभा
छाग बोकरा
छागी बोकरी
छात निर्बल दूबर खंडित
छात्र शिष्य चेला जोगुरुकेदोषनकहे
छादित छिपाना
छांदस वेदपाठी वेदपढनेवाला
छाया सूर्यकीप्रिया परछाहीं
छायानाथ सूर्य छायाकेपति
छित खंडित
छिद्र छेद फूटा
छिद्रित छेदेगये छेदकिया
छिन्न कटा खंडित
छिन्नरुहा गुर्च. [आती है.
छुछुंदरी छछूंदरि जिसकीदेहसे दुर्गंध
छुरिका छूरी गुप्ती
छेक पिंजराकेपची
छेदन कतर्ना काटना

(ज)

जगत् पृथ्वीतल संसार चर जगम
जगच्चक्षुष् सूर्य संसारकेनेत्र
जगती मनुष्यलोकपृथ्वी
जगत्प्राण वायु हवा
जगर कवच बख्तर
जगल धतूरवृक्ष
जग्ध भोजनकिया खाया
जग्धि भोजन
जघन स्त्रीकीकमरकाआगेकाअंग
जघनेफला कटूंबरिवृक्ष
जघन्य अन्त्य छोटा नीच
जघन्यज छोटाभाई शूद्र
जंगम जोजीवचलतेहैं. [जाति
जंगमेतर स्थावर जोचलनहींसके वृ
जंघा जांघ पोंडरी [हांकिया
जंघाकरिक जंघाजीव धावन कासिद
जंघाल }
जंघिल } बहुतजल्दचलनेवाला
जटा वृक्षकीजड ब्रह्मचारीआदिकी
शिखा बहुतबालएकमेंमिलेहों ज
टामासी
जटाजूट शिवजीकेजटा ऋषियोंकेजटा
जटामासी जटामासी
जटि }
जटिन् } पकरियाकावृक्ष
जटिला जटामासी
जडुल } लहशुनकाचिन्हकालारंगकाम
जट्टुल } नुष्यदेहमे
जठर पेट कठिन

जड़ जाड़ा मूर्ख जोबातकहसुननसके
जतु लाख
जतुक हींग
जतुका चिमगादर चकवत
जतुकृत } चकवत
जतूका }
जतुका चिमगादर
जत्रु कंधाछातीकेबीचकीहड्डी
जनक पिता बाप
जनंगम चांडाल
जनता मनुष्योंकाझुंड
जनन जन्महोना पैदाहोना कुल वंश
जननि } माता महतारी
जननी }
जनपद देश जिला
जनयित्री माता महतारी
जनश्रुति लोकवाद कहावत
जनार्दन भगवान
जनाश्रय मंडफ टिकनेकास्थान
जनि उत्पत्ति पैदाहोना वधू चकवत पुत्रकीस्त्री नवीनस्त्री
जनित्री माता
जनी उत्पत्ति चकवत वधू पुत्रादिकोंकीस्त्री नवीनस्त्री
जनुस् जन्महोना
जंतु जीव
जंतुफल गूलरि
जन्मन् } जीव
जन्मिन् }
जन्य विवाहकेपैवरकेभैयागुरआदि संबन्धियादि निंदाकीवार्ता
जन्यु जीव
जप नित्यवेदपढ़ना मंत्रजपना
जपापुष्प गुड़हरपुष्प जासवंद
जमन भोजन
जंपती स्त्रीपुरुष
जंबाल कीच चहला
जंबिर जंभीरीनिंबू
जंबीर जंभीरीनिंबू मरुवा
जंबु जामुन फरेंद
जंबुक सियार नीच वरुण
जंबू जामुन फरेंद
जंबूक सियार
जंभ जंभीरीनिंबू [माराः
जंभभेदिन् इन्द्र जिन्होंनेजंभदैत्यको
जंभर }
जंभल } जंभीरीनिंबू
जंभीर }
जंभीर मरुवा [जीति
जंथ नरवेल शत्रुसेजीतना जय जीत
जयन जय जीत
जयंत इन्द्रकापुत्र
जयंती } जीति थोरपेशाख
जया }
जय्य जीतनेकोसमर्थ
जरण जीरा
जरत् वृद्ध बूढ़ा
जरद्गव बूढ़ाबैल
जरा बुढ़ापा बुढ़ापा
जरायु गर्भाशय गर्भकाढ़ापन

जरायुज मनुष्यगौघोड़ाआदिजितने गर्भसेपैदाहोतेहैं
जल पानी
जलंगम चांडाल धीवर निषादादि
जलजतु मगरा घड़ियालआदि
जलधर मेघ बादर
जलनिधि समुद्र
जलनिर्गम भँवरनदीआदिमें
जलनीली शेवार
जलपुष्प कमलकोकाबेलिआदि
जलप्राय कच्छदेश बहुतजलकादेश
जलमुक् मेघ बादर
जलव्याल पनिहासांप. [करतेहैं
जलशायिन् नारायण जोजलमेंशयन
जलशुक्ति सीपी सुती
जलाधार तड़ागादि
जलाशय तड़ागादि जलकातृण
जलोच्छ्वास जलबहनेकेनाराआदि
जलौकस् } जलजीव
जलौका }
जल्पाक बतकहा बहुतबातकहै
जल्पित कहीबात
जव वेग शीघ्रता तुर्तही
जवन जल्दचलनेवाला तुर्तही वेग
जवनिका परदा कनात
जवापुष्प गुड़हरकाफूल
जहा कँवाच
जह्नुतनया गंगा जिनकोजह्नुनामऋषिनेपीलिया फिरसबकीप्रार्थनासे प्रगटकिया
जागर कवच बख्तर
जागर्या जागना
जागरित् } जागनेवाला
जागरूक }
जागर्या जागना [गारुड़ी
जांगुलिक विषकेझाड़नेवालेवैद्य
जांघिक डांकिया कासिद
जात जाति उत्पन्न
जातरूप सुवर्ण सोना
जातवेदस अग्नि
जातापत्या जोस्त्रीपुत्रादिउत्पन्नकरचुकी
जाति जाति जूही समगोत्र
जातिकोश } जायफर
जातिफल }
जाती जूही चमेली मालती
जातीकोश } जायफर
जातीफल }
जातु किसीकालमें
जातुधान राक्षस
जातुष लाखकाविकार चूरीआदि
जातोक्ष नयाबैल
जानु गांठी [रनेवाला
जाबाल गड़रिया बोकरीसेजीविकाक
जामातृ दमाद जमाई
जामि बहिनि कुलकीस्त्री
जांबव जामुन फरेंद
जायक पीतचंदन केशरिआदिसेसंयुत
जाया स्त्री
जायाजीव स्त्रीसेजीविकाकरै नटादि
जायापती स्त्रीपुरुष
जायु औषध दवा

जार दूसरापतिकरना यार-[मारनेका-
जाल,समूह झरोपा जालमञ्जरीआदि
जालक नईकलीफूलकी
जालिक जोजालसेमृगाकोंबांधले
जाली पद्दवली
जाल्म नीच जोविनाविचारकामकरै
जिघत्सु भूँपा
जिंगी मजीठ
जित्वर जीतनेवाला
जिन बुद्ध बौध
जिष्णु इन्द्र अर्जुन जीतनेवाला
जिह्म कुटिलदुष्टआलसी
जिह्मग सर्प
जिह्वा जीभ
जीन वृद्ध बूढ़ा
जीमूत मेघ बादर देवताड़ी पर्वत
जीरक जीरा
जीर्ण पुराना
जीर्णवस्त्र पुरानाकपड़ा
जीर्णि पुरानता
जीव,प्राणधारणकरना जीवतातुआजीव
जीवक पीतशालक असणा जीवक
जीवजीव } मोरकेसमानपक्षी
जीवंजीव }
जीवन पानी जीविका
जीवनी } औषधि
जीवनीया }
जीवनौषध आयुर्दाय रक्षाकाउपाय
जीवंतिक पक्षीकामारनेवाला
जीवंतिका बांदा गुर्च

जीवंती } औषध
जीवा }
जीवाजीव मोरकेसमानपक्षी
जीवातु आयु जीवरक्षाकाउपाय
जीवांतक जीवकामारनेवाला
जीविका व्यापार
जीवितकाल आयु
जुगुप्सा निंदा
जुंग सोमवल्ली जिसकेपत्ताशुक्लपक्षमें
हों कृष्णपक्षमेंगिरपड़ें
जुहू सुवाभेद हवनके
जूति } ज्वर
जूर्ति }
जृंभ } जमुहाई
जृंभण }
जेतृ जीतनेवाला जीतनेकोजाय
जेमन भोजन
जेय जीतनेयोग्य
जैत्र जीतनेवाला
जैवातृक चन्द्रमा आयुर्दायवान
जैमिनीय मीमांसक मीमांसापढ़नेवाला
जोंगक अगर
ज्योत्स्नी पटोलिका परवरकीबेलि
जोषम् सुख चिननीकरना
जोषा }
जोषित् } स्त्री नारी
जोषिता }
ज्ञ पण्डित
ज्ञप्ति } समझगया मानगया
ज्ञप्त }
ज्ञप्ति बुद्धि

ज्ञातसिद्धांत शास्त्री शास्त्रपढ़नेवाला
ज्ञाति बंधु कुटुंबी
ज्ञातृ जाननेवाला
ज्ञातेय बंधु कुटुंबी
ज्ञान मोक्षविषयकाज्ञान
ज्ञानिन् ज्योतिषीपण्डित ज्ञानी
ज्या पृथ्वी धनुषकाडोरा
ज्याघातवारण तल बाणफेंकनेको हाथमेचमड़ाबांधना
ज्यानि पुरानता बुढ़ापा
ज्यायस् बहुतबूढ़ा शुभतामें
ज्येष्ठ जेठमहीना बड़ाभाई अवस्था
ज्योतिरिंगण जुगुनू
ज्योतिषिक ज्योतिषीपण्डित
ज्योतिष्मती मालकांगुनि
ज्योतिस्,नक्षत्र प्रकाश आंखकीपुतली
ज्योत्स्ना चांदनी उजेरिया पटोलिका परवरकीबेलि
ज्योत्स्नी चांदनीरात
ज्वर रोग ज्वर
ज्वलन अग्नि
ज्वाल अग्निकीलपट

(झ)

झंझावात आंधीपानीसहित
झटा } पृथ्वीकाआँवरा
झटामला }
झटिति शीघ्रता
झर झिरनापहाड़ोंके
झर्झर } बाजा डमरूकेभेद
झल्लरी }
झष मछली
झषकेतु अनिरुद्ध कृष्णकापौत्र
झषा नागवला ककही
झाटल मोरवृक्ष घंटापाटलि
झाटलि मोखावृक्ष
झावुक झाऊ
झिंटी कुरंटक झिंटी पुष्पभेद
झिरिका }
झिरीका }
झिरुका }
झिल्लका } झींगुर.
झिल्लिका }
झिल्लीका }
झिरका }
झीरुका }

(ट)

टंक टांकीपत्थरफोरनेकी कालाकैथा खंता जंघा अहंकार क्रोध तरवार कामियान
टिटिभक } टिटिहरी.
टिट्टिभ }
टीका अर्थ
टुंटुक स्योनाकवृक्ष

(ठ)

ठ,महेश्वर शून्य बहुतशब्द वेमतलबवात

(ड)

डमर,उपद्रवसेमनुष्यादिकालोटना नाग
डमरु बाजा
डयन स्त्रियोंकीसवारी
डहु } बढ़हर.
डह }

डालिम दारिम्बा अनार
डिंडिम डमरूभेद
डिंडीर समुद्रफेन
डिंब दुःखसेलोटना मरना
डिंभ बचापन्नीका बालक पाखंडी
डिंभा दूधपीनेवालाबालक
डुंडुभ दुमुहासांप जिसकेविषनहो
डुलि कछुई

(ढ)

ढक्का एकबाजाकानाम

(त)

तक्र मठा
तक्षक सांपकानाम बढ़ई
तक्षन् बढ़ई काठकाटनेवाला
तंक टांकीपत्थरफोरनेकी
तट किनारानदीआदिका
तटाक तड़ाग ताल
तटिनी नदी
तड़ाग ताल तालाब
तड़ित् बिजुली
तड़िद्वत् संताप पीडा
तंडक मेघ बादर
तंडुल विडंग चावर
तंडुलीयक चौराई
तत वीणादिबाजा विस्तार
ततस् कारण [काल
तत्काल ततक्षण तिसीसमय वर्तमान
तत्त्व हाथपैरसेनाचना पृथ्वीजलअग्नि वायुआकाश
तत्पर तिसीकाममेंलगा
तथा समता जैसेहरितैसेहर
तथागत जिन बौद्ध
तथ्य सत्य सचाई
तद कारण
तदा तिससमय
तदात्व तिसीसमय वर्तमानकाल
तदानीम् तिससमय
तनय पुत्र लड़का
तनु देह छोटा विरल खाल
तनुत्र कवच बख्तर
तनू देह [छोटाकिया
तनूकृत छोटाकरना जैसेभारीकाठको
तनूनपात् अग्नि
तनूरुह रोमा पंखपक्षियोंके
तंतु डोरा सूत
तंतुभ सरसों
तंतुल विडंग
तंतुवाय कोरी जोकपड़ाबिनताहै मकरी
तंत्र श्रेष्ठ सिद्धांत
तंत्रक नवाकपड़ा
तंत्रवाप कोरी
तंत्रवाय कोरी मकरी
तंत्रिका गुर्च
तंद्रवाय कोरि
तंद्रा तंद्रि तंद्री } सोनेकेपहिलेपाहिलेकीआलस्य कुछ नींदआना
तप गर्मीऋतु तपस्या
तपःक्लेशसह तपस्यावान जितेंद्रिय
तपन सूर्य नरककानाम
तपनीय सुवर्ण सोना

तामसी अंधेरीरात
तांकवल्ली } नागवेलि पानकीवेलि
तांबली
ताम्रक तांवा
ताम्रकर्णी दिशागजकीपत्नीकानाम
ताम्रकुट्टक तांवकेकामवाले
ताम्रचूड मुरगा
तार अतिउच्चस्वर मोतीकाहार चांदी शिरसेंशब्दकरना
तारकजित् स्वामिकार्तिक
तारका नक्षत्र आंखकीपुतली
तारा नक्षत्र
तारापथ आकाश
तारुण्य युवावस्था जवानी
तार्क्ष्य गरुड़ घोड़ा
तार्क्ष्यशैल अंजनविशेष
ताल कालक्रियाकापरिणाम नियम काकारण तालशब्दताडवृक्ष अंगूठावीचअंगुरीकाविस्तार ताल इ रिताल
तालपत्र कानकागहना कुंडलादि
तालपर्णी तालीसपत्र
तालमूलिका मूसली
तालवृंतक ताडकापंखा वेना
तालांक यन्देव जिनकेध्वजामेंताडका चिन्हहै [व पचादि.
ताली पृथ्वीकाअवरा ताडकीमदिरा
तालु तलुवामुहकेभीतर
तावत् तवतक
तिक्त तीतरस तीपा निंवादि
तिक्तक निंवादिरस पठवल
तिक्तशाक वरुणवृक्ष
तिग्म बहुतगरम
तिङ्सुवन्तचय,पदसमूह क्रियाकीवाणी
तितउ चलनी पिसानचालनेकी
तितिक्षा पराईचढ़तीदेखिप्रसन्नहोना सहनशीलता
तितिक्षु सहनशीलताकास्वभावहो
तितिडीक चूक
तित्तिरि } तीतुर
तित्तिर
तिथि परेवाआदि
तिनिश वृक्षविशेष
तिंतिडी—अंविली
तिंतिडीक चूक
तिंतिली अंविली
तिंदुक } तेंदूवृक्ष
तिंदुकी
तिमि } मछलीभेद
तिमिंगिल
तिमित बोदा गीला
तिमिर अन्धकार अंधेरा
तिरस् अन्तर्ध्यान तिरछा
तिरस्करिणी } परदा कनात
तिरस्कारिणी
तिरस्क्रिया अनादर निरादर
तिरीट भितलोधवृक्ष सोधिस्थाननगों के चारकोश शिरकागहना
तिरोधान आच्छादन छायामेंपाटकी
तिरोहित छिपगइना छिपना
तिर्यंच तिरछाचलनेवालाप्राणी
तिलक तिलकपूलकावृक्ष टीकाति

तुल्यपान साथभोजनकरना
तुवर रस हर्रेआदिका
तुष बहेर धानकेकन भूसी
तुषार पाला हेमंतऋतु
तुषित देवतोंकागण ३६
तुहिन पाला जाड़ा
तूण } भाथा तरकस तीरभरनेका
तूणी }
तूणी नील
तूणीर तरकस भाथा
तूद पार्श्वपिप्पली तूतवृत्ति
तूर्ण तुरत तुरंत शीघ्र
तूल कंदवृक्ष कपास
तूलिका सलाई
तूवर रस हर्रआदिका दाढ़ीरहितवायें पु-
रुष विनदाढीकाज्वान
तूवरिका तूर अरहरि
तूष्णींशील } मुहचुप्पा चुपचाप
तूष्णीक }
तूष्णीकाम् } मौनहोना चुप्परहना
तूष्णीम् }
तृण } तिन तृण तिनकावृक्ष
तृणद्रुम }
तृणधान्य पसूहीं ऋषियोंकाअन्न
तृणध्वज वास
तृणराज ताड़वृक्ष
तृणशून्य बेला फूलकापेड़
तृण्या तिनकीखरही
तृतीयाकृत तीनवारजोताखेत
तृतीयप्रकृति } नपुंसक नामर्द
तृतीयाप्रकृति }
तृप्त बहुतआनंद परिपूर्ण
तृप्ति तृप्तहोनाकिसीकामसे
तृष वांछा पियास
तृष्णक वांछाकरनेवाला
तृष्णा वांछा पियास
तेज द्रव्यदंडसेनासेहोताहै प्रभाव प्रताप
तेजन } नरकुल शैंठा
तेजनक }
तेजनी मुरहरीऔषधि
तेजस् वीर्य प्रभाव प्रकाश बल
तेजसांराशि सूर्य
तेजित शानसेचाकूआदितेजकरना
तेम बोदाहोना भीजजाना
तेमन कढी दहीबेसनआदिकी
तैजस सोनाआदिधातु [रिया
तैजसावर्तनी सोनाआदिगलानेकीघ-
तैत्तिर तीतुराकाझुण्ड
तैलपर्णिक सुपेदडंडाचंदन
तैलपायिका तेलमेंडूबनेवालेसुजिया
तैलपाता,स्वधाकर्म जिसमेंतिलपातहोतेहैं
तैलीनवत् तिलोंकाखेत
तैष पौषमहीना
तोक लड़कालड़की
तोकक पपीहापक्षी
तोक्म हरेजव
तोटक वृत्तभेद रूपकभेद
तोत्र } चाबुक कोड़ा डंडा आँगी
तोदन }
तोमर आयुधप्रथानीकेसमान
तोय जल पानी

तोयपिप्पली जलपीपरि
तोरण वदनवार द्वारकाबाहर
तौर्य नाचगानवाजामिलकर
त्यक्त त्याग जैसेदेहत्याग
त्याग दान देना
त्रपा लज्जा शरम
त्रपु रांगा
त्रयी ऋग्यजुसामवेद वेदकानाम
त्रयीतनु सूर्य ऋग्यजुसामकेमूर्ति
त्रस चलना
त्रसर कोरीकासूतलपेटना
त्रस्त } डरजाना भयभीत
त्रस्तु }
त्राण } रक्षाकिया रक्षाकरना
त्रात }
त्रापुप रांगेकीवस्तु
त्रायती } औपधि
त्रायमाण }
त्रास भय डर
त्रिक नाचगानबाजा रीरहड्डीपीठकी
त्रिककुद् त्रिकूटपर्वत
त्रिकटु सोंठि मिर्च पीपरि
त्रिका कुवाकीनेवारि कठवारि
त्रिकूट पर्वत जहालकापुरीहै समुद्रलोन
त्रिखट्व } तीनखटिया पलंगतीन चार
त्रिखट्वी } पायीतीन
त्रिगुणाकृत तीनबारजोताखेत
त्रितक्ष } तीनबारछोटाकिया
त्रितक्षी }
त्रिदश देवता
त्रिदशालय } स्वर्गलोक देवलोक
त्रिदिव }
त्रिदिवेश देवता [पवित्रकरतीहै
त्रिपथगा गंगा जोतीनधारहोत्रिभुवन
त्रिपुटा निशोथ छोटीइलाची
त्रिपुटी निशोथ [कोमारा
त्रिपुरांतक महादेव जिन्होंनेत्रिपुरासुर-
त्रिफला अवरा हर्र बहेरा
त्रिभंडी निशोथ
त्रियामा रात
त्रिलोचन महादेव जिनकेतीननेत्रहैं
त्रिवर्ग धर्म अर्थ काम क्षय स्थानवृद्धि
त्रिविक्रम श्रीभगवान
त्रिविष्टप स्वर्ग इंद्रपुरी
त्रिवृत् } निशोथ
त्रिवृता }
त्रिसन्ध्य } तीनोसन्ध्या
त्रिसन्ध्यी }
त्रिसीत्य तीनबारजोताखेत [नीआदि
त्रिस्रोतस् गंगा जिसकीतीनधार मंदाकि
त्रिहल्य हलसेजोतातीनबार
त्रिहायणी तीनवर्षकीगौ
त्रुटि } छोटीइलाची छोटा थोड़ा
त्रुटी }
त्रेता तीनअग्नियज्ञादिकोंकी
त्रोटि पक्षीकीचोंच
त्र्यंबक महादेव
त्र्यंबकसख कुबेर जिनकेमित्रमहादेवहैं
त्र्युषण } अवरा हर्र बहेरा त्रिफला
त्र्यूषण }
त्व भिन्नार्थ
त्वक्क्षीरी वंशलोचन
त्वक्पत्र दालचीनी तज

त्वक्सार बांस
त्वच् बकला खाल
त्वच दालचीनी तज
त्वचिसार बांस
त्वरा जल्दी वेग
त्वरित तुरत बहुतजल्द
त्वरितोदित तुर्तकहा
त्वष्ट छोटाकरना. [कारीगर.
त्वष्ट बढ़ई लकड़ीकाटनेवाला देवता
त्विट् प्रभा उजेरा शोभा
त्विषांपति सूर्य
त्सरु तलवारकीमूठी कब्जा

(थ)

थ शब्दार्थ

(द)

दंश दांत मच्छड़ वनकीमच्छी
दंशन बख्तर कवच
दंशित कवचधारी
दंशी छोटेडांस
दंष्ट्रिन शूकर वनैरा
दक जल पानी
दक्ष चतुर बुद्धिमान
दक्षिण उदार सकलकलाप्रवीण
दक्षिणस्थ रथकासारथी रथी
दक्षिणा दिशा
दक्षिणाग्नि हवनकीअग्नियज्ञमें
दक्षिणारु दहिनीपशुरीमेंघाव
दक्षिणार्ह } दक्षिणाकेयोग्य [मारहो.
दक्षिणीय }
दक्षिणेर्मन् जिसहत्यारेदहिनीपशुरीमें
दाक्षिण्य दक्षिणाकेयोग्य
दग्ध जला जरगया
दग्धिका जराअन्न [राजाकोकरदेना
दंड सूर्यकेपास दंडदेना डंडा दंडउपाय
दंडधर यमराज जोसबप्रजाकोकर्मानु
सारदंडदेतेहैं
दंडनीति विद्याराजावोंकी [जाय
दंडविष्कंभ जिसखंभामेंमथानीबांधी
दंडाहत दंडासेमथागोरसमाठ
दद्रुघ्न चकौंडी
दद्रुण } दादुरोगवाला
दद्रुरोगिन् }
दद्रुघ्न चकौंडी
दधित्थ } कैथाकावृक्ष
दधिफल }
दधिसक्तु दहीसत्तू
दनुज दैत्य देवतावोंकेशत्रु असुर
दन्त दांत
दन्तक पहाड़केबाहरनिकलेतिरछेपत्थर
दन्तधावन खैरवृक्ष
दंतभाग हाथीकेआगेकाभाग
दंतशठ कैथा जंभीरीनिंबू
दंतशठा अम्लोनिया
दंतावल हाथी
दंतिका } दांती जिसकीजमाल
दंतिजा } गोटा है
दंतिन् हाथी
दंदशूक सर्प सांप
दभ्र छोटा थोड़ा
दम दंडदेना इन्द्रियोंकोजीतना

दमथ इंद्रियोंकीशांति
दमित इंद्रीजित
दमुनस् अग्नि
दंपती स्त्रीपुरुष
दंभ कपट छल शठता
दंभोलि वज्रइंद्रकाआयुध
दम्य नयाबैलविनाजोता
दया कृपा मेहरवानी
दयालु दयावान्
दयित प्यारा प्रिय
दर भय गड़हा अंशकर्ता
दरद् म्लेच्छजाति
दरिद्र भोजनतककादुख
दरी पहाड़ोंकीकंदरा
दर्दुर मेंड़क मेंडुका
दर्प अहंकार गरूर
दर्पक कामदेव
दर्पण शीसा दर्पणी
दर्भ कुश
दर्वि } कलछुल घोटना. [काढ़ा.
दर्वी }
दर्विका पाथरी शागभेद दारुहर्दीका
दर्वीकर सांप
दर्श अमावस अमावसकीयज्ञ
दर्शक द्वारपाल
दर्शन देखना दर्शनकरना
दल पत्ता
दव वनकीअग्नि
दविष्ठ } बहुतदूर
दवीयस् }
दशन दांत
दशनवासस ओठ अधर
दशपुर } केवटिओमोथा
दशपूर }
दशबल जिन बौद्ध
दशमिन् बहुतवृद्धावस्था
दशमीस्थ,बहुतवृद्धा जिसकारागनाशहो
दशा कपड़ाकेदोनोंछोर ग्रहोंकीदशा
बाती अवस्था
दशानीकिनी अक्षौहिणीप्रमाणसेना
दस्यु चोर शत्रु वैरी
दस्र अश्विनीकुमार
दहन अग्नि
दाक्षायणी,श्रीदेवी अश्विनीआदिनक्षत्र
दाक्षाय्य गीध
दाक्षिण्य दक्षिणाकेयोग्य
दाडिम अनार
दाडिमपुष्पक रक्तरोहिडा रोही
दांडपाता जिसकाममेंदंडपातहो
दात काटा खंडित
दात्यूह } सपेदकौवा
दात्यौह }
दात्र हंसिया जिससेखेतकाटेजातेहैं
दान देना दानउपाय हाथीकामद
दानव असुर
दानवारि देवता
दानशौंड,दानशूर बड़ादानी बलिआदि
दांत तपस्याकरनेवाला जितेन्द्रिय
दांति इन्द्रियवशकरना
दापित धनादिदेवाडेना देना
दाम } बांधनेकीरस्सी
दामनी }

दामोदर　भगवान जिनकेपेटमेंयशोदा नेरस्सीबांधी है
दांभिक　मायावी पाखडी
दायाद　पुत्र बंधु कुटुंबी
दायित　धनादिदेना
दारक　बालक फोडनेवाला
दारद　बच्छनाभविष
दारा　स्त्री जोभाइयोंकोफोरदेती है
दारित　भेदागया फोडागया
दारु　काठ देवदारु
दारुक　कृष्णकासारथी
दारुण　घोर भयकर
दारुहरिद्रा　दारुहर्दी
दारुहस्तक　डौवा घोटनावड़ा
दार्वाघाट　कठफोरवापक्षी
दार्विका　शागभेद
दार्वी　दारुहर्दी
दालिम　अनार
दाव　वनकीअग्नि
दाविक　देविकानदीमेंहो
दाश　धीमर दास नौकर
दाशपुर } केवटिग्रामोथा
दाशपूर }
दास　नौकर मजदूर सेवक
दासी　कालीभिटी सेवकिनि
दासीसभ　दासियोंकीशाला
दासेय } नौकर चाकर
दासेर }
दिगंबर　नगा महादेव
दिग्गज　दिशाकेहाथी
दिग्ध　विषकाबुभायाबाण लगमाना
दित　काटा खंडित
दितिसुत　दैत्य असुर
दिधिषु } जिसकुमारीस्त्रीकीछोटीबहिनि
दिधिषू } काव्याहपहिलेहो
दिधीषू }
दिन　दिवस
दिनमणि　सूर्य
दिनांत　साम सांझ
दिव्　देवलोक आकाश
दिव　लीलागणासपक्षी
दिवस　दिन
दिवस्पति　इंद्र सूर्य
दिवस्पृथिव्यौ　आकाशपृथ्वी
दिवा　दिन
दिवाकर　सूर्य
दिवाकीर्ति　नाऊ चांडाल
दिवांध　घुघुवा उल्लू
दिवाधिका　छछुंदरि
दिवाभीत　घुघुवा उल्लू
दिविषद्　देवता
दिवौकस　देवता पपीहा
दिव्यगायन　गन्धर्व
दिव्योपपादुक　देवता
दिश्　दिशा
दिश्य　दिशामेंहो
दिष्ट　काल भाग्य पूर्वकेकर्म
दिष्टांत　मरण नाश
दिष्ट्या　आनंद
दीक्षांत　यज्ञकीसमाप्ति
दीक्षित　सोमयज्ञकरनेवाला

दीदिवि अन्न भात
दीधिति किरण सूर्यकीकिरण
दीन दरिद्री दुखी
दीनार निष्कमात्र
दीप दिया
दीपक जवाइनि अजमोद
दीप्ति तेज
दीप्य मोरशिखा
दीर्घ लंबा
दीर्घकोशिका जोंककेसमानजलजीव
दीर्घतुंडी छछूंदरि
दीर्घदर्शिन् पंडित
दीर्घपृष्ठ सांप
दीर्घवृंत स्योनापाढ़ा
दीर्घसूत्र आलसी काममेंबहुतदेरकरै
दीर्घिका बावली
दुःख दुख अशुभ
दुःप्रधर्षिणी भांटा बैंगन
दुःखमम् निंदा
दुःस्पर्श यवाशा
दुःस्पर्शा भटकटैया
दुकूल वस्त्र कपड़ा
दुग्ध दूध
दुग्धिका दुधवानिवेलि
दुंडुभ दुमुहासांप
दुद्रुम हरीपियाज
दुंदुभि नगाड़ा बाजा
दुरध्व खराबराह कुमार्ग
दुरालभा यवासा
दुरित पाप
दुरोदर जुवां
दुर्ग कठिनस्थानपर्वतादि
दुर्गत दरिद्री दुखी
दुर्गति नरक कुगति
दुर्गंध बोह वसाना
दुर्गसंचर } कठिनमार्ग जहांसिहव्या
दुर्गसंचार } घ्रादिहों
दुर्गा श्रीदुर्गात्रिभुवनजननीहिमाचल कुमारीश्रीसदाशिवकीप्राणाधारी
दुर्जन खल दुष्ट
दुर्दिन बादरसेछायादिन
दुर्नामक ववासीर
दुर्नामन् } जोंककेसमानजलजीव
दुर्नाम्नी }
दुर्बल बलहीन निर्बल
दुर्मनस् व्याकुलचित्त
दुर्मुख जिसकामुखवंदनहो बातकरै
दुर्वर्ण चांदी
दुर्विध दरिद्री
दुर्हृद शत्रु वैरी
दुश्च्यवन इन्द्र
दुरेषणा शाप गाली
दुघण ब्रह्मा
दुष्कृत पाप
दुष्टु निंदा
दुष्पत्र धनहरीऔषधि
दुहितृ कन्या लड़की
दूत संदेशलेजानेवाला
दूती } संदेशलेजानेवाली
दूति }

दूत्य दूतकाकाम
दून संतापित
दूर बहुतदूर
दूरदर्शिन पण्डित
दूर्वा दूब
दूश्य तंबू कपड़ेकामकान
दूषिका } आंखकामैल कीचर
दूषीका }
दूष्य तंबू कपड़ेकामकान
दृप्या पशुवोंकेकमरबांधनेकीरस्सी
दृढ अतिशयपोढा कठिन समर्थ मोटा
दृढसंधि पोढ़ाजोड़ मजबूतजोड़
दृति चमड़ाकीपोट मश्करी
दृब्ध गुहाहुवा जैसेमाला
दृश् आंख नेत्र ज्ञान बुद्धि
दृषद् पत्थर
दृष्ट राजचोरऔरराज्यसेभय
दृष्टरजस्,युवास्त्रीजिसकेरजस्वालाहुवाहो
दृष्टांत शास्त्रकादिउदाहरण
दृष्टि आंख नेत्र ज्ञान देखना. [खपड़े.
दृष्टेंदु अमावास्या जिसमेंकुछचन्द्रमादे-
देव देवता राजा [भगटहुये
देवकीनंदन श्रीभगवान जोदेवकीके
देवकुसुम लवंग लौंग
देवखातक देवताकेदरवाजेकातलावआदि
देवखातबिल गुहा पहाड़ोंकीकंदरा
देवच्छंद सौलरकीमाला
देवतरु कल्पवृक्ष
देवता देवता दिविसद
देवताड देवनालऔषधि
देवत्र देवत्वनाकोप्राप्तहोना देवताहोना
देवदारु लकड़ीदेवदारुकी
देवद्र्यञ्च् देवतापूजनेवाला
देवन जुवाकेपांशा क्रीडा
देववल्लभ पुनांगवृक्ष
देवभूय देवनाकोप्राप्तहोना देवताहोना
देवमातृक जहांपरवर्षाकेपानीसेसबना-
जपैदाहों
देवयज्ञ होमकरना.
देवयोनि विद्याधर अप्सरायक्षराक्षस
गन्धर्व किन्नर पिशाच गुह्यकसिद्ध
देवर पतिकाछोटाभाई [भूत
देवल पण्डवा जोदेवताकीधान्यले
देवशिल्पिन,विश्वकर्मादेवतोंकाकारीगर
देवसभा देवतोंकीसभा सुधर्मासभा
देवसायुज्य देवतामेमिलना
देवाजीव } पण्डा देवताकीद्रव्यलेने
देवाजीविन् } वाले. [पिढका शाक.
देवी रानी मुरहरीऔषधि अरसरक
देवृ देवर पतिकाछोटाभाई
देश नगर अवधबंगकलिंगादि
देशरूप नीति उत्तमदेश
देशिक गुरू देशी अपनेदेशकाहुवा
देह शरीर
देहली देहरी देहरी
दैतेय } असुर
दैत्य }
दैत्यगुरु शुक्र भृगुवंशोत्पन्न
दैत्या तालीशपत्रा मुरहरी
दैत्यारि श्रीभगवान दैत्योंकेशत्रु
दैन्य दीनता शोक

दैर्घ्य लबाई [आगहायणेदेवतीर्थ
दैव पूर्वकेकर्म भाग्य देवकर्मअगुलीके
दैवज्ञ ज्योतिषीपण्डित
दैवज्ञा शुभाशुभजाननेवालीस्त्री [नरात
दैवत देवता एकवर्षकादेवतोंकाएकदि-
दोला नील झूला झुलवा
दोली हिंडोला झूला
दोषज्ञ पंडित
दोषा राति रात्रि
दोषैकदृश् दोषभरदेखेंकहै महादुष्ट
दोस् भुजा बाहु
दोहद वाछा गर्भ
दोहदवती गर्भकेकारणसेविशेषपदार्थों
कीइच्छाकरनेवाली
दौत्य दूतकाकाम
द्युः आकाश
द्युति शोभा प्रभा प्रकाश
द्युमणि सूर्य
द्युम्न धन द्रव्य
द्यूत जुवा
द्यूतकारक } जुवाखेलनेवाले
द्यूतकृत्
द्यो } देवलोक आकाश
द्याः
द्योत प्रकाश उजेरा
द्रप्स पतलादही
द्रव क्रीडा केलि भागनासग्रामादिसे
द्रवती नदीआदि
द्रविण पराक्रम धन बल सोना
द्रव्य धन पृथ्वीआदि
द्राक् शीघ्र
द्राक्षा दाख मुनक्का
द्राघिष्ठ अतिशय
द्राविडक कचूर
द्रु वृक्ष
द्रुकिलिम देवदारु
द्रुघन } मुद्गर लोहआदिका
द्रुघण
द्रुण बिच्छू बीछ
द्रुणि डोंणी
द्रुणी कनखजूरा डोंणी
द्रुत शीघ्रपतलाहोना घीआदि
द्रुम वृक्ष
द्रुमोत्पल कठचपा
द्रुवय मान प्रमाण
द्रुहिण ब्रह्मा
द्रोण बीछ बिच्छू तौलकादशसेर
द्रोणाचार्य सग्राम शब्द कौवा
द्रोणकाक कालाकौवा
द्रोणक्षीरा } दशसेरदूधदेनेवालीगौ भैस
द्रोणदुग्धा
द्रोणि डोंगी काठयापत्थरकी नावके
समानपानीसींचनेवाली
द्रोणी नील
द्रोहचिंतन परायावैरविचारना
द्रौणिक दशसेरबोनेकाखेत
द्वंद्व स्त्रीपुरुष लड़ाई
द्वयातिग सत्त्वकानिष्ठ व्यासादि
द्वाःस्थ } द्वारपाल दरवाजेकेनौकर
द्वास्थित
द्वादशाङ्गुल बित्ताभर बागआगुर

द्वादशात्मन् सूर्य जिनकेबारहभेदहैं
द्वापर संदेह संशय द्वापरयुग
द्वार }
द्वार } दरवाजा

द्वारपाल }
द्वास्थ }
द्वास्थित } दरवाजेकानौकर डेउढ़ीवान
द्वास्थितदर्शक }
द्विगुणाकृत दुइवारजोताखेत
द्विज पक्षी दांत ब्राह्मण
द्विजराज चंद्रमा
द्विजा रेणुकाऔषधि
द्विजाति ब्राह्मण
द्विजिह्व सांप चुगुलखोर
द्वितीया दूसरीस्त्री
द्वितीयाकृत दुइवारजोताखेत
द्विप हांथी
द्विपाद्य दोंहरादंड
द्विरथ हांथी
द्विरसन सांप
द्विरेफ भंवरा
द्विष }
द्विषत् } शत्रु वैरी
द्विष्ट तांबा
द्विसीत्य }
द्विहल्य } दुइवारजोताखेत
द्विहायनी,दुइवर्षकीगौ [जलसेघिराहो-
द्वीप,पृथ्वीमें७द्वीपटापूजोभागपृथ्वीका
द्वीपवती पृथ्वी नदी
द्वीपिन व्याघ्र
द्वेषण शत्रु वैरी
द्वैष्य वैरकरनेकेयोग्य
द्वैध,उपायवलवानसेमित्रतानिर्वलसेवैर
द्वैप व्याघ्रकेचमडाकारथ बाघकेचम
डासेमढ़ारथ
द्वैपायन व्यास
द्वैमातुर गणेश
द्व्यष्ट तांबा
द्यावापृथिव्यौ }
द्यावाभूमी } आकाशपृथ्वी

(ध)

धट दिव्य तुलाराशि
धत्तूर धतूर
धन द्रव्य मोतीहीरापन्नामोहरआदि
धनंजय अग्नि अर्जुनकानाम
धनद कुवेर जोधनकेमालिकहैं
धनहरी औषधि
धनाधिप कुवेर
धनिन् धनवान् तालेवर द्रव्यवान
धनिष्ठा नक्षत्र
धनु }
धनुःपट } चिरौंजी चार [रामादि
धनुर्धर धनुषधारी धनुषबांधनेवाले
धनुर्यास यवासा
धनुष्मान् धनुषधारी
धनुस् धनुष कमान
धन्य भाग्यवान् पुण्यात्मा
धन्याक धनिया
धन्व धनुष कमान
धन्वन् मरुस्थलदेश जहांजलनहींहै
धन्वयास जवासा

धन्विन् धनुषधारी
धमन नरकुल सेंठा
धमनि } नाड़ी जिसेदेखवैद्यरोगजानतेहैं
धमनी }
धमनी नलीगन्धद्रव्य पवारी
धमिल्ल बांधेबाल स्त्रियोंकीपाटीजूरा अलकावली
धर पर्वत
धरणि }
धरा } पृथ्वी धरती
धरित्री }
धर्म पुण्य सन्ध्यादिकर्म स्नानादिक्रिया वेदमार्गचलना यमराज न्याय उत्तमस्वभाव आचार यज्ञागसोम पीनेवाला हिंसाजीवकीनकरै
धर्मचिंता धर्मकाविचारकरना शास्त्रपुराणादिदेखना वेदकानित्यपढ़ना
धर्मध्वजिन् वेषबनाकरदूसरोंकोठगना माथेमेतिलकगलेमेकंठीपहिरमिथ्या दिबोलना
धर्मपत्तन कालीमिर्च धर्मवान्नगर
धर्मराज बौद्ध यमराज
धर्मसंहिता स्मृतिग्रन्थ मनुस्मृतिआदि
धर्षणि }
धर्षणी } व्यभिचारिणीस्त्री छिनार
धर्षिणी }
धव पति भतार स्वामी वृक्षभेद मनुष्य ठग
धवल सपेद
धवला }
धवली } धवरीगाय गौ
धवित्र हिरनाकेचमड़ासेबनायइबेना अग्निकेतेजकरनेकोमृगचर्मकापंखा
धातकी धौकेफूल वृक्षभेद
धातु इंद्रिय पत्थरकाविकारमैनशिलआदि सोनाचांदीआदि भुआदिधातु गण
धातुपुष्पिका धौकेफूल
धातृ ब्रह्मा जोसबकोबनाताहै
धातृपुष्पिका धौकेफूल
धात्री दूधपियानेवाली पृथ्वी आंवरा
धाना भूंजेयव
धानुष्क धनुषबांधनेवाला
धान्य धानयवादि
धान्यत्वच् कनकीभूसीछिलका
धान्यक धनिया
धान्यांश कनचावरआदिका
धान्याम्ल कांजी सिरका
धामन् घर देह तेज प्रभाव
धामनिधि सूर्य
धामार्गव लटजीरा तोरई [ऋचा
धाय्या समिधछोंड़अग्नितेजकरनेकी
धारणा मर्यादा पुरानीचाल
धारा घोड़ेकीचालपांचप्रकारकी बहुत जोरसेदौड़ना १चतुरचालनाचना दि २ दुलकीचाल ३ सरपटफांदना ४ चौकचाल ५ नदीआदिकी धारा मेघकेबूंदकीधारा
धाराधार मेघ बादर. [बांधबरसना.
धारासंपात मूसलधारबरसना धारा
धूर्त धूर्त जुआरी ठँगिया स्वांगवाला

धार्तराष्ट्र हंसकेसमानकालेरंगकापक्षी राजाधृतराष्ट्र दुर्योधनादि
धावनि | धावनी } पिठवनिऔषधि
धिक्, निंदाकीबातोंसेभयउत्पन्नकरानाजैसेतूपरस्त्रीगामीहै धिक्कार निंदा
धिकृत निंदाकिया निंदाकोप्राप्तहोना धिक्कारकिया
धिषण बृहस्पति इंद्रकेगुरु
धिषणा, बुद्धि अकिल चतुरता
धिष्ण्य स्थान घर नक्षत्र अग्नि
धी, बुद्धि चतुरता अकिल. [खाल नाक.
धींद्रिय, ज्ञानेन्द्रिय मन कान आंख जीभ
धीमत् पण्डित बुद्धिमान्
धीमती बुद्धिमानस्त्री पण्डिता चतुरा
धीर पण्डित जोधीर्यतासे कामकरै केशर कुङ्कुम. [स्त्रियोंकीजाति
धीवर धीमर कैवर्त निषाद धनया·
धीशक्ति बुद्धिकीसामर्थ्यता
धीसचिव राजाओंकामुख्यमंत्री बुद्धि कासहायक
धुत कुछकांपना
धुतर धतूर
धुनी नदी नदिया
धुर रथकाअग्गा धुरीलोहकी
धुरधर | धुरीण | धुर्य { धुरिमेंचलनेवालाबैल गाडीका बोझलेजानेवालाबैल
धुवित्र हवाकेचमड़ासेबनायञ्चलावैना
धुस्तुर | धुस्तूर } धतूर
धूत त्यागकरना छोड़ना
धूपायित | धूपित } संतप्तहोना घामअग्निज्वरसे तापहोना. [धूममयीतारा
धूमकेतु केतुउदयउत्पातनक्षत्रअग्नि
धूमयोनि मेघ जोधुवांसेबनताहै
धूमल धुवांकासारंग कालालालमिला
धूम्या धुवांकासमूह धुवांकीगुंज
धूम्याट भुजयलपक्षी
धूम्र धुवां धुवांसारंग कालालाल
धूर्जटि महादेव जिनकेशिरमेंजटाका भारसाहै. [अधर्मी
धूर्त, धतूर जुवारी स्वांगवाला ठग डांकू
धूर्वह गाडीआदिमेंचलनेवालाबैल
धूलि | धूली } धूर गर्दा
धूसर कुछपीलाधूरकासारंग
धूस्तूर धतूर
धृति धीर्य धारण प्रसन्नता योग यज्ञ
धृष्ट | धृष्णज् } ढीठ किसीसेनडरनेहां
धृष्णि सूर्यकीकिरण
धृष्णु ढीठ किसीसेनडरनेहो
धेनु नईबियाईगौ तुर्तकीब्याईगाय -
धेनुष्या दूधदेनेकोकर्जदेनेवालेकेयहां ऋणीकीगौ
धेनुक ब्याईगौवोंकाझुण्ड [नाना
धैवत गानकेस्वरकाभेद घोड़ेकाहिनहि
धोरण सवबाहनहांथीरथघोड़ाआदि
धोरितक घोड़ेकीकदमचाल [नीआदि
धौनर्त्रशेय धोयाऊनरासत्र मकुनार्था
धौरितक घोड़ेकीकदमचाल

धौरेय गाड़ीमेंचलनेवालाबैल
ध्याम रोहिसतृण
ध्रुव ध्रुवतारा जोचक्रकेमध्यमेंस्थिरहै कटायँद मोटीडार नित्यजोहमेशः स्थिरहै निश्चय महादेव विष्णु वर गद राजाउत्तानपादकापुत्र द्रव्य योगभेद
ध्रुवा शरिवनऔषधि यज्ञादिकाश्रुवा
ध्वज पताका झंडी
ध्वजिनी सेना जिसमेंपताकाशोभितहैं
ध्वनि शब्द आवाज. [होना.
ध्वनित शब्दहुवा आवाजआई शब्द
ध्वस्त गिरना गिरजाना टूटना
ध्वांक्ष कौवा बकुला कपासकेवियानि· कासनेकीचरखी भिखारी घर
ध्वान शब्द आवाज
ध्वांत अंधकार अंधेरा

(न)

न अभाव निषेध नहीं नाश
नकुलेष्टा सर्पाक्षीऔषधि
नक्तक पुरानाफटावस्त्र लत्ता टुकड़ा
नक्तम् रात जिसमेंचोरफिरतेहैं
नक्तमाल करंज कंजा
नक्र मगर मकरराशि
नक्षत्र नषत तारा
नक्षत्रमाला सत्ताइसमोतियोंकामाला अश्विनीआदिनक्षत्र २७
नक्षत्रेश चन्द्रमा जोनक्षत्रोंकास्वामीहै
नख गन्धद्रव्य नाखून नह
नखर नाखून नह
नखी गन्धद्रव्य नखला
नग पर्वत वृक्ष
नगरी शहर अयोध्यामथुराआदिपुरी बहुतमनुष्योंकानिवास [मेंरहतेहैं
नगौकस् पक्षी चिड़िया जोवृक्षपहाड़ों
नग्न विनवस्त्रपहिरे नंगा
नग्नहु मदिराकाबीज मतवालानंगा- होजुकारै. [हो नंगीस्त्री.
नग्निका जिसस्त्रीकेरजस्वलानहुवा
नट शोनापाढाऔषधि नट जोनाचतेहैं.
नटन नाचना कलाबाजीआदिकरना
नटी मालकांगुनि नलीगन्धद्रव्य
नड तृण नरकुल सेंठा घरआदिमेंभी- तरकाछेद
नडप्राय जिसदेशमेंनरकुलबहुतहों
नडमीन पानीतृणमेंचलनेवालीमछरी बेगसामछरी
नडसंहति नरकुलोंकाढेर गट्ठा
नडिनी कमलिनी छोटीतलैया जिस मेंनरकुलहों
नड्या नरकुलोंकासमूह
नड्वद् } नड्वल } जिसदेशमेंबहुतनरकुलहों
नत टेढा नम्र नरम
नतनासिक नकबैठा चिपटीनाकका
नद भारीनदी जैसेशोणभद्रनद
नदी घाघरागंडकीचम्मलनर्मदाकावेरी कृष्णागोदावरीताप्तीआदि
नदीमातृक जिसदेशमेंनदीसेखेतीआ- दिहो नदीबहुतहों

नदीसर्ज अर्जुनवृत्त
नध्री चमड़ाकीरस्सी वांधी
ननांद नन्द स्त्रीकोअपनेपतिकीबहिनि
ननु निश्चय प्रश्न अवधारण जैसेननु येयोगीहैं आज्ञा निषेध विरोधकी वाणी
नदक श्रीभगवानकाखड्ग
नन्दन इन्द्रकावन स्वर्गलोककावाग
नन्दिक } नन्दी शिवकेवाहन शिव
नन्दिकेश्वर } गण
नन्दिवृक्ष }
नन्दीवृक्ष } तुनि [नवना.
नन्द्यावर्त्त- राजाओंकाघर गोलाकेसमा
नपुंसक नामर्द हिजरा [नि पोती
नप्त्री लड़कालड़कीकीलड़की नाति
नभस् आकाश श्रावणमहीना
नभसंगम पक्षी जोउड़तेउड़तेआकाश में मिलतेहैं
नभस्य भाद्रपद भादों
नभस्वत् वायु हवा
नमस् नमस्कार प्रणाम दंडवत्
नमसित नमस्कारकिया पूजाकिया
नमस्कारी लजारू लाजवती
नमस्या पूजा पूजन
नमस्यित,नमस्कारकिया पूजित- [मारा
नमुचिसूदन इंद्र जिन्होंनेनमुचिदैत्यको
नय नीति धर्ममार्ग
नयन नेत्र आंख
नर मनुष्य पुरुष. [नरकासुर
नरक,जोयमपुरीमेंहै पापियोंकेदंडकेलिये

नरकांतक विष्णु जिन्होंनेकृष्णावतारमें नरकासुरकोमारा
नरवाहन कुवेर जोपीनसआदिकीस वारीमेंमनुष्योंकोजोतते हैं
नर्तक पुरुषस्त्रीवेषवनाकरनाचै नचैया
नर्तकी नाचनेवाली नटिनीआदि
नर्मदा नदी जिसमेंशिवकेलिङ्गबहुतहैं पश्चिमकोवहती है
नर्मन् क्रीडा केलि खेल हर्ष
नल नरकुल तृण
नलकूवर कुवेरकापुत्र
नलद तृणजाति
नलमीन तृणपानीकीमछरी
नलिन कमल. [फूलहो
नलिनी कमलिनी नलैया जिसमेंनर
नली गन्धद्रव्य
नल्व चारसौहाथ
नव नूतन नवीन नया नवा
नवदल } कमलादिकनयेपत्ता नयाघी नै
नवनीत } नू मक्खन
नवमल्लिका }
नवमालिका } नेवारी नेवार
नवसूतिका नईव्याईगौआदि
नवाम्बर नयावस्त्र कोराकपड़ा
नवीन नया नवा
नवोद्धृत नयानिकालाघीआदि
नव्य नया नवा
नष्ट नाश भ्रष्ट गोमाना
नष्टचेष्टा प्रलय नाश मरजाना
नष्टाग्नि जिसकाअग्निहोत्रनाशहो

नष्टेन्दुकला अमावस जिसमेंचन्द्रकला नाशहोजातीहै
नसा नाक
नस्तित } नाथावेल
नस्तोत
नस्या नाक
नस्योत नथावेल
नहि } निषेध नहीं अभाव
ना
नाक स्वर्गलोक आकाश
नाकु बँबौर मट्टीकाढूह
नाकुली रहसनि रासनि
नाग नाग भारीसांप हाथी शेश श्रेष्ठ नागकेशर नागवल्ली हस्तिनापुर मेघ मोथा लवंग
नागकेशर नागकेशरि
नागजिह्विका मैनशिल
नागरला वरियारीभेद
नागर सोंठि नागरमोथा चतुरनगर कावासी शहरुवा
नागरंग नारंगी नारंग
नागलोक पाताल सांपोंकालोक
नागवल्ली नागवेलि पान
नागसंभव सेंदुर सिगरफ
नागसुगन्ध रासनि रहसनि
नागान्तक गरुड़ जोसांपकोखातेहैं
नाट्य,नाच कलावाजीआदिनटोंकीकला
नाडिकेर नारियल [जकरतेहैं
नाडिंधम सोनार जोफुकनीसेआगिते
नाड़ी नाडी जोवैद्यदेखरोगादिकाज्ञान करतेहैं तृणधान्यादिकीनाल घड़ी कमलकीनाल
नाडीव्रण घावजोहमेशःवहाकरैनसूर
नाथवत् पराधीन:परवश
नाद शब्द आवाज. [जमुनी
नादेयी नारंगी पानीकेवेंत जैंति भुइ
नाना बहुत दो बिना
नानारूप बहुतरूप बहुतप्रकार
नांदीकर } स्तुतिबड़ाईसहितबाजाब
नांदीवादिन् } जाना
नापित नाई नाऊ
नाभि स्त्री पैदाकावीच जिसमेंधुरी डाराजातीहै श्रेष्ठराजा तोंदी राजा वोंकीसभा
नाभिजन्मन ब्रह्मा:जोविष्णुकीनाभी सेहुये
नाभी पैहाकेबीचकाकाठ
नाम प्रसिद्धता कुछ्अर्थमें क्रोधमें उचम वेप निंदामें क्यानामहै
नामधेय } नाम नांव यथारामचन्द्रादि
नामन्
नाय नीतिधर्ममार्ग मध्यकारत्ननवरतनमें सेनाकोसिखानेवाला मालाकासुमेर
नायक स्वामी मालिक
नार जल पानी
नारक नरक
नारद देवऋषि
नाराच लोहेकाबाण
नाराची कांटापैरा सोनारोंकीतराजू
नारायण जोप्रलयकालमेंजलमेंसोतेहैं शेषशायी

नारायणी शतावरि छतावरि
नारिकेर
नारिकेल } नारियर गरीकागोला
नारिकेलि
नारी स्त्री मेहरिया औरत. [नाल.
नाल कमलनालआदि धान्यादिकी
नाला } कमलनालइत्यादि कमलकी
नाली } डंडी
नारीकेल
नारीकेली } नारियल
नालिकेर
नाविक मल्लाह नावपारकरदेनेवाला
नाव्य नावसेपारहोनेयोग्यपानी
नाश मरण मौत
नासत्य अश्विनीकुमार
नासा,दरवाजेकेऊपरकाकाठ पटाव नाक
नासामल नाककामैल
नासिका नाक
नास्तिकता झूठीदृष्टि जिसकीबुद्धिसे परलोकादिपुण्यपापकर्मनहींजान पड़ते
निःशलाक एकांत जहांकोईनहो
निःशेष सम्पूर्ण सब [होजाय
निःशोध्य शोधा सफा जिसकामैलदूर
निःश्रेणि. निसेनी सीढ़ी
निःश्रेयस मोक्ष संसारमेंजन्मनहोना
निःषमम् निंदा
निःसरण दरवाजा निकलनेकाद्वार
निःस्व दरिद्री दुखी
निकट समीप नगीच
निकर समूह झुंड गण [टी महल
निकर्षण सुन्दररहनेकास्थानकमराको.
निकष कसौटी जिसमेंरगरनेसेसोनेकी रंगतसमझमेंआतीहै
निकषा समीप
निकषात्मज राक्षस
निकामम् जैसीवांछा जैसीइच्छा
निकाय एकधर्मवालोंकासमूह
निकाय्य घर मकान [सावना
निकार निंदा बुराई धान्यादिकाय
निकारण मारडालना वध
निकुंचक मूठाभर एकपौवा
निकुंज बेलिवृक्षोंसेअंधेरावन
निकुम्भ दांती
निकुरंब समूह झुण्ड
निकृत तिरस्कारकिया दुखीकिया कु- टिल अन्तःकरणकाकपटी
निकृति शठता मूढ़ता
निकृष्ट अधम पापी नीच
निकेतन गृह स्थान
निकोचक } अकोहर पिस्ता
निकोटक }
निक्कण } वीणाआदिकाशब्द बाजाकी
निक्काण } आवाज
निखिल सम्पूर्ण सब
निगड़ सांकला हथकड़ी नोंक जंजीर
निगद कहना कहा. [गद घेद
निगम बनियां नगर शहर बनियोंकी
निगाद कथन कहना
निगार निगलजाना जयामारना
निगाल गलेकास्थान जहांपशुओंके दाआदिबांधाजाताहै

निग्रह विरोध वैर
निघ सवतनासेवरावर जितनाचौड़ा उतनाहीमोटा लम्बा
निघस } भोजन जेमना खाना
निघास }
निघ्न आधीन गुणना
निचिकी उत्तमगौ उमदागाय
निचुल वीणाआदिमूंदनेकावस्त्र पानी केवेंत वोहार समुद्रफल
निचोल मुंदनेकावस्त्र वोहार गिलाफ
निज अपना नित्य
नितम्ब पर्वतकामध्यभाग स्त्रीकेकमर कापिछलाअंग चूतर
नितम्बिनी स्त्री जिसकेऊंचेनितवहों
नितांत अतिशय अत्यंत
नित्य रातदिन निश्चय
निदाघ गर्मीऋतु घाम पसीना
निदान पहिलेकाकारण
निदिग्ध सवतनासेपूर्ण समृद्ध
निदिग्धिका भटकैया
निदेश आज्ञादेना आज्ञा
निद्रा नींद सोना
निद्राण सोरहा
निद्रालु सोरहनेकास्वभाव
निद्रित सोजाना सोगया
निधन मरण नाश कुल ब्रह्मा
निधि कुबेरकीसामान्यलक्ष्मी भांडा
निधुवन,मैथुन स्त्रीपुरुषकासंयोग कांपना
निध्यान देखना दर्शन
निनद } शब्द आवाज
निनाद }
निंदा गालीआदि कलंककहना
निप कलश घड़ा
निपठ } पाठ पढना
निपाठ }
निपातन नीचेगिराना
निपान,पौसराकुवांकेसमीपपानीपीनेका
निपुण प्रवीण चतुर. [पेशावबन्दहो
निबन्ध पेटफूलनेकारोग जिसमेंझाड़ा
निबन्धन वीणाकेतारबांधनेकास्थान बांधना
निबद्धाभू पक्कीजमीन
निबर्हण मारना वध
निभ उपमा बराबर
निभृत नम्र सहनशील. [द्वार.
निमय बदला परस्पर लेनदेन व्यत्र
निमित्त कारण लक्षण चिह्न शगुन
निमेष पलकमारनेकासमय
निम्न गहिरा खाली
निम्नगा नदी
निंब नीम नींब
निंबतरु बकायिना बकाइनि
नियति भाग्यपूर्वकाकर्म
नियन्तृ सारथी रथवान्
नियम अंगीकार व्रत नेम मट्टीजलादि सेसाध्यकर्म पवित्रता संतोष तप स्या वेदादिकापाठ ईश्वराराधन
नियानन नीचेगिराना [नेवाले
नियामक नावकेऊपरकेवदुष्टजीवकेमार
नियुत एकलाखसंख्या
नियुद्ध बाहुयुद्ध कुश्ती
नियोज्य नौकर चाकर

निर् निश्चय निषेध
निरन्तर घना सघन
निरय नरक
निरर्गल अबाधा पीडानहो
निरर्थक व्यर्थ वेप्रयोजन
निरवग्रह स्वेच्छाचारी निफिकिर
निरसन जवावदेना थूंकना
निरस्त तुर्तकहा तुरंतकहना फेंकाबाण जवावदेना
निराकरिष्णु जवाबदेनेवाला
निराकृत जवाबदेना उत्तरदेना. [देना.
निराकृति अपनावेदनजानताहो जवाव
निरामय निरोग आरोग्य
निरीश ⎫
निरीष ⎭ फालहलकेनीचेलगताहै
निरुक्ति नरककीशोभा
निरोध विरोधवैर
निर्गंधन मारना वध
निर्गुंठी म्यौंडी गोंडी
निर्गुंडी म्यौंडी गोंडी कालीम्यौंडी
निर्ग्रंथन वध मारना
निर्घोष शब्द आवाज
निर्जर देवता जोवृद्धनहींहोते
निर्जितेंद्रियग्राम इन्द्रीजित योगी यती जोइंद्रियोंकोजीततेहैं
निर्झर झरनापहाडोंके
निर्झरिणी नदी
निर्णय निश्चय ज्ञान निश्चय
निर्णिक्त शोधना धोना साफकरना
निर्णेजक धोबी बरेठा
निर्देश किसीकामकोआज्ञादेना
निर्धार्य संपन्न सुखी दुखमेंभीद्रव्यसे मनकोखुसराखै
निर्बर्हण मारना घात वध
निर्भर अतिशय बहुत बलवान् सुंदर वथा वितर्क अत्यत
निर्मद,विनामदकाहाथी जिसकामदनष्टहो
निर्मुक्त जिससांपनेकेंचुलिछोड़दीहो त्यागी सन्यासी
निर्मोक सांपकीखाल केंचुलि
निर्याण हांथीकेआंखकाकिनारा मृत्युकाल
निर्यातन वैरछूटनेमें लडाईउपरांत मिलापहोना दान धरोहरकाफेरना
निर्यास काढेकारस लेपआदि
निर्वपण दान गोदानआदि
निर्वर्णन दर्शनकरना देखना
निर्वहण समाप्ति नाश संहार
निर्वाण मोक्ष संसारमेंजन्मादिनहो अपि जोपापोंसेमुक्तहो शांत अग्नि हांथीछूटा. [धिकहो.
निर्वात वायुबंदहोना जिससेगर्मीअ
निर्वाद निंदा मनुष्योंकीबातें बतकूहाव
निर्वापण मारना वध घात
निर्वार्य कार्यकारी जोदुखमेंभीअपने द्रव्यसेमनकोमसन्नकियेकामकरताहै
निर्वासन मारडालना वध घात
निर्वृत्त सिद्ध सबकार्योंसेशांतहोना
निर्वेश मोल तनखाह समीपवास उप भोग मूर्छा थकजाना
निर्व्यथन छेद बिल मसाआदिका
निर्व्यूह दरवाजा माथा काढेकारस घर

कीदीवारकीकील
निर्हार घावमेंहथियारनिकालना
निर्हारिन् दूरकीसुगन्ध फूलआदिकी
निर्ह्राद शब्द आवाज
निलय घर माकान
निवह समूह झुण्ड
निवात वमनेकास्थान वायुबन्दहोना
निवाप पितरोंकेलियेदान ब्राह्मणभो
जनादि
निवीत फैनावस्त्र कपड़ा गलेमेंजनेऊ
मालासापहिरना जिससमयमेंसन
कादिकोंकोतर्पणमेंजलदियाजाताहै
निवृत शहरपनाहसेघिरा चारोंओर
बस्त्रनेठनाइत्यादि
निवेश सेनाकेरहनेकास्थान रास्तामें
सेनानिवास
निशा रात्रि रात
निशाख्या हरदी हलदी
निशात तेजकिया पैनाया कड़ाकिया
निशांत घर माकान
निशापति चन्द्रमा रातकामालिक
निशारण मारण मारना
निशित तेज पैना कड़ा
निशीथ आधीरात अधरात
निशीथिनी रात्रि रात
निश्चय सन्देहनरहना ठीकँ
निश्रेणि } निसेनी सीढ़ी
निश्रेणी }
निषङ्ग तरकस भाथावाणधरनेका
निषङ्गिन् धनुधारी तरकसबांधे
निषधा दूकान बाजारमेंबेचनेकास्थान
निषद्वर चहला कीच
निषध एकपर्वतकानाम एकदेश
निषाद स्वरगानका जोहाथीशब्दकर
तेहैं चांडाल धीमर
निषादिन् महाउत हाथीहांकनेवाला
निषूदन मारना वध
निष्क एकसौआठकर्षका एकसौघवा
लिसतोला सुवर्ण हृदयकाआभूष-
ण माला जंजीरआदि टकाभर ध
नमव्यवहार
निष्कला } जिसस्त्रीकेअवस्थाकेकारणसे
निष्कली } रजस्वलाबन्दहुवाहो
निष्कामित } निकाला निकासना नि-
निष्कासित } कारना
निष्कुट घरकेसमीपबाग फुलवगिया
निष्कुटि } बड़ीइलाची
निष्कुटी }
निष्कुह वृक्षकाछेद खोंधकल
निष्क्रम बुद्धिकीसामर्थ्यता निकसना
निष्ठा समाप्ति सिद्धि नाश अन्त
निष्ठान,दहीसेबनेभोजनपदार्थ कढ़ीआदि
निष्ठीवन कफनिकारना थूकना
निष्ठुर कठोरवचन कड़ीबात कड़ा
निष्णूत } भेजाहुवा पठउना
निष्ठ्यूत }
निष्ठ्यूति }
निष्ठेव } थूकना मुहसेकफनिकारना
निष्ठेवन }
निष्णात चतुर शिखाहुवा [होजाना
निष्पक पाकना चुरजाना काढ़ाआदि

निष्पतिसुता जिसस्त्रीकेपतिपुत्रनहो
निष्पन्न सिद्ध परिपूर्ण. [जलसे.
निष्पाव धान्यादिकोंकापवित्रकरना
निष्प्रभ तेजहीन प्रकाशहीन
निष्प्रवाणि नयावस्त्र कोराकपड़ा
निसर्ग स्वभाव आचरण
निसूदन मारडालना वध
निसृष्ट फेंकना छोड़ना
निस्तल गोल गोलाई
निस्तर्हण मारडालना
निस्त्रिंश खड्ग तलवार
निस्राव माड़भातका
निस्वन | निस्वान } शब्द आवाज
निहनन वधकरना
निहाका पानीकीगोह
निहिंसन वधकरना
निहीन नीच क्षुद्र खोटा
निन्हव छिपीबात छिपानेयोग्यबात विश्वासनमानना छल शठता
नीकाश समान बराबर उपमा
नीच क्षुद्र छोटा बउना
नीचिका | नीचिकी } उत्तमगौ उमदागाय.
नीचैस् थोड़ा नीचप्रकार
नीड पक्षियोंकाघर चलकर झोंके चिड़ियोंकाबसेरा
नीडोद्भव पक्षी चिड़िया
नीध्र घरकाछप्पर छानी
नीप कदंब
नीर जल पानी
नील काला कालारंग कृष्णपक्ष
नीलकंठ,श्रीमहादेवजी मुरइला मोरपुच्छ
नीलंगु बीरबहूटी छोटाकिरवा
नीलझिंटी कालीझिंटी फूलकापेंड
नीललोहित श्रीमहादेव
नीला कालीझिंटा
नीलांगु बीरबहूटी छोटाकीड़ा
नीलांबर बलदेवजी जोकालेवस्त्रपहिरते हैं कालाकपड़ा. [बयौला.
नीलांबुजन्मन् कालीकोंकाबेलि काला
नीलिका कालीम्पौंडी
नीलिनी | नीली } लील नील
नीवाक धनधान्यमेंबहुतआदरकरना लीजिये २ कहना. [तृणकाअन्न
नीवार ऋषियोंकाभात पसहीआदि
नीवि | नीवी } वस्तुकाठीक२मोल जमाकीजमा करिहांवकेवस्त्रबांधनेकाढेढ इजारबंद नारा
नीवृत् भारीदेश
नीशार रजाई दुलाई लिहाफ फर्द
नीहार पाला जाड़ा हेमंतऋतु
नु प्रश्न मयभाना विकल्प
नुति स्तुति प्रणामादि.
नुत्त | नुन्न } प्रेरणा भेजना पठौना गिराना
नूतन | नूत्न } नवा नया नवीन
नूद पार्श्व पिप्पलीवृक्ष तूतवृक्ष
नूनम् निश्चय तर्क
नूपुर पग्पान पैंजनिया

नृ मनुष्य
नृत्त } नृत्य } नाचना नाच
नृप राजा मनुष्योंकास्वामी
नृपलक्ष्मन् राजावोंकाछत्र
नृपसभ राजावोंकीसभा
नृपासन राज्यसिंहासन राजासन
नृशंस औरोंकावैरी पापी परद्रोही
नृसेन मनुष्योंकीसेना
नेतृ स्वामी मालिक
नेत्र आंख मथानीकीरस्सी वस्त्रविशेष
नेत्रांबु रोना आंसु आंखकापानी
नेदिष्ट बहुतसमीप अतिनिकट
नेपथ्य वेषबनाना शृंगार सिंगार
नेमि } नेमी } तिनिशवृक्ष तिवस
नेमि पैहाके नीचेका काठ पुट्ठी कुवां कीनेवार कठवार
नेमी पैहाकी पुट्ठी
नैकभेद बहुतभेद बहुतप्रकार
नैगम बनियां रोजगारी उपनिषद् नागर चतुर
नैचिकी अच्छीगौ उमदागाय
नैपाली नैपालकीमनशिल
नैमेय बदला व्यवहार
नैयग्रोध बरगदी बरगदकाफल
नैयायिक न्यायपढ़नेवाला
नैर्ऋत राक्षस दिशाकाकोण पश्चिम दक्षिणकामध्य दिग्पाल
नैष्किक चांदीकामालिकजिसकेयहां रूपयाबहुतहों
नैस्त्रिंशिक तलवारबांधनेवाला खड्गधारी
नो नहीं निषेध
नौ नाव नदीआदिउतरनेकी [बांस
नौकादण्ड नावकीवल्ली नावखेवनेका
नौतार्य नावकेउतरनेयोग्यपानी
न्यक्ष संपूर्ण अधम निकृष्ट परशुराम
न्यग्रोध बरगद दोनोंहाथोंसेफैलाया कुण्डल
न्यग्रोधी मुसिकन मूसाकर्णी
न्यञ्च् छोटा बड़ना
न्यंकु मृगा हिरनकीजाति
न्यस्त धरा फेंकना रक्खा
न्याद भोजन खाना जेमना
न्याय नीति धर्ममार्ग
न्याय्य जोद्रव्यन्यायसेप्राप्तहो अपनी मेहनतकीद्रव्य उचित योग्य श्रेष्ठ मध्य सुंदर
न्यास धरोहर धरना
न्युंख } न्यूंख } सामवेदमेंनिपातकीओंकार सुंदरता मनोहरता [होमुहंपीठ
न्युब्ज कुवरामनुष्य व वृक्ष रोगसेटेढ़ा
न्यून कम थोड़ा निंदित तिनिक

(प)

पक्कण भिल्लोंकेगांव बनकेचांडाल
पक्व नाशहोनेकेयोग्य पका पकजाना जुरजाना
पक्ष पंद्रहदिन पंद्रहरातकापक्ष चिड़ियोंकेपंख पखना बालोंकेसमूहमें बाणकेपंख सहाय साथी आसपास थोड़ाभैर बल चूल्हकाछेद घोड़ा हाथीकीपशुरी

पक्षक, आसपासकेद्वार बगलके दरवाजा
पक्षति प्रथमतिथि परेवा पांखयोंके पंखकीजड़ पक्षसंज्ञा [रेकादरवाजा
पक्षद्वार बगलकेद्वार पाम्वकेद्वार किना-
पक्षभाग हाथीकीपशुरी
पक्षमूल चिड़ियाकेपंखकीजड़
पक्षांत अमावस पूर्णमासी
पक्षिन् चिड़िया चिरैया
पक्षिणी रात्रि रात[कु डोरादि थोड़ा
पक्ष्मन् आंखकीपलक कमलकाकिंज-
पंक चहला कीच पाप [हुतहो
पंकिल कीचसहितदेश जहांचहलाव-
पंकेरुह कमल

पंचास्य सिंह श्रीदुर्गाजीकावाहन
पंजिका संपूर्णपदकीव्याख्या
पट चिरौंजी सुंदरवस्त्र
पटचर पुरानाकपड़ा चोर
पटल छानि छप्पर छपरा पिटारा
पटलप्रांत घरकेबाहिरीदीवारकीपर-
छतीवलड़ुवा
पटवासक सुगन्धितचूर्ण छरीला अबीरादि
पटह बाजा संग्रामशब्द मारुआदि
पटु परवर चतुर न्यायशास्त्रपढ़नेवाला प्रवीण शीघ्रनासेकामकरनेवाला आरोग्य

पण्यवीथिका बाजार दूकान बिक्रीघर
पण्या मालकागुनी
पतग पक्षी चिड़िया
पतंग पक्षी सूर्य पतिंगा
पतंगिका ममाखीजाति
पतत् पक्षी चिड़िया
पतत्र पक्षीकेपंख
पतत्रि } पक्षी चिड़िया [पिछाडी
पतत्रिन्
पतद्ग्रह पीकदानी बुराग्रह सेनाकी
पतयालु गिरनेवाला गिरपरै
पताका ध्वजा झंडी निशान
पताकिन झंडीवाला निशानवाला
पति भतार खसम मालिक [पतिकरै
पतिंवरा अपनीराजीसेस्वयंबरमेंजोस्त्री
पतिवत्नी सुहागिल सौभाग्यवती
पतिव्रता पतिकीसेवामेंलगीरहै
पत्तन शहर नगर
पत्ति पैदल सेना सेनाकीसंख्या
जिसमेंरथ१हाथी१घोड़े३ पियादा
५हों बीरभेद
पत्तिसंहति पैदल सेना पल्टन
पत्नी स्त्री जिसकावेदविधिसेविवाहहो
पत्र पत्ता पंख सवारी बाण पत्ती चिट्ठी
पत्रपरशु वसुला छेनी [बेंदाआदि
पत्रपाश्या माथेकागहना टीका बेना
पत्ररथ पक्षी जिनकेपंखहीरथहैं
पत्ररेखा } कस्तूरीकेसरिआदिसेकपो-
पत्रांगुलि } लादि अंगमेंशोभाकरना
पत्रांग लालचंदन
पत्रिन् शिकरा बाज पक्षी बाण
पत्रोर्ण शोनापाढ़ा टट्टू धोयाऊनकावस्त्र
पथिक राही राहचलनेवाला
पथिन् मार्ग रास्ता राह
पथ्या हर्र
पद् } पैर पांव स्थान विभक्त्यंतशब्द
पद } एकवात रक्षा पैरकाचिन्ह बहाना
पदग पैदल पियादा पल्टन
पदवि } मार्ग रास्ता
पदवी }
पदाजि }
पदात }
पदाति } पदाती पैदलसेना पियादा
पदिक }
पदग }
पद्धति } मार्ग रास्ता चाल
पद्धती }
पद्म निधि कमल संख्या
पद्मक देहमेंबिंदुबहुतसेहोना बहुधा
हाथीकीदेहमेंलाल२बिंदुहोतेहैं
पद्मचारिणी स्थलकमलिनी [लिहुबा
पद्मनाभ भगवान जिनकीनाभिमें कम-
पद्मपत्र पुष्करमूल
पद्मराग मणिलालरंगकी
पद्मवर्ण पुष्करमूल
पद्मा लक्ष्मी जिनकेहाथमेंकमल है
भारंगी स्थलकमलिनी
पद्माकर तालाब जिसमेंकमलहों
पद्माक्ष सूर्य कमलनेत्र
पद्माट चकौंड़ी पवाड़

पद्मालया लक्ष्मी जिनकाकमलस्थानहै
पद्मिन् हाथी
पद्मिनी कमलिनी तलैया
पद्य श्लोक शूद्र कविनकीवाक्य
पद्या मार्ग रास्ता
पनस कटहर
पनायित } स्तुतिकरना नमस्कारादि
पनित }
पन्न गिरना गलना
पन्नग सांप सर्प
पन्नगाशन गरुड़ जोसांपखाते हैं
पयस् पानी दूध
पयस्य दही घी नेनू मक्खन मट्ठाआदि
पयोधर, खजांची नारियल स्त्रीकीछाती मेघ कशेरू. [उत्तर.
पर तीरनदीआदिका शत्रु श्रेष्ठ दूर
परःशत सौसेअधिक इत्यादि
परजात जिसकोस्वामीकेबिनाऔरपालनकरें लड़काबृक्षादि
परतंत्र परवश औरकेआधीन
परपिंडाद दूसरेकाअन्नखानेवालेपुरोहितआदि
परभृत– कोकिला कोइली
परभृत् कौवा
परमम् अंगीकार श्रेष्ठ
परमान्न दूधसेबनाअन्न खीरआदि
परमेष्ठिन ब्रह्मा
परम्पराक यज्ञपशुकावध
परवत् पराधीन दूसरेकेवश
परशु } कुठार कुल्हाड़
परश्वध }
परश्वस् दूसरेदिन भोरभे
परस्वध कुल्हारा
पराक्रम बल बूत जोर ऐश्वर्य उपाय
पराग फूलकीधूरि कुसुमकीमिलीधूरि
पराङ्मुख पीछेकामुख हारजाना
पराचित जिसकोदूसरापालनकरै
पराचीन विमुख हारना
पराजय लड़ाईकीहार
पराजित. हारगया दूसरेकापालाहुवा
पराधीन दूसरेकेवश परवश
परान्न औरकाअन्नखानेवाला
पराभूत हारगये हारजाना
परायण मिलीहुईबात मिलनामनसे
परार् बीतेबर्षसेबीनाबर्ष तेउरुससाल
परार्ध्य श्रेष्ठ उत्तम बहुतमोल
परासन मारना दूसरेकास्थान
परासु मरगया मरजाना
परास्कंदिन चोर चोट्टा उठाईगीर
परिकर शय्या गोद कुटुंब देहकीसिमिटन, विचार आरंभ
परिकर्मन् देहमेंचंदनकुंकुमादिलगाना
परिक्रम पैरकीचाल अप्सरोंकीपृथ्वी
परिक्रिया, कुटुंबीभाईआदिकाएकट्ठाहोना
परिक्षिप्त मडलआदिचारोंओरहोना
परिखा खांवाँ खाँई
परिग्रह सेनाकीपिछाड़ी स्त्री
परिघ } लोहसेबंधाहोथमरकाडंडा
परिघातिन् }
परिचय पहिचान वृद्धि [सेनारक्षक
परिचर, सेनापतिकेपासपासचलनेवाला

परिचर्या सेवागुरुआदिकी
परिचाय्य अग्निकेप्रयोग
परिचारक दास सेवक टहलुवा
परिणत पकजाना आप्तहोना
परिणय विवाह व्याह [यज्ञआदि-
परिणाम विकार जैसेमाटीकाविकार
परिणाय काठसेरचायंत्रजुवांखेलनेका
इधरउधरलेजाना
परिणाह चौडाई चकलाई
परितस सवतरफ सवते.
परित्राण मारनेवालेसेबचालेना
परिदान वदला व्यवहार
परिदेवन शोच शोक
परिधान,नीचेकावस्त्र लहँगा धोती शारी
परिधि सूर्यकेचारोंओरकभीघेरासाहो
ओयवृत्त छयूलआदिकीडार
परिधिस्थ सेनारक्षाकरनेवाला
परिपण मूलधन जमा विननफा
परिपंथिन् शत्रु वैरी
परिपाटि } सीधाक्रम परंपराकीचाल
परिपाटी }
परिपूर्णता सवसुखकीवस्तु संपूर्णता
परिपेलव केवटिआमोथा
परिप्लव चंचल जोचलाकरै
परिवर्ह राजावोंकेयोग्यसपेदछत्रआदि
परिभव अनादर अपमान,
परिभाषण सहितनिंदाकेवातकहना
परिभूत अपमानकिया [जानेकीसुगंध
परिमल मैथुनआदिमेमालाआदिमिस
परिरंभ लपटाना लिपटना

परिवर्जन मारडालना
परिवर्त्तन व्यवहार लेनदेन वदला
परिवाद निंदा गाली दुष्टति
परिवादिनी . वीणा जिसमें७तारहों.
परिवापित मुंडनकिया शिरघोटाया
परिविंचि जिसस्त्रीयापुरुषकेछोटेवहि-
निभाईकाव्याहप्रथमहो
परिवृढ स्वामी मालिक [पहिलेहो
परिवेत्तृ जिसपुरुषकाव्याहवडेभाईसे
परिवेश } सूर्यकेआसपासकभीजोमंडल
परिवेष } हो
परिव्याध पानीकेवेंत कठचंपा
परिव्राज सन्यासी भिखारी
परिषद् सभा समाज पंचाइत
परिष्कंद } जिसकादूसरापालनकरै, ल-
परिष्कन्न } ड़कावृत्तादि
परिष्कार आभूषण गहेना
परिष्कृत गहनधारणकिया
परिष्वंग लपटाना लिपटना
परिसर नदीपर्वतकेसमीपकीधरती
परिसर्प कुटुंबीआदिकाएकट्ठाहोना
परिसर्या } चारोंओरफिरनासेनाआदिके
परिसार }
परिस्कंद } दूसरेकापला जैसेकर्ण
परिस्कन्न }
परिस्कार आभूषण गहेना
परिस्कृत गहनापहिना आभूषणधारी
परिस्तोम हाथीकीझूल गद्दा
परिस्पंद } रचना शोभाकरना
परिस्यंद }

परिस्रुत
परिस्रुता } मदिरा दारू

परिहास हँसी खेल केलि
परीक्षक परीक्षाकरनेवाला निश्चयकारी
परीभाव अनादर अपमान
परीरंभ लपटना लिपटाना
परीवर्त्त व्यवहार लेनदेन बदला
परीवाद निंदा दुष्कृति
परीवाप तंबूइत्यादि जलकास्थान
परीवार चलनेवाले जंगम
परीवाह, जलकाबहना नारानारीआदि
परीष्टि श्राद्धमेंब्राह्मणकीभक्तिसेवा
परीसार चारोंओरफिरना
परीहास हँसी खेल केलि
परुत बीतासाल परसाल
परुष कठोरवचन कड़ीबात
परुस बासआदिकीगांठि
परेत मराहुआ मरा
परेतराज यमराज मरोंकामालिक
परेद्यवि, दूसरेदिन औरदिन
परेष्टुका बहुतबारकीब्याईगौआदि
परैधित दूसरेकापालाहुआ
परोष्णी तेलड पाखी

पर्कटि
पर्कटी } पकरियावृक्ष

पर्जनी दारुहरदी
पर्जन्य गर्जतेमेघ इंद्र
पर्ण पत्ता छूल ढाख
पर्णशाला ऋषियोंकेघर कुटी
पर्णास वालस्वरी बाबरी

पर्यंक पलग खटोली परिवार शय्या
पर्यटन घूमना फिरना
पर्यंतभू नदीपर्वतआदिकेचारोंओर
पर्यय अतिक्रम उलटना लांघना
पर्यवस्था विरोध बैर
पर्याप्त जैसीवाञ्छा मनोरथ
पर्याप्ति मारनेवालेसेबचालेना
पर्याय सीधाक्रम परिपाटी परंपरा [ना
पर्यायशयन पहरेवालोंकोपहरादेसोरह
पर्युदंचन ऋण कर्ज उधार
पर्येषण श्राद्धमेंब्राह्मणकीसेवा
पर्वत पहाड़ हिमालयादि
पर्वन बाँसआदिकीगाँठि कृष्णपक्षकी
१४, ८, ३० पूर्णिमा
संक्रांति इत्यादि
पूर्वसंधि,पर्वोंकीसंधिप रेवापूर्णिमादिकी
पर्शुका पशुरी हड्डी
पल टकाभर मांस पल
पलगंड लीपनेवालामजदूर थारीआदि
पलंकषा गुखुरू
पलल मांस मास
पलांडु पियाज प्याज
पलाल पयार नरई बिनाफलकीछटी
पलाश पत्ता ढाख छूल आंबाहरदी
हरारंग गिरसाआदिपत्ताकारंग
पलाशिन् वृक्ष पेड़
पलिक्नी बूढ़ीस्त्री जिसकेबालसपेदहों
पलित बुढ़ापासेसपेदबालरोया
पल्यंक पलग खटोली
पल्लव पत्ता

पल्वल छोटातालाव ताल
पव पवित्रकरनाधान्यका धोना
पवन वायु हवा शुद्धकरना धोना
पवनाशन सर्प जोवायुभोजनकरतेहैं
पवमान वायु हवा
पवि बज्र इंद्रकाआयुध
पवित्र कुश पवित्रहुआ शुद्ध
पवित्रक सनकेसूतकाजाल
पशुपति महादेव पशुओंकामालिक
पशुप्रेरण गौआदिकाहांकना चरावना
पशुरज्जु हरहाबांधनेकी रस्सी गेरांव
पश्चात् पश्चिमदिशा अंत पीछे
पश्चात्ताप पछिताना
पश्चिम अंत्य दिशा [होताहै
पश्चिमा दिशा पछांह जहांसूर्यअस्त
पष्ठवाह गाडीआदिकेजुवांकेपास
जोतनेकाबैल
पष्ठौही बासरगाभिनिगौ
पस्त्य घर मकान
पांशु धूलि गर्द खाक
पांशुला खरावस्त्री छिनार
पाक बच्चा बालक पाकनामदैत्य रसोई
पाकल कूट [मारा
पाकशासन इंद्र जिन्होंनेपाकदैत्यको
पाकशासनि इंद्रकापुत्र जयंत
पाकस्थान पकानेकास्थान रसोई
पाक्य बिडलोन जवाखार [ठगहाई
पाखंड,सवतरहकेरूपधारणकरना धूर्तता
पांचजन्य श्रीभगवानकाशंख[या द्रौपदी
पांचालिका कपडाआदिकीपुतरी गुडि-
पाट संबोधनमें
पाटच्चर चोर ठग उठाईगीर
पाटल, लालसपेदमिलारंग गुलाबी धान
पाटला पांडरि पांडरिकाफूल
पाटलि पांडरि मोखवृक्ष धान [पढ़ना
पाठ पुराण वेदादिकोंकीपाठ महायज्ञ
पाठा पाढाओषधि
पाठिन् चीत सपेदपर्णास
पाठीन बहुतदांतवालीमछरी
पाणि हाथ
पाणिगृहीती विवाहकीस्त्री [आदि
पाणिघ हाथकाबाजा करताल झांझ
पाणिपीडन विवाह ब्याह
पाणिवाद हाथकेबाजा
पांडर सपेद
पांडु कुछपीलारंग पिंडोरसा
पांडुकंबलिन पीलेकंवलसेमढ़ारथ
पांडुर पिंडोरकासारंग कुछपीला
पातक ब्रह्महत्याआदि कुकर्म
पाताल नीचेकालोक बलिकाघर
पातुक गिर२पड़ना गिरजाना
पात्र नदीकामध्य पत्ता राजाकामंत्री
योग्य लोटाआदि यज्ञकेपात्र स्रुवा
आदि नाचकीनकल
पात्री लोटाबटुईआदि स्त्रीलिंगकेशब्द
पात्रीव यज्ञकापात्र
पाथस् पानी
पाद पर्वतोंकेसमीप२छोटेपर्वत पांव
चौथाभाग किरण
पादकटक बिछिया नूपुर नेउर

पादग्रहण पैरछूनागुरूआदिके
पादप वृक्ष पेंड़
पादवल्मीक हाथीपांवरोग पीलपांव
पादबंधन पशुवोंकेपैरबांधनेकीरस्सी
पादस्फोट बेवाई जिसमेंपैरफटजातेहैं
पादाग्र पैरकाअगाड़ी पांवकाआगू
पादांगुद नूपुर पैंजनियां झांझ
पादात
पादाति
प्रादातिक
पादातिग
} पैदल पियादा पल्टन
पादुका
पादू
} जूता जोड़ा खराऊं
पादूकृत चमार जूताबनानेवाला
पाद्य पांवधोनेकोजल [जातिकी
पानगोष्ठिका मदिरापीनेकीसभानीच
पानपात्र मदिरापीनेकापियाला गिलास
पानभाजन दूधआदिपीनेकाकटोरा
पानीय पानी जल
पानीयशालिका पौसरा पानीपीनेकाघर
पांथ राही मार्गचलनेवाला
पाप दुष्कर्म दूसरेकीबुरी बुरेमार्ग
पापचेली पढ़ाओषधि
पाप्मन पाप बुराकर्म
पामन् खाजरोग खजुरी
पामन जिसकेखाजुरोगहो
पामर नीच अधम पापी
पामा खाज खजुरी [अन्नखीरादि
पायस एकवृक्षकागोंद धूप दूधसेपका
पायु गुदा गांड़
पाय्य प्रमाण तोल

पार नदीआदिकापार दूसरातीर
पारत
पारद
} पारा [सिखाना
पारंपर्योपदेश पुरानीलोकपरंपराका
पारशव शूद्राणीमेंब्राह्मणसेपुत्रहो
पारश्वधिक कुल्हाराबांधनेवाला
पारसीक फारसकाघोड़ा
पारस्त्रैणेय पराईस्त्रीकालड़का
पारापत कबूतर
पारायण संपूर्णबात मिलीबात
पारावत कबूतर
पारावतांघ्रि
पारावतांघ्री
} मालकांगुनि [पानी
पारावार नदीकाइसपारउस पार बहुत
पाराशर्य व्यास
पाराशारिन् संन्यासी
पारिकांक्षिन् तपस्वी तपस्याकरनेवाला
पारिजातक कल्पवृक्ष बकाइनि बकैन
पारितथ्या बालोंकागहना बेंदी बेंद्रियां
कटिया इत्यादि
पारिपार्श्वक चारोंतरफके
पारिप्लव चंचल जोस्थिरनहो
पारिभद्र बकाइनिकापेड़
पारिभद्रक देवदारु
पारिभाव्य कूट
पारियात्रक
पारियात्रिक
} पर्वतकानाम
पारिषद्
पारिषद्य
} महादेवकाप्रमथसंज्ञक मातृगण [आदि
पारिहार्य हाथकेपहुंचाकागहना पहुंची
पारी हाथीकेपांवकीरस्सीयजंजीर

पारुष्य, बहुतबकहाव इक्षाकड़ीवातें
पार्थिव राजा मनुष्योंकास्वामी
पार्वती हिमालयकीपुत्रीश्रीमहादेवकी
प्राणप्यारी
पार्वतीनंदन स्वामिकार्तिक
पार्श्व पशुरी पांजर, [कांखगलपर,
पार्श्वभाग पशुरीकाभाग हांथीआदि
पार्श्वास्थि पशुरीकीहड्डी
पार्ष्णि येंडी पैरकापिछाड़ी छोटा
पार्ष्णिग्राह पीछेचलनेवाला
पालघ्न तृण धोधवाअकुराआदि
पालंकी पालक पलांकी कुदुरू
पालाश पत्ताकारंगहरा
पालि खड्गादिकाकज्जा तलवारकी
धार कोन गोद पांति चीन्हा गांव
पालिंदी } कालातंदू
पालिधी }
पाली खड्गादिकाअंतभाग
पाल्लवा मारकालेलपटाआदि
पावक आगि आतश. [पांशा
पाश वालोंकासमूह फसरी जुवांके
पाशक जुवांकेपांशे
पाशिन बरुण जोफसरीआयुधरखतेहैं
पाशुपत गुमा
पाशुपाल्य खेती पशुओंकापालना
पाश्चात्य अंत आखिर
पाश्या बहुतसेपांशे
पाषाण पत्थर
पाषाणदारण टांकी छेनी
पिक कोकिला
पिंग पीतरंग
पिंगल पीलारंग सूर्यकेबांईतरफ
पिंगला दिग्गजकीपत्नी हथिनी
पिचड पेट पशुकाअंग
पिचंडिल } तोंदारा बड़पेटा.
पिचिंडल }
पिचिंड पेटा
पिचु कपास रुई
पिचुमंद } नीव नींबी
पिचुमर्द }
पिचुल भाऊ एकवृक्षकानाम
पिच्चट रंग नेपालीरांगा
पिच्छ मोरपंख पुछारिकेपखने
पिच्छा शिंशिमली औषध भातकामाड
पिच्छिल साढ़ीसहितदहीमठा चिकना
पिच्छिला श्यामरकापेड सेरसई
पिंज बध मारडालना नाजकीराशि
पिंजर हरताल पक्षीकापिंजरा
पिंजल बहुतव्याकुलसेनाआदि
पिंजूष कानकामैल
पिट पेटारावांसआदिका
पिटक फोड़ा फुरिया पेटरिया पेटार
पिठर थाली स्थाली मोथामथानी
पिंड हाथीकाकुंभ गंधरस मिमियाई लोह
माटीआदिका वांसआदिकापेटारा
पिडक लोबान धूप
पिंडिका } पैहाकेबीचकीलकड़ी नाह
पिंडी }
पिंडीतक मैनफलकावृक्ष गोला
पिण्याक तिलकापीना
पितरौ मातापिता महतारीबाप. [पिना.
पितामह ब्रह्मा बाबा बापकाबाप पिनाका

पितृ पिता बाप
पितृदान पितरोंकेलियेदान
पितृपति यमराज दक्षिणकेस्वामी
पितृपितृ पिताकापिता बाबा [माता
पितृप्रसू सांझ दिनकाअंत पितरोंकी
पितृयज्ञ तर्पण पितरोंकाजलदेना
पितृवन श्मसान मरघटा
पितृव्य पिताकाभाई चाचा काका
पितृसन्निभ पिताकेतुल्य
पित्त पित्त [अंगुरीकामध्य
पित्र्य पितरोंकेलिये पितृतीर्थ अंगूठा
पित्सत् पक्षीचिड़िया
पिधान छिपजाना मूंदना
पिनद्ध कवचादिकात्यागकरना
पिनाक,शिवकाधनुष धूलिकीवर्षात्रिशूल
पिनाकिन् महादेव
पिपासा पियास तृषा
पिपीलिका किरवा चींटीआदि
पिप्पल पीपरकावृक्ष
पिप्पलि } पीपरि
पिप्पली }
पिप्पलीमूल पिपरामूड़
पिप्लु देहमेंलहसुनकाचिन्ह
पियाल चार चिरौंजी
पिल्ल चिपरा जिसकीआंखबहाकरै
पिशंग पीतरंग
पिशाच देवजाति
पिशित मांस
पिशुन चुगुल लालचंदन दुष्ट
पिशुना शागभेद असपरक
पिष्टक पुवा बरा चावलआदिकेपिसा
पिष्टप पृथ्वीतल भूलोक [नकीवस्तु
पिष्टपचन तवा कराही
पिष्टात चूरणसुगंधित
पीठ आसन बिछौना [आनेसेपीड़ा
पीडन पीड़ा दूसरेराजाकोचढ़कर
पीडा दुःख
पीत पीलारंग
पीतदारु देवदारु
पीतद्रु सरला देवदार
पीतन अंबाड़ा कुंकुम केशर हरिताल
पीतसारक असना पीतशाल
पीता हरदी [पीलाकपड़ा
पीतांबर विष्णु जोपीतवस्त्रपहिरे हैं
पीति घोड़ा पीनाकिसीवस्तुका
पीन मोटा
पीनस रोग
पीनोध्नी जिसगौआदिकेमोटेथनहों
पीयूष अमृत नईबियाईगौकादूध
पीलु पिलुवाकावृक्ष फूलभेद हाथी
हड्डीकाटुकड़ा बाण
पीलुपर्णी मुरहरी मोरवेल कुंदुरू
पीवन् मोटा
पीवर मोटा मकर्प अधिकता
पीवरस्तनी मोटेथनवालीगौआदि
पुंश्चली दूसरेपुरुषोंसे रमणकरनेवाली
छिनार
पुंस् पुरुष मर्द मनुष्य
पुक्कस चांडाल महानीच
पुंख बाणकीफोंक

पुंगव श्रेष्ठ उत्तम
पुन्छ दुम पूंछ
पुंज नाजकीराशि समूह ढेर[चेजाताहै
पुटभेद जोनदीआदिमेंभँवरकापानीनी-
पुटभेदन नगर शहर
पुटी पत्ताकीदोनई पुटइत्यादि [अग्नि
पुण्डरीक दिशागज कमल बाघ सिंह
पुंडरीकाक्ष विष्णु जिसकेकमलसेनेत्रहों
पुण्ड्र्य पुण्डरीय स्थलकमल
पुण्ड्र ऊंखभेद पौंढा गन्नाआदि
पुण्य शुभकर्म धर्म सुंदर स्नानादिक्रिया
पुण्यक व्रतचांद्रायणादि नियम
पुण्यजन राक्षस किन्नर
पुण्यजनेश्वर कुबेर [चलकामध्य
पुण्यभूमि आर्य्यावर्तहिमालयविंध्या-
पुण्यवत् भाग्यवान्जोपुण्यकरताहै
पुत्तिका ममाखीमक्खीकाभेद
पुत्र लड़का बेटा
पुत्रिका गुड़िया लड़की बेटी
पुत्री लड़कालड़की
पुद्गल आत्मा सुंदरमूर्ति
पुंध्वज मूस चूहा
पुनः पुनः बार बार फिर फिर
पुनर पहिलेकेउपरांत भेद अलगकरनेमें
पुनर्नव नाखून नह जोबार२नयेहोतेहैं
पुनर्नवा गदापुरनिया गँदुली
पुनर्भव नाखून नह [राब्याहहो
पुनर्भू जिसस्त्रीकाएकब्याहहोकरदूस-
पुन्नाग वृक्षभेद फूलवृक्ष
पुमस पुरुष मर्द मनुष्य
पुर गुग्गुरकावृक्ष मकान नगर
पुरःसर आगेचलनेवाला
पुरतस आगे अगाड़ू
पुरद्वार नगरकाद्वार फाटकशहरका
पुरंदर इंद्र
पुरंध्रि } पतिव्रतास्त्री जोपतिकीसेवामें
पुरंध्री } रहै
पुरस आगे अधिक ऊपर
पुरस्कृत पूजित आगेकिया
पुरस्तात् पूर्वदिशा प्रथम व्यतीतमें
बीतेकालमें आगेसेआगे
पुरह बहुत अधिक [होनेवाला
पुरा बहुतदिनकीबात निकट आरंभ
पुराण जिसमेंसर्गप्रतिसर्गवंशमन्वंतर
वंशकाचरित्रवर्णनहो प्राचीन पुराना
पुराणपुरुष विष्णु जोपुरानेपुरुषहैं
पुरातन पुरानीबात पुराना [भारतआदि
पुरावृत्त पूर्वकावृत्तांत इतिहास महा-
पुरी नगर शहर
पुरीतत आंत देहमेंसबजीवोंकेहोतीहैं
पुरीष विष्ठा गू
पुरु बहुत अधिक [मनुष्य मर्द
पुरुष आत्मा देहकामध्यस्थ पुन्नागवृक्ष
पुरुषोत्तम विष्णु जोपुरुषोंमेंउत्तमहैं
पुरुहू अधिक बहुत [जातेहैं
पुरुहूत इंद्र जो यज्ञादिमेंमंत्रमंत्रबुलाये
पुरोग }
पुरोगम } आगेचलै आगेचलने
पुरोगामिन् } वाला
पुरोडाश यज्ञकीखीर चमसीपिसानकी
पुरोधस पुरोहित उपरोहित कुलगुरू

पुरोभागिन् किसीकाममेंजोदोषही विचारे
पुरोहित उपरोहित
पुलाक भूसी कनकी इत्यादि
पुलिन नदीकाकिनारा
पुलिंद म्लेच्छजाति
पुलोमजा इंद्राणी इंद्रकीपत्नी
पुषित पुष्ट पालाहुआ
पुष्कर आकाश जल कमल पुष्करमूल, बाजाकामुख खड्गकामध्य पुष्कर-तीर्थ कूट द्वीप सर्प गरुड हाथीकी शूंडकाआगेकाभाग
पुष्कराह्व सारसपक्षी
पुष्करिणी छोटीतलैया जिसमेंकमलहों,
पुष्कल अतिसुंदर बहुतउत्तम
पुष्ट पोढा, पाला
पुष्प फूल स्त्रीकामासिकधर्म [कौशीस
पुष्पक कुबेरकाविमान जस्ता फूलधातु
पुष्पकेतु फूलधातु जस्ता
पुष्पदंत दिशागज दिग्गज [धनुषहै
पुष्पधन्वन् कामदेव जिसकाफूलोंका
पुष्पफल कैथाकावृक्ष [गाडीआदि.
पुष्परथ राजादिकोंकाशोभार्थरथ सेज
पुष्परस फूलकारस फूलकीमिठाई
पुष्पलिह् भँवरा जोफूलकास्वादलेताहै
पुष्पवती रजस्वलास्त्री
पुष्पवंतौ एकमेंसूर्यचंद्रमाकाउच्चारण
पुष्पसमय वसंत फूलहोनेकासमय
पुष्य नक्षत्र
पुष्परथ राजाओंकेशोभाकेरथ [बनाना
पुस्त माटीकाठआदिकापुतलीआदि
पूग सुपारीकावृक्ष समूह
पूजन पूजाकरना
पूजा पूजा देवताआदिकोस्नानादि
पूजित पूजाकोप्राप्तहुवा
पूज्य पूजाकरनेकेयोग्य ससुर
पूत पवित्र शुद्ध बसाईपछोरीधान्य साफकरना धोना
पूतना हर्र जोराक्षसीकृष्णनेमारी
पूतिक, पूतिकरंज काँटेवालाकंजवृक्ष
पूतिकाष्ठ देवदारु देवदार सरला
पूतिगंधि दुर्गंध बोह बसाना
पूतिफली बकुची बकुची
पूतीक, पूतीकरज, पूतीकरंज काँटेवालाकंजावृक्ष
पूप पूवा बडाआदि चाउरकेपिसानकी वस्तु फेनीपानीका
पूर नगर शहर. [पूरहोना
पूर पानीकाप्रवाह पानीबढ़ना याव
पूरणी श्यामरकावृक्ष
पूरित पूर्ण संपूर्ण
पूरुष पुरुष मर्द
पूर्ण संपूर्ण सब जोकुछभीकमनहो
पूर्णकुंभ भरायडापानीसे पूर्णघट
पूर्णिमा पूर्णमासी
पूर्त बावलीकुआदेवालयआदि
पूर्व,प्रथम आदि पहिले दिशा पूर्ण ब्रह्मा
पूर्वज बडाभाई पुरिखा पहिलेहुआ
पूर्वदेव दैत्य पहिलेदेवता
पूर्वपर्वत,उदयपर्वत जहांसूर्यउदयहोताहै

पूर्वा = दिशा
पूर्वेद्युस् पहिलेदिन
पूषन् सूर्यदेवताभेद
पृक्का शागभेद
पृक्ति छूना स्पर्शकरना
पृच्छा पूंछना प्रश्न
पृतना सेना सेनाकासंख्याभेद
पृथक वर्जना अलग
पृथक्पर्णी पिठवनिऔषधि
पृथगात्मता अलग२होना भिन्न२विचार आत्माईश्वरसेपृथक्इत्यादि
पृथग्जन नीच अधम मूर्ख
पृथग्विध बहुतरूप बहुतप्रकार
पृथवी } जमीन धरती
पृथिवी }
पृथु कालाजीरा हींगकावृक्ष चौडा भ कर्ष बडाई एकराजाकानाम
पृथुक बालक बच्चा चोदेधानभुजेचा-बल भुजियाचाउर
पृथुरोमन् मछरी
पृथुल चौडा फैला
पृथ्वी धरती कालाजीरा हींगकावृक्ष
पृथ्वीका इलाचीवृक्ष
पृदाकु सांप
पृश्नि सूर्यकीकिरण छोटीदेहका वडना
पृश्निपर्णी पिठवनि
पृषत् पानीकेबूंद बूंदी
पृषत पानीकेबूंद हिरनकीजाति
पृषत्क बाण तीर
पृषदश्व वायु हवा
पृषदाज्य } दहीमेंमिलाघी
पृषातक }
पृष्ठ पीठि पीछे
पृष्ठवंशाधर पीठिकेतीनिहाड
पृष्ठास्थि पीठकीहड्डी रीर [कासमूह
पृष्ठ्य जिसघोडेकीसुंदरपीठहो पीछे
पृष्णि छोटीदेहकामनुष्य. [ढिम्रत.
पेचक उल्लू घुघुवा हाथीकेपूंछकाअ
पेटक } झुंड समूह पेटारा कपडाआदि
पेटा } धरनेका
पेडा }
पेटी पेटरिया
पेयूस अमृत
पेलव वीरर विरला बीकर
पेशल चतुर विरला वीरर
पेशि } अंडा मासकीबोटी सुंदर
पेशी }
पैठर वटुईकापकामांसअन्नादि
पैतृष्वस्रेय } फूफूकालडका अपनेवाप
पैतृष्वस्रीय } कीबहिनिकाबेटा
पैत्र } १महीनाकापितरोंकादिन अंगुठा
पैत्र्य } अगुरीकेमध्यपितृतीर्थ
पोटगल,काश नरकुल [केसमानचिन्हहो
पोटा जिसस्त्रीकेदाढीमूच्छआदि पुरुप
पोत बच्चा,बालक स्थान धमनेका स्थान नाव [वैपारी.
पोतवणिज् जहाजीरोजिगारी नावका
पोतवाह नावमेंबैठदुष्टजीवोंकोजानकर मारनेवाला पानीकाशिकारी
पोताधान छोटे२मछरीअंडोंकाढेर
पोत्रिन् सुअरवनैरा [काअगाडी

पोत्र वस्त्र सुअरकेमुंहकाअगाडी हल
पोष्ट्र स्वामी पति भतार
पौगंड जिसकाकुछअंगकमहो लंगड़ा कानाआदि अवस्था पांचतेऊपर १० तक
पौंड्र्य स्थलकमल पौंड्र्य
पौत्री पोती लड़केकीलड़की
पौर तृणभेद रोहिसतृण
पौरस्त्य पहिलेकाहुवा आगेहुवा
पौरुष,मनुष्योंकाममाण पुरुषकाकर्मतेज
पौरोगव रोसईकामालिक रोसईदार
पौर्णमास पूर्णमासीकायज्ञ
पौर्णमासी पूर्णमासी
पौलस्त्य,कुबेर विश्रवामुनि रावणादि
पौलि पकान्न भूंजेअन्नआदि
पौष पूसमहीना
पौषी पुष्यनक्षत्रकीपूर्णिमासी
पौष्पक जस्ता फूलधातु
प्याट संबोधनार्थ
प्रकंपन बड़ीवायु आंधी वेहरि
प्रकटोदित प्रकटयात
प्रकर्ष अधिकता अतिशय
प्रकांड शुभ प्रशंसा पेड़कीजड़सेजोम- थममोटीडारैं
प्रकामम् जैसीइच्छा यथारुचि
प्रकार भेद बराबरी
प्रकाश,उजेरा घाम बहुतप्रसिद्ध बहुतहंसी
प्रकीर्णक चामर चंवरी
प्रकीर्य कटियालाकंजकापेड़
प्रकृति सत्वादिगुणोंकीतुल्यअवस्था स्वभाव राज्यकेअंग७ राजा १ मंत्री २ नगर ३ किला ४ खजाना ५ सेना ६ परस्परउपकारीमित्र ७ योनि लिंग
प्रकोष्ठ टिहुनीकेनीचेहाथ
प्रक्रम प्रथमकाआरंभ पहिलेपहिल
प्रक्रिया अधिकार घटोवस्तकरना कायदा
प्रकण }
प्रकाण } वीणाकाशब्द
प्रक्ष्वेडन लोहकाबाण
प्रगंड टिहुनीकेऊपरहाथ
प्रगतजानुक वातादिरोगसेजिसके पैर कीगांठीफैलीहों
प्रगल्भ ढीठ उत्तरदेनेमेंशीघ्रबुद्धिहो
प्रगाढ़,बहुतकरग्रहणकरना पोढ़ा मजबूत
प्रगुण सूधा जोढेढ़ानहो
प्रगे प्रातःकाल सवेरा भोर
प्रग्रह तराजूकीडांडीकेबीचकीरस्सी जिसेपकड़तौलतेहैं घोड़ाबैलका गिरांव किरण बांह कैद.[झंझरी
प्रग्रीव वृक्षकाशिर ठुड्डा झरोखा
प्रघण }
प्रघाण } दरवाजेकेबाहिरकेओटा
प्रचक्र सेनाकाचलना. [आंधाना
प्रचलायित जिसकोबहुतनींदलगीहो
प्रचुर बहुत
प्रचेतस् वरुण जलकेराजा
प्रचोदनी भटकटैया
प्रच्छदपट जिसमेंरसेरीणाआदि बां धाजाय ओढ़ार बोझाराग
प्रच्छन्न छिपाढ़रवाजा गिरकी

प्रच्छर्दिका,वांतकारोग वोकना कैहोना
प्रजन गर्भधारणहोनास्त्रीआदिके
प्रजविन् तुर्त शीघ्रता
प्रजा संतति पुत्रपौत्रादि रैयत
प्रजाता जिसस्त्रीकेपुत्रादिपैदाहुआहो
प्रजापति ब्रह्मा जिन्होंनेसंबप्रजावनाई
प्रजावती भाईकीस्त्री जिसस्त्रीकेपुत्र पौत्रादिहों [बुद्धिमान
प्रज्ञ जिसकीगांठीपैरकीफैलीहों पंडित
प्रज्ञा बुद्धि अकिल बुद्धिमानस्त्री
प्रज्ञान बुद्धि चिन्ह
प्रज्ञु जिसकीजांघैंफैलीहों
प्रडीन पक्षियोंकातिरछाउड़ना
प्रणय प्रेम वेग एकछाहोना स्थानमें जाना फैलाना [रूपहै
प्रणव ओंकार ओम् ॐ जो परब्रह्मका
प्रणाद गुणकेअनुरागसेउठाशब्द ये बकेउत्तमहैं इत्यादि
प्रणाली जलवहनेकेनालीनारा
प्रणिधान समझाना
प्रणिधि चार भेदिहादूत छिपकरकाम करनेवाला प्रार्थना
प्रणिहित प्राप्त लाभ
प्रणीत मंत्रादिसेसंस्कृतअग्नि व्यंजन-पदार्थमेंघृतादिसंयुतकरना
प्रणुत स्तुति नमस्कारादि
प्रणेय वशमेंप्राप्त पराहुआ
प्रतति लता वेलि
प्रतन पुराना प्राचीन
प्रतल फैलायाहाथ हाथफैलाना
प्रताप,खजानादंडसेनासेहुवातेज प्रभाव
प्रतापस सपेदमदार
प्रति मुख्यकामदार नायब व्याप्तिमें जैसेतीर्थ २ प्रतिजाताहै लक्षणा जैसेवृक्षकीडारप्रतिबिजुलीप्रकाश
प्रतिकर्मन् शोभाकरना गहना आदि पहिराना केशरिआदिसेलेपकरना
प्रतिकूल उलटा विपरीत
प्रतिकृति प्रतिमा मूर्ति
प्रतिकृष्ट अधम नीच
प्रतिक्षिप्त किसीकेऐश्वर्यआदिकीविरुद्धतामानना स्पर्धाकरना पिछाड़ी
प्रतिख्याति बहुतप्रसिद्ध [निंदा]
प्रतिग्रह सेनाका पिछाड़ी दानलेना
प्रतिग्राह ग्रहणकरना सेनाकापिछाड़ी
प्रतिघा क्रोध गुस्सा
प्रतिघातन मारडालना वधकरना
प्रतिच्छाया प्रतिमा मूर्ति
प्रतिजागर वस्तुओंकादेखना
प्रतिज्ञात अंगीकारकरना प्रतिज्ञाकरना
प्रतिज्ञात अंगीकार ग्रहण
प्रतिदान लेनदेन बदला व्यवहार धरोहरदेना
प्रतिध्वान शब्दकेप्रतिदूसराशब्द जैसे रानिमेंआवाजदेवैतोदूसराशब्दनालानाशिवालयादिसेहोताहै
प्रतिनिधि मूर्ति पवजी
प्रतिपत् परेवा बुद्धि अकिल
प्रतिपत्ति प्राप्तहोना जानलेना
प्रतिपादन दानकरना देना

प्रभात प्रातःकाल सवेरा
प्रभाव राजाओंकीशक्ति खजानाआदि सेप्रकटतेज प्रताप
प्रभिन्न हांथीकामदवहना
प्रभु स्वामी मालिक
प्रभृत बहुतअधिक [शिखाकामाला
प्रभ्रष्टक जोमालाचोटीमेंलटकताहो
प्रथम मातृगण
प्रमथन मारडालना वध
प्रमथाधिप महादेव मातृगणकेस्वामी
प्रमद हर्ष आनंद खुसी [या रानीवाग
प्रमदवन राजाओंकेमहलकेभीतरवगि-
प्रमदा स्त्री आनंददेनेवाली
प्रमनस प्रसन्नमन खुशीहोना
प्रमा यथार्थजानना ठीक २जानना
प्रमाण धुवांआदि सीमा हद इतनाही प्रमाणकरनेवाला नित्य मर्यादा शास्त्र सत्यबोलनेवाला
प्रमाद योग्यकर्ममेंस्थिरचित्तनहोना
प्रमापण } प्रमापन } मारडै वध हिंसा
प्रमिति यथार्थज्ञान ठीक२जानना
प्रमीत यज्ञमेंपशुकामारना मरा
प्रमीला आंखींमिलमिलाना सोनेके पहिलेऔरपीछेश्रमआदिसेसवइं- द्रियोंकीशिथिलता
प्रमुख मुख्य श्रेष्ठ उत्तम
प्रमुदित प्रसन्नहुआ खुशीहोना
प्रमोद आनंद खुशी प्रसन्नना
प्रयत पवित्र शुद्ध
प्रयस्त पकानघीमेंपकायाअन्न काठ [रना.

प्रयाम धन धान्यादिमेंबहुतआदर क
प्रयुद्धार्थ } प्रयोगार्थ } बहुतकर संग्रामकाउद्योग
प्रलंबघ्न बलदेवजिन्होंनेप्रलंबासुरमारा
प्रलय,कल्पकाअंत पसीनाकानाश मृत्यु
प्रलाप परस्परवार्त्ता बतकहाव [रहा
प्रवण .चढ़ाउतारवालीपृथ्वी नम्र चौ
प्रवयस् वृद्ध बूढ़ा बुड्ढा
प्रवर्ह श्रेष्ठ मुख्य
प्रवह जलादिकावाहरजाना
प्रवहण स्त्रियोंकीसवारी बहलआदि
प्रवल्हिका पहेली छिपेअर्थकीबात
प्रवारण तुलादानादि
प्रवाल,वीणाकादण्डा मूंगा कोमलपत्ता
प्रवाह जलादिकोंकाबहना
प्रवासन मारडालना परदेशपठैना
प्रवाहिका संग्रहणीरोग वारवारझाड़ा
प्रविख्याति बहुतप्रसिद्ध. [होना.]
प्रविदारण संग्राम लड़ाई युद्ध
प्रविश्लेष बहुतवियोग बहुतदिनभुला·
प्रवीण निपुण चतुर. [बातनहोना]
प्रवृत्ति ठीक२ लोककीबातकहना ज लादिकीहमेशःकीचाल
प्रवृद्ध बढा बढ़ना फैलना बढ़तचले आना ऊंचाहोना
प्रवेक मुख्य श्रेष्ठ. [हाथीकीभ्रून.
प्रवेणी सर्पकेसमानरूपमेंस्त्रियोंकेवाल
प्रवेष्ट भुजा बांह
प्रव्यक्त स्पष्ट प्रकट
प्रश्न पश्नकरना पूछना
प्रश्रय प्रेम नम्रता

प्रश्रित नम्र शीलस्वभाव
प्रष्ठ आगेचलनेवाला. [कोवंथावैल.
प्रष्ठवाह गाड़ीआदिकेजुवांकेपासजोतने
प्रष्ठौही नईगाभिनिगौ कलोरिगाभिनि
प्रसन्न निर्मलजल खुस
प्रसन्नता,प्रसन्नहोना खुसहोना निर्मलता
प्रसन्ना मदिरा जिसेपीकरमनुष्यप्रसन्न होतेहैं
प्रसभ बलात्कार वेगसेवलकरना
प्रसर प्रेम वेग प्रावआदिकाफैलना
प्रसरण } प्रसरणि } प्रसरणी } सेनाकोसवतरफव्याप्तहोना घेरलेना
प्रसव गर्भसेछूटना पैदाहोना वशहोना
प्रसवबंधन बांदा जिसकेहोनेसेवृक्षका फूलनाफलनाबंदहोताहै
प्रसव्य उलटा विपरीत
प्रसह्य हठ जिदि
प्रसाद प्रसन्नहोना निर्मलहोना [हिरना
प्रसाधन शोभाकरना गहनाआदि प
प्रसाधनी हाथीदांतआदिकीकंघीककई
प्रसाधित सिंगारकिया गहनाआदि पहिराया
प्रसारिणी गंधपसारिणीऔषधि
प्रसारिन् फैलानेफैलनेकास्वभाव
प्रसित अपनेतात्पर्यमेंयुक्तरहना मत लवकेकाममेंरहना
प्रसिद्ध शोभित मशहूर
प्रसू माता महतारी घोड़ी तृणभेद
प्रसूता · जिसस्त्रीकेपुत्रादिहुयेहों
प्रसूति गर्भसेपैदाहोना गर्भमेंछूटना
प्रसूतिका लड़केआदिकीमहतारी
प्रसूतिज,कष्ट दुःख जीवकोजोजन्मादिमें
प्रसून फूल फल पैदाहोना. [कष्ट.]
प्रसूजनयितारौ मातापिता महतारीवाप
प्रसृत } प्रसृति } हाथमेंपसरकरना पसर
प्रसृता जांघ रान
प्रसेव थैलीकपड़ाकी
प्रसेवक वीणाआदिकातोंवा -
प्रस्तर पत्थर कुशाकीमूठी कुशाकीशय्या
प्रस्ताव अवसर प्रसंग मौका
प्रस्थ वरावरपहाड़कीधरती १सेर पद्य
प्रस्थपुष्प मरुवा जंवीर.[ककाअगाड़ी.]
प्रस्थमान पसरसेप्रमाण
प्रस्थान यात्राकरना प्रस्थानधरना
प्रस्फोटन सूपअन्नपछोरनेका
प्रस्रावण पहाड़मेंपानीगिरकरजहांफैलै
प्रस्राव मूत्र पेशाव
प्रहर पहरभर दिनरातमेंआठप्रहर
प्रहरण आयुध हथियार [मैत्री
प्रहस्त अंगुरीफैलायाहाथ रावणका
प्रहारथ महादान तुलादानादि
प्रहि कुआँ कूप
प्रहेलिका पहेली छिपेअर्थकीवात
प्रह्लन्न आनंदहुआ खुस
प्रांशु ऊंचापुरुषआदि
प्राक् वीतेसमय पूर्वदिशा
प्राकार नगरादिकेआसपासकौटिआ
प्राकृत नीच छुद्र. [दिमेंगराकरना]
प्राग्दक्षिण पूर्वमिलादक्षिणकादेश

प्रभात प्रातःकाल सबेरा
प्रभाव राजावोंकीशक्ति खजानाआदि समकृतेज प्रताप
प्रभिन्न हाथीकामदबहना
प्रभु स्वामी मालिक
प्रभूत बहुतअधिक [शिखाकामाला
प्रभ्रष्टक जोमालाचोटीमेंलटकताहो
प्रथम मातृगण
प्रमथन मारडालना वध
प्रमथाधिप महादेव मातृगणकेस्वामी
प्रमद हर्ष आनंद खुसी [या रानीबाग
प्रमदवन राजावोंकेमहलकेभीतरबाग
प्रमदा स्त्री आनंददेनवाली
प्रमनस प्रसन्नमन खुशीहोना
प्रमा यथार्थजानना ठीक२ जानना
प्रमाण ध्रुवांआदि सीमा हद इतनाही प्रमाणकरनेवाला नित्य मर्यादा शास्त्र सत्यबोलनेवाला
प्रमाद योग्यकर्ममेंस्थिरचित्तनहोना
प्रमापण } प्रमापन } मारणा वध हिंसा
प्रमिति यथार्थज्ञान ठीक२जानना
प्रमीत यज्ञमेंपशुकामारना मरा
प्रमीला आंखोमिलमिलाना सोनेके पहिलेऔरपीछेश्रमआदिसेसबइं द्रियोंकीशिथिलता
प्रमुख मुख्य श्रेष्ठ उत्तम
प्रमुदित प्रसन्नहुआ खुशीहोना
प्रमोद आनंद खुशी प्रसन्नता
प्रयत पवित्र शुद्ध
प्रयस्त पकानघीसेपकाअन्नबाठ [रना
प्रयाम धन धान्यादिमेंबहुतआदर क
प्रयुद्धार्थ } प्रयागार्थ } बहुतकर संग्रामकाउद्योग
प्रलम्बघ्न बलदेवजिन्होंनेप्रलवासुरमारा
प्रलय,कल्पकाअंत पसीनाकानाश मृत्यु
प्रलाप परस्परवार्ता रतरहाव [रहा
प्रवण चढ़ाउतारवालीपृथ्वी नर्म चाँ
प्रवयस् वृद्ध बूढ़ा बुड्ढा
प्रवर्ह श्रेष्ठ मुख्य
प्रवह जलादिकाबाहरजाना
प्रवहण स्त्रियोंकीसवारी बहलआदि
प्रवह्लिका पहेली छिपेअर्थकीबात
प्रवारण तुलादानादि
प्रवाल,वीणाकादण्डा मुंगा कोमलपत्ता
प्रवाह जलादिकोंकाबहना
प्रवासन मारडालना परदेशपठैदेना
प्रवाहिका संग्रहणीरोग बारबारझाड़ा
प्रविख्याति बहुतप्रसिद्ध [होना]
प्रविदारण संग्राम लड़ाई युद्ध
प्रविश्लेष बहुतवियोग बहुतदिनभूला
प्रवीण निपुण चतुर [बाननहोना]
प्रवृत्ति ठीक२ लोककीबातेंरहना ज लादिकीक्रमशःकीचाल
प्रवृद्ध बड़ा बढ़ना फैलना बढ़नेपर आना ऊंचाहोना
प्रवेक मुख्य श्रेष्ठ [हाथीकीचाल
प्रवेणी सर्पकेसमानस्त्रियोंकेबाल
प्रवेष्ट भुजा बाह
प्रव्यक्त स्पष्ट प्रकट
प्रश्न प्रश्नकरना पूछना
प्रश्रय प्रेम नम्रता

प्रश्रित नम्र शीलस्वभाव
प्रष्ठ आगेचलनेवाला. [कोवंधावैल.
प्रष्ठवाह गाड़ीआदिकेजुवांकेपासजोतने
प्रष्ठौही नईगाभिनिगौ कलोरिगाभिनि
प्रसन्न निर्मलजल खुस
प्रसन्नता,प्रसन्नहोना खुसहोना निर्मलता
प्रसन्ना मदिरा जिसेपीकरमनुष्यप्रसन्न होतेहैं
प्रसभ बलात्कार वेगसेवलकरना
प्रसर प्रेम वेग घावआदिकाफैलना
प्रसरण, प्रसरणि, प्रसरणी — सेनाकोसवतरफव्याप्तहोना घेरलेना
प्रसव गर्भसेछूटना पैदाहोना वशहोना
प्रसवबंधन बौंदा जिसकेहोनेसेवृक्षका फूलनाफलनाबंदहोताहै
प्रसव्य उलटा विपरीत
प्रसह्य हठ जिद्दि
प्रसाद प्रसन्नहोना निर्मलहोना [हिरना
प्रसाधन शोभाकरना गहेनाआदि प
प्रसाधनी हाथीदांतआदिकीकंघीककई
प्रसाधित सिंगारकिया गहनाआदि पहिराया
प्रसारिणी गंधपसारिणीऔषधि
प्रसारिन् फैलानेफैलनेकास्वभाव
प्रसित अपनेतात्पर्य्यमेंयुक्तरहना मतलवकेकाममेंरहना
प्रसिद्ध शोभित मशहूर
प्रसू माता महतारी घोड़ी तृणभेद
प्रसूता - जिसस्त्रीकेपुत्रादिहुयेहों
प्रसूति गर्भसेपैदाहोना गर्भसेछूटना
प्रसूतिका लड़केआदिकीमहतारी
प्रसूतिज,कष्ट दुःख जीवकोजोजन्मादिमें
प्रसून फूल फल पैदाहोना. [कष्ट.]
प्रसूजनयितारौ मातापिता महतारीवाप
प्रसृत, प्रसृति — हाथमेंपसरकरना पसर
प्रसृता जांघ रान
प्रसेव थैलीकपड़ाकी
प्रसेवक वीणाआदिकातोंबा -
प्रस्तर पत्थर कुशकीमूठी कुशकीशय्या
प्रस्ताव अवसर प्रसंग मौका
प्रस्थ बरावरपहाड़कीधरती १सेर पहा
प्रस्थपुष्प मरुवा जंबीर [ड़काअगाड़ी]
प्रस्थमान पसरसेप्रमाण
प्रस्थान यात्राकरना प्रस्थानधरना
प्रस्फोटन सूपअन्नपछोरनेका
प्रश्रावण पहाड़सेपानीगिरकरजहांफैलै
प्रस्राव मूत्र पेशाव
प्रहर पहरभर दिनरातमेंआठप्रहर
प्रहरण आयुध हथियार [मंत्री
प्रहस्त अंगुरीफैलायाहांथ रावणका
प्रहारण महादान तुलादानादि
प्रहि कुआं कूप
प्रहेलिका पहेली छिपेअर्थकीवात
प्रल्हन्न आनंदहुआ खुस
प्रांशु ऊंचापुरुषआदि
प्राक् वीतेसमय पूर्वदिशा
प्राकार नगरादिकेआसपासकाँटेआ
प्राकृत नीच छुद्र. [दिसेघेराकरना]
प्राग्दक्षिण पूर्वपश्चात्दक्षिणकादेश

प्राग्वंश होमकेघरसेपूर्वहोमकरानेकरने वालोंकेघर
प्राग्भव पूर्वदिशाकाहुआ
प्राग्रहर } प्रधान श्रेष्ठ मुख्य
प्राग्र्य }
प्रघार -घीआदिकावहना
प्राघुणक } अभ्यागत भिखारीआ-
प्राघूर्णिक } दिकाअकस्मातआना
प्राचिका वनकीमक्खी
प्राची पूर्वदिशा पूर्व
प्राचीन शहरगांवकेचारोंओरबांस वृ रआदिकीबेंटि पूर्वदिशाकाहुआ
प्राचीना पाठा पहाड़मूल. [पुराना.]
प्राचीनावीत घामहाथउठाकरजनेऊ पहिरना अपसव्यहोना [कीबेंटि
प्राचीर शहरआदिकेबाहरबांसआदि
प्राचेतस बाल्मीक
प्राच्य पूर्वदक्षिणमिलादेश
प्राजन आँगी चाबुक
प्राजिपतृ सारथी रथवान
प्राज्ञ पंडित बुद्धिमान
प्राज्ञा } पण्डिता बुद्धिमानस्त्री
प्राज्ञी }
प्राज्य,बहुत अधिक.[फैमलकरनेवाले.
प्राड्विवाक न्यायाधीश मुन्सिफ
प्राण हृदयकीवायु पराक्रम प्राण गंध रस मिमियाई
प्राणिन् जीव देही मनुष्यादि
प्रातर भोर सबेरा
प्रातिहारक मायावी इंद्रजाली
प्राथमकल्पिक पढ़नेमेंलगनेवालेलड़के प्रथमपढ़नेवाले
प्रादुस् नाम प्रगट प्रकाशहोना
प्रादेश अंगूठाअंगुरीफैलाकरबित्ताभर दशअंगुल
प्रादेशन दान देना
प्राध्वम् प्रसन्नताई खुसी. [शून्यमार्ग.
प्रांतर दूररास्ताछायापानीकेबिना
प्राप्त प्राप्त लाभ आजाना
प्राप्तपंचत्व मरजाना मरना
प्राप्तरूप पण्डित मनोहर मनजानने वाला स्वरूप
प्राप्ति उत्पत्ति लाभ
प्राप्य प्राप्तहोनेयोग्य जानेयोग्य
प्राभृत बायन नजर भेंट
प्राय संन्यासीहोभोजनकात्याग बहुतकर जिससेमरजाय
प्रायस बहुतकर प्रायःनईस्त्रीसुंदरहोतीहै
प्रार्थित मांगा मांगलिया
प्रालंब सुधालटकना जैसेगलेमेंमाला
प्रालंबिका सोनेकीनाभितककीमाला
प्रालेय पाला जाड़ा. [जंजीर.]
प्रावर } दुपट्टा स्त्रियोंकालुगराआदि.
प्रावार }
प्रावरण रजाई दुलाई लिहाफ
प्रावृत नीचेकावस्त्र धोतीआदि
प्रावृष् वर्षा बरसात
प्रावृषायणी केंचा. [पैरमेंहाथीकीजंजीर
प्रासंग गाड़ीकेजुएसेदूसराजुआ जैसे
प्रासव्य फेंकजानेयोग्य
प्रासाद देवताओंराजाओंकामंदिर
प्रासिक भालाबांधनेवाला

प्राह्न पूर्वान्ह दिनकाप्रथमतिहाई
प्रिय पति प्यारा दुलहा
प्रियक कदंब असना हिरनकीजाति कालाविधारा
प्रियंगु कालाविधारा कांकुनि
प्रियता प्रेम स्नेह प्यार
प्रियंवद प्यारीबातबोलनेवाला
प्रियाल चार चिरौंजी
प्रीणन तृप्ति किसीकामसेतृप्तहोना
प्रीत प्रसन्नहोना आनंद खुसी
प्रीति हर्ष आनंद
प्रुष्ट जरा जलगया
प्रेक्षा बुद्धि अकिल नाचदेखना
प्रेंखा हिंडोला झूला डोली
प्रेंखित कुछकांपना
प्रेत मरा भूत
प्रेता नरककेजीव मरीस्त्री
प्रेत्य दूसराजन्म मरनेकेबाद
प्रेमन् प्रेम स्नेह प्रीति
प्रेषण भेजना पठवना
प्रेष्य नौकर सेवक टहलुवा
प्रेष्ठ बहुतप्यारा अतिप्रिय
प्रैष क्लेश पीडा उन्माद
प्रैष्य दास नौकर सेवक
प्रोक्षण यज्ञपशुकामारना
प्रोक्षित यज्ञकेलियेपशुकामाराजाना
प्रोथ,कमरकामांसपिंड कूल्ह घोडेकीनाक
प्रोद्यत बढ़नेवाला
प्रोष दाह भस्महोना
प्रोष्ठपदा पूर्वभाद्रपदउत्तरभाद्रपदनक्षत्र
प्रोष्ठी सहरीमछरी
प्रौष्ठपद भाद्रपद भादौंमहीना
प्रौढ बहुतबढना
प्रौढा चतुरास्त्री
प्लक्ष पकरिया गेंठी लाखीपिपरी
प्लव छोटीनाव डोंगी मेढुक मेंभुका केवटिआमोथा उलरना वानर शब्द कारंडवपक्षी म्लेछजाति चांडाल
प्लवग वानर मेंभुका
प्लवंग वानर
प्लवंगम वानर मेंभुका मेढुक
प्लाक्ष पकरियाकाफल
प्लीहन् वांईतरफपेटमेंमांसपिंड पिलही
प्लीहशत्रु औषधि रक्तरोहिडा
प्लुत घोडेकीचौकचाल स्वरभेद
प्लुष्ट जरा जलना
प्लोष दाह भस्महोना
प्सात भोजन खाना

(फ)

फंजिका भारंगी ब्राह्मीऔषधि
फटा } सांपकाफन
फणा }
फणधर सांप
फणिज्झक सपेदमरुवा जंबीर
फणिभृत् सांप
फल ढाल जिसकाठमेंदलकाफाललगताहै फल कैथाआदि कारणसे किया जैसेयज्ञकाफलस्वर्ग
फलक ढाल
फलकपाणि॰ ढालबांधनेवाला ढलइत

फलतिक अंबराहरवेहेरा
फलपाकाता औषधि धानजवादि
फलपूर विजौरानिंबू
फलवत् फलावृक्ष फरापेड़
फलस कटहर
फलाध्यक्ष खिन्नीकापेड़
फलिन् } सफलवृक्ष फरापेड़ फललगा
फलिन } दरख्त. [शागभेद.
फलिनी कालाविधारा अग्निशिखा
फली प्रियंगु कालाविधारा
फलेग्रहि अपनेसमयमेंफलनेवालावृक्ष
फलेरुहा पांडरि. [तीर्थभेद.
फल्गु कठूंबरि निर्बल जिसकेवलनहो
फाणित राब पोटरी असाढा
फाराट मीसलियाकाढ़ा.[काकाठफार.
फाल कपासकावस्त्र सूतीकपड़ा हल
फाल्गुण } फागुनमहीना
फाल्गुणिक }
फाल्गुनी दडपान दंडपावनफाल्गुनी
को फागुनकीपूर्णिमामी
फुल्ल फूलनाफूलका
फेन समुद्रफेन पानीकाफेना
फेनिल रीठा बेर
फेरव } सियार
फेरु }
फेला } भोजनकरिकेछोड़ना
फेली }

(ब)

बक बकुलवाएल बकासुर गृधाश्व
मदार बगुला
बकुल मौलसिरी बकुल •

बडिश }
बडिशा } वंशीमछरीमारनेकी
बडिशी }
बत खेद दया संतोष आश्चर्य सलाह
कोबुलाना इनपांचअर्थोंमेंबतकहा
जाताहै
बदर बेर बेरीकाफल
बदरा कपास वाराहीकंद
बदरी बेरी
बद्ध रस्सीआदिसेबंधा
बधिर बहिरा जोसुननसके
बंदिन् राजाओंकीस्तुतिकरनेवालेभाट
बंदी कैद जेहल
बंधकी सरावखी
बंधन बांधना बंधन
बंधनालय कारागृह कैदखाना
बंधनी जिसरस्सीमेंबहुतपशुबांधेजांय
बंधस्तंभ बांधनेकारवंभाहाथीका।
बंधु गोत्रभर कुटुंबी
बंधुक } दुपहरीकेफूलकापेड़
बंधुजीवक }
बंधुता कुटुंबियोंकाझुंड
बंधुर ऊंचेकाउद्यचलना
बंधुल छलत्यागकरनेवालीस्त्रीकापुत्र
बंधूक दुपहरीकापेड़
बंधूकपुष्प असना
बंधूर उंचेकालचना
बभ्रु भार्गिनेउरा विष्णु पीतरंग अग्नि
बलीवर्द बैल
बर्बर भार्गी ब्राह्मी
बर्बरा मार्ग्री

बर्बरा बबई कानफोड़ी [केपंख पत्ता.
बर्ह कुकरौंधा भटोरा मोरपंख पुछारि
बर्हपुष्प कुकरौंधा
बर्हि अग्नि
बर्हिः कुकरौंधा
बर्हिण } मोरइला पुछार मोर
बर्हिन् }
बर्हिपुष्प कुकरौंधा
बर्हिर्मुख देवता जिनकाअग्निहीमुखहै
बर्हिष्ठ सुगंधवाला
बल बलदेव सेना फौज पराक्रम सामर्थ्यता मोटाई गंधरस सरूप बली कौवा बल दैत्य.
बलदेव } कृष्णकेबड़ेभाई जिनकीमूर्तिके
बलभद्र } दर्शनकोमथुराजीकोसबजाते हैं
बलभद्रिका त्रायमाणाऔषधि
बलवत् बलवान् बली अतिशय बहुत
बलविन्यास सेनाकोसंग्रामकेलियेस्था
बला बरियारी [पनकरना]
बलाका लंबीघींचकीबकुलीपक्षी
बलात्कार हठ बलकर बहादुरीसे
बलाराति इंद्र बलदैत्यकेमारनेवाले
बलाहक मेघ बादरगर्जतेहुये कृष्णकाघोड़ा
बलि,बैश्वदेव भूतयज्ञ राजावोंकाचसूल जिमीदारोंकापोत नजर भेंट बलिदैत्य देहकीखालसमिटना
बलिध्वंसिन् श्रीवामनजी जिन्होंने ३ पैरपृथ्वीमांगबलिकोबलपातालपठाया विष्णु
बलिन } जिसकेबुड़ापासेखाललटकीहो
बलिभ }
बलिपुष्ट } कौवा
बलिभुज् }
बलिमुख वानर.
बलिर काना कंजा ऐंचाताना कैंचा.
बलिशा }
बलिश } बंशीमछरीमारनेकी
बलिशी }
बलिसद्मन् पाताल रसातल
बलीमुख वानर
बलीवर्द बैल. [हीर गोपाल.
बल्लव रोटीकरनेवाला रसोईदार अ:
बल्वज बागलवाकासकेभेद
बष्कयणी } बहुतदिनकीबियाईगौघ्या-
बष्कयिणी } दि बकरनि
बस्त बोकरा
बस्ति नाभीकेनीचेमूत्रकास्थान
बहिर्द्वार दरवाजेकेबाहिर
बहिष्ठ बहुत अधिक
बहिस् बाहर
बहु बहुत अधिक. [झाड़ूवाला.
बहुकर बहारनाआदिकामकरनेवाला
बहुगर्हवाक्,बहुतखराबबातेंकहनेवाला
बहुपाद् बरगदवृक्ष
बहुप्रद दानशूर बड़ादानी बलिआदि
बहुमूल्य बहुतमोलकावस्त्रआदि
बहुरूप धूप रार
बहुल अधिक बहुत अग्नि कालारंग
बहुला इलाची कृत्तिकानक्षत्र गौ
बहुलीकृत बसाईपछोरीधान्य

वहुवारक लसोहरकापेड शलटवृत्त
वहुविध वहुतप्रकार अनेकरूप
वहुवेतस जहांपरवहुतवेंतहों
वहुसुता शतावरि छतावरि
वहुसूति वहुतवारकीवियाईगौआदि
वाकुची वचुकी [देहमेंनहींलगते.
वाणवार वख्तर जिसकेपहिरनेसेवाण
वाढ अतिशय स्वीकार अंगीकार
वाण तीर वाण वाणासुर
वाणा करसैला कालीभिंटी
वादर कपासकावस्त्र सूतीकपड़ा
वाधा दुःख कष्ट [कापुत्र.
वांधकिनेय कुलत्यागकरनेवालीस्त्री
वांधर कुदुंरी गोनभर
वार्हत भटकटैयाकाफल
वाल सुगन्धवाला वालक मूर्ख घोड़ा
हांथीकीपूंछ वाल. [भिनिकलोरि.
वालगर्भिणी नईगाभिनिगौआदि गा-
वालतनय खैर
वालतृण घास
वालमूपिरा,छोटीमूसकीजाति मुसरिया
वाला कुमारी कन्या
वालिश मूर्ख वेवकूफ वालक
वालेय गदहा
वालेयशाक भाग्गी भार्गीऔषधि
वाल्य वालापन लड़काई
वाष्प मांसू आंखकापानी
वाष्पिका } तेजपात
वाष्पीका }
वाह } भुजा वांह घोड़ेकानामवाह
वाहु }
वाहुज क्षत्री जोविराट्कीवांहसेहुवा
वाहुदा सहस्रावाहुकीनदी .
वाहुमूल कांख कखरी
वाहुयुद्ध वांहकायुद्ध कुस्ती
वाहुल कातिकमहीना
वाहुलेय स्वामिकार्तिक
वाह्लक } वल्हदेशकाहुवा सिंधकेदेशका
वाह्लव } हुवा. [इमीरकेघोड़ा
वाह्लिक कुंकुम केशर हींगकावृत्त का
वाह्लीक,कुंकुम केशर हींग घोड़ेकीजाति
वाह्य वाहर
विड़ विड़ियानमक
विडाल विलारि
विडौजस इन्द्र
विंदु पानीकेवूंद [विन्दुसेहाथी
विंदुजालक पद्मक हांथीकेदेहमेंमायः
विंव सूर्यचन्द्रमाकाविंव
विंविका कुंदुरू
विल छेद विल
विलेशय सांप
विल्व वेलकापेड़
विस कमलकीजड़ भैंसीड़
विसकण्ठिका वकुली
विसमसून कमल [कमलहो
विसिनी कमलिनी जिसदेशमादिमें
विस्त अस्सीरत्तीभरसोना [जहां
वीज कारण वीजतिससेअवर्पदहो
वीजकोश कमलगट्टोंकास्थान
वीजपूर विजौराविंदू [रना
वीजाहृत खेतवोयकरजोतना वाहर

बीज्य कुलमेंउत्पन्नमात्र [जुंनकानाम
बीभत्स रसभेद हँसी भयंकर क्रूर अ
बुक गूमा रुई मदार
बुक्का } हृदयकामांस कलेजा
बुक्काग्रमांस }
बुद्ध बौद्धशास्त्रहोना जानना
बुद्धि अकिल
बुद्बुद पानीकाविकार बुल्ला
बुध बुधग्रह पण्डित बढ़ना उत्तरकेग्रह
बुधित जानना मास
बुध्न वृक्षादिकोंकीजड़
बुभुक्षा क्षुधा भूख
बुभुक्षित भंगा जैसेकालीशत्रुमारनेको
बुष } भूसा पयार
बुस }
बुस्त भूँजामांस कटहरआदिकासार
बूका कलेजा
बृंहित हांथियोंकागर्जना
बृषी } व्रतवालोंकाआसन कुशा
बृसी } सनआदि
बृहद् फैला चौड़ा बहुत
बृहतिका रपट्टा लुमराआदि
बृहती भटकटैया क्षुद्रवार्ता नव
अक्षरकाछन्द भारी
बृहत्कुक्षि तोंदारा बड़पेटा
बृहद्भानु अग्नि
बृहस्पति इन्द्रकेगुरू ईशान्यके ग्रह
बोधकर राजावोंकोस्तुतिमेंजगानेवाले
बोधिद्रुम पीपरकापेड़
बोल गन्धरस मिमियाई
ब्रध्न सूर्य वृक्षादिकीजड़
ब्रह्मचारिन् आश्रम ब्रह्मचारी
ब्रह्मण्य पार्श्वपिप्पली तूतवृक्ष
ब्रह्मत्व ब्राह्मणत्व ब्राह्मणहोना
ब्रह्मदर्भा अजवाइनि
ब्रह्मदारु पार्श्वपिप्पली तूत
ब्रह्मन् ब्रह्मा ब्राह्मण
ब्रह्मपुत्र नद स्थावरविषजड़आदिक
ब्रह्मवादिन् वेदांती
ब्रह्मबंधु,निंदामें जैसेतूब्रह्मबंधुदुष्टहै.[गिरं.
ब्रह्मविन्दु वेदपाठकरनेमेंमुखसेजोबूंद
ब्रह्मभूय ब्राह्मणकाकर्म ब्राह्मणता
ब्रह्मयज्ञ पढ़ावना वेदकीपाठ [भ्यास
ब्रह्मवर्चस ब्राह्मणकातेज आचारवेदा
ब्रह्मसायुज्य ब्राह्मणत्व ब्राह्मणता ब्रा-
ह्मणहोना
ब्रह्मसू अनिरुद्ध कृष्णकापौत
ब्रह्मसूत्र यज्ञोपवीत जनेऊ
ब्रह्मांजली वेदपढ़नेमेंहाथजोड़ना
ब्रह्मासन ध्यानयोगकरनेकाआसन
ब्राह्म मनुष्योंके ८ हजारयुगका १दिन
रातब्रह्माका अंगुठाकेनीचे ब्राह्मतीर्थ
ब्राह्मण सबवर्णोंकाआदि सबसेश्रेष्ठ
ब्राह्मणयष्टिका } भारंगी ब्राह्मीऔषधि
ब्राह्मणी }
ब्राह्मण्य ब्राह्मणोंकासमूह [मछेछी
ब्राह्मी मातृगणमेंप्रथममाना औषधि

(भ)

भ नक्षत्र तारा राशि
भक्त अन्न भात
भक्षक खानेवाला भोजनकरनेवाला

भक्तकार भोजनपदार्थबनानेवालातैल पकादिकरनेवाला
भक्षित भोजनकिया
भक्ष्यकार } भोजनबनानेवाला वरा
भक्ष्यंकार } पकौडाआदिकरनेवाला
भग योनि स्त्रीकाचिन्ह शोभा लक्ष्मी यत्न सूर्य कामकीइच्छा माहात्म्य ऐश्वर्य कीर्त्ति यश भगवान ज्ञान वैराग्य धर्म मोक्ष
भगंदर रोग गुदाकेपासकाफोडा
भगवत बौद्ध विष्णुइत्यादि
भगिनी बहिनि
भग्न जलकीलहरी टुकडा
भगा भांगजोनशेकोघोटपीतेहैं
भंगी टेढ़ाईकीरचना
भग्य भांगकाखेत
भजमान न्यायसेप्राप्तद्रव्यादि
भट योद्धा वीर
भटित्र लोहकेशूलसेपकायामांसादि
भट्टारक राजा
भट्टिनी महारानीकोछोड़औरसबरानी
भंटाकी भांटा बैगन
भंडिल शिरसाकापेंड
भंडी मंजीठ
भंडीर } शिरसाकापेंड
भंडील }
भणित मैथुनकाशब्द
भद्र कल्याण शुभ सुंदर बैल
भद्रकुंभ पूर्णकुंभ भराघड़ा
भद्रदारु देवदारु
भद्रपर्णी खंभारिकापेंड
भद्रबला गंधपसारिणिऔषधि
भद्रमुस्तक नागरमोथा
भद्रयव इंद्रयव
भद्रश्री चंदनसुगंधयुक्तमलयपहाड़का
भद्राकरण बालबनवाना मुडाना
भद्रासन राजाओंकासिंहासन मणिसु
भय डर खौफ. [वर्णआदिसेबना
भयंकर भयानक डरावनी रसभेद
भयद्रुत डरसेभागनेवाला
भयानक रसभेद डरावनी खौफनाक
भर अतिशय बहुत
भरण } मोल दाम तनखाह
भरणय }
भरणयभुज् तनखाहलेनेवालानौकर
भरण्या मोल तनखाह
भरत,मायावी नट श्रीरामकेभाई दुष्यंत राजाकेपुत्र श्रीऋषभदेवके पुत्र
भरद्वाज ऋषि भरतापत्ती
भर्ग } महादेवजी
भर्ग्य }
भर्तृ भतार पति रक्षनेवाला पालने वाला मालिक [पुन.
भर्तृदारक युवराज राज्यकाअधिकारी
भर्तृदारिका राजाकीलड़की
भर्त्सन निंदागालीदेकर जैसेचोर है तुझकोमारडालूगा
भर्मन सुवर्ण सोनाधातु तनखाह मोल
भल्ल रींछ भल्लूक पुष्पगील्हेसमान
भल्लातकी भिलावा

भल्लुक } रीछ भालू
भल्लूक }
भव शिवजी महादेव जन्महोना
भवन घर माकान
भवानी श्रीपार्वतीजी
भविक कल्याण शुभ अच्छा
भवितृ } होनेवाला
भविष्णु }
भव्य शुभ अच्छा
भषक कुत्ता कूकुर
भसित राख भस्म
भस्त्रा लोहारआदिकीचमड़ाकीधौंकनी
भस्मन् राख
भस्मगंधिनी रेणुकागंधद्रव्य
भस्मगर्भा शिसवा शिरसई
भा प्रभा उजेरा प्रकाश
भाग बांटातौलके हिस्सा
भागधेय भाग्य पूर्वजन्मकेकर्म
भागिनेय बहिनीकालड़का भानजा
भागीरथी गंगा जिनकोभागीरथलाये
भाग्य दैव पूर्वकेकर्म भलेबुरेकर्म
भांगीन भांगकाखेत
भाजन पात्र लोटाआदि
भांड पात्र लोटागिलासआदि घोडे
कागहना जमाकीसमा खरीदकेदाम
भाद्र } भादोंमहीना
भाद्रपद }
भाद्रपदा,पूर्वभाद्रपदउत्तरभाद्रपदनक्षत्र
भानु सूर्य सूर्यकीकिरण
भानुज शनैश्चरपश्चिमकेग्रह

भामिनी प्यारी स्त्री पत्नी
भार बोझा २००० टकाभर
भारत,जंबूद्वीपका १ खण्ड समुद्रसेउत्तर
हिमालयकादक्षिणभरतखण्डमट
भारती भाषा बोली बात सरस्वती
भारद्वाजी बनकपास मनवाकपास
भारयष्टि खूटीआदिटांगनेकी
भारवाह } पल्लेदार बोझालैजानेवाला
भारिक }
भार्गव शुक्रग्रह परशुराम
भार्गवी दूर्वा दूब लक्ष्मी
भार्गी भारंगी ब्राह्मी. [रानेवाली.
भार्या ब्याहीस्त्री भाइयोंकोविरोधक-
भार्यापती स्त्रीपुरुष मर्दऔरत
भालूक } रीछ
भाल्लूक }
भाव विद्वान् विद्यापढनेवाला मनका
विकार सत्ता जैसेघड़ाहै स्वभाव
अभिप्राय आत्मा मैथुनादि जन्म
भावदर्शिन् कामनकरसकनेसेजोनौकर
मालिककोदेखाकरे
भावना,विचार. [चकाविकारप्रगटकरै.
भावबोधक,रसादिभावकोप्रकाशकरैचि
भावित सुगंधवस्तुसेवासना चमेली
बेलाआदिकाअतरतेल प्राप्त प्राय
जाना
भावुक कुशल क्षेम राजीखुसी
भाषा बोली बात
भाषित बात कहाहुवा
भाष्य पदकाअर्थ महाभाष्यादि
भास् छवि प्रभा उजेरा

भास पक्षीभेद एकचिड़िया
भास्कर } सूर्य
भास्वत् }
भिक्षा मांगना भीखमांगना सेवातन-
भिक्षु संन्यासी भिखियारी. [ख्वाह.]
भित्त खंड टुकड़ा
भित्ती दीवार भीति
भिदा फूटना दोहोजाना
भिदिर } वज्र इंद्रकाआयुध
भिदुर }
भिंदिपाल गोफना जिससेपत्थरआदि फेंकेजातेहैं
भिन्न पृथक अलग विदारा काटा
भिया डर खौफ भय
भिषज् वैद्य दवादेनेवाला
भिस्सटा जलाअन्न
भिस्सा अन्न भातआदि
भी डर खौफ भय
भीत डरनेवाला डरपोंक
भीति डर खौफ. [युधिष्ठिरकेभाई.
भीम शिवजी भयानक-रसभेद राजा
भीरु डरपोंकस्त्री डरपोंक डरनेवाला
भीरुक डरनेवाला भयखानेवाला
भीरू } डरभुनस्त्री डरनेवाली
भीलु }
भीलुक डरनेवाला डरपोंक
भीलू डरपोंकस्त्री
भीषण भयंकर डरावनी रसभेद
भीष्म भयकर गंगाजीपुत्र
भीष्मसू.गंगाजी जिनकेपुत्रभीष्मजीहुये
भुक्त भोजनकिया खाया
भुक्तसमुज्झित भोजनकरछोड़ा जूंठा
भुग्न टेढ़ा कुटिल पीड़ित
भुज बांह भुजा
भुजग } सांप
भुजंग }
भुजंगभुज् मोर मुरइला पुछार गरुड़
भुजंगम सांप
भुजगाक्षी सर्पाक्षीऔषधि
भुजशिर कंधा
भुजांतर छाती बाहोंकाबीच
भुजिष्य दास नौकर सेवक
भुवन लोक पानी पृथ्वीतल
भू पृथ्वी भूलोक व्याहृति
भूत देवयोनि प्राप्तहुआ होगया पंचभूत पृथ्वीजलअग्नि वायुआकाश सत्य न्याय
भूतकेश जटामासी
भूतधात्री पृथ्वी
भूतयज्ञ बलिवैश्वदेव
भूतवेशी सपेद न्योंढी
भूतात्मन् देह आत्मा
भूताराम बहेड़ावृक्ष. [वनि राग.
भूति ऐश्वर्य अणिमादिभूति भस्म सं
भूतिक निगड़ता
भूतेश महादेव भूतोंकेमालिक
भूदार सुअर
भूदेव ब्राह्मण पृथ्वीकेदेवता
भूनिंब चिरायता
भूप राजा
भूपदी मोंगरेला
भूभृत पहाड़ राजा

भूमन् प्रायः बहुत
भूमि पृथ्वी धरती
भूमिजंबुका भुंइजमुनी नारंगी
भूमिधर पर्वत पहाड़
भूमिस्पृक् वैश्य वनियां
भूयस् } बहुत अधिक
भूयिष्ठ }
भूरि बहुत सुवर्ण
भूरिफेना थूहर
भूरिमाय सियार
भूरुंडी सिरिहस्तिनी गुड्यां
भूर्ज भोजपत्रकापेड़
भूषण गहनापहिरना
भूषित गहनापहिरे शोभाकिये
भूष्णु होनेवाला
भूस्तृण तृणभेद तिन
भृकुटी भौंह [कानाम
भृगु पर्वतसेजलगिरनेकास्थान ऋषि
भृंग,दालचीनी तज भुजयलपत्ती भंवरा
भृंगराज } भमिरा
भृंगराजम् }
भृंगार सोनेकीझारी
भृंगारी झींगुर
भृंगी नदी शिवगण
भृतक चाकर मँजूर सेवक
भृति तनख्वाह मोल
भृतिभुज् तनख्वाहखानेवाला नौकर
भृत्य दास सेवक
भृत्या नौकरी दासी
भृशम् अतिशय वारबार

भेक वर्षातीमेंभुका
भेकी वर्षातीमेंभुकी छोटीमेंभुकी
भेद फर्क मिलेकोअलग करना
भेदित फोडाहुआ भेदकोप्राप्त
भेरि } दुंदुभि नगाडा
भेरी }
भेषज औषध दवा
भैक्ष बहुतभीख
भैरव भयंकर डरावनी
भैषज्य औषध दवा
भोग सुख स्त्री हाथी घोडा नौकर आदि मोललेपालना
भोगधर सांप सापकीदेह
भोगवती सांपोंकीपुरी सांपोंकीनदी
भोगिन् सांप
भोगिनी पटरानीकोछोडऔरसवरानी
भोजन जेंमना खाना
भोम संबोधनार्थ
भौम मंगलग्रह
भौरिक सोनेकागालिक
भ्रंश अपनेस्वरूपकाविगडना
भ्रकुस हिजरा पुरुषजोस्त्रीवनै
भ्रकुटि भौंह
भ्रम भ्रांति संदेहहोना भंवरपानीकी
भ्रमर भौंरा
भ्रमरक टेढेवालमाथेमेंलटकतेहों
भ्रांति भ्रांति यथार्थज्ञाननहोना
भ्रष्ट गिरना गिरजाना
भ्राष्ट्रयव भूजेजव
भ्राजिष्णु बहुतशोभित

भ्रातरौ भाईबहिनि
भ्रातृज भाईकालड़का भतीजा
भ्रातृजाया भाईकीस्त्री भोजाई
भ्रातृभगिन्यौ भाईबहिनि
भ्रातृव्य } भतीजा
भ्रातीय }
भ्रान्ति झूठासदेह
भ्राष्ट्र चनाआदिभूजनेकापात्र खपरी
भ्रूकुंस } हिजरा स्त्रीवेशकापुरुष
भ्रूकुंस }
भ्रुकुटी } क्रोधादिसेभौंहटेढीकरना
भ्रूकुटि }
भ्रू भौंह [कोपि कटहरकाकाठ
भ्रूण गर्भकाजीव स्त्रीकागर्भ बालक
भ्रेष अपनास्वरूपबिगड़ना

(म)

मकर मगर राशि
मकरध्वज,कामदेव प्रद्युम्न कृष्णकापुत्र
मकरंद फूलकीमिठाई फूलकारस
मकुट मुकुट किरीट [काडडा
मकुर दर्पण सीसा बकुलवृक्ष कुम्हार
मकुष्ठक } वनमूंग
मकूष्ठक }
मकूलक दंती दाती
मक्षिक } माखी मक्खी
मक्षीका }
मख यज्ञ राजसूयादि
मगध राजावोंकेवंशकहनेवाले देश
मघवन् इंद्र स्वर्गकामहाराजाधिराज
मङ्कुर दर्पण सीसा

मंक्षु शीघ्र जल्दी
मंगल कल्याण शुभ अच्छा ग्रह
मंगल्यक मसूर
मंगल्या कालागुरु सुगंधितअगर
मंचिका शुभवाचक सुंदरबात
मज्जा वृक्षादिकोंकागाभा चरबी
मंच पलंगबड़ा मचानबैठनेका
मंजरि } तुलसीआदिकीमंजरी
मंजरी }
मंजिष्ठा मजीठ
मंजीर } नूपुर पैंजनिया
मंजील }
मंजु } मनोहर सुन्दर
मंजुल }
मंजूषा पेटारा पेटरिया
मठ विद्यार्थियोंकास्थान
मड्डु बड़ाडमरू [आदि
मणि पत्थररत्नहीराआदि मोती
मणिक बड़ाघड़ा मटुकाआदि
मणित मैथुनकीआवाज
मणिबंध हाथकापहुँचा कलाई
मणी हीराआदिपत्थर मोतीआदि
मंड अँडाखपेड सतरसोंकेऊपरका
पतला [भूषण
मंडन गहनापहिरनेवाला गहनाभी
मंडप मंडप शिवालयादि
मंडल मेघोंकामण्डल चन्द्रमाकाबिंब
सूर्यकेआसपासजोकभीघेरहोता
मण्डलक कुष्ठ काढ गोलदाग
मण्डलाग्र खड्ग तलवार

मंडलेश्वर बहुतराजाओंकाराजा
मंडहारक कलार मदिराबेचनेवाला
मंडित गहेनाआदिपहिराया शोभित
मंडीरी मंजीठ
मंडूक मेंडुका मेडुक
मंडूकपर्ण शोनापाढ़ा औषधि
मंडूकपर्णी मंजीठ
मंडूर लोहेकाकीट लोहसार
मतंगज हाथी
मतल्लिका शुभवाचक सुंदरवात
मति बुद्धि अकिल
मत्त जिसहाथीकेमदबहताहो मतवाला मदिराआदिपीकर आनन्द खुस
मत्तकासिनी / मत्तकाशिनी उत्तमगुणकीस्त्री मतवालीनहोसुखदेनेकोमतवालीसीदेखपडे
मत्सर औरकीसंपतिनसहना ईर्षा
मत्स्य मछली
मत्स्यण्डी राव असाढ़ा पोटरी
मत्स्यपित्ता कुटकी
मत्स्यवेधन मछरीमारनेकीबंसी
मत्स्याक्षी सोमलता मछेछी ब्राह्मी
मत्स्यादखग मछरीखानेवालापक्षी
मत्स्याधानी मछरीबांधनेकापिटारा
मथित मथादही विनापानीकामाठा
मद हाथीकामद आनंद खुशी अहंकार
मदकल मतवालाहाथी. [मद.]
मदन कामदेव मैनफलकावृक्ष धतूर
मदस्थान मदिराकास्थान कलवारकी दूकान
मदिरा शराब दारू
मदिरागृह मदिराबनानेकाघर
मदोत्कट मतवालाहाथी
मद्गु पानीकाकौवा पक्षीभेद मछरी
मद्गुर मगरा
मद्य मदिरा शराब
मधु चैत्रमहीना सहत महुवाकीमदिरा दाखकारस दैत्य बसंत ? वृक्षका नामजीवनीऔषधि.
मधुक जेठीमधु राजाओंके वंशकहने वाले महुवा
मधुकर भवँरा
मधुक्रम मदिरापीनेकीपरिपाटी
मधुद्रुम महुवा
मधुप भंवरा
मधुपर्णिका रंभारि नील लील
मधुपर्णी गुर्च
मधुमक्षिका ममाखी सहतकीमच्छी
मधुयष्टिका ज्येठीमधु
मधुर मीठापानी मिठाईआदि रस स्वादकीवस्तु प्रियवस्तु
मधुरक जीवक औषधि
मधुरसा मुरहरी दाख
मधुरा सौंफ
मधुरिका बनसौंफ
मधुरिपु विष्णु जिन्होंनेमधुदैत्यकोमारा
मधुलिह् भंवरा
मधुवार मदिरापीनेकीचाल
मधुव्रत भंवरा
मधुशिग्रु लालसहिंजनकापेंड़

भ्रातरौ भाईबहिनि
भ्रातृज भाईकालड़का भतीजा
भ्रातृजाया भाईकीस्त्री भौजाई
भ्रातृभगिन्यौ भाईबहिनि
भ्रातृव्य } भतीजा
भ्रातीय }
भ्रांति झूंठासंदेह
भ्राष्ट्र चनाआदिभूंजनेकापात्र खपरी
भ्रूकुंस } हिजरा स्त्रीवेशकापुरुष
भ्रूकुंस }
भ्रुकुटी } क्रोधादिसेभौंहटेढ़ीकरना
भ्रूकुटि }
भ्रू भौंह. [कोपि कटहरकाकांट.
भ्रूण गर्भकाजीव स्त्रीकागर्भ बालक
भ्रेष अपनास्वरूपबिगड़ना

(म)

मकर मगर राशि
मकरध्वज,कामदेव मधुम्न कृष्णकापुत्र
मकरंद फूलकीमिठाई फूलकारस
मकुट मुकुट किरीट. [काडंडा.
मकुर दर्पण सीसा बकुलवृक्ष कुम्हार
मकुष्टक } बनमूंग
मकूष्ठक }
मकूलक दंती दाती
मक्षिक } माखी मच्छी
मक्षीका }
मख यज्ञ राजसूयादि
मगध राजावोंकेवंशकहनेवाले देश
मघवन् इंद्र स्वर्गकामहाराजाधिराज
मंकुर दर्पण सीसा

मंक्षु शीघ्र जल्दी
मंगल कल्याण शुभ अच्छा ग्रह
मंगल्यक मसूर
मंगल्या कालागुरु सुगंधितअगर
मर्चिका शुभवाचक सुंदरबात
मज्जा वृक्षादिकोंकागाभा चरबी
मंच पलंगबड़ा मचानाबैठनेका
मंजरि } तुलसीआदिकीमंजरी
मंजरी }
मंजिष्ठा मंजीठ
मंजीर } नूपुर पैंजनिया
मंजीत }
मंजु } मनोहर सुन्दर
मंजुल }
मंजूषा पेटारा पेटरिया
मठ विद्यार्थियोंकास्थान
मड्डु बड़ाडमरू. [आदि.
मणि पत्थरमरकतहीराआदि मोती
मणिक घड़ाबड़ा मटुकाआदि
मणित मैथुनकीआवाज
मणिबंध हाथकापहुँचा कलाई
मणी हीराआदिपत्थर मोतीआदि
मंड अँडाकापेड़ सबरसोंकेऊपरका पतला. [भूषण.
मंडन गहनापहिरनेवाला गहनाआ
मंडप मंडफ शिवालयादि
मंडल मेघोंकामण्डल चन्द्रमाकाबिंब सूर्यकेआसपासजोकभीघेरामाहो
मण्डलक कुष्ट कोढ़ गोलदाग
मण्डलाग्र खड्ग तलवार

मडलेश्वर बहुतराजावोंकाराजा
मद्दारक कलार मदिरावेंचनेवाला
मडित गहेनाआदिपहिराया शोभित
मडीरी मजीठ
मडूक मेंभुका मेंडुक
मडूकपर्ण शोनापाठा औषधि
मडूकपर्णी मजीठ
मडूर लोहेकाकीट लोहसार
मतगज हाथी
मतल्लिका शुभवाचक सुदरवात
मति बुद्धि अकिल
मत्त जिसहाथीकेमदवहताहो मतवाला मदिराआदिपीकर आनन्द खुस
मत्तगामिनी } उत्तमगुणकीस्त्री मतवा
मत्तगाशिनी } लीनहोसखडेनेकोमत वालीसीढिखपडे
मत्सर आरकीसपतिनसहना ईर्षा
मत्स्य मछली
मत्स्यडी राव असाढा पोटरी
मत्स्यपित्ता कुटकी
मत्स्यवेधन मछरीमारनेकीवसी
मत्स्याक्षी सोमलता मछेछी ब्राह्मी
मत्स्यारङग मछरीखानेवालापक्षी
मत्स्याधानी मछरीधाघनेकापिटारा
मथित मथाहुई बिनापानीकामाठा
मद हाथीकामद आनद खुशी अहकार
मदकल मतवालाहाथी [मद]
मदन कामदेव मैनफलकावृक्ष धतूर
मदस्थान मदिराकास्थान कलवारकी दूकान

मदिरा शराव दारू
मदिराग्रह मदिराबनानेकाघर
मदोत्कट मतवालाहाथी
मद्गु पानीकाकौवा पक्षीभेद मछरी
मद्गुर ममरा
मद्य मदिरा शराव
मधु चैत्रमहीना सहत महुवाकीमदिरा दाखकारस दैत्य वसत ? वृक्षका नामजीवनीऔषधि
मधुक जेठीमधु राजाओंके वशकहने वाले महुवा
मधुकर भँवरा
मधुक्रम मदिरापीनेकीपरिपाटी
मधुद्रुम महुवा
मधुप भवरा
मधुपर्णिका सभारि नील लील
मधुपर्णी गुर्च
मधुमक्षिका ममाखी सहतकीमच्छी
मधुयष्टिका ज्येठीमधु
मधुर मीठापानी मिठाईआदि रस स्वादकीवस्तु प्रियवस्तु
मधुरक जीवक औषधि
मधुरसा मुरहरी दाख
मधुरा साफ
मधुरिका वनसाफ
मधुरिपु विष्णु जिन्होंनमधुदैत्यकोमारा
मधुलिह् भंवरा
मधुवार मदिरापीनेकीचाल
मधुव्रत भवरा
मधुशिग्रु लालसहिजनकापेड़

मधुश्रेणी मुरहरीऔषधि
मधुष्ठील महुवाकापेड़
मधुस्रवा जीवंतीऔषधि
मधूक महुवाकावृक्ष
मधूच्छिष्ट मोम सहतकामैल
मधुल }
मधूल } महुवाका पेंडमौहा
मधूलक पहाड़वपानीमेंमहुवाकापेंड
मधूलिका मुरहरी
मध्य मांझ कमर करिहाँव योग्य
मध्यदेश हिमालयविंध्याचलकामध्य
कुरुक्षेत्रसेपूर्वप्रयागसेपश्चिमइतनेका
नाममध्यदेश
मध्यम स्वरभेद क्रौंचपक्षीकाशब्द
मध्यदेश कमर करिहाँव
मध्यमा जिसस्त्रीकाप्रथममासधर्महो
बीचकीअगुरी
मध्याह्न दिनकाबीच दुपहर
मध्वासव महुवाऔरदाखकीमदिरा
मनःशिल }
मनःशिला } मैनशिल
मनस् चित्त मन दिल
मनसिज कामदेव जोमनहीसेहोताहै
मनस्कार मनकोसुखादिमेंतत्परहोना
मनाक् थोड़ा छोटा
मनित मालूमहोना जानना मानना
मनीषा बुद्धि अकिल
मनीषिन् बुद्धिमान पण्डित
मनु स्वायंभुवआदि १४ मनु
मनुज }
मनुष्य } मनई आदमी
मनुष्यधर्मन् कुबेर. [कोभीखआदि
मनुष्ययज्ञ अतिथिकापूजन भिखारी
मनोगुप्ता मैनशिल
मनोजवस }
मनोजव } पिताकेसमान
मनोज्ञ मनोहर सुंदर
मनोभव इच्छा काम
मनोरथ वांछा मनकीबात
मनोरम }
मनोहर } सुन्दर नीक अच्छा
मनोहारिन् मनहरणकरनेवालीबात
मनोहत मनकामाराजाना मनोभंग
मनोह्वा मैनशिल.
मंतु अपराध विनाप्रयोजनमारनाआदि
मंत्र बात एकांतकेकरनेयोग्य वेदांग
देवादिसाधन मंत्र. [पढ़नेवाला
मंत्रव्याख्याकृत् आचार्य वेदपढाने
मंत्रिन् मंत्री सलाही
मथ }
मथन् } दहीमथनेकीमथानी
मथनी मेहडवा दहीमथनेकापात्र
मंथर धीराचलनेवाला मट्ठर
मंथान मथानी
मंद आलस्य आलसी मूर्ख थोड़ा वे
वकफ दरिद्री शनिश्चरग्रह बौवा
मंदगामिन् धीराचलनेवाला मट्ठर
मंदाकिनी,आकाशगंगा चित्रकूटमें १धारा
मंदाक्ष लाज शर्म
मंदार कल्पवृक्ष मदार बकाइनि
मंदिर घर मकान नगर
मंदुरा घोड़शाला अस्तबल

मंदोष्ण कुछगरम
मंद्र गंभीरशब्द गहिरीआवाज गलेकामध्यशब्द
मन्मथ कामदेव प्रद्युम्न कैथाकापेंड
मन्या गलेकेपीछेकीनसनाडी
मन्यु शोक शोच दीनता यज्ञ क्रोध
मन्वतर दिव्य७१युगकाजितनेमें १४ मनुराज्यकरतेंहें
मपष्ठक, मयष्टक, मयुष्टक वनमूंग
मय ऊंट
मयु किन्नर देवजाति
मयूख सूर्यकीकिरण किरण शोभा
मयूर मोरशिखाऔषधि मोर मुरइला पुद्धार
मयूरक लटजीरा तुत्थांजन मोरचूट
मरकत कालीमणि पाचमणि
मरण मरना नाश
मरिच, मरीच कालीमिर्च
मरीचि सर्षपियोंमेंमथमऋषि किरण
मरीचिका मृगजल जोमरुदेशादिकी वालुमेंपानीसा सूर्यकीकिरणोंसे देखपडताहै [पर्वत.
मरु देश जहांपानीनहींहै मरुदेशका
मरुत्त वायुदेवता
मरुत् वायु हवा वायव्यकोणकेस्वामी अस्परक्शागभेद पिंडका
मरुत्वत् इंद्र देवतोंकाराजा
मरुन्माला शागभेद पिंडका
मरुवक मैनफलकापेंड जंभीर मरवा
मर्कत वानर
मर्कटक मकरा मकरी
मर्कटी करंजभेद केवांच
मर्त्य मनुष्य
मर्दन दंहमलना पैरचापनाआदि
मर्दल मृदंगकेसमानवाजा
मर्मन् देहकेहड्डियोंकाजोड. [शब्द.
मर्मर कपडाऔरपत्तोंकाखरभरआदि
मर्मस्पृश् मर्मभेदनेवाला. [चलना.
मर्यादा सीमा हद अपने २ धर्ममार्गमें
मल कानआदिकामैल विष्ठा गूपसीना आदिसेमैल
मलदूषित मैला जोसाफनहीं
मलपू कठूंवरि
मलयज सुगंधितसपेदचंदन
मलयू कठूंवरि
मलिन मैला साफनहोना
मलिनी रजस्वलास्त्री
मलिम्लुच चोर उठाईगीर
मलीमस मैला गंधा शुद्धनहीं
मल्ल बांहोंकेयुद्धमेंचतुर पहलवान
मल्लक कोईफूलकीवेलि -
मल्लिका मोंगरावेला
मल्लिकाक्ष, मल्लिकाख्य कुछसाँवलारंगचोंचपैरका ऐसेसपेदहंस
मल्लिगंधिन् कालागुरु
मषि, मषी, मसि, मसी जटामासी काजर स्याही

मसुर } मसूर. [त्रिधारा.
मसूर }
मसूरविदला कालातेंदूकावृक्ष श्याम
मसूरा मसूर
मसृण चिकना चीकन
मस्कर बांस वल्ली
मस्करिन् संन्यासी
मस्तक शिर मूड़
मस्तिक } मूड़ेकीचरबी शिरकागूद
मस्तिष्क }
मस्तु दहीकेऊपरकापानी तोर
मह उत्सव उत्साह
महत् भारी चौड़ा फैला
महती बड़ी नारदजीकीवीणा
महला स्त्रीजिससेबड़ाउत्साहहरहै
महस् उत्साह तेज प्रताप
महाकंद लहशुन
महाकुल बड़ेकुलमेंहुवा कुलीन
महांग ऊंट
महाजाली कड़ुईतोरई.
महादेव शिवजी
महाधन बहुतमोलकावस्त्रआदि धनी
महानट महादेव. [बनानेका.
महानस पाकघर रसोई रोटीआदि
महावात बैहरि आंधी
महामात्र राजावोंकेमुख्यमाथी
महायज्ञ ब्रह्मदेवमनुष्यपितृभूतयेपयज्ञ
महारजत सुवर्ण सोना
महारजन कुसुम
महारण्य बड़ावन विकटजंगल
महाराजिक देवतोंकागण
महारौरव नरककानाम
महाशय उदारचित्त दयावान दयालु
महाशूद्री गोपालिनि ग्वालिनि अहीरिनि
महाश्वेता सपेदकुम्हड़ा
महाबिल आकाश [बन बनउर्द
महासहा आवोली अंबिलोना मप-
महासेन स्वामिकार्तिक पार्वतीनन्दन
महि पृथ्वी धरती
महिका पाला जाड़ा
मिहिर सूर्य
महिला स्त्री सुखदेनेवाली
महिलाह्वया श्यामविधारा
महिष अरनाभैंसा भैंसा. [बैठ भैंस.
महिषी पटरानी जोराजाकेसंगगद्दीपर
मही पृथ्वी धरती
महीक्षित राजा पृथ्वीकामालिक
महीध्र पर्वत पहाड़
महीरुह वृक्ष पेंड़ जोपृथ्वीमेंहोते हैं
महीलता केंचुवा
महीसुत मंगलग्रह पृथ्वीकाबेटा
महीसूनु मंगलदक्षिणकेग्रह
महेच्छ उदार दयालु
महेरणा } शालग वृक्ष
महेरण }
महेला स्त्री जोप्रसंगनिरतहोतीहै
महेश्वर महादेव सबकेईश्वर
महोक्ष बड़ाभारीबैल शिवजीकाबैल
महोत्पल कमल
महोत्साह } मुसकिलकामकोभीउत्त-
महोद्यम } मनासेकरना

महौषध अतीस लहसुन सोंठि
मा लक्ष्मी मनेकरना निषेध
मांस मास गोश्त कलिया
मांसल पुष्ट बली मोटा
मांसात्पशु व्याघ्र बाघ
मांसिक मांसवेचनेवाला
मांसी जटामासी
माक्षिक,सहत. [कीकन्यामेंवनियांसेहो.
मागध राजावोंकेवंशकहनेवाले क्षत्री
मागधी जूही पीपरि
माघ महीना
माघ्य कुंदकीवेलि फूलवृक्ष
माठर सूर्यकेदहिनेतरफयमराज
मांद्य पत्राशिरा दीनता
माणवक बालक वीसलरकामाला
माणव्य,बालकोंकावृंद लडकोंकाझुंड
माणिक्य रत्नभेद.मणिपुरनगरकाहुवा
माणिमंथ संधवनमक
मातंग चांडाल हाथी
मातरपितरौ मातापिता महतारीबाप
मातरिश्वन् वायु हवा
मातलि इंद्रकासारथी
मातापितरौ मातापिता महतारीबाप
मातामह नाना माताकापिता
मातुल मामा माताकाभाई धतूर
मातुलपुत्रक,धतूरकाफल मामाकालड़का
मातुला माई मामाकीस्त्री
मातुलानी माई भांग
मातुलाहि चित्रसर्प कौडिल्लाआदि
मातुली माई मामी
मातुलुंगक विजौरानिंबू
मातृ ब्राह्मीआदिमातृगण माता महतारी पैदाकरनेवाली गौ
मातृष्वसेय } महतारीकीबहिनकालड़-
मातृष्वस्रीय } का मौसीकालड़का
मात्र स्वार्थमें संपूर्णतामें द्रव्यका प्रमाण थोड़ा कानकागहेना समय में वृत्तांत
मात्रा थोड़ा बहुतछोटा अक्षरोंमेंमात्रा प्रमाण राजावोंकेमुख्यकामदारोंमें
माद आनंद खुसी
माधव,लक्ष्मीकेपतिविष्णु वैशाखमहीना
माधवक महुवाकीमदिरा
माधवी सेवती वसंतीवेलि
माध्वीक महुवाकीमदिरा दारू
मान आदर औरसेबड़ाविचारना तराजूकीतौल हाथसेनापकर बराबरीकरना
मानव मनुष्य
मानस चित्त मन मानसरोवर
मानसौकस हंस मानसरोवरकेवासी
मानिनी स्त्री जोदूसरीस्त्रीकेस्नेहकोसुन अपनेप्यारेसेकोपकरै
मानुष मनुष्य आदमी [काझुण्ड
मानुष्यक मनुष्योंकेसमूह आदमियों
माया शांवरी इंद्रजाल जिससेसंसार उत्पन्नहुआहै
मायाकर गारुडी नट जालकरनेवाला
मायादेवीसुत शाक्यमुनि बौद्धभेद
मायु पित्त
मायूर मोरकाझुंड

मार प्रद्युम्न कामदेव
मारजित बुद्ध महादेव
मारण मारडालना वध घात
मारिष आर्य्य श्रेष्ठ श्वसुर नाना
मारुत वायु हवा
मार्कव घमीरा
मार्ग अगहनमहीना रास्ता राह
मार्गण बाण वस्तुओंकाढूंढना याचक मांगनेवाला भिषारी
मार्गशीर्ष अगहनमहीना
मार्गित ढूंढा खोजाकिया
मार्जन लाललोध्रवृत्त संध्याआदिमें
मार्जना पोछनादेहआदिकासफाकरना
मार्जार विलार विलौटा
मार्जिता दहीमधुशक्करआदिसेवनाश्री खण्ड मुरनि
मार्तंड
मार्तांड } सूर्य
मार्दंगिक मृदगी मिरदंगवाला
मार्द्वीक दाखकीमदिरा दाखकारस
मार्षक आर्य श्रेष्ठपुरिखा
मार्ष्टि देहआदिकापोंछनाआदि
मालक नीमकापेंड़
मालती चमेली जाईयोंग्देशमें
माला शिरमेंपहिरनेकोफूलआदिकी पिंडिकाओंषधि
मालाकार माली फूलमालावाला
मालातृणक पानीकातृण पानीकीघास
मालिक माली
मालुधान चित्रसांप कौड़िल्लाआदि
मालूर , बेलकापेंड़
माल्य फूलआदिकीमाला
माल्यवत् माल्यवान पर्वत दक्षिणमेंहै
माषपर्णी वनउर्दी ,
माषीण
माष्य } उर्दोंकाखेत उर्दधरनेकास्थान
मास महीना
मासर,भातकामाड़. [कासूतवतनखाह.
मासिक महीना२कीश्राद्ध १महीना
मास्म मनेकरना निषेध
माहिष
माहिष्य } वैश्यकीकन्यामेंक्षत्रीसेहो
माहेयी,गौ गाय जोपूजनेकेयोग्यहोती है
मितपच जोलोभसेद्रव्यकेलियेधर्मदेह पुत्रस्त्रीकोपीड़ादेताहै
मित्र सूर्य मित्र जोशत्रुसेनमिलाहो सखा साथी सलाही
मिथस् परस्पर जैसेवाशिष्ठकौडिन्य मैत्रावरुणइनगोत्रोंकापरस्परविवा हनहींहोताइत्यादि.[एकांतकीबात
मिथुन जोड़ा स्त्रीपुरुष मर्दऔरत
मिथ्या झूँठ असत्य
मिथ्यादृष्टि नास्तिकता परलोकआदि नहींहैइत्यादिकहेना
मिथ्याभियोग झूँठकहेना जैसेहमारे सौरु०चहतेहोइत्यादि.[मदिरापीताहै
मिथ्याभिशंसन,झूँठपापलगाना जैसे तू
मिथ्यामति झूँठाज्ञान
मिशि
मिशी } वनसौंफ जटामासी
मिश्रेया वनसौंफ

मिषि } जटामासी
मिषी }
मिसि } वनसौंफ सौंफ जटामासी
मिसी }
मिहिका पाला जाड़ा
मिहिर सूर्य
मीढ मूत्रकिया पेसाबक्रिया
मीन मछरी राशि
मीनकेतन कामदेव प्रद्युम्न
मीमांसक मीमांसापढ़नेवाला
मुकुट किरीट मुकुट
मुकुंद विष्णु कुँदुरू पालक
मुकुर ऐना सीसा दर्पण
मुकुल कुछफूलीकलीफूलकी
मुकुष्टक वनमूंग
मुकूलक, दांती जिसकाबीजजमालगोटा
मुक्तकंचुक जिससांपनेकेंचुलिछोड़ीहो
मुक्ता मोती
मुक्तावली मोतीकामाला मोतीकाहार
मुक्तास्फोट मोतीनिकलनेवालीसीपी
मुक्ति, मोक्ष जिससेफिरजन्मनहो [आदि.
मुख द्वार दरवाज डेवढ़ी मुंह आरंभ
मुखर बकावतकहा बकी जिसकेमुख कीनिंदाहो
मुखवासन पानइलाचीआदि
मुख्य आदिविधि श्रेष्ट प्रधान उत्तम
मुग्ध मूर्ख बेवकूफ
मुंड शिर मुड़मुड़ाना शिरघोटाना
मुंडन मुड़ावना
मुंडि नाऊ नाई. [वनवाना.
मुंडित मूड़मुड़ाये मुड़ावना शिरकेबाल
मुंडिन् नाऊ नाई हज्जाम
मुद् आनंद खुसी हर्ष
मुदिर मेघ बादर कामीपुरुष
मुद्गपर्णी वनमूंग
मुद्गर मोगदरलोहेआदिका
मुधा वृथा व्यर्थ बेमतलब
मुनि बौद्धभेद शाक्यमुनि थोड़ाबोलने वाला ऋषि
मुनींद्र शाक्यमुनि वशिष्ठादि
मुरज मृदग बाजा
मुरमर्दन, विष्णु जिन्होंनेमुरदैत्यकोमारा
मुरा मुरहरी तालीसपत्र
मुशली छपकी
मुषक मूस चूहा
मुषा सोनारकीघरिया
मुषित चोरीहुई चोराया
मुषी सोनारकीघरिया
मुष्क अंडकोश पोता
मुष्कक मोखवृक्ष
मुष्टिबंध हाथसेबहुतजोरपकड़ना
मुसल मूसर बलदेवजीकाआयुध
मुसलिन् बलदेवजी
मुसली मूसरि औषधि छपकी
मुसल्य मूसलसेमारनेयोग्य
मुस्ता } नागरमोथा
मुस्तक }
मुहु बारबार फिरफिर
मुहुर्भाषा बहुतबोलना बारम्बोलना
मुहूर्त १२क्षणकामुहूर्त कभीदोघरी
मूक गूंगा जोबोलनसके

मूढ़ मूर्ख बेवकूफ
मूत बंधा बांधाहुवा
मूत्र पेसाब [सूजाक
मूत्रकृच्छ्र पथरी मूत्रकारुकरजाना
मूत्रित मूता पेशाबकिया
मूर्ख बेवकूफ [होजाती है
मूर्छा जाफ चक्कर जोसंग्रामादिमें
मूर्छाल मूर्च्छित मूर्छाआगई
मूर्छित मूर्च्छाआना मोहहोना बढ़ना
मूर्ता बांधा बंधा
मूर्त मूर्छाआई कठिन मजबूत पोढ़ा
मूर्ति देह कठिनता पोढ़ाई प्रतिमा
मूर्त्तिमत कठिन कड़ा मजबूत
मूर्द्धन शिर मूड़ खोपरी
मूर्धाभिषिक्त क्षत्री राजा श्रेष्ठ
मूर्वा } मुरहरी
मूर्वी }
मूल वृक्षआदिकीजड़ नक्षत्र धन
मूलक हिलसाशागभेद [कर्म
मूलकर्मन् औषधीआदिकोउचाटनादि
मूलधन जमा २ विनानफा खरीदकी
मूल्य मोल तनख्वाह [खरीद
मूषक मूस चूहा
मूषा सोनारकीघरिया
मूषिकपर्णी मुसिकनवौषधि
मूषित चोरायजाना चोरी. [नक्षत्र.
मृग हिरन दवा ढूंढ़ना पशु मृगशिरा
मृगणा ढूंढ़ना खोजनलगाना
मृगतृष्णा मरुदेशआदिकीवालूमेसूर्य
कीकिरणोंसेपानीमीदिखपड़नाहै

मृगदंशक कुकुर कुत्ता
मृगद्विप } सिंह
मृगदृष्टि }
मृगधूर्तक शियार
मृगनाभि कस्तूरी [शिकाकरनेवाले
मृगवधाजीव, बहेलिया इत्यादि २ जी
मृगबंधनी हिरनोंकाजाल
मृगमद कस्तूरी
मृगया शिकारी शिकार जीवहिंसा
मृगयु बहेलिया
मृगरोमज, इत्याकेरोवोंकेवस्त्रकंबलआदि
मृगव्य शिकार
मृगशिरस् } मृगशिरानक्षत्र
मृगशीर्ष }
मृगांक चंद्रमा जिसमेमृगकाचिन्हहै
मृगादन नेंदुवाबाघ
मृगाशन सिंह
मृगित ढूंढ़ा पताकगाया
मृगेंद्र सिंह दुर्गाजीकावाहन
मृजा देहकोपोंछनाआदिसाफकरना
मृड़ महादेवजी
मृड़ानी शिवजीकीप्रियापार्वती
मृणाल भसींड़ कमलनाल
मृणाली छोटीकमलनाल
मृत् माटी
मृत मरा रोजरोजमांगकरखाना भि
क्षावृत्ति और आवागमनस्थिरहोना
मृतस्नान मरेकेलियेस्नान मृतकनहाना
मृतालक }
मृत्तालक } तुवरि अरहरि

मृत्तिका माटी मिट्टी
मृत्यु मरना मरजाना
मृत्युंजय महादेव मन्त्र
मृत्सा } उत्तममाटी तुवरि अरहरि
मृत्स्ना }
मृदंग बाजा
मृदु कोमल मुलायम
मृदुत्वच् भोजपत्रकावृक्ष
मृदुल कोमल मुलायम
मृद्वीका दाख
मृध संग्राम लड़ाई
मृषा झूंठ गलत
मृषार्थक झूंठेअर्थकीवात
मृष्ट साफकरना धोना
मेकलकन्यका } नर्मदानदी जो मेकल
मेखलकन्यका } ऋषिकीकन्याहै
मेखला स्त्रीकेव मरकागहना कमरपट्टा कुल्पनी कब्जावाधनेकीवद्धी परतला
मेघ वादर
मेघज्योतिस् विजुलीकीज्योति
मेघनादानुलासिन् मोर पुकार
मेघनामन् नागरमोथा
मेघनिर्घोष वादरकागर्जना
मेघपुष्प पानी जल कृष्णकाघोड़ा
मेघमाला वादरोंके झुंड
मेघवाहन इंद्र
मेघाध्वन् आकाश
मेचक काला नीला मोरकेपूंछकाचिन्ह
मेढ्र लिंग पुरुषकाचिन्ह मढ़ा
मेथि खूंटा पशुवाधनेका
मेदक मदिराकीखली मदिराभेद
मेदस् चरवी मासकाघी
मेदिनी पृथ्वी धरती
मेदुर घनाचिकनावादर [ग्रहणकरलेय
मेधा वुद्धि जिस्सेवहुतजल्दविद्याआदि
मेधि खूंटा पशुवाधनेका
मेध्य पवित्र शुद्ध
मेनकात्मजा पार्वती मेनकाकीपुत्री
मेरु सुमेरपर्वत
मेलक संगम मिलाप मिलना
मेला नील लील
मेष राशि लग्न मेढा
मेषकंवल कंवल
मेह प्रमेहरोगवहुप्रकारका
मेहन लिंग जिससेपुरुषपेशावकरताहै
मैत्रावरुण वाल्मीकि
मैत्रावरुणी अगस्त्यऋषि
मैत्री } मित्रकेकाम
मैत्र्य }
मैथुन भोगकरना स्त्रीकासंगवसंयोग
मैरेय,धौकेफूलगुड़धनिया जलकीमदिरा
मोक्ष जिससेफिरजन्मनहो मोखवृक्ष
मोघ व्यर्थ वृथा वेमतलव
मोघा पाडरि
मोचक सहिंजनकावृक्ष
मोचा स्थावरकापेड़ केला
मोदक लड्डू आनंद
मोरट ऊखकीजर
मोरटा मुरहरी
मोषक चोर उठाईगीर
मोह मूर्छा जाफ चक्कर

मौकलि } कौवा
मौकुलि }
मौक्तिक मोती
मौद्गीन मूँगकाखेत
मौन नबोलना
मौरजिक मृदंगिक पखावजी
मौर्वी धनुषकाडोरा प्रत्यंचा
मौलि शिखा मुकुट बांधेबाल
मौष्टा मुष्टियोंकीमार घुसहाव
मौहूर्त } ज्योतिषी जोशी.
मौहूर्तिक }
म्लिष्ट,जोबातसाफसमझमेंनआवै भरर कीबात. [क्तआदि.
म्लेच्छदेश आचाररहितदेश काम
म्लेच्छमुख तांबा म्लेच्छोंकामुंह
म्रक्षण उबटनतेलआदि

(य)

यकृत् पेटमेंदहिनीतरफमांसकापिंडसा
यक्ष देवजादि कुबेरादि कुबेरजी
यक्षकर्दम कपूर अगरु कस्तूरी कंकोल केशरि चंदन सबतुल्य मिलाकरलेप
यक्षधूप धूप राल
यक्षराज् यक्षोंकेराजाकुबेर
यक्ष्मन् क्षयीरोग
यजमान यज्ञादिकरनेवाला
यजुस् यजुर्वेद [दिकर्मराजसूयादि.
यज्ञ जिसमेंदेवताओंकापूजनहोवना
यज्ञपुरुष विष्णु
यज्ञशेष यज्ञमेंबाकीअन्नआदि
यज्ञांग यज्ञकाअंग गूलरिकावृक्ष [ष्पादि
यज्ञिय यज्ञकेयोग्यवस्तुगायअष्ट

यज्वन् जिसनेविधिसेयज्ञकिया
यत् } जिसकारणसे जिससे
यतस् }
यति } इंद्रियोंकोजीतनेवाला
यतिन् }
यथा बराबरीजैसे यथाकृष्णतथाराम
यथाजात मूर्ख जैसाहुआतैसाही
यथातथम् सत्य यथार्थ जैसीबाततैसेही
यथायथम् यथायोग्य जैसाचाहिये
यथार्थम् सत्य ठीक२ सही२.
यथार्हवर्ण चार भेदिहा छिपकरकाम करनेवाला
यथास्वम् यथायोग्य जैसाचाहिये
यथेप्सित जैसीइच्छा जैसीवांछा
यदि दूसरे जो पक्षमें
यदृच्छा अपनीइच्छा किसीकेवशनहोना
यंतृ सारथी रथवान् महाउत
यम यमराज देहसेसाधनेयोग्य कर्म हिंसानकरना सत्यबोलना चोरी आदिकुकर्मनकरना दानादिबा बिनाकिसीसेलेनादेना संयम योगका
यमनिका पर्दा कनात. [अंग]
यमराज.मरेहुओंकोदंड व उत्तमलोक देनेवाले
यमानिका अजवाइन
यमुना नदी
यमुनाभ्रातृ यमराज
यशु अश्वमेधयोग्यघोड़ा
यव जव
यवक्षार जवाखार जवकीराखकालोन
यवचार जैताचार
यवफल बांस बंसी

यवागू पतलाभात गोलाथी
यवस घास
यवाग्रज जवाखार
यवानिका अजवाइनि
यवास जवासा
यविष्ठ } छोटाभाई
यवीयस् }
यव्य जवकाखेतघरनेकास्थान
यशःपटह डङ्काबाजा यशकाबाजा
यशस् कीर्ति यश
यष्टि लाठी कुवरी
यष्टिमधुक } ज्येठीमधु
यष्टिमधूक }
यष्ट यजमान यज्ञकरनेवाला
याग यज्ञ हवनादिकर्म
याचक } मांगनेवाला जांचक भिखारी
याचनक }
याचना मांगना भिक्षाआदि
याचित नित्य२यांचा रोज२मांगना
याचितक मांगनेसेमिला भिक्षाइत्यादि
याञ्चा भिक्षा मांगना
याजक होकमकरनेवालेब्राह्मण
यातना नरककीपीडा नरककादुख
यातयाम भोजनसेबचाअन्नआदि खराबअन्नबासीआदि
यातु- } राक्षस निशाचर
यातुधान }
यातृ परस्परभाइयोंकीस्त्री देवरज्येठ कीस्त्री देवरानीजेठानी
यात्रा चलना जाना देवताकीपूजाका उत्साह प्राप्तहोना

यादःपति समुद्र
यादस् जलजीव जलकेरहनेवाले
यादसांपति वरुण पानीकेस्वामी
यान जीतनेवालेकाशत्रुपरजाना सब सवारीहाथीरथघोडाआदि
यानमुख रथादिकाआगेकाभाग रथ काअग्गाइत्यादि
याप्य नीच अधम पापी
याप्ययान पालकी मियाना पीनस आदि जिसेनीचमनुष्पलेचलैं
याम पहर दिनरातकाआठवांभाग संयम देहकाधर्म
यामि बहिनि कुलकीस्त्री कुलवधू
यामिनी रात रात्रि
यामुन सुरमा तुत्थांजन
यायजूक हमेशःयज्ञकरनेवाला
याव लाख महावर
यावक,जववोदेकरकूटना गुरी.[निश्चयमें.
यावत् जबतक संपूर्णता प्रमाण अवधि
यावन् लोवान म्लेच्छोंकीधूप
याष्टीक लठ्ठबाज डंडाबांधनेवाला
यास जवासा
युक्त योग्य जोन्यायसेमाप्तद्रव्यादि
युक्तरसा रासशाग कोलिंदण
युग जोडा दो सतयुगआदि रथआदि रथआदिकाजुवां चारहाथ
युगकीलक जिससेजुवांमेंवलसंदकिये जांयजैसेसम्बल
युगंधर जुवांबांधनेकारथआदिमें जिस मेंघोडेवैलरथादिकेकाठमेंबांधेजांय

युगपत् एकसाथ
युगपत्रक कचनारकापेड़
युगपार्श्वग जुवांकेपासवंधाकाठ
युगल जोड़ा दो स्त्रीपुरुष
युगायुग जुवांकेआगेजुवां जूंडि
युग्म जोड़ा दो स्त्रीपुरुष मर्दऔरत
युग्य सवारीरथहाथीआदि जुवांकेलेने वालेवैलआदि
युद्ध } संग्राम लड़ाई
युध् }
युवति } ज्वानस्त्री जवानऔरत मध्यअ-
युवती } वस्थावाली
युवन् ज्वान जवान
युवराज राजाकाज्येष्ठपुत्र राजकुमार राज्यपानेकेयोग्य
यूथ पक्षीपशुआदिकासमूह झुंड
यूथनाथ } बहुतहाथियोंमेंबड़ाहाथी
यूथप }
यूथिका जूही
यूप पार्श्वपिप्पली तूतकावृक्ष यज्ञस्तंभ
यूपक पानीकाफेना वंडाआदि
यूपकटक यज्ञस्तंभकेऊपरगोलकाठ
यूपाग्र यज्ञस्तंभकाआगेकाभाग
यूपखंड स्तंभकाटुकड़ा
यूष जूस माड़
योक्त्र जुवांबांधनेकीरस्सी
योग कवच सामादिउपाय ध्यान संगम अपूर्वकीप्राप्ति युक्ति योगकरना विष्कुंभादियोग विश्वासघात
योगेष्ट सीसाधातु जस्ता
योग्य ऋद्धि वृद्धि औषधी योग्य
योजन ४कोशकायोग
योजनपर्णी } मंजीठ
योजनवल्ली }
योत्र जुवांमेंबांधनेकीरस्सी जोता
योद्धृ } योद्धा वीर
योध }
योधसराव योद्धावोंकासंग्राममेंशब्द
योनि स्त्रीकाचिन्ह स्त्रीकाभग
योषा } स्त्री जिसमेंवीर्यरुधिरइकट्ठाहो
योषित } गर्भहोताहै
योषिता }
यौतक कन्याकेविवाहमेंदेना दहेज
यौतव तौल ओषांतपर्ण जैसेव
यौवत ज्वानीस्त्रियोंकाझुंड
यौवन जवानी युवावस्था

(र)

रंहस् वेग जल्दी. [लगजाना.
रक्त लालरंग लोहू केशरि मिला
रक्तक दुपहरीकाफूल तांबा
रक्तचंदन लालचंदन पतंगलकड़ी
रक्तपा जोंक जोलोहूपीलेतीहै
रक्तफला कुंदुरू
रक्तमाल करंजवृक्ष. [कमल.
रक्तसंध्यक सामकेफूलनेवालालाल
रक्तसरोरुह } लालकमल
रक्तोत्पल }
रक्तांग कंपिला रोचनी औषधि जिसः कालालअंगहो
रक्तःसभ राक्षसोंकीसभा
रक्षस् देवजाति राक्षस
रक्षा रक्षाकरना शरणलेना राख भस्म

रक्षित रक्षाकियापालाहुआ
रक्षिवर्ग राज्यकेरक्षाकरनेवाले
रक्षण रक्षा शरण
रंकु चितलाहिरन
रंग रॉगा रंग
रंगाजीव चितेर रंगरेज
रचना मालाआदिबनाना
रजक धोबी बरेठा
रजत चाँदी सपेद
रजनि } राति चकवर्तऔषधि हरदी
रजनी }
रजनीमुख प्रदोष साम सायंकाल
रजस् रजोगुण स्त्रीकारजस्वला धूलि
रजस्वला मासिकधर्मवालीस्त्री
रज्जु जौरी रस्सी
रंजन लालचंदन
रंजनी नील नील
रण संग्राम लड़ाई शब्दकरना
रंडा मुसकन औषध रांडस्त्री
रत स्त्रीपुरुषकाभोग गुप्तहोना
रतिकूजित मैथुनकीआवाज
रतिपति कामदेव प्रद्युम्न
रत्न मणि हीराआदिपत्थर अपनीजाति
मेंश्रेष्ठ जैसेस्त्रीरत्न पुरुषरत्न
रत्नगर्भा पृथ्वी
रत्नसानु सुमेरुपर्वत इत्यादि
रत्नाकर समुद्र रत्नोंकीखानि
रत्नि मुंड़ाहाथ बंधीमुट्ठीकाहाथ
रथ बेंत संग्रामकेलड़नेलायकरथ
रथकट्या रथोंकासमूह बहुतरथ
रथकार बढ़ई कारीगर वर्णशंकरजाति
रथगुप्ति रथकीरक्षालोहाआदिसे
रथद्रु तिनिसवृक्ष. [चाक.
रथांग रथकासबसामान पैहा कुम्हारका
रथांगाह्वयनामक चक्रवाक चकहा
रथिक } महारथीआदि रथकास्वामी
रथिन }
रथिन् रथपरचढ़केसंग्रामकरनेवाला
रथकास्वामी
रथ्य रथकेघोड़ा. [कामसमूह.
रथ्या गांवशहरकेभीतरकीरास्ता रथों
रद दांत
रदनच्छद नीचेऊपरकेओंठ
रंध्र छेद बिल
रभस् आनंद वेग
रमणा } स्त्री जोसुखसेरमै
रमणी }
रमा लक्ष्मी
रंभा केला अप्सरा बाँस
रय वेग जल्दी
रल्लक कंबल
रव शब्द आवाज
रवण हमेशः शब्दकर
रवि सूर्य पूर्वकाग्रह
रशना,जीभ स्त्रियोंकेकमरकागहेना कमर-
पट्टा कंधनीजंजीरआदि
रश्मि किरण घोड़ेकीराग
रस जिसकाजीभसेस्वादलेनेहैं तुरश१
कषाय२ मधुर३ लवण४ कटु५
तिक्त६ शृंगार१ वीर२ करुणा३

अद्भुत८ हास्य५ भयानक६ वी॰
भत्स७ रौद्र८ पारा विषतेज गानमें
रसगर्भ अंजन [पतलमें]
रसना जीभ [जजीरआदि
रसना जीभ स्त्रियोंकेकमरपट्टा कधनी
रसवती रसोई
रसा पृथ्वी पाठाऔषधि शालयऔषधि
रसांजन अंजन
रसातल पृथ्वीतल पाताल
रसाल आमकापेंडऊख
रसाला दहीशक्करआदिसेबनाश्रीखंड
रसित बादरकागर्जना [मूरनि]
रसोनक लहशुन
रह } एकांत जहाकोईनहो
रहस् }
रहस्य एकांतकाहुवाकर्म
राका पूर्णचन्द्रमाकीपूर्णिमासी
राक्षस निशाचर हेतिमहेतिआदि
राक्षसी धनहरीऔषधि
राक्षा लाख महावर
राङ्कव हिरनकेरोवाकावस्त्र कंबल
राज् राजा
राजक राजावोंकासमूह
राजकशेरु,नागरमोथा [यक्ष इन्द्र क्षत्री
राजन् राजा मालिक स्वामी चन्द्रमा
राजन्य क्षत्री
राजन्यक क्षत्रियोंकासमूह
राजन्वत् जिसदेशकाराजाधर्मशीलसे
शोभितहो सुन्दरदेश
राजबला प्रसारिणीऔषधि
राजबीजिन् राजाकेवंशकामनुष्य
राजराज कुबेर
राजलिंग छत्रचामरादि
राजवंश्य राजावोंकेवंशकामनुष्य
राजवत् जिसदेशमेंराजाहो राजधानी
राजवृक्ष किरवारवृक्ष
राजसदन राजावोंकेमहल
राजसभा राजावोंकीसभा
राजसूय यज्ञकानाम जिसमेंसबराजा
जीतनापड़ते हैं [सपेदहो
राजहंस जिसहंसकेचोंचपैरलालहोंदेह
राजातन } चार चिरौंजी खिरनी खिन्नी
राजादन } कापेंड
राजार्ह अगरु
राजि पांति लकीर
राजिका राई
राजिल } निर्विषसर्प दुमुहासांप
राजील }
राजीव मछरीजाति कमल
राज्यांग राज्यकेअंग७ राजा१ मंत्री२
राज्य३ किला४ खजाना५ सेना६
परस्परोपकारीमित्र ७
रात्रि राति हरदी
रात्रिंचर } राक्षस
रात्रिचर }
राद्धांत सिद्धांत सिद्ध ठीकहोजाना
राध वैशाखमहीना
राधा विशाखानक्षत्र कृष्णकीप्रिया
राम बलदेवजी हिरनकीजाति काला
मनोहर सुन्दर श्रीमहाराजाधिराज
दशरथनन्दनश्रीरामचन्द्रजिन्होंने

समुद्रमेसेतुबांधरावणादिमारे परशुराम सपेद
रामठ हीगकापेड हीग
रामा स्त्री जोरमणमेनतुरहो
रांभ ब्रह्मचारीआदिकाबांसकाडंडा
राल धूप रार
राशि मेषादि धान्यादिकीराशि ढेर
राष्ट्र देश नगर उपद्रव मरणादि
राष्ट्रिका भटकटैया
राष्ट्रिय राजाकासाला
रासभ गर्दभ गदहा
रास्ना रासनि रासशाक
राहु,जोपर्वमेंसूर्यचन्द्रमाकोग्रहणकरताहै
रिक्तक खाली छूछा
रिक्थ धन द्रव्य
रिंखण } अपनाधर्मछूटजाना रेंगना वा
रिंगण } लर्कोकाहाथपरसेंचलना
रिटि नंदी शिवजीकाबैल
रिपु शत्रु वैरी
रिष्ट कल्याण अमंगलकानाश
रिष्टि खड्ग तलवार
रीढा अनादर अपमान
रीण बहना टरकना [लोहेकाकीट
रीति पीतरिधातु लोकाचार बहना
रीती पीतल
रीतिपुष्प जस्ता फूलधातु
रुक्प्रतिक्रिया रोगकीदवाईआदिकरना
रुक्म सोना
रुक्मकारक सोनार
रुक्ष स्नेहनहोना रूखा [पैरआदि
रुग्ण पीडित व्याकुल टूटाकाठ हाथ
रुचक अंडाकापेड बिजौरानिंबू सोंचरु नमक संचलखार
रुच् प्रभा छवि प्रकाश
रुचि छवि प्रकाश किरण तेज शोभा
रुचिर } सुन्दर मनोहर
रुच्य }
रुज् } रोग बीमारी
रुजा }
रुत शब्द
रुदित रोना. [सेघिरजाना.
रुद्ध रुकना रोंकना नगरकीनदीआदि
रुद्र देवतोंकागण श्रीमहादेव
रुद्राणी श्रीपार्वती
रुधिर लोहू मंगलग्रह केशरि
रुमा खारीसमुद्र सुग्रीववानरकीस्त्री
रुरु हिरनकीजाति
रुशती बुरीबात दुष्टोंकीबात
रुष् क्रोध कोप
रुहा दूब
रूप जोआंखसेजानाजाय [करती है.
रूपाजीवा,वेश्या जोअपनेरूपसेजीविका
रूप्य चांदी सुन्दरता
रूप्याध्यक्ष रुपयेकामालिक
रूषित धूरिलगना गर्दालागना
रेखा लकीर डांडी
रेचनी निशोथ कपिलाऔषधि
रेचित घोडेकोगोलचक्करदेना
रेणु धूरि गर्दा
रेणुक मटरमोथी
रेणुका औषधि
रेतस् धातु पुरुषकावीर्य

रेप निंदित अधम नीच
रेफ अधम नीच रअक्षर
रेवतीरमण रेवतीकेपतिबलदेवजी
रेवा नर्मदानदी
रै }
राः } धन सुवर्ण
रोक छेद बिल
रोग बीमारी [रामकरता है.
रोगहारिन् वैद्य जोरोगकीदवाकरआ-
रोचन कालीसांवरीकावृक्ष
रोचनी निशोथ औषधिभेद
रोचिष्णु बहुतशोभायमान
रोचिस् छवि प्रकाश
रोदन आंसूआना
रोदनी जवासा
रोदसी }
रोदस्यौ } पृथ्वीआकाश
रोध }
रोधस् } नदीआदिकेकिनारा कगार
रोधोवक्रा नदी
रोप बाण तीर
रोमन् रोवा देहकेबाल
रोमंथ पशुवोंकापगुराना पागुरिमारना
रोमहर्षण }
रोमांच } रोयांखड़ेहोना
रोष क्रोध गुस्सा
रोहिणी,कुटकी नक्षत्र गौ चन्द्रमाकीस्त्री
रोहित लाल रोहूमछरी हिरनकीजाति
रोहितक रोहीवृक्ष
रोहिताश्व अग्नि
रोहिन् वृक्ष
रोहिष हिरनकीजाति
रौद्र रसभेद भयंकर
रौमक विड्वनमक बेड़ियालोन
रौरव नरक
रौहिणेय बलदेवजी बुधग्रह
रौहिष तृणभेद हिरनकीजाति

(ल)

लकुच बड़हर छोटाकटहर
लक्तक पुरानेवस्त्रकेटुकड़ालत्ता
लक्ष बहानाकरना अपनारूपछिपाना निशाना
लक्षण चिन्ह कलंक देखना
लक्षणा }
लक्ष्मणा } सारसपक्षीकीस्त्रीसारसी
लक्ष्मण धनवान शोभायमान श्रीराम चन्द्रकेभाई
लक्ष्मन् कलंक चिन्ह श्रेष्ठ मुख्य
लक्ष्मी,विष्णुकीप्रिया औषधि संपति धन
लक्ष्मीवत् धनवान् धनी [छिपाना
लक्ष्य निशाना बहाना अपना रूप
लगुड़ बांसआदिकाडंडालाठी
लग्न मेषादि
लग्नक जामिनीदार जामिनिदा
लघु तुरत शीघ्र पिंडकाऔषधि ह्रस्व छोटा मनोहर
लघुलय तृणकीजर
लंका रावणकीपुरी
लंघोपिका पिंडकाऔषधि
लज्जा शर्म [वाला
लज्जाशील शर्मीला लोकलाजकरने

लज्जित शर्मायगया
लट्वा गांवकीगरगैया केजभेद फलभेद
लता बेलि बौंढनेवालीगुर्चआदि का-
लाविथारा सेवतीबसंतीलता पिंड-
का मालकांगुनि
लतार्क हरीपियाज
लपन मुख
लपित बचन बात कहाहुवा
लब्ध प्राप्त लाभ
लब्धवर्ण पण्डित
लब्धानुज्ञ आज्ञालामहोना
लभ्य न्यायसेप्राप्तकीद्रव्य
लंबन नाभितकलंबीमाला
लंबोदर गणेशजी जिसकालंबापेटहो
लय,गानानाचबाजाकासमहोना.[ताहो.
ललना स्त्री जिसकापतिबहुतप्यारकर-
ललंतिका नाभितककीलंबीमाला
ललाट मस्तक माथ.
ललाटिका माथेकागहेना
ललाम घोडोंकेमाथेकीचित्तता पूंछ
घोडोंकेगहेना श्रेष्ठता पताका
ललामक,सोमालाशिरमेंआगेकोपडाहो
ललित स्त्रियोंकेशृंगाररससेक्रिया सब
अंगोंकीसुन्दरताकरना
लव नाजकाकाटना बहुतथोडा अंश
लवंग लौंग
लवण सेंधवनमकआदि
लवणाकर | खारीसमुद्र
लवणोद |
लवन धान्यादिकाटना. [जातेहैं.
लवित्र हँसिया जिससेखेतआदिकाटे
लशुन | लहशुन
लशून |
लस्तक धनुषकामध्य कमानकाबीच
लाक्षा लाख महाउर
लाक्षाप्रसादन लाललोध्र जिसकेमि-
लानेसेलाखमेंउत्तमरंगहोजाताहै
लांगल हल
लांगलदंड हलकाडंडा
लांगलपद्धति हलकीलकार वाह
लांगलिकी करियारी
लांगलिन,नारियर बलदेवजी हरजोता
लांगली जलपीपर नारियर
लांगुल | पूंछरोमयुत पूंछ
लांगूल |
लाजा लाई खील भूंजेधान
लांछन कलंक चिन्ह दाग
लाबु | तोंबी
लाबू |
लाभ नफा फायदा
लामज्जक तृणजाति
लालसा बहुततृष्णा मांगना उत्कंठा
लाला लार मुंहकापानी
लालाटिक जोनौकरकोपप्रसन्नता
जाननेकोमालिककामुंहदेखे जोनौ-
करकामनकरसके
लाव लावापक्षी बटेर
लासक नाचनेवाला
लासिका नाचनेवाली- [जाय.
लास्फोटनी सुलाग्गी जिससेमणिछेदी-
लास्य नाचना
लिकुच बडहर छोटाकटहर

लिक्षा जुवाँकाअंडा लीख
लिखित लिखाहुवा. [आदिकरना.
लिंगवृत्ति जीविकाकेअर्थजटातिलक
लिपि लिखा
लिपिकर
लिपिकार } लेखक लिखनेवाला
लिपिकर
लिपी लिखा
लिप्त लीपना लेपा
लिप्तक विषकाबुझायावाण
लिप्सा वांछा लाभकीइच्छा
लिवि लिखा
लिविकर
लिविंकर } लेखक लिखनेवाला
लीढ़ भोजन खाना
लीला स्त्रियोंकीशृंगारचेष्टा हँसी केलि
विलासकाखेल खेल. [लोटना.
लुठित परिश्रमकेनाशार्थघोडेकोलोटना
लुब्ध वांछाकरनेवाला लोभी
लुब्धक बहेलिया आर्द्रानक्षत्र
लुलाप
लुलाय } भैसा
लूता मकरी
लून काटा खंडित
लूम पूछ दुम
लेख देवता
लेखक लिखनेवाला
लेखर्षभ इंद्र देवतोंमेंश्रेष्ठ
लेखा पांति रेखा

लेश बहुतथोडा
लेष्टु मट्टीकाटुकडा ढेल
लेह जेंवना भोजनकरना
लेलिहान सांप
लोक,पृथ्वीतलआदि मनुष्यादि स्वर्गादि
लोकबंधु
लोकबांधव } सूर्य
लोकजननी लक्ष्मीजी
लोकजित् बुद्ध विष्णुआदि
लोकमातृ लक्ष्मी
लोकायत हरिताल जैनिमितकाशास्त्र
लोकालोक एकपर्वतकानाम
लोकेश ब्रह्मा
लोचन नेत्र आँख
लोचमर्कट
लोचमस्तक } मोरशिखाऔषधि
लोत्र चोरीकामाल आंसू
लोध्र लाललोध्र
लोपामुद्रा अगस्त्यऋषिकीपत्नी
लोप्त्र चोरीकामाल
लोमन् रोवां देहकेबाल
लोमशा जटामासी
लोल चंचल नोस्थिरनरहै
लोलुप
लोलुभ } बहुततृष्णावाला अतिलोभी
लोष्ट मट्टीकाटुकडा ढेल
लोष्टभेदन ढेलफोरनेवामुगदर मोंगरा
लोष्टु ढेल
लोह अगरु लोहा सबधातुसोनाआदि

लोहल जोबातप्रकटनकहै
लोहाभिसार महानवमीवविजयदशमी कोशस्वस्थापनकरराजावोंकानीरां जनादिकर्म
लोहित लाल लोहू लालरंगकाहिरन
लोहितक पद्मरागमणि
लोहितचंदन लालचंदन
लोहितांग मंगलग्रह
लौकायतिक चार्वाक जैनिमती
लौह सोनाआदिसबधातु

(व)

व तुल्यता समता
वंश बांस कुल गोत्र समूह पीढ़ि
वंशक अगरु
वंशरोचना वंशलोचन
वंशिक अगरु
वक्तव्य निंदित हीन कहनेलायक
वक्तृ वक्ता कथाआदिकहनेवाला
वक्त्र मुख
वक्र टेढ़ा मंगलग्रह
वक्षस् हृदय छाती
वंक्षण जांघोंकाजोडगाली
वंग रांगा वंगरस
वचन बात वाणी
वचनेस्थित बातकामाननेवाला
वचस् वाणी
वचा वच
वज्र इंद्रकाआयुध सेहुडकावृक्ष हीरा
वज्रनिर्घोष } वज्रकाशब्द
वज्रनिष्पेष }
वज्रपुष्प तिलकाफूल
वज्रिन् इंद्र जोवज्रआयुधराखते है
वंचक धूर्त ठग सियार
वंचित ठगागया
वंचुक सियार
वंजुल तिनिसवृक्ष बेंत अशोक वृक्ष
वट बरगदकापेड
वटक बडापिठीआदिका
वटी रस्सी जौरी वैद्योंकीदवाईकीवटी
वडवा ब्राह्मणी घोडी
वडवानल जोअग्निकारूपसमुद्रमेंहै
वडू चौडा फैला
वणिज् बनियाँ मोललेनेदेनेवाला
वणिक्पथ बनियोंकीराह बाजार
वणिज्या बनियोंकाकर्म बनियई
वंटक तालकेबांट भाग
वत खेद दया संतोष विस्मय बुलावना
वत्स हृदय छाती बछवा पुत्रादि वर्ष
वत्सक कुरैया
वत्सतर नयाबैल कलोर
वत्सनाभ विषभेद सिंहियाभेद
वत्सर दोअयनकाएकवर्ष साल
वत्सल स्नेहकरनेवाला
वत्सादनी गुर्च
वद वक्ता कहनेवाला
वदन मुख
वदन्य. दानशूर बडादानी बलिआदि
वदान्य बडादानी सुंदरवाणीबोलने
वदावद वक्ता कहनेवाला.[वाला.]
वध मारडालना

वध्य मारनेयोग्य शिरकाटनेलायक
वंध्य जिसवृक्षमेफलनहो बाँझवृक्ष
वंध्या बाँझ जिसस्त्रीआदिकेगर्भभीनहो
वध्री चमडाकीवद्धी वाधी
वधू पिडकाऔषधि स्त्री पुत्रादिकीस्त्री वहू अपनीस्त्री
वन पानी वन जंगल भिरना घर
वनतिक्तिका पाठाऔषधि
वनप्रिय कोकिला
वनमक्षिका वनकीमक्खी डांस
वनमालिन् कृष्ण विष्णु
वनमुद्ग वनमूँग
वनशृगाट गुखुरू
वनसमूह,बडाजंगल. [कटहरआदिवृक्ष.
वनस्पति जिसवृक्षमेफूलविनाफलहो
वनहुताशन वनकीअग्नि
वनायु हिरन
वनायुज,वनायुदेशकेघोडे. [अनुरागहो.
वनिता स्त्री जिसमेंअपनाआपअधिक
वनीपक, वनीयक } याचक भिखारी
वनौकस् वानर
वंश बूसोंकावांटा
वंशारु नमस्कारनित्यकरनेवाला
वन्या वनकासमूह बडाजंगल
वपा छेद विल चर्वी
वपन मुंडनकरावना
वपुस् देह शरीर
वप्र खाँबाँआदिकीमाटीउंचाई खेतम हल नदीकाकिनारा पिता ढेर धूरि सीसाधातु
वम, वमथु } वांतहोना कय मुखसेमलगिरना हाथीकीसूंडकेपानीकेबूंद
वमि, वमी } उद्धार कय
वयस् बाल्यादिअवस्था पक्षी
वयस्थ युवा जवानी. [काकोली.
वयस्था हर्रे अँवरा मछेछी सोमलता
वयस्य जवान तुल्यअवस्थाकासाथी
वयस्या सखी साथिनि
वर केशर लपेटना सुंदरभक्ति दमाद देवताआदिसेवर व्याहमेंपुरुष श्रेष्ठ
वरटा हंसिनी बर्रैया
वरटी हंसिनी
वरण वरुण शहरपनाह बाँसआदिकी बेंटि गांवकेचारोंपास वरुणवृक्ष सेतु पुल किसीकार्यकावरण
वरंड मुखकीपीडा भीतरकीपीडा
वरत्रा चमडाकीरस्सीहाथीआदिकसने-
वरद वरदेनेवाला. [कीवाधी.]
वरवर्णिनी स्त्री जोपतिकीभक्तहो हरदी
वरांग माथ मस्तक योनि
वरांगक दालचीनी तज
वराटक रस्सी जोरी कौडी
वरारोहा,स्त्री जिसकापीछेकाधरउत्तमहो
वराशि, वरासि } मोटावस्त्र मजीगाढ़ाआदि
वराह शूकर
वरिवसित सेवाकिया
वरिवस्या सेवा
वरिवस्यित सेवाकिया

वरिष्ठ ताँबा
वरिष्ठ श्रेष्ठ अतिश्रेष्ठ
वरी शतावरि
वरीयस् बहुतश्रेष्ठ. [वरुणवृक्ष.
वरुण पानीकेमालिक पश्चिमकेस्वामी
वरुणात्मजा मदिरा सराव
वरूथ रथकीरक्षा
वरूथिनी सेना
वरेण्य मुख्य श्रेष्ठ
वर्कर बकरा युवापशु. [समूह.
वर्ग जीवचरवजंगमवविनमाणइनका
वर्चस् रूप तेज विष्ठा चंद्रमाकापुत्र
वर्चस्क विष्ठा
वर्ण,ब्राह्मण क्षत्री वैश्य शूद्र हाथीकीझूल
रंग स्तुति अक्षर यशगुणकीकथा
वर्णक,सुगंधितउबटन चन्दनादिकालेप
वर्णित स्तुति बड़ाई
वर्णिन् ब्रह्मचारी
वर्तक बटईपक्षी घोड़ेकीटाप
वर्तन जीविका बरताव
वर्तनि } मार्ग रास्ता
वर्तनी }
वर्ति सुगंधितउबटन बत्ती
वर्तिका बटईपक्षी बाती
वर्तिष्णु बरतावकरनेवाला
वर्तुल गोल
वर्त्मन् रास्ता आँखकापुट
वर्ध्र सीसाधातु
वर्धक भारंगी
वर्धकि काठबनानेवाला बढ़ई
वर्धन बढ़नेवाला कतरना
वर्धमान अंडाकापेड़ बढ़ना
वर्धमानक माटीकासंरवा
वर्धिष्णु बढ़नेवाला
वर्मन् कवच बख्तर
वर्वरा बवई
वर्मित कवचपहिरे
वर्य मुख्य श्रेष्ठ
वर्या स्वयंवरकीस्त्री
वर्वणा माखी
वर्वरी बवई
वर्ष मेघवर्षना भारतवर्षआदिदेशसाल
वर्षवर बादशाहीखोजा
वर्षा बरसातकीऋतु
वर्षाभू वर्षाकेमेंढ़का
वर्षाभ्वी वर्सातीमेंढ़की
वर्षीयस् बहुतवर्षका अतिवृद्ध
वर्षोपल आकस्मात्प्रथममेघकेबड़ेबूंद
वर्ष्मन् देह प्रमाण अतिसुंदर मूरति
वलक्ष सपेद
वलज,खेत शहरकाफाटक अनाज संग्राम
वलजा सुंदरी उत्तमस्त्री
वलभि } चन्द्रशाला घरकामध्य महलके
वलभी } ऊपर
वलय पहुंचाकागहना पहुंचीआदि
वलयित नगरादिनदीआदिसेघिरना
वलीक घरकेबाहरकीभीतिकीछानी-
वलीमुख वानर. [आदि.
वल्क } वृक्षादिकाबकला
वल्कल }
वल्गित घोड़ेकीचाल
वल्गु सुन्दर

वल्मीक वँवौरि वाल्मीकऋषि
वल्मिक } वाल्मीक
वल्मिकि }
वल्लकी वीणा
वल्लभ कुलीनघोड़ा प्यारा मालिक
वल्लरि } तुलसीआदिकीमंजरी
वल्लरी }
वल्ली वेलि
वल्लुर } सूखामास
वल्लूर }
वश कांति इच्छा
वशक्रिया मणिमंत्रादिसेवशीकरण
वशा हथिनी वांझ स्त्री गौ लड़की
वशिक खाली छूछा
वशिर वड़ीपीपरि समुद्रकानमक
वश्य वशमेंप्राप्त
वषट् देवतोंकेहविदेनेमें यथावषडिन्द्राय
वषट्कृत अग्निमेंहोम
वसति राति घर
वसन वस्त्र कपड़ा
वसंत ऋतु
वसा चरबी
वसिर छूछ खाली [अग्नि किरण
वसु देवगण सूखा रुई मदार द्रव्य रत्न
वसुक मदार साँभरनमक
वसुदेव कृष्णकेपिता
वसुधा }
वसुंधरा } पृथ्वी
वसुमती }
वसूक मदार साँभरनमक
वस्तु चीज गोईवस्तु
वस्ति नाभिकेनीचेमूत्रकास्थान
वस्त्य घर माकान।
वस्त्र कपड़ा
वस्त्रयोनि,कपड़ाबननेकेकारण४ छाल१
फल २ किरवा ३ रोंवा ४
वस्त्रवेश्मन् डेरा तंबू कपड़ेकाघर
वस्न मोल दाम
वस्नसा नसें जिनसेअंगसबवँधे हैं
वह वैलकाकांध
वह्निसंज्ञक चीत
वह्नि अग्नि आग्नेयकेस्वामी
वह्निशिख कुसुम
वा उपमामें विकल्पमें बराबरी निश्चय
वाक्पति उत्तमवार्तामेंचतुरबृहस्पति
वाक्य तिङंतसुबंतपदसमूह वाणी
वागीश उत्तमवार्त्तामेंचतुर बृहस्पति
वागुनी वंचुकी
वागुरा हिरनफासनेकाजाल
वागुरिक हिरनफासनेवाला
वाग्मिन्,घतकहा वातमेंचतुर नैयायिक
वाङ्मुख वाणीकाआरंभ
वाच् वात वाणी
वाचंयम मुनि जोमौनव्रतकरै
वाचक शास्त्रकेशब्द
वाचस्पति बृहस्पति
वाचाल बहुतवनवाद बकी
वाचाट निंदितगीतकरनेवाला
वाचिक संदेशकीवात
वाचोयुक्तिपटु नैयायिक वार्तामेंचतुर
वाज वाणकेपंख

वाजपेय यज्ञ
वाजिदंतक रुसाह रूस
वाजिन् पक्षी घोडा बाण
वाजिशाला घोडशाला
वांछा इच्छा
वाटी गृह वाटिका कमर
वाट्यालका वरियारी
वाडव बडवानल ब्राह्मण बहुतघोडी
वाडवानल समुद्रकीअग्नि
वाडव्य ब्राह्मणोंकासमूह
वाणि सूतकाविनना
वाणिज बनियां रोजगारी
वाणिज्य बनियांकेकर्म बनियांपना
वाणिनी नाचनेवाली दूती मतवाली [चतुरस्त्री
वाणी,भाषा बोली सरस्वती
वात वायु हवा
वातक शनपर्णीऔषधि
वातकिन् वादी बातरोगवाला
वातपोथ छूल ढांख. [भेद
वातमर्मी } वायुकेसमानभागनेवालामृग
वातमृग
वातरोगिन वादी वाईकारोगी
वातायन झरोखा खिरकी
वातायु हिरन
वाति वायु हवा
वातुल } वाईसेबहुतपीडितमनुष्यादि
वातूल
वात्या वातकासमूह बहुतवाई
वात्सक बछरोंकासमूह
वादित्र } बाजा
वाद्य
वान शूखाफल [स्त्रीटोनोंब्रम्हचारी
वानप्रस्थ महुवा आश्रम जिसमेंपुरुष
वानर बंदर
वानस्पत्य जोवृक्षफूलकरफलैं
वानायु हिरन हन्ना
वानीर बेंत
वानेय केवटियामोथा
वापदंड वस्त्रविननेकादंडा
वापि } बावली
वापी
वाप्य कूट
वाम मनोहर उलटा कामवांया मेघ
स्त्री केकुच श्रीमहादेव विगडाशत्रु
वामदेव महादेव एकऋषि
वामन दिग्गजकानाम छोटा बउना
विष्णुकाअवतारवलिछलनेवाला
वामलूर बंबौरि जिसमेंबहुधासर्परहतेंहैं
वामलोचना स्त्रीसुंदरनेनवाली
वामा मनहरनेवालीस्त्री
वामी घोडी
वायदंड कपडाविननेकादंडा
वायस कौवा
वायसाराति उल्लू घुघुआ
वायसी काकमाची केवइया
वायसोली काकोली
वायु हवा
वायुसख अग्नि आगि
वार पानी समूह अवसर दिन
वार् जल
वारण हाथी

वारणबुषा } केला
वारणबुसा }
वारवाण संग्रामकेजरबख्तरआदि
वारमुख्या, जिसवेश्याकागुणसेआदरहो
वारस्त्री वेश्या
वाराही वाराहीकंद देवी
वारि जल पानी
वारिद मेघ पानीदेनेवाले
वारिपर्णी जलकुंभी पुरइनि
वारिप्रवाह, पहाड़ोंकेझरना पानीकाबहना
वारिवाह मेघ बादर
वारी हाथीबांधनेकीशाला पीलखाना
वारुणी मदिरा पश्चिम गडदूर्वा
वार्त रोगनाशहोना निर्बलता यथार्थ लोककीवार्त्तिकहना
वार्ता जीविका वृत्तान्त बातकहाव
वार्ताक } भाँटा बैंगन
वार्ताकी }
वार्तावह कामारथी कांवरिलियेधान्य लकरचलना
वार्द्धक बुढ़ापा वृद्धोंकासमूह बुढ़ाना
वार्धक्य बुढ़ापा वृद्धोंकाझुंड
वार्धुषि } ब्याजखानेवालेमहाजन
वार्धुषिक }
वार्मण कवचोंकासमूह बख्तरोंजीरोंकी
वार्षिक त्रायमाणाऔषध रामासाम हसूलवर्षका
वाल शिरकेबाल लड़का
वालधि रोवांसहितपूंछ
वालपत्र, खैर कत्था [दिया वेनीपानआदि
वालपाश्या बालोंकागहना कटिया वैं
वालहस्त रोवादारपूंछें
वालुक मुसधरऔषधि सुगंधद्रव्य
वालुका बालू
वाल्क क्षौमवस्त्र बकलाआदिकेवस्त्र
वाल्मीक ऋषिकानाम
वावदूक बहुतबोलनेवाला
वावृत्त वरणकरना
वाशिका रूस रुसाह
वाशित पक्षियोंकाशब्द
वाशिता स्त्री हथिनी
वास सभाकास्थान निवास
वासक रुसाह
वासगृह घरकामध्य माँझघर
वासन्ती कुंदभेद सेवती बसन्तकीवेल
वासना विचार भावना
वासयोग सुगंधकरनेकायत्न छानाचूर्ण
वासर दिन यतवारआदि ७
वासव धनिष्ठानक्षत्र इन्द्र
वासस वस्त्र कपड़ा
वासिका रूस रुसाह [वासित
वासित सुगंधितसेवसाईवस्तु पुष्पादिसे
वासिता स्त्री हथिनी
वासुकि नागराज
वासुदेव वसुदेवजेपुत्रश्रीकृष्णजी
वासू कुमार्ग
वास्तु घरकीपृथ्वी
वास्तुक } बथुआ
वास्तूक }

वास्तोष्पति इंद्र
वास्त्र वस्त्रसेओढायारथआदि
वाह घोडा वारहमनकावांट
वाहद्विषत् भैंसा
वाहन सवसवारी
वाहस् अजगरसांप
वाहित्थ हाथीकेमस्तककेतरे
वाहिनी सेना सेनाममाण वहतीनदी,
वाहिनीपति सेनापति
वि पक्षी चिरैया
विंशति बीस
विकंतक सुवावृक्ष वेहली
विकच फूलाफूल
विकर्तन सूर्य. [कमहो.
विकलांग जिसकास्वभावसेकोईअग
विकस्वर प्रकटनेवाला
विकषा } मंजीठ
विकसा }
विकसित फूलकाफूलना
विकस्वर प्रकटनेवाला
विकार स्वभावसेउलटाहोना
विकासी } प्रकटनेवाला
विकासिन् }
विकिर पक्षी
विकिरण } मदार
विकीरण }
विकुर्वाण प्रसन्नचित्त खुशीमन
विकृत बीभत्सरस रोगी बीमारिहा
विकृति विकार छद्मभेद. [नाम.
विक्रम बहुतपराक्रम क्रांति राजाका
विक्रय वेंचना
विक्रयिक वेंचनेवाला
विक्रांत शूर वीर
विक्रिया विकार
विक्रेतृ वेंचनेवाला
विक्लव शोकादिसेव्याकुल
विक्लाव शोक
विग्र }
विग्रल } नकटा जिसकीनाककटीहो,
विखु }
विगत तेजकानाश तेजहीन
विगतार्तवा जिसस्त्रीकारजस्वलाबंदहो
विग्र नकटा [लडाई चौंडाई विरुद्ध
विग्रह शरीर पराईराज्यकोपीडादेना;
विघस वैश्वदेवसेबचाअन्नकाभोजन
विघ्न विघ्न अच्छेमेंबुराईहोना
विघ्नराज गणेशजी जिनकेपूजनसे
विघ्ननाशहो
विचक्षण पण्डित
विचयन ढूंढना खोजना पतालगाना
विचर्चिका खाजु
विचारणा प्रमाणोंसेनिश्चयकरना
विचारित विचारहुआ
विचिकित्सा संशय संदेह
विच्छर्दक } सुंदरघर राजाओंकामाकान
विच्छर्दक }
विच्छाय पक्षियोंकीछाया
विजन एकांत जहाँकोईनहो
विजय जीतना
विजिल }
विज्जन } चिकना साढ़ीसहितदहीआदि
विज्जल }

विज्ञ चतुर प्रवीण
विज्ञात प्रसिद्ध
विज्ञान मोक्षविनाऔरशास्त्रमेज्ञान
विज्ञानिक चतुर प्रवीण
विट् विष्ठा बनियाँ
विट धूर्त नमकभेद मूस खैर [कामुक-
विटंक,महलआदियोंमेपक्षियोंकेकाठकेघर
विटप वृक्षकीफैलाई डार पत्ता धूर्तो-
विटपिन् वृक्ष पेंड [कामालिक.]
विटिका फोड़ा फुरियां
विट्खदिर दुर्गंधितखैर
विट्चर गाँवकासूकर
विड लवण
विडंग वायविडंग
विडाल बिलार बिलौटा
वितस मृगपक्षीकेजाल
वितडा बातोंकाझगड़ा
वितथ झूठबोलना
वितरण दान देना
वितर्दि } वितर्दी } वेदी आंगनमेंबैठनेकास्थान
वितस्ति बित्ता बारहआँगुर
वितान चदोवा यज्ञ शून्य धीरा
वितुन्न सिसलपरियाशाग
वितुन्नक भूम्यामलकी विसल्लपरिया धनिया आँखकाअंजन
वित्त द्रव्य प्रसिद्ध विचारकिया
विदर दुइहोना फटना
विदल बाँसकेपत्ताकाबनापात्र
विदारक सूखेनदीतालमेंजोगढ्ढाकिया जाय चूहागड्ढा
विदारी कालाविदारीकंद
विदारिगंधा } विदारीगंधा } सरिवनऔषधि
विदित प्रसिद्ध अंगीकारकिया प्राप्त
विदिश् दिशावोंकामध्य विदिश्
विदु हाथीकेकुंभकामध्य [केभाई
विदुर बेंत जाननेवाला राजाधृतराष्ट्र
विदुल जलबेंत
विद्ध छेदना छेदागया
विद्धकर्णी पाठाऔषधि
विद्याधर देवजाति
विद्युत् बिजुली [प्रमेहकीपिटिका
विद्रधि पेटआदिमेंफुनसी शिरकर्ण
विद्रव भागना पलायजाना
विद्रुत घीआदिकापतलाहोना
विद्रुम मूंगा [मालकांकुनि
विद्रुमलता नलीनामगंधद्रव्य पवाँरी
विद्वस् पण्डित आत्मज्ञानी बुद्धिमान
विद्वेष वैर
विधवा रांडस्त्री जिसकापतिमरगयाहो
विधा मोल तनखाह्र विधान प्रकार आदि हाथीकाअन्न
विधातृ ब्रह्मा [विधान करनेयोग्य
विधि ब्रह्मा पूर्वकेकर्म भाग्य धर्मशास्त्र
विधिदर्शिन् यज्ञकर्मकेदेखनेवाले जिस सेनिगडैनहीं [कपूर राक्षस
विधु विष्णु चन्द्रमा वायव्यकाग्रह
विधुत त्यागकिया
विधुतुद राहु जोचन्द्रमाकोदुःखदेताहै
विधुर अत्यंतवियोग

विधुवन } काँपना
विधूनन }
विधेय } बातमाननेवाला
विनयग्राहिन् }
विना वर्जना मनाकरना
विनायक श्रीगणेश बुद्ध गरुड़
विनाश नदेखपड़ना मरना
विनाशोन्मुख पका मरनेकेसमीप
विनीत जोघोड़ासुंदरतनेसेचलै नम्र शिक्षित
विनीतक,परम्पराकीसवारी पीनसआदि
विंदु बूंद छिटकी
विंध्य विंध्याचलपहाड़
विन्न विचारकिया प्राप्त
विन्यस्त धरना मिला मोटा
विपक्ष शत्रु वैरी
विपंची बीणा जिसमे७तारहोते हैं
विपण बेंचना मोलदेना
विपणि } दुकान बाजार बनियोंकीराह
विपणी } सराफा बजाजा इत्यादि
विपत्ति आफत परेशानी
विपथ कुराह खराबरास्ता
विपद् आफत
विपर्यय }
विपर्याय } उलटाहोना
विपर्यास }
विपश्चित् पण्डित विद्वान
विपाट् पाशमोचिनीनदीवशिष्ठजीकी
विपादिका बेवाँई पैरफटनेकारोग
विपाशा पाशमोचिनीनदी
विपिन वन
विपुल विस्तीर्ण चौड़ा
विपुला पृथ्वी
विप्र ब्राह्मण चारोंवर्णमेंप्रथम
विप्रकार अपकार निंदा
विप्रकृत अपमानकिया विवर्णकिया
विप्रकृष्टक दूर
विप्रतीसार पश्चात्ताप पछिताना
विप्रयोग अपनेप्यारेकाअलगहोना [वियोग.]
विप्रलब्ध जोठगाजाय
विप्रलंभ छलकीबातें वियोग
विप्रलाप परस्परविरोधकीबात
विप्राश्निका शुभाशुभजाननेवालीस्त्री [प्रलय.]
विप्रुष पानीकेबूंद.
विप्लव मनुष्यकालोटनाआदि उपद्रव
विप्लुष पानीकेबूंद
विबुध देवता
विभव धन द्रव्य
विभाकर सूर्य जोप्रकाशकरते हैं
विभावरी रात्रि
विभावसु अग्नि सूर्य
विभीतक बहेर
विभूति ऐश्वर्य भस्म
विभूषण,गहेना. [लास भ्रांति शोभा.
विभ्रम स्त्रियोंकीशृंगारादिचेष्टा वि-
विभ्राज अतिशोभित
विमनस् व्याकुलचित्त.
विमय बदला व्यवहार
विमर्दन केशरिआदिमलना
विमला शूहर
विमर्श विचार भावना बासना

विसृत्वर } फैलनेवाला
विसृमर }
विस्तर, शब्दकरतेफैलना
विस्तार चौड़ा फैला वृक्षकीशाखा पत्तोंकासमूह
विस्तृत फैला चौड़ा
विस्फार धनुषकाशब्द
विस्फोट } फोड़ा फुरिया
विस्फोटा }
विस्मय, आश्चर्य ताज्जुब, अद्भुतरस
विस्मयान्वित परायेधर्मादिमेंआश्चर्य प्राप्तहोना
विस्मृत, भूलना
विस्र विनापकेमांसआदिकीदुर्गंध
विस्रंभ विश्वास
विस्रसा जरा बुढ़ापा
विस्राव भातकामाड़ बहेना
विहग }
विहंग } पक्षी चिड़िया
विहगम }
विहंगमा } बंहिगा खूंटी
विहंगिका }
विहसित मध्यहँसी सहारेमेंहँसना
विहस्त शोकादिसेव्याकुलहोना
विहापित त्याग दान
विहायस आकाश
विहायस् आकाश पक्षी
विहार पैरकीचाल
विह्वल व्याकुलतासेगात्रभंग
वीकाश एकांत प्रकाश
वीचि लहरी
वीणा बाजा
वीणादंड वीणाकादंडा
वीणावाद वीणाबजानेवाला
वीत संग्रामादिकेअयोग्यहाथीघोड़ा
वीतंस मृगपक्षियोंकाजाल
वीति घोड़ा
वीतिहोत्र अग्नि
वीथी पाँति मार्ग
वीध्र स्वभावसेनिर्मल
वीनाह कुआँकेमोहराकापत्थरआदि
वीर रसभेद जिसमेंउत्साहबढ़े, शूर
वीरण } तृणभेद
वीरतर }
वीरतरु अर्जुनवृक्ष
वीरपत्नी वीरकीस्त्री
वीरपाण } संग्राममेंवीरोंकामद्यपीना
वीरपान }
वीरभार्या वीरकीस्त्री
वीरमातृ वीरपैदाकरनेवाली
वीरवृक्ष भिलावाँ [आदिकटेपड़हैं
वीराशंसन जिससंग्रामभूमिमेंहाथी
वीरसू वीरकीमाता
वीरहन् जिसराग्निहोत्रनाशहो
वीरिण ऊसर शून्यदेश
वीरुध् फैलीहुईवेलि
वीर्य वस्तुतसमर्थतासेउत्साह पुरुषत्व वीर्य तेज प्रभाव समर्थता बल
वीवध ध्यानआदि रास्ता बोझा
वृक भेड़हा भेड़िया मृग चरा
वृक धूप अनेकपदार्थकीधूप धूपसर
वृकण कटा खंडित

वृक्ष पेंड
वृक्षभेदिन् कुल्हार
वृक्षरुहा बांदा कोई वृक्षपरकीबेलि
वृक्षवाटिका मन्त्री वेश्याकेघरकेपासकी
वाटिका [जाताहै कुल्हार
वृक्षादनी बांदा जिससेवृक्षखराब
वृक्षाम्ल चूक
वृजिन पाप कुटिल टेढ़ा क्लेश खून लाल
वृत परदाकरना
वृति लपेटना उत्तमभक्ति जिससेदेवता
प्रसन्नहोंवरदेय नगरादिकेआस
पास वासआदिकीवेढ़ि [पीढ़ा.
वृत्त गोल वरण श्लोक चरित्र व्यतीत
वृत्तान्त वार्तालोककी प्रकरण प्रकार
सपूर्णता
वृत्ति जीविका आचरण सूत्रकाविवरण
वृत्र अंधकार वृत्रासुर शत्रु मेघ इन्द्र पर्वत
वृत्रहन् इन्द्र जिन्होंनेवृत्रासुरमारा
वृथा निरर्थक अविधि व्यर्थ
वृद्ध शिलाजीत बूढ़ा पण्डित
वृद्धत्व बुढापा
वृद्धदारक बिधारा औषधि [नाभि
वृद्धनाभि तोंदारा वातआदिसेबाढ़ी
वृद्धश्रवस् इन्द्र
वृद्धसंघ बूढ़ोंकासमूह
वृद्धा पकेबालवाली बुढ़िया
वृद्धि बढना वृद्धि
वृद्धिजीविका बियाजखाना ब्याही
वृद्धिमत् बढ़ा उत्पन्न बड़ा
वृद्धोक्ष बूढ़ाबैल
वृन्दाजीव ऋणदेव्याजलेनेवाला
वृत फलफूलनहोनापेंडमें
वृन्द समूह झुंड
वृन्दभेद समूहकेभेद
वृन्दारक देवता रूपवान श्रेष्ठ
वृन्दिष्ठ, बहुतवृन्द
वृश्चिक कर्कट वृक्षभेद वृश्चिकराशि
ऊनखानेवालाकिरवा विच्छू
वृष – राशि–लग्न, धर्म सुकृत कन्म
रुसाह ऋषभऔषधि बैल वली-
वैल मूस श्रेष्ठ
वृषण अण्डकोश पोता
वृषदंशक बिलार
वृषध्वज श्रीमहादेवजी
वृषन् इन्द्र
वृषभ बैल
वृषल शूद्र [फीदच्छाकार
वृषस्यन्ती जोस्त्रीथोड़ेबैलसेसमानभोग
वृषा इन्द्र मुसकनऔषधि [पार्वती
वृषाकपायी जीवन्ती शतावरि लक्ष्मी
वृषाकपि विष्णु महादेव
वृषी ब्रह्मचारीआदिसपत्नीकाआसन
वृष्टि मेघबरसना
वृष्णि किरण मेढ़ा यदुभेद
वेग,जोर शिघ्रआदिसेनिकलना बहना
वेगिन् तुर्त जल्दी शीघ्र
वेणि नागिनमेलग्नेवाल
वेणी श्रीदेवनालवृक्ष त्रिवेणी नागि
नमेंबंधबाल
वेणु बांस

वेणुक चाबुक कोड़ा
वेणुध्म वंशीबजानेवाला
वेतन तनखाह मोल
वेतस बेंत
वेतस्वत् जहांबहुतबेंतहों
वेताल भूतबैठाहोजिसमुर्देमें वैताली
वेत्रवती नदी वेतवानदी
वेद ऋग् यजु साम अथर्वण
वेदांतिन वेदांती ब्रह्मजाननेवाला
वेदना अनुभव
वेदि यज्ञकेलियेपृथ्वी
वेदिका आंगनमेंबैठकावेदी
वेदी यज्ञकीपृथ्वी
वेध वेधना घुसेड़ना
वेधनिका सुम्मी मणिआदिछेदनेकी
वेधमुख्यक कचूर
वेधस् ब्रह्मा विष्णु पण्डित
वेधित छेदना
वेपथु कांपना
वेमन् कपड़ाबिननेकाडंडा
वेला समुद्रकीबाढ़ि समय बिनाक्लेश
मरना रोग सीमा वाणी
वेल्ल वायविडंग
वेल्लज मिर्च
वेल्लि बेलि
वेल्लित टेढ़ा कुछकांपना
वेश वेश्योंकामुहल्ला घर भेषबनाना
वेशंत छोटातालाव
वेशवार शागतरकारीआदिबनानेका
मसालाहरतरहकापीसा
वेश्मन् घर मकान
वेश्मभू घरकीपृथ्वी
वेश्या पतुरिया
वेश्याजनसमाश्रय पतुरियोंकाटोला
वेष भेषबनाना
वेषवार मसाला
वेष्टित लपटा
वेष्या पतुरिया
वेसवार मसाला
वेहत् जिसगौकाबैलकेचढ़नेसेगर्भगिरै
वै पादपूरण निश्चयार्थ अलगकहनेमे
वैकक्षक } तिरछाछातीमेंपड़ामाला
वैकक्षिक
वैकंकत स्रुवावृक्ष
वैकुण्ठ विष्णु विष्णुलोक
वैकृत बीभत्सरस
वैजनन,गर्भसेनिकलनेवालादशवांमहीना
वैजयंत इन्द्रकाघर
वैजयंतिक निशानवाला पताकादार
वैजयंतिका जैतिवृक्ष
वैजयंती ध्वजा पताका
वैज्ञानिक चतुर प्रवीण
वैणव बांसकाफल बांसकासोंटा
वैणविक,वंशीबजानेवाला बांसुरीवाला
वैणिक वीणाबजानेवाला
वैणक चाबुक कोड़ा
वैतंसिक मृगपक्षीबांधनेफांसनेवाले
मांसबेंचनेवाले चिड़ीमार
वैतनिक चाकर मँजूर तनखाहदार
वैतरणी नरककीनदी [वनवाति:
वैतालिक राजावोंकीस्तुतिकरनेवाले

वैदेहक ब्राह्मणीमेंबनियांसेंपैदाहो बनियाँ रोजगारी
वैदेही पीपरि श्रीरामकीप्यारीजानकी
वैद्य दवाकरनेवाला
वैद्यमातृ रूस रुसाह
वैधात्र सनत्कुमारइत्यादिब्रह्माकेबेटा
वैधेय मूर्ख बेवकूफ
वैनतेय गरुड़जी
वैनीतक - परम्पराकीसवारी
वैमात्रेय,वैमात्रभाई माताकीसौतिकापुत्र
वैमेय बदला व्यवहार लेनदेन
वैयाघ्र बाघकेचमड़ासेमढारथ
वैर विरोध दुश्मनी
वैरनिर्यातन } वैरनिकारना दुश्मनी
वैरशुद्धि } छोड़ना
वैरिन् शत्रु दुश्मन
वैवधिक कामारथी कँवरिहा
वैवस्वत यमराज
वैशाख महीना मथानीदहीमथनेकी
वैशेषिक सप्तपदार्थवादी
वैश्य बनियां
वैश्रवण कुवेर
वैश्वानर अग्नि
वैसारिण मछरी
वौषट् देवताँकोहव्यदेनेमें
व्यक्त प्रकट बुद्धिमान
व्यक्ति अलगअविचारना
व्यग्र आकुल बहुतकाममेंचित्त
व्यंगा जिसस्त्रीकाअंगकुछकमहो
व्यजन पंखा बेना
व्यञ्जक हाथआदिसेमनकीबातकहना
व्यंजन चिन्हदाढ़ीआदिपुरुषकी स्त्री केकुचआदि गोद ककारादि भो जनपदार्थ
व्यडंवक } अंडकापेंड़
व्यडंवन }
व्यत्यय } उलटा विपरीत
व्यत्यास }
व्यथा पीड़ा बाधा
व्यध बेधना छेदना
व्यध्व कुराह बुरीरास्ता
व्यय - खर्च. [लक्षण पीड़ा.
व्यलीक बुरीबात बिनप्रयोजन वि-
व्यवधा छायजाना
व्यवसाय बहुतबल
व्यवहार विवाद ऋणलेनेदेनेकीवार्ता
व्यवाय मैथुन स्त्रीपुरुषकासंयोग
व्यसन -विपत्ति नाशकोईवस्तुका गि-रना अमंगल किसीकाममेंलगना मदिरापीनाआदिबुरेकर्म कड़ीबात अभाग्य पाप
व्यसनार्त व्यसनसेदुखी
व्यस्त व्याकुल उलटा
व्याकुल,शोकादिसेअपनेकामकोभूलना
व्याकोश } फूलाफूल
व्याकोप }
व्याघ्र बाघ उत्तरपदमेंश्रेष्ठार्थ जैसे रामपुरुषव्याघ्र
व्याघ्रनख सुगंधवस्तुबाघनख
व्याघ्रपाद वृक्षविशेष
व्याघ्रपुच्छ अंडाकापेंड़
व्याघ्राट भरदापक्षी

व्याघ्री भटकटैया. [छिपाना
व्याज कपट बहाना शठता अपनारूप
व्याड साप बाघ
व्याडायुध बाघनखसुगंधद्रव्य
व्याध बहेलिया मृगामारनेवाले
व्याधि कूट रोग बीमारी
व्याधिघात किरवारवृक्ष
व्याधित रोगी बीमार
व्यान वायु सबदेहमेंचलनेवाली
व्यापाद परायावैरविचारना
व्याप्य कूट [बावा
व्याम तिरछेफैलायेभुजाहाथोंकाबीच
व्याल साप शठ दुष्टहाथी सिंह बाघ
व्यालग्राहिन् सापपकडनेवाला
व्यालायुध बाघनखनामसुगंधद्रव्य
व्याहृत्त वरणकरना बुलावना
व्यास विस्तार एकऋषि जिन्होंने१८ पुराणऔरमहाभारतरची
व्याहार वाणी बात
व्युत्थान तिरस्कार मनमेंआवैसोकरना
व्युष्ट प्रातःकाल सवेरा
व्युष्टि फल संपति साधनेवाली
व्यूढ मिलाहुवा धरदेना मोटाहोना
व्यूढकंकट कवचपहिरे वख्तरधारी
व्यूति सूतबिनना
व्यूह समूह झुंड सेनाकायथार्थस्थापना
व्यूहपार्ष्णि सेनाकापिछाड़ी
व्योकार लोहार
व्योमकेश महादेवजी
व्योमन् आकाश
व्योमयान विमान आकाशकीसवारी
व्योष सोंठिमिर्चपीपरि
व्रज समूह गोशाला रास्ता
व्रज्या घूमना यात्राकरना
व्रण घाव
व्रणकार्य भिलावा
व्रत उपवास व्रतकरना
व्रतति लता वेलि
व्रतिन्,व्रतकरनेवाला यज्ञकावतावनेवाला
व्रश्चन,बसुला बसुली काटनेकाहथियार
व्रात समूह झुंड
व्रात्य संस्कारशून्य जिसकीअवस्था अधिकहो जनेऊनहींहुवा
व्रीडा लज्जा शर्म
व्रीहि धान सबधान्य जेठुवासावा
व्रीहिभेद सावाँ
व्रैहेय सावाँकाखेत

(श)

शक्र इंद्रकावज्र
शंबर हिरनकीजाति दैत्य
शकट गाडी लढिया
शकल टुकडा
शकुलिन् मछरी
शकुन } पक्षी चिडिया
शकुनि
शकुन्त पक्षी भासपक्षी गावकामुर्गा
शकुन्ति चिडिया
शकुल मांगामछली
शकुलादनिका सर्पदन्त
शकुलादनी कुटकी जलपीपरि
शकुलार्भक मछलीभेद

शकृत् विष्ठा
शकृत्करि वछवा
शक्त प्यारीबातकहनेवाला समर्थ
शक्ति राजावोंकीशक्तिप्रभावउत्साह
मंत्रसे पराक्रम सामर्थ्य वरछी
शक्तिधर स्वामिकार्तिक
शक्तिहेतिक वरछीवांधनेवाला
शक्र प्यारीबातकहनेवाला
शक्र इंद्र कुरैया
शक्रधनुस् इंद्रकाधनुष
शक्रपादप देवदारु
शक्रपुष्पिका अग्निशिखाशागभेद
शक्ल प्यारीबातकहनेवाला
शंकर श्रीमहादेवजी
शंकु जलजीवशफुनाम कटेवृक्षकाठूंठ
मोटीडार वाणकाआगेकाभाग
शंख निधिभेद शंख नखसुगंधिद्रव्य
माथेकीहड्डी
शंखनक } छोटेशंख शंखिनी
शंखनख }
शंखिनी शंखाली
शची इंद्राणी
शचीपति इंद्र
शटी कचूर
शठ जिसकाअंतःकरणकपटीहो
शणपर्णी शागभेद
शणपुष्पिका बरियारी
शणसूत्र शनकेसूतकाजाल
शंड कमलखांडर मदन्हेंमोजा
शंढ,नामर्द वादशाहीमोजा सांड वैल
शत सौ - [जोअन्नाफिरै.]
शतकोटि वज्र इंद्रकाआयुध सौकरोड़
शतद्रु सतलजनदी
शतपत्र कमल
शतपत्रक कठफोरवापक्षी
शतपदी कंसरैयाकिरवा
शतपर्णिका दूब
शतपर्वन् बांस
शतपर्विका दूब वच
शतपुष्पा सौंफ
शतमास कनैरकापेड़
शतभीरु बेला
शतमन्यु इंद्र जिन्होनेसौयज्ञकियेहैं
शतमान सौकेप्रमाण
शतमूली शतावरि
शतयष्टिका सौलरकीमाला
शतवीर्या सपेददूब
शतवेधिन् अमिलवेंत
शतह्रदा बिजुलीकीचमक
शतांग संग्रामकोतैयाररथ
शतावरी,शतावरि [मिलाराजादूसरा.
शत्रु वैरी दुश्मन औरदेशकेराजासे
शनैश्चर ग्रह सूर्यकेपुत्र
शनैस् धीरा सहारेसे आश्चर्य
शपथ } कसम जैसेहमशपथकरतेहैंकिदेर
शपन } द्रोहीनाशहोंगे
शफ सुम खुर
शफरी सहरी मछरी
शबर म्लेच्छजाति चांडालभेद
शबरालय भिल्लरचांडालोंकेगांव

शबल विचित्ररंग चुनरीआदि कबरारंग
शबला } विचित्ररंगकीगौ कबरीगाय
शबली }
शब्द विषय कानका व्याकरणादिमे-
जोवाचक आवाज जैसे बिनेसूतका
वाचकवस्त्र
शब्दग्रह कान जिनसेशब्दजानाजाताहै
शब्दन शब्दकरनेकास्वभाव
शम चित्तकीशांति हाथ
शमथ शांति शांतहोना
शमन यमराज यज्ञपशुकेमारनेमे
शमनस्वसृ यमुनाजी यमकीबहिनी
शमल बिष्ट
शमित शांतिकोप्राप्त शांत
शमी उर्दआदिकीछियां छीकुरिकापेड़
शमीधान्य उर्दमूंगआदि जिनमेंछियां-
शमीर छोटीछीकुरि. [होतीहैं.]
शंपा बिजुलीकीचमक
शंपाक किरवारवृक्ष
शंब वज्र
शंबर पानी हिरनकीजाति
शंबरारि प्रद्युम्न जिन्होंनेशंबरदैत्यमारा
शंबरी मुसकन औषधि
शबल रंगभेद विचित्ररंग
शंबाकृत दुबारासेजजोतना दूसराबाह
शंबुक } पानीकीसीपी सुती
शंबूक }
शंभली कुटिनी जोपराईऔरतदूसरे-
पुरुषकोमिलावै
शंभु श्रीमहादेव ब्रह्मा
शम्या जुवांकीकील शकल
शम्याक किरवारवृक्ष
शय हाथ
शयन सोरहना शय्या
शयनीय शय्या सोरहनेकास्थान
शयालु नींदलगना बहुतसोनेवाला
शयित सोगया
शयु अजगरसांप
शय्या सोरहनेकास्थान बिछौनाबिछा
शर शरपत मुंजसर बाण तीर
शरजन्मन् स्वामिकार्तिक
शरण घर रक्षाकरना मारनेसे बचाना
शरणि रास्ता राह
शरद् ॠतु वर्ष
शरभ मृगभेद
शरव्य निशाना
शराटि }
शराडि } आडिपक्षी जलमुर्गा
शराति }
शराभ्यास बाणफेंकनेकाअभ्यास
शरारि आडिपक्षी जलमुर्गा
शरारु हिंसाकरनेवाला जीवहत्यारा
शरालि } आडिपक्षी जलमुर्गा
शराली }
शराव सेरापरई
शरावती नदी
शरासन धनुष कमान
शरीर देह अंग
शरीरास्थि देहकीहड्डी हाडकापिंजर
शरीरिन् प्राणी देहधारी
शर्कर जिसदेशमेंबालूरहनेहो भूदेश
शकर गिटी कंकड़ टुकड़ा

शर्करावत् } मूंइदेश बालू अधिकहो
शर्करिल } जिसदेशमें
शर्मन सुख आनंद
शर्व महादेवजी
शर्वरी रात्रि
शर्वाणी श्रीपार्वतीजी
शल स्याहीकेरोवां स्याहीकांट
शलभ पतंग जोदियामेजलताहै
शलल } स्याहीकेरोवां स्याहीकांट
शलली }
शलाटु कचाफल
शल्क टुकडा बकला सालें
शल्य मैनफलकावृक्ष जंगलीजीव
स्याही बाणकाअगाडी
शल्लकी शालय
शव मुर्दा विनाजीवकीदेह
शश मृगभेद
शशधर चन्द्रमा जिसमेमृगचिन्हहै
शशलोमन् शशकेरोवां
शशादन बाजपक्षी शिकरा
शशोर्ण शशाकेरोवां [प्रपणमे मंगल
शश्वत् निरंतर बारबार सहार्थ अपनी
शष्प कोमलतृण
शसन यज्ञपशुकेमारनेमें
शस्त कल्याण शुभ नमस्कारार्थ
शस्त्र आयुध लोह हथियार
शस्त्रक लोहा [करनेवाला
शस्त्रमार्ज शिकलीगर हथियारसाफ
शस्त्राजीव, हथियारसेंजीविकाकरनेवाला
सिपाहीसवारआदि
शस्त्री छूरी कटारी

शस्य वृक्षादिकाफल
शस्यसंवर, शालोकापेड़ [लांकीआदि
शाक पत्ताफूलखानेकेयोग्य बथुई पत्र
शाकट गाडीकेबैल
शाकशाकट } शागकेखेत
शाकशाकिन् }
शाकुनिक, चिड़ीमार
शाक्तीक, बरछीबांधनेवाला
शाक्यमुनि } बौद्धभेद
शाक्यसिंह }
शाखा डार कनैया [तहसील
शाखानगर बिनराजाकादेश परगना
शाखामृग बानर [वृक्ष
शाखाशिफा, डारके निकलनेकी जगह
शाखिन् वृक्ष पेड़ [बुनानेवाला
शांखिक कांसार शंखकीचुडीआदि
शाटक } वस्त्रभेद साड़ी
शाटी }
शाठ्य शठता वेवकूफी
शाड्वल जहांपरहरीघांसहो
शाण कसौटीसोनाआदिपरखनेकी
शाणी शनकावस्त्र पाखरीटाट
शांडिल्य बेलवृक्ष ऋषि
शात दुबस सुख आनंद निर्बल शान
चढ़ाया पैनाया
शातकुंभ } सुवर्ण सोनाधातु
शातकौंभ }
शातला थूहर
शात्रव वैरी दुश्मन
शाद चहला कीचड़ छोटीघास
शादहरित } जहांहरीघासहो
शाद्वल }

शांत　शांतहोना
शांति　चित्तकोशांतहोना
शाप　गाली शराप
शाबर　लोध्रवृक्ष
शांबरी　इंद्रजाल शंबरदैत्यकीमाया
शार　कबरारंग हवा
शारंग　पपीहा चातक कबरारंग
शारद　छतवती नया थोडीचतुरई वर्ष जलपीपरि
शारदी　जलपीपरि छतवती
शारिफल　कोठेदारसाडी
शारिवा　कारीसांउ गोरीसांउ
शार्कर　भूड़देश
शार्ङ्ग　विष्णुकाधनुष
शार्ङ्गिन्　विष्णु.
शार्दूल　बाघ उत्तरपदमेंश्रेष्ठार्थ
शार्वर　हिंसाकरनेवाला हाथी
शार्वरी　राति
शाल　चक्रांकितमछरी वृक्ष राजा शहरपनाह शहरकेचारोंओरबांस-
शालपर्णी　शरिवन. [मयूरकीबेंटि.]
शाला　सभा मोटीद्वार
शालामृक　बानर सियार कूकुर
शालि　ण्याडधानकी धान
शालीन　शर्मदार भलामानुस
शालूक　पद्मीलाकोंकाबेलिकीजर
शालूर　मेंढुक मेंभुका
शालेय,वनसौंफ बडीसौंफ धानकाखेत
शाल्मल } स्यंवरकापेंड इसकीआयु
शाल्मलि } ६००००वर्षकी है
शाल्मलीवेष्ट　स्यंवरकागोंद मोचरस
शावक　बालक बच्चा
शावर　लोध्रवृक्ष
शाश्वत　नित्य हमेशः
शाष्कलक　मछलीमांसखानेवाला
शाष्कुलिक　बहुतीपूरी
शासन　आज्ञा हुकम
शास्तृ　बौद्ध
शास्त्र　आज्ञा व्याकरणादिकेग्रंथ
शास्त्रविद्　शास्त्रपढनेवाला शास्त्री
शिंशपा　शिसवावृक्ष
शिक्य　शिकहर छीके
शिक्यित　शिकहरमेंधरीवस्तु
शिक्षा　वेदकाअंग
शिक्षित　प्रवीण चतुर
शिखंड　मोरकीपूंछ मोरपुच्छ
शिखंडक,बालकोंकेझंडोलेबालकीचूडा
शिखर　पर्वतकाकँगूराहुआ वृक्षकाशिरा
शिखरिन्,पर्वत वृक्ष. [भोंटई किरण.
शिखा　आगिकीलपट मोरकीचोटी
शिखांडक　बालकोंकीचोटी
शिखावत्　अग्नि
शिखावल　मोर मुरइला पुच्छार
शिखिग्रीव　अंजन आंखकेरोगपर
शिखिन्　मोर अग्नि. [मोर बाहर्नत.
शिखिवाहन　स्वामिकार्तिक जिनका-
शिग्रु　बर्हेधादिशाग सहिजनकापेड
शिग्रुज　सहिजनकेबीज मरिचमिर्च
शिंजित　गहनाकीआवाज
शिंजिनी,धनुषकीपलंचा कमानकाडोरा

शितशूक जव

शिति कालारंग सपेद-[गलाकालाहै

शितिकंठ महादेव जिनकाविषपीनेसे

शितिसारक तेंदूकावृक्ष

शिपविष्ट | रोगसेजिसकेशिरमेंबालनहों

शिपिविष्ट | सफानहुवालमडा श्रीमहेश्वर

शिफा वृक्षादिकीजर

शिफाकंद कमलकीजर

शिबिका पालकीपीनसडोली

शिबिर सेनाकास्थान फौजकामुकाम

शिंबा उर्दआदिकीछिंयां गगटी

शिरस् मस्तक मूड. [धावनहो.

शिरस्त्र टोप जिससेसंग्राममेंशिरपर

शिरस्य साफबाल. [जानलेते हैं.

शिरा नाडी जिसकेदेखनेसेवैद्यरोग

शिरीष शिरस सीसम

शिरोग्र वृक्षकीहुनगु दुभा

शिरोगृह घरकाशिरा

शिरोधि गला ग्रीव

शिरोरत्न चूडामणि शिरकीमणि

शिरोरुह बाल जोशिरमेंजगते हैं

शिरोस्थि करोटि शिरकीहड्डीखोपरी

शिल खेतमेंगिराअन्न शीला

शिला देहलीकेतरेकाकाठ देहलीका-

दासा पत्थर

शिलाजतु शिलाजीत- [काकाठ.

शिली छोटेर केंचुवा देहलीकेनीचे

शिलीमुख भौंरा वाण

शिलोचय,पर्वत पत्थरोंकासमूह-[कारकर्म-

शिल्प गानानाचनाआदि बढईआदि

शिल्पशाला कारीगरोंकामकान

शिल्पिन् चितेरा तसवीरआदिबनाने-

वाला बढई कोरी नाऊ धोबी चमार

शिल्पिशाला सोनारआदिकारीगरों

कास्थान

शिव श्रीमहादेव कल्याण मंगल

शिवक खूंटा गौआदिबांधनेका

शिवमल्ली रुशूया रुई मदार

शिवा श्रीपार्वती छीकुरिकापेड हर्र

पृथ्वीकाआंवला सियार सियारी

अंवरा नहुईलाल श्रीमहेश्वर.

शिविविष्ट शिरमेंरोगसेबालनहो सफा-

शिवी श्रीपार्वती

शिशिर ऋतु जाडा

शिशु बालक बच्चा

शिशुक शिशुमारकेसमानमछलीभेद

शिशुत्व बालापन लडकाई

शिशुमार जिलजीव चक्र विष्णु

शिश्न लिंग पुरुषकाचिन्ह

शिश्विदान पुण्यात्मा पुण्यकरनेवाला

शिष्टि आज्ञादेना हुक्म

शिष्य चेला सागिर्द

शीकर पानीकीछिटेकी छिट्टी

शीघ्र तुर्त जलदी

शीत जाडा ठंढा बेंत लसोहरकापेड

शीतक,आलसी तांदपरहांथफेरनेवाला

शीतभीरु बेला नेवारि

शीतल ठंढा शागभेद- -[नोन

शीतशिव बडीसौंफ शिलाजीत सेंधा

शीता हलकीलकीर कूंड

शीत्य जोताखेत

शीधु ऊखगोगआदिसेबनीमदिरा
शीफालिका सपेदम्यांडी
शीर हल
शीर्ष शिर मूंड
शीर्षक संग्रामकाटोप
शीर्षच्छेद्य मारनेलायक मूंडकाटनेयोग्य
शीर्षराय साफयाल संग्रामकाटोप
शील सुंदरचाल अच्छासुभाव
शुक् शुद्ध शोच
शुक कुकरौंधा व्यासकेपुत्र शुवा रावण कामंत्रीशिरसैकापैंड
शुकनास श्योनापाठा
शुकवर्ह कुकरौंधा [कड़ा
शुक्त चूक तीनरातिकासिरका कठोर
शुक्ति सीपी नखनामगंधद्रव्य
शुक्र अग्नि आग्नेयदिशाकेग्रह शुक्रग्रह ज्येठमहीना पुरुषकावीर्य
शुक्ल वृपण अंडकोश पोता
शुक्रशिष्य असुर दैत्य
शुक्ल पत्त सपेद
शुच् शुद्ध शोक शृंगाररस पवित्र
शुचि अग्नि आषाढ़महीना सपेद श्रीर
शुंठि } सोंठि
शुंठी }
शुंडापान मदिराकाघर
शुतुद्रि नदीभेद शतलज
शुद्धांत रानियोंकेमाकान अंतःपुर सूतकसेशुद्धहोना
शुनक कूकुर कुत्ता
शुनाशीर } इंद्र
शुनासीर }

शुनी कुतिया कुकुरि
शून्य खाली छूंछा
शुभंगी कल्याणमंगल बोकरा कुशल
शुभंयु शुभयुत मंगलसहित
शुभदंती दिग्गजकीपत्नी
शुभान्वित मंगलसहित कुशलमंडल
शुभ्र सपेद अभ्रक प्रकाशमान
शुभ्रदंती दिग्गजकीपत्नी
शुभ्रांशु चन्द्रमा जिसकीसपेदकिरणहै
शुल्क राजाकामहसूलआदिस्त्रीकाधन स्त्रीकामोल
शुल्ब तांबा जौरी रस्सी यज्ञकेकर्म आचरण जलकासमीप
शुल्वा } रस्सी जौरी
शुल्बी }
शुश्रूषा उपासना गुरुकीसेवा
शुषि छेद बिल
शुषिर बांसुरीशंखआदि छेद बिल
शुष्कमांस सुखमांस
शुष्म पराक्रम
शुष्मन् अग्नि
शूक जवकाभुसौयमरीकुरे
शूककीट लम्पोहरी ऊनकाकीड़ा
शूकधान्य जव गोहूंआदि
शूकर सुअर
शूकशिवा } केवांच
शूकशिंबि }
शूद्र ४वर्ण शूद्र
शूद्रा } शूद्रकीस्त्री
शूद्री }
शून्य खाली छूंछा

शून्यवादिन् नास्तिक जैनिमती
शूर सूर्य धीर बहादुर
शूरण जिमीकंद
शूर्प सूप धानपछोरनेका
शूल रोग हथियार मृत्यु. [आदि
शूलाकृत लोहकीकीलसेपकायामांस
शूलिन्, महादेव जिनकात्रिशूलआयुधहै
शूल्य लोहकीकीलसेपकायामांसादि
शृगाल सियार
शृंखल पुरुषकीकमरकागहना करगती
जंजीरआदि आहँड
शृंखलक जिसऊंटकपैरमेंकाठबंधाहो
शृंग पहाडकीकंगूरा जीवकासींग
प्राधान्यता पशुवोंकेसींग मालिकी
चिन्ह फोहारा
शृंगवेर अदरख
शृंगाटक चौरहा चौहटा
शृंगार रसभेद
शृंगिणी गौ
शृंगी नंदीश्वर शिवकाबैल मदगुरमच्छकी अतीस औषधि
शृंगीकनक सोनेकागहना
शृणि आंकुश
शृत पकादूधआदि
शेखर शिखापैपहनेमाला
शेपस् } लिंग पुरुषकाचिन्ह
शेफस् }
शेफालिका सफेदम्योंडी फूलभेद
शेमुषी बुद्धि अकिल
शेलु लसोडेकापेड
शेवधि निधिभेद
शेवाल शेवार
शेष शेषनाग जिनकेहजारफनहैं बाकी
शैक्ष प्रथमविद्यापढनेवालेबालक
शैखरिक लटजीरा
शैल पर्वत पहार
शैलालिन् नट
शैलूष नट बेलकापेड
शैलेय शिलाजीत
शैवल शेवार
शैवलिनी नदी जिसमें शेवारहो
शैव्य कृष्णकाघोडा
शैवाल शेवार
शैशव] बालापन लडकाई
शोक शोच
शोचिष्केश अग्नि
शोचिस् प्रभा उजेरा प्रकाश
शोणकर्णी लालकोकाबेलिकेसमानलाल
शोणभद्र नद
शोणक सोनापाढा औषधि
शोणरत्न पद्मराग मणि
शोणार्क सोनापाढा
शोणित लोहू रक्त खून
शोथ सूजनि देहमेंफूलना
शोथघ्नी गदहपुरनिया
शोधनी बढनी बुहारी झाडू
शोधित अन्नकोसफाकरना माफकरना
शोनक सोनापाढा औषधि
शोफ सूजनि देहमेंफूलना
शोभन सुंदर मनोहर
शोभा छवि कांति

शोष यक्ष्मारोग क्षयीरोग
शौक तोतोंका झुंड बहुतशुवा
शौक्लिकेय स्थावरविष
शौक्ल्य सपेदी
शौंड मतवाला प्रसिद्ध
शौंडिक मदिरावेंचनेवाला कलार
शौंडी पीपरि
शौद्धोदनि बुद्धभेद
शौरि, विष्णु शनैश्वरग्रह शूरसेनकावंश
शौर्य पराक्रम ऐश्वर्य
शौल्विक तांवाकाकामवनानेवाला
शौष्कुल, मछलीमांसखानेवाला शुखा
श्च्योत घीआदिकावहना [मांस]
श्मशान मरघट प्रेतभूमि
श्मश्रु दाढ़ीकेवाल
श्याम कालारंग हरा मेघ प्रयागको
अक्षयवट पिक मिर्च सेंधोनमक
श्यामक तृणवधान्यभेद
श्यामल काला सांवला
श्यामा कालाविधारा सपेदनिशोथ
कालीसांझ गोरीसांझ सांवलीस्त्री
सोरहवर्षकीस्त्री जिसकेपुत्रादिनहुवा
हो मीठी२ वातेंबोलनेवाली
श्यामाक तृणवधान्यभेद
श्याल शांखोकापेंड साला स्त्रीकाभाई
श्या धूसरलालरंग
श्येत सपेद
श्येन शिकरा वाज
श्यैनंपाता शिकार
श्योनाक सोनापाढ़ाऔषधि

श्रद्धा वांछा कांक्षा [श्रद्धायुत
श्रद्धालु गर्भकेकारणस्त्रीकीविशेषरुचि
श्रयण सेवा आशरा
श्रवण } कान
श्रवस }
श्रविष्ठा धनिष्ठानक्षत्र
श्राणा पतलाभात गोलाथी
श्राद्ध शास्त्रोक्तपितृकर्म
श्राद्धदेव यमराज श्राद्धकेदेवता
श्राय सेवा आशरा
श्रावण } सावनमहीना
श्रावणिक }
श्राव्य सुननेयोग्यसुंदरवात
श्री लक्ष्मीजी संपति शोभा मन
श्रीकण्ठ महादेवजी जिनकाअंगगौर
श्यामकण्ठसेशोभितहै
श्रीघन बुद्ध
श्रीद कुवेर जोधनकेमालिकहैं
श्रीपति विष्णु जोलक्ष्मीकेपतिहैं
श्रीपर्ण, अगेयवृक्ष जैतिवृक्ष नरवेल कमल
श्रीपर्णिका कायफल कैफरा
श्रीपर्णी खंभारी [कागोंद
श्रीपिष्ट धूपसर विशेषधूप किसीवृक्ष
श्रीफल वेलकावृक्ष
श्रीफली नील लील
श्रीमत् लक्ष्मीवान् धनवान्
श्रीमान् तिलकवृक्ष मनोहर धनी
श्रील लक्ष्मीवान् धनी
श्रीवत्स विष्णुकेहृदयमेंचिन्ह
श्रीवत्सलांछन विष्णु

श्रीवास } धूपसर किसीवृक्षकागोंद
श्रीवेष्ट }
श्रीसंज्ञ लौंग [समानपत्ता.
श्रीहस्तिनी घुइँया हांथीकेकानके
श्रुत शास्त्र धारणकरना सुनना
श्रुति कान वेद बात सुननेमें
श्रेणि पांति एकक्रमसे
श्रेणी, पांति कमर एकजातिकाइकठाहोना
श्रेयस् सुकृत धर्म मोक्ष अतिसुन्दर
श्रेयसी हर्र पाठाऔषधिगजपीपरि
श्रेष्ठ अतिसुन्दर
श्रोण पँगुवा जिसकीजांघैअच्छीनहीं
श्रोणि, कमर करिहांव [कास्थान कमर
श्रोणिफलक कमरमेंधोतीआदिपहिरने
श्रोतस्, सोता जहांआपहीआपपानीबहै
श्रोत्र कान
श्रोत्रिय वेदपाठी
श्रौषट् देवतोंकोहव्यदेनेमें
श्लक्ष्ण थोड़ा सुन्दर
श्लाघा सरहना प्रेमसेभूँठीबातें
श्लीपद हांथीपांवरोग
श्लील लक्ष्मीवान् धनी
श्लेष मिलाए संधि
श्लेष्मण कफरोगी
श्लेष्मन् कफ
श्लेष्मल कफी
श्लेष्मातक लसोहरकापेड़
श्लोक पद्यअनुष्टुप्आदि यशकीर्ति
श्वःश्रेयस् आवनेवाला शुभ कल्याण
श्वदंष्ट्रा गुखुरू
श्वन् कुत्ता कूकुर
श्वनिश दिनरात शब्दभेद
श्वपच } चाण्डाल निषाद
श्वपाक }
श्वभ्र गड़हा खंधक छेद दराज़
श्वयथु सूजनि फूलना
श्ववृत्ति कुत्तेकीसीजीविका नीचसेवा
श्वशुर ससुर स्त्रीकापिता
श्वशुरौ सासुससुर स्त्रीकेमातापिता
श्वशुर्य ससुरकापुत्रादि स्त्रीकेदेवरादि पुरुषकेसालाआदि
श्वश्रू सासु स्त्रीकीमाता
श्वश्रूश्वशुरौ सासुससुर
श्वस् आवनेवालादिन कालि
श्वसन वायु हवा मैनफलकावृक्ष
श्वस्त भूजामांस
श्वाविध, स्याहीं जिसकीदेहमेंकांटेहोतेहैं
श्वित्र सपेददागकाकुष्टरोग
श्वेत सपेद चांदी द्वीप पर्वत
श्वेतगरुत् } हंस मानसरोवरकेवासी
श्वेतच्छद }
श्वेतमरिच सहिजनकेबीज
श्वेतरक्त सपेदलालमिलारंग
श्वेतसुरसा सपेदम्योंढी

(ष)

षट्कर्मन् ब्राह्मण जोयजनादिछःकर्म [करताहो.]
षट्पद भंवरा.
षडभिज्ञ बुद्ध
षडानन स्वामिकार्तिक जिनकेछःमुखहैं
षड्ग्रंथ कंनकेभेद

पड्ग्रंथा वच
पड्ग्रथिका कंकचूर आंवाहरदी
पड्ज शब्दभेद मोरकीआवाज
पण्ड कमलोकादि अतःपुरचारीखोजा सांड अथवाबैल
पण्ड नपुंसक नामर्द बादशाहीखोजा
षाष्ठिक, ६० रातमें पाकनेवालाअन्न धानादि
षाष्ठिक्य, धानआदिकाखेतबोयेजानेकास्थान
षाण्मातुर स्वामिकार्तिक जिनके ६ कृत्तिकामाताहुई

(स)

संपाक किरवारकावृक्ष
संभली कुटनी जारपरायीस्त्रीदूसरेको
सयत संग्राम लड़ाई [मिलाव]
सयत रस्सीआदिसेबंधा कैदी
सयम संयाम योगकाअंग, नियम
संयुग संग्राम लड़ाई
सयोगित संयोजित } संयुतहुवा मिला
सरांव शब्द आवाज
संलाप परस्परकीबातें
सवत् सवत्सर } वर्ष साल ६० संवत्सर
सवदन सवनन } वशकरलेनामणिमंत्रादिसे वशीकरण
संवर मृग जातिभेद
संवर्त मलये कल्पात
सवर्तिका कमलादिकेनयेपत्ता
संवसथ गांव मौजा
सवाहन देहमलना चांपना
संविद् बुद्धि अंगीकार सुदरबोलना ज्ञान संयम नाम प्रसन्नकरना संग्राम कर्मकानियम संकेत आचार प्रतिज्ञा
संविदित जानलेना अंगीकारकरना
सवीक्षण ढूंढना
सवीत लिपटाहुआ जैसेनदीसेग्राम
सवेग खुसीआदिसेकाममेंशीघ्रता
संवेद अनुभव आपहीआपज्ञान
सवेश निद्रा सोरहना
सव्यान लुगरा फरिया दुपट्टा
सशप्तक जोवीरकशमखायकेसंग्राममें जाकरतेहैंकिहमशत्रुकोमारेंगेवमरजायेंगे
संशय सन्देह
संशयापन्नमानस जिसकोसन्देहहोजाय
संश्रय आश्रय आधार
संश्रुत अंगीकारकरना
संश्लेष लपटाना लिपटजाना
ससक्त मिलाहुआ
ससद् सभा समाज
संसरण सड़कादरवाजेपरचौड़ीसड़क सेसेनाउत्तममकारसेनिकलजाय
संसिद्ध प्रकृतिस्वभाव
संस्कार, किसीमेंकुछमिलावना यज्ञोपवीत जन्मसेप्रेतकर्मपर्यंत
संस्कारहीन जिसकासंस्कारनहो
संस्कृत, बनायेघड़ादि शास्त्रकेलक्षणयुत
संस्तर पत्थर यज्ञ
संस्तव पहिचान मुलाकात
संस्तार यज्ञमेंवेदपाठियोंकीस्तुति
संस्त्याय समूह स्थानभेद विस्तार

संस्था मर्यादा सीमा
संस्थान अंगभेद स्थान रूप मरनो चौरहा
संस्थित मरगया
संस्पर्शा चक्रवत औषधि
संस्फेट, संस्फोट संग्राम लड़ाई
संहत पुष्टसंधानयुत
संहतजानुक जिसकीगांठीमिलीहो
संहतल मिलेदोनोंफैलेहाथ
संहति समूह झुंड
संहनन देह अंग
संहूति बहुतमनुष्योंकाबुलावना
सकल पूर्ण संपूर्ण सब
सकृत् साथ एकबार
सकृत्प्रज कौवा
सक्तुफला, सक्तुफली छीकुरि
सक्थि सांटीजांघ
सखि मित्र सखा स्नेही साथी
सखी साथिनि स्त्रियोंकीमित्र
सख्य मैत्री मित्रता
सगर्भ्य एकपेटकेभाई
सगोत्र एकगोत्रके कुटुंबी [जेंवना.
सग्धि साथभोजनकरना एकपांतिमें
सङ्कु थोड़ीमार्ग कौलिया
सङ्कर कर्कट कूड़ा
सङ्कर्षण बलदेवजी
सङ्कलित जोड़ेहुयेअर्थकआदि
सङ्कल्प मनकाकर्म
सङ्कसुक चंचलनकोनि चलनेकास्वभाव
सङ्कार कर्कट कूड़ा
सङ्काश उपमा बराबर
सङ्कीर्ण वर्णसङ्करजाति मनुष्यादिको
इकठ्ठाहोना सङ्कट व्याप्त
संकुल पूर्वसेविरुद्धदूसरीबात जैसेविन
शिक्षांवदेखै मनुष्यादिकोंबहुतइकट्ठा
संकोच लाल चन्दन सकुच [होना.]
संक्रंदन इंद्र
संक्रम कठिनरास्ता किलेकीराह
संक्षेपण थोर्थविस्तार सूक्ष्म सांकरा
संख्य संग्राम लड़ाई
संख्या प्रमाणोंसेपरीक्षाकरना एकादि
संख्यात गिन्तीकिया
संख्यावत् पण्डित संख्याकरनेवाला
संख्येय गिन्तीकरनेमें जैसे२ १ वस्तु
मनुष्य बतालाये
सङ्ग मेल मिलाप
सङ्गत सुन्दरबातएकतार
सङ्गम मेल मिलाप संयोग
सङ्गर संग्राम लड़ाई
संगीर्ण अंगीकारकिया. [पांच.
संगूढ छिपावना जुड़ाहुआ जैसेदोतीन
संग्रह संग्रहकियेग्रंथ इकठ्ठाकरना
संग्राम लड़ाई [पकड़ना.
संग्राह ढालपकड़नेकीमूंठ मुठसे पकड़ना
संघ प्राणियोंकासमूह
संघात नरकभेद समूह
सचिव मंत्री सहायक सलाही
सची इन्द्राणी
सजंबाल जहांपरलाकीचड़हो

सज्ज,कवचादिपहिरसंग्रामको तैयारहोना
सज्जन साधु कुलीन पहरा गस्त
सेनारक्षक. [तैयारकरना.
सज्जना कामदारोंकेचढनेकोहाथी-
संचय समूह इकट्ठा
संचारिका दूती संदेशपहुंचानेवाली
सजमन चारोंतरफआमनेसामनेदालानै
दुरुस्तचौक
संज्वर अग्निकीआंचवगर्मी
सञ्ज जिसकेपैरकीगांठिएकमेंमिलतीहो
संज्ञपन मारना प्रसन्नकरना जनावना
संज्ञा चेतना नाम हाथआदिसेसंज्ञा
गायत्री सूर्यकीस्त्री
संज्ञु पैरकीगांठीलगनेवाला
सटा ब्रह्मचारीआदिकीजटा
संडीन पक्षियोंकेउडनेकाभेद.[साधु
सत्,पण्डित अच्छा सुन्दर पूजित योग्य
सतत नित्य हमेशः
सती पतिव्रता पतिकीसेवामेंतत्पर
सतीनक मटर मोथी
सतीर्थ्य गुरुभाई एकगुरूकेचेला
सत्तम अतिसुंदर
सत्त्व सतोगुण द्रव्य चित्त विचार
स्वभाव पिशाचादि अपनाभाव
बल प्राण जंतु
सत्पथ सुन्दररास्ता
सत्य सच कशम सत्यता
सत्यक ब्रह्माजी. [जरूरकरेंगे
सत्यंकार सहीकरना इसकामको हम
सत्यवचस् ऋषि सत्यबोलनेवाला
सत्यवतीसुत व्यास. [करना.
सत्याकृति इसकामकोहमकरेंगे सही-
सत्यानृत,झूंठसांचकारोजिगार बनियई
सत्यापन } सहीकरना सचाईकरना
सत्यापना }
सत्र यज्ञ वस्त्र. [करताहै.
सत्रा साथ जैसेस्त्रीकेसाथसुखभोग-
सत्रिन्,गृहपति जोहमेशःअन्नादिदानकरै
सत्वर शीघ्र जल्दी
सदध्याज्य दहीमिलाघी
सदन घर माकान
सदस् सभा बैठक
सदस्य यज्ञकेदेखनेवालेवेदपाठी
सदा सर्वदा सबकाल
सदागति वायु जोहमेशःचलती है
सदातन नित्य सनातन हमेशः
सदानीरा नदीभेद
सदानंद ब्रह्म हमेशःआनंद
सदृक् }
सदृश } समान बराबर
सदृक्ष }
सदेश समीप निकट
सद्मन् घर माकान स्थान
सद्यस् तत्काल तिसीसमय
सधर्मिणी पत्नी स्त्री
सध्र्यञ्च् साथचलैवपूजनकरै
सनत्कुमार ब्रह्माकेपुत्र
सनपर्णी गोकर्णीओषधि
सना नित्य जैसेसनातन
सनातन नित्य हमेशः सदा
सनात्कुमार ब्रह्माकापुत्र

सनाभि सातपुरिखाकेभीतरकेकुटुंबी
सनि गुरूआदिकेलियेभिक्षामांगना
सनिष्ठीव } लारवहतेबातकरना बातमे
सनिष्ठेव } थूंकआना
सनीड समीप निकट पास
संततं नित्य हमेशः
संतति गोत्र कुल
संतप्त संतापित गरमाया
संतमस सबतरफअंधकार
संतान कल्पवृक्ष बंश कुल
संताप अग्निसेगर्म
संतापित संतप्त गरमाया
संदान बांधनेकीरस्सी
संदानित बंधा बाधा
संदाव संग्रामादिसेभागना
संदित बंधा बांधा गुहा पिरोहा
संदेशवाच् दूतआदिकेकहेसंदेश
संदेशहर दूत हरकारा
संदेह संशयहोना
संदोह समूह झुंड
संद्राव भागना पलायना
संधा प्रतिज्ञा मर्यादा.[एकमेमिलाना.
संधान मदिरादिबनानेकीवस्तुवोंको
संधि मिलाप मेल मिलावना
संधिनी गर्भवती गार्भिणी
संध्या सायंकाल पितरोंकीमाता
सन्नकद्रु चार चिरौंजी. [होना
सन्नद्ध,रत्नरथादिपहिरसंग्रामकोतयार
सन्नय पीछेकीसेनाकासमूह
सन्निध } समीपता निकटता
सन्निकर्षण }
सन्निकृष्ट समीप पास निकट
सन्निधि समीपता
सन्निवेश सुन्दररहनेकास्थान
सपत्न शत्रु वैरी
सपदि शीघ्र तत्काल
सपर्या अन्नादिदेना पूजा
सपिंड सातपुरिखाकेभीतरकाबंश
सपीति साथपीना जलआदि
सप्तकी स्त्रियोंकेकमरकागहना कमर-
पट्टाकंधनीआदि
सप्ततंतु यज्ञ राजसूयादि
सप्तपर्ण छतवतीवृक्ष
सप्तर्षि मरीचि १ अत्रि २ अङ्गिरा ३
पुलस्त्य ४ पुलह ५ क्रतु ६ वशिष्ठ ७
सप्तला नेवारि थूहर
सप्तार्चिस् अग्नि काली १ कराली २
मनोजवा ३ सुलोहिता ४ सुधूम्रवर्णा ५
स्फुलिंगिनी ६ विश्वदासा ७ अग्नि
केजिह्वाहैं
सप्ताश्व सूर्य
सप्ति घोड़ा
सब्रह्मचारिन्,एकवेदपढ़नेवालेब्रह्मचारी
सभर्तृका सोहागिल सौभाग्यवती
सभा सभा सभाकास्थान समाजजुवां
कास्थान
सभाजन आवनेवालेकीग्लानिरखना
सभासद } सभाकरनेवाले समाजी
सभास्तार }
सभिक जुवांखिलावनेवाले
सभ्य साधु समाजी सभावाले

सज्ज, कवचादिपहिरसंग्रामको तैयारहोना
सज्जन साधु कुलीन पहरा गस्त
सेनारक्षक. [तैयारकरना
सज्जना कामदारोंकेचढनेकाहाथी
सचय समूह इकट्ठा
सचारिका दूती संदेशपहुचानेवाली
सजवन चारोंतरफआमनसामनेदालानै
दुरुस्तचौक
सज्वर अग्निकीआचवगर्मी
सज्ञ जिसकेपैरकीगांठिपकपमिलतीहो
सज्ञपन मारना प्रसन्नकरना जनावना
सज्ञा चेतना नाम हाथआदिसेसज्ञा
गायत्री सूर्यकीस्त्री
सज्ञु पैरकीगांठीलगनेवाला
सटा ब्रह्मचारीआदिकीजटा
सडीन पक्षियोंकेउडनेकाभेद. [साधु
सत्, पण्डित अच्छा सुन्दर पूजित योग्य
सतत नित्य हमेशः
सती पतिव्रता पतिकीसेवामेतत्पर
सतीनक मटर मोथी
सतीर्थ्य गुरुभाई एकगुरुकेचेला
सत्तम अतिसुंदर
सत्त्व सतोगुण द्रव्य चित्त विचार
स्वभाव पिशाचादि अपनाभाव
वल प्राण जतु
सत्पथ सुन्दररास्ता
सत्य सच कराम सत्यता
सत्यक ब्रह्माजी [जरूरकरेंगे
सत्यकार सहीकरना इसकामको हम
सत्यवचस् ऋषि सत्यबोलनेवाला
सत्यवतीसुत व्यास [करना
सत्याकृति इसकामकोहमकरेंगे सही
सत्यानृत, झूंठसांचकारोजिगार वनियई
सत्यापन } सहीकरना सच्चाईकरना
सत्यापना }
सत्र यज्ञ वस्त्र [करताहै
सत्रा साथ जैसेस्त्रीकेसाथसुखभोग
सत्रिन्, गृहपति जोहमेशःअन्नादिदानकरै
सत्वर शीघ्र जल्दी
सदभ्याज्य दहीमिलाघी
सदन घर माकान
सदस् सभा बैठक
सदस्य यज्ञकेदेखनेवालेवेदपाठी
सदा सर्वदा सवकाल
सदागति वायु जोहमेशःचलती है
सदातन नित्य सनातन हमेशः
सदानीरा नदीभेद
सदानद ब्रह्म हमेशःआनद
सदृक् }
सदृश } समान वरावर
सदृक्ष }
सदेश समीप निकट
सद्मन् घर माकान स्थान
सद्यस् तत्काल तिसीसमय
सधर्मिणी पत्नी स्त्री
सध्रयञ्च् साथचलैवपूजनकरै
सनत्कुमार ब्रह्माकपुत्र
सनपर्णी गोकर्णीओषधि
सना नित्य जैसेसनातन
सनातन नित्य हमेशः सदा
सनात्कुमार ब्रह्मावापुत्र

सनाभि सातपुरिखाकेभीतरकेकुटुंबी
सनि गुरुआदिकेलियेभिक्षामांगना
सनिष्ठीव } लारबहतेबातकरना बातमे
सनिष्ठेव } थूकआना
सनीड समीप निकट पास
संततं नित्य हमेशः
संतति गोत्र कुल
संतप्त संतापित गरमाया
संतमस सबतरफअंधकार
संतान कल्पवृक्ष वंश कुल
संताप अग्निसेगर्म
संतापित संतप्त गरमाया
संदान बांधनेकीरस्सी
संदानित बंधा बांधा
संद्राव संग्रामादिसेभागना
संदित बंधा बांधा गुहा पिरोहा
संदेशवाच् दूतआदिकेकहेसंदेश
संदेशहर दूत हरकारा
संदेह संशयहोना
संदोह समूह झुंड
संद्राव भागना पलायना
संधा प्रतिज्ञा मर्यादा [एकमेमिलाना
संधान मदिरादिबनानेकीबस्तुवोंको
संधि मिलाप मेल मिलावना
संधिनी गर्भवती गाभिणी
संध्या सायंकाल पितरोंकीमाता
सन्नकद्रु चार चिरोंजी [होना
सन्नद्ध,बख्तरआदिपहिरसंग्रामकोतैयार
सन्नय पीछेकीसेनाकासमूह
सन्निध } समीपता निकटता
सन्निकर्षण }
सन्निकृष्ट समीप पास निकट
सन्निधि समीपता
सन्निवेश सुन्दररहनेकास्थान
सपत्न शत्रु वैरी
सपदि शीघ्र तत्काल
सपर्या अन्नादिदेना पूजा
सपिंड सातपुरिखाकेभीतरकावंश
सपीति साथपीना जलआदि
सप्तकी स्त्रियोंकेकमरकागहना कमर-
पट्टाकंधनीआदि
सप्ततंतु यज्ञ राजसूयादि
सप्तपर्ण छतवतीवृक्ष
सप्तर्षि मरीचि १ अत्रि २ अङ्गिरा३ पुलस्त्य ४ पुलह ५ क्रतु ६ वशिष्ठ ७
सप्तला नेवारि थूहर
सप्तार्चिस् अग्नि काली १ कराली २ मनोजवा३सुलोहिता४सुधूम्रवर्णा५ स्फुलिंगिनी ६ विश्वदासा ७ अग्नि कीजिह्वाहैं
सप्ताश्व सूर्य
सप्ति घोड़ा
सब्रह्मचारिन्,एकवेदपढनेवालेब्रह्मचारी
सभर्तृका सोहागिल सौभाग्यवती
सभा सभा सभाकास्थान समाज जुवां कास्थान
सभाजन आवनेवालेकीखातिरकरना
सभासद } सभाकरनेवाले समाजी
सभास्तार }
सभिक जुवांखिलावनेवाले
सभ्य साधु समाजी सभावाले

समं बराबर तुल्य सपूर्ण
समक्ष प्रत्यक्ष सामने देखाआदि
समग्र सब सपूर्ण
समगा मजीठ लजालू लाजवंती
समज पशुओंकेझुड
समज्ञा } कीर्ति यश प्रसन्नता
समज्या }
समजस नीति सुचाल
समधिक बहुतहुवा अधिकता
समंततस् सबतरफ सबते
समतदुग्धा सेंहुड
समतभद्र बुद्ध जैनिमतकेदेवता
समन्वितलय सुदरगीतनाचकीलय
समम् साथ बराबर
समय काल बरतकशुभ आचार निय म अवसर आज्ञा
समया समीप मध्य निकटता
समर संग्राम लडाई. [अनुकूल
समर्थ शक्तिमान सुदरवधेपदईत्यादि
समर्थन योग्यअयोग्यकीपरीक्षामें
समर्धक वरदेनेवाला वरदाता
समर्याद —समीप निकट [र्थेदएडदेते हैं.
समवर्तिन् यमराज जोप्राणियोंकोयथा
समवाय समूह झुड
समष्ठिला कदुआसूरन
समसन सक्षेप थोडा विस्तारनहो,
समस्त सपूर्ण सब [यक्त
समस्या समिच्छा अर्थपूर्णकरनेला
समाः वर्ष साल [आदि
समासमीना सालसे वियानेवालीगौ

समाकर्षिन् दूरतीसुगध
समाघात संग्राम लडाई.
समाज एकजातिवालोंकासमूहसभा
समाज्ञा कीर्ति यश प्रसन्नता
समाधान समझाना [रहना
समाधि अगीकार चित्तकोरोंकनामौन
समान,नाभिकीवायु बराबर पण्डित एक
समानोदर्य एकपटकेभाई सगेभाई
समालभ कुकुमादिकालेप
समावृत्त जोब्रह्मचारीगुरूसेवेदपढगृह स्थीकोआज्ञापावै
समासाद्य प्राप्तहोनेयोग्य प्राप्तहोना
समासार्था,समिच्छा जिसेकविपूर्णकरतेहैं
समाहार इकट्ठाकरना
समाहित अगीकारकिया स्थिरचित्त
समाहृति संग्रहग्रंथ [आदिकायुद्ध
समाह्वय प्राणियोंकाजुवा मेढातीतुर
समिति सभा संग्राम संग
समित् संग्राम लडाई
समिध् शुपावृणकाठ
समीक लडाई युद्ध
समीप निकट पास
समीर वायु हवा
समीरण वायु मरुवा जंबीर
समुच्चय इकट्ठाकरना ढेरलगाना
समुच्छेय वैर उचाई
समुज्झित त्याग छोडना
समुत्पिज बहुतव्याकुलसेनाआदि
समुत्क्ष निकालना जैसेकुवामेजल
समूह समूह झुड [निकालना]

समुदाय समूह संग्राम
समुद्ग } संपुटक चौघड़ा इलाचीआ
समुद्गक } दिधरनेका
समुद्गीर्ण जलपात्रादिकोऊपरनिका-
-रना उखारना
समुद्धत —गरूरी जिसकाकड़ास्वभावहो
समुद्र सागर
समुद्रांत कपास रुईकापेड़
समुद्रांता जवासा पिंडकाऔषधि
समंदन ओदाहोना भीजा
समुन्न ओदा गीला. [अहंकारी.
समुन्नद्ध पण्डितअपनाकोमाननेवाला
समुपजोषम् आनंद खुसी
समूरु हिरनभेद
समूह झुंड गरोह
समूह्य अग्निकेप्रयोग
समृद्ध धनी तालेवर उत्तम
समृद्धि बढ़ना बढ़ती
संमृष्ट सफाबिना अन्नादि
संपत्ति } सोभा लक्ष्मी धन
संपद् }
संपराय युद्ध आवनेवालासमय
संपरायिक युद्ध संग्राम
संपिधान छिपना वस्त्रादिसेमूंदना
संपुटक चौघड़ा इलाचीआदिधरनेका
संप्रति इससमय इसीकाल
संप्रदाय पुरानीचाल परम्परा
संप्रधारण विचार
संप्रधारणा योग्यअयोग्यकीपरीक्षा
संप्रहार लड़ाई संग्राम
संफुल्ल फूलाफूल

संब वज्र इन्द्रकाआयुध
संवर जल पानी
संवरारि प्रद्युम्न कृष्णकेपुत्र
संवाकृत दुवाराजोताखेत बाहकिया
संवाध थोड़ीरास्ता
संबोधन प्याद् पाद् अंग हे है भो येद
संभेद नदियोंकामिलाप संगम
संभ्रम हर्षसेकाममेंशीघ्रता जल्दी
संमद खुसी आनन्द
संमार्जनी बढ़नी बुहारी
संमूर्छन सबतरफव्याप्तहोना
सम्यञ्च् सुन्दरतना
सम्राज् राजसूययज्ञकरनेवालाबारह
मण्डलकामालिकजिसकीआज्ञा
सबराजाकरैंऐसामहाराजाधिराज
सर मुंजसर सरपत
सरक मदिरापीना
सरघा मधुमक्खीमच्छी
सरट गिरदान [पत्राणि.
सरणा निशोथ सपेदत्रिधारा गंध-
सरणि मार्ग रास्ता
सरणी गन्धपसारिणी
सरत्नि मुण्डाहाथसे बंधीमुठकाहाथ
सरमा कुतिया कूकुरि
सरल सरला देवदार उदार सूधा
सरलद्रव धूपविशेष
सरला निशोथ सपेदत्रिधारा
सरस् } तालाब ताल
सरसी }
सरसीरुह कमल

सरस्वत् समुद्र नद [नदीभेद नदी.
सरस्वती ब्रह्माकीस्त्री वाणी वात
सराव सरवा पुरई
सरित् नदी
सरित्पति समुद्र नदियोंकामालिक
सरिल पानी
सरीसृप साप
सर्ग स्वभाव त्याग निश्चय अध्याय काव्यादिमेंविश्रामस्थान सृष्टिकी उत्पत्ति मोह उत्साह
सर्ज } असनावृक्ष
सर्जक }
सर्जरस धूप राल
सर्जिकाक्षार सज्जीखार
सर्प सांप
सर्पराज सांपोंकेराजावासुकी
सर्पिस् घी
सर्व महादेवजी संपूर्ण सब
सर्वसहा पृथ्वी जोसबकोसहती है
सर्वज्ञ बुद्ध महादेवजी
सर्वतस् सबतरफ सबसे
सर्वतोभद्र घरकेऊपरघर दुमाहला आदि नीवकापेड़
सर्वतोभद्रा खमारी
सर्वतोमुख पानी जोसबतरफरहताहै
सर्वदा सबकालमें सबसे
सर्वधुरावह } जोसबतनासेवोझले
सर्वधुरीण } चलताहो
सर्वमंगला पार्वती जोमंगलरूपहैं
सर्वरस धूप राल
सर्वला गुर्दाहथियार तोमर
सर्वलिंगिन् पाखण्डी बौद्धादिशास्त्र पढनेवाला
सर्ववेदस् जिसनेविश्वजित नामयज्ञमें सर्वस्वदेदिया जैसेराजारघुनेयज्ञके उपरांतकौत्सऋषिकोमट्टीकाअर्घपात्रदियाथासबदेनेकेकारणसे
सर्वसंनहन चतुरंगिणीसेनाकाजमाव
सर्वानुभूति निशोथ
सर्वान्नभोजिन् } जोसबकाअन्नखाय
सर्वान्नीन }
सर्वाभिसार सेनाकाइकट्ठाहोना
सर्वार्थसिद्ध बौद्धभेद
सर्वौघ सेनाकाजमाव
सर्षप सरसों
सलिल पानी जल
सल्लकी शालयओषधि
सव यज्ञ [सोमाभिषव
सवन, सोमलताकाखण्डन यज्ञकेअंतमेंस्नान
सवयस् बराबरकासाथी
सवितृ सूर्य
सविध } समीप निकट
सवेश }
सव्य बाईंतरफकीदेह [धरना
सव्येष्ट सारथीजोसंग्राममेंवाईतरफरथ
सप्तम यज्ञपशुकेयाग्नेमें
सस्य वृक्षादिकोंकाफल नाज
सस्यमंजरी नाजकीबाली
सस्यशूक नाजकाशींकुर
सस्यसंवर शालवृक्षपेड़ शालवृक्ष
सह साथ संग

सांद्रस्निग्ध चिकनाघना गंभीरश्चादर
साम्नाय्य हविभेदस्वाहाको
साप्तपदीन मित्रता जोसातपदसेहो
सावर लोध्रवृक्ष
साम सत्रूक समझाना. [झाना
सामन् सामवेद वेदकेसाम सत्रूक सम-
सामाजिक समाजी सभाकेरक्षक
सामान्य जाति सामान्य
सामि आधा निंदित
सामिधेनी अग्निकेप्रज्वलनकीऋचा
सामुद्र समुद्रलवण
सांपरायिक संग्राम युद्ध
सांप्रतम् इसीकाल योग्य
सायक बाण तलवार
सायम् साम दिनकाअंत सामकीसंध्या
सार . वृक्षादिकागाभा बल न्यायमेंप्राप्त
श्रेष्ठ जल धन हीर
सारंग चातक पपीहा हिरनभेद हाथी
कबरारंग कमल हंस दीपक मेघ
. वीणा काजर कस्तूरी पिक चंद्रमा
स्त्री खंडरैचा
सारणी गंधपसारिणीऔषधि
सारथि रथकेहांकनेवाला
सारमेय कूकुर कुत्ता
सारव सरयूनदीकाहुआ
सारस कमल-सारसपक्षी
सारसन स्त्रियोंकीकमरकागहेना वीरों
का कमरपट्टा
सारिका पक्षीभेद सुईपक्षी
सारिवा औषधिभेद

सारोष्ट्रिक स्थावरविष
सार्थ माणियोंकासमूह
सार्थवाह बनियां रोजिगारी
सार्द्र वोदा गीला भीजा
सार्धम् साथ सहितआधा [राजा
सार्वभौम, दिग्गजकानाम सर्वपृथ्वीका
साल वृक्ष पेंड चक्रांकितमछरी शह-
रपनाहआदि शाखोंकापेंड
सालपर्णी सरिवनऔषधि
सालूर मेंडुक मेंभुका
सास्ना बैलआदिकालटकागला
साहस दंड सजा
साहस्र जिसकेपासहजारोंसेनाहो ह-
जारोंकाझुंड
सिंह सिंह श्रेष्ठार्थमे जैसेपुरुषसिंहराम
सिंहतल फैलायेदोनोहाथ
सिंहनाद वीरोंकीगर्जना
सिंहपुच्छी पिठवनिऔषधि
सिंहसंहनन सुंदरअंगोंकापुरुष
सिंहाण लोहेकाकीट मंडूर
सिंहाण } नाककामैल
सिंहान }
सिंघाण }
सिंहासन राजाओंकासुवर्णकाराज-
गद्दीकाआसन
सिंहास्य रुसाह रूस
सिंही रुसाह रूस भांटा बैंगन
सिकता वालू भूकादेश
सिकतामय बहुतवालूहोना
सिकतावत् वालूका देश

सिक्थक मोम भीतकेसीथ
सिंघाणी लोहेकाकीट मंडूर
सित सफेद वंधासिमासीचांदी
सितछत्रा सौंफ
सितशिव सेंधौनमक
सिता सपेदी शक्कर
सिताभ } कपूर
सिताभ्र }
सिताभोज सफेदकमल
सिद्ध देवगण सिद्ध
सिद्धांत सिद्धांत सिद्धहोना
सिद्धार्थ सफेदसिरसौ सिद्धप्रयोजन
सिद्धि औषधिभेद सिद्धि
सिध्म सेंहुवारोग सफेदकुष्ठ
सिध्मल सेंहुवाकारोगी
सिध्मला सूखीमछरी सेंहुवारोग
सिध्य पुष्यनक्षत्र
सिध्रका वृक्षभेद देखिपद
सिनीवाली जिसअमावसमेंचंद्रमाकुछ
सिंदुक } म्योंढीऔषधि
सिंदुवार }
सिंदूर सेंदुर वृक्षभेद. [कामद
सिंधु नदी सिंधदेश समुद्र नद हाथी
सिंधुक सेंदुर
सिंधुज सेंधौनमक
सिंधुवार सेंदुर
सिंधुसंगम,नदियोंकामिलाप संगम मेल
सिरा नारी नाटिका
सिल्हकी शालपर्णीऔषधि
सिह्ल लोबान म्लेच्छोंकीधूप
सीकर पानीकेकिनका छिटकी
सीता हलकीलकीर आकाशगंगा
श्रीरामकीस्त्री
सीत्य जोताखेत
सीधु ऊखआदिकीमदिरा
सीमन् मर्यादा डांड
सीमंत बालोंकासिंगार मांग
सीमंतिनी सोहागिलस्त्री सौभाग्यवती
सीमा मर्यादा डांड
सीर हल
सीरपाणि,बलदेवजी जिनकेहाथमेंहलहै
सीवन सूईसेसीवना दरजीकाकाम
सीसक सीसाधातु
सींहुण्ड सेंहुडकापेड
सु अतिशय पूजनमें सुंदरता
सुकंदक पियाज
सुकरा सूधीगौ
सुकल दाता भोगकरनेवाला
सुकुमार कोमल नर्म मुलायम
सुकृत धर्म पुण्य
सुकृतिन् भाग्यवान पुण्यवान
सुख खुसी आनंद कल्याण
सुखवर्चक सज्जीखार
सुखसंदुहा } सुखसेदूधदेनेवालीगौ
सुखसंदोह्या }
सुगत बुद्ध जैनिमत सुंदरप्राप्त
सुगंधा रासनिऔषधि. [एलुआ
सुगंधि सुंदरसुगंध गालु सुगंधद्रव्य
सुग्रीव कृष्णकाघोड़ा श्रीरामकामित्र
जिसकासुंदरगलाहोवै
सुचरिता पतिव्रतास्त्री

सुचेलक सुंदरवस्त्र उत्तमकपड़ा
सुत पुत्र लड़का राजा
सुतश्रेणी मुस्कनऔषधि
सुतात्मजा लड़कावलड़कीकीबेटी
नातिनी पोती
सुत्रामन् इंद्रस्वर्गकाराजा
सुत्या सोमाभिषव यज्ञकेअंतमेंस्नान
सुत्वन् यज्ञांतस्नानकरचुका
सुदर्शन श्रीकृष्णकाचक्र
सुदाय,कन्याकेविवाहमेंदेनेयोग्य,दायज
सुदूर अतिदूर बहुतदूर
सुधर्मा देवतोंकीसभा
सुधा अमृत जोदेवतावोंनेपिया महलों
मेचूनाआदिकालेप बिजुली अथवा
भोजन
सुधांशु चंद्रमा
सुधी पण्डित बुद्धिमान
सुनासीर इंद्र
सुनिष राणक शागभेद विसखपरिया
सुंदर अच्छा नीक उम्दा
सुंदरा | सुंदरी } स्त्री जिसकेअंगसुंदरहों
सुपथिन् सुंदररास्ता जिसमेंछायाकु-
वांआदिहों
सुपर्ण गरुड़
सुपर्णक किरवारवृक्ष
सुपर्वन् देवता
सुपार्श्वक गजहंड गेठी
सुप्रतीक दिग्गजकानाम
सुप्रयोगविशिख वाणफेकनेमेंचतुर
सुप्रलाप सुंदरबोली अच्छीरबातें
सुभगासुत सोहागिलकापुत्र जिसका
पिताजीवताहो
सुभिक्षा अच्छीभिक्षा धौकेफूल
सुम फूल
सुमन गोहूं
सुमनस् देवता
सुमनसः फूल मालती
सुमना चमेली मालती
सुमनोरजस् फूलकीधूलि पराग
सुमेरु सोनेकापहाड़
सुर देवता
सुरंगा सुरंग जिसमेंबैठशत्रुकोजीते
सुरज्येष्ठ ब्रह्मा सबदेवतोंसेज्येष्ठ
सुरत दयावान मैथुन
सुरदीर्घिका आकाशगंगा
सुरद्विप दैत्य दानवादि [रनेवाली
सुरनिम्नगा गंगादेवतावोंकीपवित्रक-
सुरपति देवतावोंकामालिकइंद्र
सुरभि वसंतऋतु सुंदरसुगंधयुत काम-
धेनु गौ जायफल चंपा शालप
औषधि
सुरभी | सुरभीरसा } शालपर्णौषधि
सुरर्षि नारदादिदेवतावोंमेंऋषि
सुरलोक स्वर्ग देवतावोंकालोक
सुरवर्त्मन् आकाश
सुरसा रासनिऔषधि
सुरा मदिरा सराव
सुराचार्य देवतोंकेआचार्यबृहस्पतिजी
सुरामंड मदिराकाफेना

सुरालय सुमेरुपर्वत
सुराष्ट्रज तुवरि अरहरि
सुवचन सुंदरीवात उम्दाबोली
सुवर्ण सोनाधातु अस्सीरत्तीभरसोना
सुवर्णक किरवारवृक्ष
सुवल्लि बकुची बचुकी
सुवहा म्यांडी रासनि हंसपदी शालय एलापर्णी शागभेद
सुवासिनी नईयुवास्त्रीबिवाहकेपीछे पिताकेघरमे
सुव्रता सूधीगौआदि उत्तमस्त्री
सुशवी करेला
सुषम मनोहर सुंदर
सुषमा शोभा छवि सुंदरता
सुषवी करेला कालाजीरा
सुषि छेद बिल
सुषिम जाडा पाला
सुषिर बशीशंखआदियाजा छेद बिल गड्हा खधक
सुषिरा मालकागुनि नलीगधद्रव्य
सुषीम जाडा पाला
सुषेण करौंदाकापेड [लातैंदू
सुषेणिका कालात्रिधारानिशोथका
सुष्टु अतिशय प्रशंसा उम्दगी
सुसंस्कृत यत्नसेघीआदियेपकाईवस्तु
सुसवी करेला
सुहृद् मित्र सखा साथी
सुहृदय चित्तकासाफ सुन्दरहृदय
सूकर सूअर [अध्यात्म
सूक्ष्म थोडा बहुतछोटा अतरात्मा
सूचक कानमेंपराईनिंदाकरनेवाला चुगुलखोर [जाहिरकरना
सूचन आशयकाप्रकाश जनावना
सूचि सुई सूजि नाचनेकाभेद
सूत रथकासारथी पारा ब्राह्मणीमे क्षत्रीसेपैदाहो
सूतकागृह सूतिकागृह सोउर जहांपरलडकाआदि पैदाहो
सूतिमास पैदाहोनेकामहीना
सूत्थान चतुर प्रवीण
सूत्र सूत व्याकरणादिमे
सूत्रवेष्टन कोरीआदिकासूतलपेटना
सूद रोटिकरा भोजनबनानेवाला व्यंजनपदार्थ
सूना जीभकेनीचे पुत्री मारनेकास्थान
सूनु पुत्र लडका
सूनृत प्यारीसचीबात
सून्माद उन्मादी बैलाया पागल
सूपकार भोजनपदार्थबनानेवाला [आचारी
सूर सूर्य
सूरण जिमीकन्द
सूत दयावान
सूरसूत अरुणसूर्यकासारथी
सूरि बुद्धिमान पण्डित
सूर्प सूपनाजपछोरनेका
सूर्मि सूर्मी लोहेकीमूर्ति सुर्मी
सूर्य जिनकेउदयसेदिनहोताहै
सूर्यतनया यमुना सूर्यकीलडकी
सूर्यप्रिया छाया संज्ञा

सूर्येंदुसंगम अमावस जिसमेंचन्द्रमासूर्य एकमेंमिलजाताहै
सृक्कि॥ } सृक्किणी } ओठकेबायेंऔदहिनेकाअंत सृक्किन् }
सृग गोफना जिससेढेलाइदफेंकाजाताहै
सृगाल सियार
सृणि अंकुश आंगुश
सृणिका } सृणीका } लार मुहकापानी
सृति मार्ग रास्ता
सृपाटी तौलकाभेद
सृमर हिरनकीजाति
सृष्ट छोडना बनाना
सृष्टि निश्चय बहुत सृष्टि
सेकपात्र } सेचन } चमडाआदिकीबालटी डोल मसक
सेतु पुल बरुणवृक्ष
सेना फौज सवारपैदलहाथीतोपआदि
सेनाग हाथी१ रथ२ घोडा ३ पैदल ४येसेनाकेअंग है
सेनानी स्वामिकार्तिक सेनापति
सेनामुख सेनाकाप्रमाण जिसमेंहाथी३ रथ३ घोडा ६ पैदल १५ हों
सेनारक्ष फौजकेपहरेदार
सेव सुईसेसीना
सेवक नौकर टहलुवा
सेवन सुईसेसीना सेवाकरना
सेवा कुत्तकीसीनीतिका टहल मजूरी
सेव्य तृणकीजर मालिक
सैंहिकेय राहु सिंहिकाराक्षसीकापुत्र
सैकत जहांपरबहुतबालूहो
सैकतवाहिनी सहस्रार्जुनकीनदी
सैनिक सेनाकेपहरेदार सेनाकेसाथ
सैंधव घोडा सेंधानमक
सैन्य सेनाकेसाथ फौज
सैरंध्री } सैरिंध्री } परायेघरमेंस्त्रियोंकेशृंगारकरने वालीनिशकस्त्री
सैरिक हलकेबैल जोतनावेला
सैरिभ भैंसा
सैरेयक भिंटी करसैला
सोढ क्षमाकोप्राप्त सहछुका
सोत्प्रास हसीकीबातें
सोदर्य सगाभाई
सोन्माद उन्माद पागल
सोपप्लव ग्रहणकियेसूर्यचन्द्रमा
सोपान ओटा पत्थरआदिकेबनेमहलमें चढनेको
सोभाजन सहिंजनकापेड
सोम चन्द्रमा यज्ञभेद अमृतवल्लीरस
सोमप } सोमपा } सोमपीतिन् } सोमपीथिन् } सोमपीतिन् } सोमयज्ञकरनेवाला हमेशा यज्ञकरनेवाला।
सोमराजी बकुची बकुची
सोमवल्क सपेदकत्था दरियाखैर
सोमवल्लरि } सोमवल्लरी } मछेछी सोमलता
सोमवल्लिका बकुची बकुची
सोमवल्ली गुर्च
सोमोद्भवा नर्मदा जा चन्द्रमासेहुईहै
सोल्लुंठन हसीकीबातें

सौगत शून्यवादी
सौगंधिक सामकाफूलनेवालासफेद-
कमल तृणभेद गंधक
सौचिक सीनेवाला दरजी
सौदामनी } बिजुलीकीचमक
सौदामिनी }
सौध राजावोंकेमहल
सौभागिनेय सोहागिनकालडका
सौभांजन सहिंजनकापेड़
सौम्य बुधग्रह मनोहर सुधा जिसका-
सोमदेवताहो
सौर शनैश्चरग्रह
सौरभेय बैल
सौरभेयी गौ
सौराष्ट्रिक स्थावरविष
सौरि शनैश्चरग्रह
सौरीयक झिंटी करसैला
सौवर्चल सोंचरनमक संचलखार
सौविद } राजावोंकीस्त्रियोंकेपहरेदार
सौविदल्ल }
सौवीर बेरफल कांजी सिरका सुरमा
सुवीरदेशकाअंजन
सौवीर्य बेरफल
सौहित्य,तृप्तहोना भोजनादिसेपूर्णहोना
स्कंद स्वामिकार्तिक [राजा सेना
स्कंध वृक्षकीजड़सेडारतक कंधा समूह-
स्कंधशाखा , मोटीर डार
स्कन्न गिरना गलजाना
स्खलन गिरना धर्मादिछूटना
स्खलित छल नष्ट चोरीकीलड़ाई
स्तन कुंच जिनकोबालकपीताहै
स्तनधयी } दूधपीनेवालाबालक
स्तनपा }
स्तनयित्नु मेघ बादर
स्तनित बादरकोगर्जना
स्तबक गुच्छाफूलआदिका
स्तब्धरोमन् सुअर
स्तभ बोकरा
स्तंब बिनडारकेवृक्ष बिनगांठिकेवृक्ष
तृणजवआदिकागुच्छावघुट्टा
स्तंबकरि धान्य जवआदि
स्तंबघन } खुरपी हंसिया बांसकीटोक-
स्तंबघ्न } नीसी
स्तंबेरम हाथी
स्तंभ जड़ता यज्ञस्तंभादि
स्तव स्तोत्र स्तुति बड़ाई
स्तिमित बोदा भीजा
स्तुत स्तुतिकिया बड़ाईकरना
स्तुति निर्गुणीमेंगुणकहेना बड़ाई
स्तुतिपाठक वंदीजन
स्तुभ बोकरा
स्तूप बराआदिभोजनकीवस्तु
स्तेन चोर उठाईगीर
स्तेम बोदाहोना भीजजाना
स्तेय } चोरी उठाईगीरी
स्तैन्य }
स्तोक छोटा थोड़ा
स्तोत्र स्तुति बड़ाई
स्तोम समूह स्तोत्र यज्ञ
स्त्री औरत
स्त्रीधर्मिणी रजस्वलास्त्री
स्त्रीपुम्स जोड़ा दोनोंमर्दऔरत

स्त्र्यगार स्त्रियोंकेघर राजावोंकेअंतःपुर
स्थंडिल यज्ञकेलियेपृथ्वी. [वाला.
स्थंडिलशायिन् पृथ्वीमेंनियमसेसोने-
स्थपति जिसनेबृहस्पतियज्ञकी थवई कारीगर पेंड पर्वत राजा
स्थल } ऊसर स्थान सूखीपृथ्वी
स्थली }
स्थविर वृद्ध बूढा
स्थविष्ठ वहुतमोटा
स्थाणु महादेव वृक्षकीकटीमोटीडार स्तंभादि वैठा
स्थांडिल नियमसेपृथ्वीपरसोनेवाला
स्थान, नीतिभेद नित्य अवकाश वरा-वरनिवासस्थान
स्थानीय नगर शहर ग्रामादि
स्थाने योग्य जानतेहैं
स्थापत्य रानियोंकेपहरेदार
स्थापनी पाठाऔषधि.
स्थामन् पराक्रम भीतरीवल
स्थायुक एकगांवकामालिक जिमींदार
स्थाल भैंडवावर्तन
स्थाली,पांडरि थाली तवालिया कसहडी
स्थावर जोचलनसकें
स्थाविर बुढापा
स्थासक देहमेंचंदनादिकालेप उवटनें
स्थास्नु वहुतस्थिर वहुतवैठनेवाला
स्थिति आसन वैठना सुमार्गचलना
स्थिरतर वहुतवैठनेवाला वहुतस्थिर
स्थिरा पृथ्वी सरिवनऔषधि
स्थिरायु सेंवरकापेड
स्थूणा लोहेकीमूर्ति घरकेखंभा

स्थूल मोटा मूर्ख
स्थूललक्ष } दानशूर वडादानी जोअ-
स्थूललक्ष्य } पनादेकरदूसरेसेनमांगनेदे
स्थूलशाटक मोटावस्त्र गजीगाढ़ाआदि
स्थूलोच्चय हाथीकीमध्यचाल कुछकम-
स्थेयस् वहुतस्थिर. [पत्थरकेटुकडा.]
स्थौणेय कुकरौंधा
स्थौरिन् भारलेनेवालाघोडा लदुवा
स्थौल्य वल मोटाई
स्नव वहना वहिजाना
स्नातक वेदस्नात विद्यास्नात वेदविद्या स्नात व्रतस्नात वेदविद्याव्रतस्नात इत्यादि जोब्रह्मचारीवेदपढ़मों-
स्नान नहाना. [जीकोछोडें.
स्नायु नसें जिनसेदेहसवबंधी है
स्निग्ध वरावरकासाथी चिकना पुत्रादि मेंस्नेहकरनेवाला
स्नु पहाडकीवरावरपृथ्वी
स्नुक् सेंहुड
स्नुत वहना वहिगया
स्नुषा पुत्रादिकीस्त्री पतोहआदि
स्नुहा }
स्नुहि } सेंहुड
स्नुही }
स्नेह प्यार प्रेम
स्पर्श,इंद्रियकाविषय छूना दान रोगभेद
स्पर्शन वायु दान [उपतापरोग
स्पश भेदियाछिपनेवालादूत युद्ध
स्पष्ट प्रकट खुलासा
स्पृष्ट उपतापरोग
स्पृक्का शागभेद पिडकाऔषधि

स्पृशी भटकटैया
स्पृष्टि छूना
स्पृहा बांछा इच्छा
स्पष्ट रोगभेद
स्फटा सांपकाफन
स्फरण फरकना जैसेआंखकाफरकना
स्फाति बढना वृद्धि
स्फार बहुत अधिक
स्फारण फरकना
स्फिच् कमरकेमांसपिंड कूल
स्फिर बहुत अधिक
स्फुट फूलकाफूलना प्रकट फटना
स्फुटन फूटना
स्फुरण } फरकना
स्फुरणा }
स्फुलन }
स्फुलिंग अग्निकेकिनकाचिनगी
स्फूर्जक तेंदुवाकापेंड
स्फूर्जथु वज्रकीआवाज
स्फेष्ठ अतिशयस्थिर
स्फोटन फूटना फोडना
स्फोरण फरकना
स्म पादपूरणमें बीतनेमें
स्मय गर्व अहंकार
स्मर प्रद्युम्न कामदेव. [भस्मकिया.
स्मरहर महादेव जिन्होंनेकामको-
स्मित,मुसक्याना जिसहंसीमेंदांतनदेखपडैं
स्मृति धर्मकीसंहिता मनुआदि
स्यद वेग जल्दी. [स्मरण सुधि.]
स्यंदन तिनिशवृक्ष रथलडाईका
स्यंदनारोह रथपरचढलडनेवाले
स्यंदिनी लार मुंहकापानी
स्यन्न बहिजाना
स्याल साला स्त्रीकाभाई
स्याद्वादिक मोक्षहैयानहींइसतरहवि-
चारनेवाला
स्यूत गोनि थैली वस्त्रबिनना
स्यूति सीना सुईसे
स्योन गोनि थैली
स्योनाक श्योनापाढाऔषधि
स्रंसिन् पिलुवाकापेंड
स्रज् माला शिरमेंफूलकीपांति
स्रव बहना
स्रवद्गर्भा,जिसगौआदिकागर्भबहिजाय
स्रवंती नदी जोहमेशःबहाकरै
स्रवा जीवनीऔषधि
स्रष्टृ ब्रह्मा जोसबकोबनाताहै
स्रस्त गिरपडना गिरा
स्राक शीघ्र जल्दी
स्रुक् यज्ञमेंस्रुवा
स्रुत बहेना बहा
स्रुव } स्रुवाआदियज्ञमेंपात्रहोतेहैं
स्रुवा } मुरहरीऔषधि
स्रुवावृक्ष वृक्षभेद
स्रोतस् सोता जहांआपसेआपपानीहो
इन्द्रियोंकावेग नदीकाबहना
स्रोतस्वती } नदी [अंजन
स्रोतस्विनी }
स्रोतोंजन सुरमा यमुनाकेसोतावोंका
स्व स्वगोत्री अपनेकुटुंबी आत्मा अ-
पना चेतन्य धन

स्वच्छंद अपनीइच्छाचारी अपनेवश
स्वजन कुटुंबी अपनेगोत्रके
स्वतंत्र अपनेवश स्वेच्छाचारी
स्वधा पितृकार्यमें
स्वधिति कुठार कुल्हाड़ा
स्वन शब्द आवाज
स्वनित शब्दहोना आवाजआना
स्वप्न सोरहना सपना
स्वप्नज् बहुतसोरहनेवाला
स्वभाजन खातिरकरना आनंददेना
स्वभाव प्रकृति सुभाव
स्वभू विष्णु [करनेवाली
स्वयंवरा अपनीइच्छासेस्वयंवरमेंपति
स्वयम् अपना आपही
स्वयंभू ब्रह्मा
स्वर स्वर्गलोक परलोक
स्वर उदात्त अनुदात्त स्वरित गानके७
स्वर अकारादि
स्वराज् इंद्र
स्वरु वज्र वज्रकाशब्द लिंग योनि
स्वरूप स्वभाव अपनारूप पण्डित
मनोहर
स्वर्ग इंद्रकीराज्य
स्वर्ण सोना सुवर्ण
स्वर्णकार,सोनार सोनेकाकामकरनेवाला
स्वर्णक्षीरी चोप औषधिभेद
स्वर्णदी आकाशगंगा
स्वर्भानु राहुग्रह नैऋत्यकाग्रह
स्वर्वेश्या, स्वर्गलोककीपतुरिया उर्वशी
रंभाआदि

स्वर्वैद्य अश्विनीकुमारस्वर्गकेवैद्य
स्वसृ बहिनि
स्वस्ति आशीर्वाद कुशल पुण्य मंगल
स्वस्तिक राजावोंकेघरकेभेद
स्वस्रीय } भानजा बहिनिकालड़का
स्वस्रेय }
स्वाति नक्षत्र
स्वादु सवाद मनोहर मीठा
स्वादुकंटक बेरफल गुखुरू
स्वादुरसा काकोली
स्वाद्वी दाप मुनक्का
स्वाध्याय वेदकापाठ गायत्रीजप
स्वान शब्द आवाज
स्वांत चित्त मन
स्वाप स्वप्न सोरहना
स्वापतेय धन द्रव्य
स्वामिन् राजा मालिक स्वामी
स्वाराज् इंद्र स्वर्गलोककाराजा
स्वाहा अग्निकीभिया देवतावोंकेलिये
अग्निमेहोम
स्विद् प्रश्नमेंतर्कमें
स्वेद पसीना
स्वेदज किरवा डांस मसाआदि
स्वेदनी,मदिराबनानेकीभाटी कलछुला
स्वैर धीरा स्वाधीन
स्वैरिणी जोस्त्रीपरायेपुरुषसेरमै
स्वैरिता स्वेच्छा अपनीइच्छा
स्वैरिन् स्वेच्छाचारी

(ह)

ह पादपूरणमें कष्टार्थ हर्षार्थ

हंस सूर्य हस परमहंस राजा विष्णु परमात्मा ईर्षानकरना योगिभेद मंत्रभेद
हंसक नूपुर बिछिया
हंसवाहन ब्रह्मा जिनकीसवारीहंसहै
हंजिका भारंगी ब्राह्मीऔषधि
हंजे सेवकिनिकोबुलानेमे।
हट्ट बाजार दुकान
हट्टविलासिनी औषधि
हठ जबरदस्ती जोरावरी
हडे नीचस्त्रीकोबुलानेमें
हत मारना मनकोमारना
हनु औषधि दाढी. [निश्चयइनमे.
हंत दानकृपाविषादहर्षवाणीकाआरंभ
हम्म भांडहोना
हय घोडा
हयपुच्छी मषवनऔषधि बनउर्द
हयमारक कनैरकापेड
हर महादेव जोसवसंहारकरते हैं
हरण दायज कन्याकेविवाहमेदेनेकी वस्तु चोरी नाश
हरि सिंह यम वायु इन्द्र सूर्य विष्णु किरण, घोडा, सुवापक्षी, सांप, वानर मेंडुका हरारंग वैकुंठ चंद्रमा
हरिचन्दन कल्पवृक्ष कपिलवर्णचन्दन
हरिण सपेद पीला हिरना
हरिणी सोनेकीहरीमूर्ति हरनी
हरित् दिशा सफेद पीला घोडा
हरितक वथुईआदिशागभेद
हरिताल } हरितार
हरितालक }
हरिदश्व सूर्य
हरिद्रा हरदी
हरिद्राभ पीला गोरा
हरिद्रु दारुहरदी
हरिन्मणि नीलक हरीमणि
हरिप्रिय कदंबकावृक्ष
हरिप्रिया विष्णुकीप्यारीलक्ष्मी
हरिमंथक } चना लहिला
हरिमंथज }
हरिवालुक वालुकसुगन्धिद्रव्य
हरिहय इन्द्र जिनकेहरितघोडे हैं
हरीतकी हर्रे
हरेणु रेणुकबीजऔषधि मटर मोथी
हर्म्य धनवानोंकेमकान महल
हर्यक्ष सिंह
हर्ष आनंद खुसी
हर्षमाण प्रसन्नचित्त
हल हल जिससेखेतजोतेजातेहैं
हला सखीकोबुलानेमें
हलायुध बलदेवजी
हलाहल स्थावरविष
हलिन् बलदेवजी जिनकाहलआयुधहै
हलिप्रिय कदंबकावृक्ष
हलिप्रिया मदिरा शराब
हल्य जोताखेत
हल्या बहुतसेहल हलोंकादेर
हल्लक लाल कमल
हव बुलावना आज्ञा यज्ञ
हविस् हवनकीखीर घी
हव्य जिसकोहोमसे देवतामंनहो
हव्यपाक हवनकीअग्नि चरु

हव्यवाहन अग्नि
हस हंसना
हसनी } वेरासी अंगीठी
हसती }
हस्त हांथ हांथभर वालोंकेसमूहमे हस्त नक्षत्र
हस्तधारण } मारनेवालेकोरोंकना
हस्तवारण }
हस्तिन् हांथी.
हस्तिनख शहरवगांवकेवोहरचढ़ाउतार, धरती.
हस्तिपक } महाउत हांथीहांकनेवाला
हस्त्यारोह }
हह गंधर्वोंमेश्रेष्ठगंधर्व
हा विषाद शोक पीड़ा निंदा
हाटक सुवर्ण सोना
हायन वर्ष साल किरण धान्यभेद
हार मोतीआदिकेहार
हारित } हरिलपक्षी एकऋषिकानाम
हारीत }
हार्द प्रेम स्नेह प्यार
हाल हल
हाला मदिरा शराब
हालिक हलकेबैल जोतनिहा
हाव स्त्रियोंकीशृंगारचेष्टा
हास हंसी
हासक धनहरीऔषधि
हास्तिक हाथियोंकाझुंड
हास्य रसभेद हंसी
हाहा गंधर्वोंमेश्रेष्ट
हि कारण निश्चय पादपूरण
हिंसा चोरीआदिकर्म मारडालना किसीकीजीविकानाशकरना
हिंसाकर्मन् जारनामरना
हिंस्र जीवमारनेवाला हत्यारा
हिक्का हुचकी
हिंगु हींगवहींगकावृक्ष
हिंगुनिर्यास निंबकापेड़
हिंगुल रंगनेकोरंगभेद
हिंगुली भांटा बैंगन
हिज्जल पानीकेबेंत
हिंडीर } समुद्रफेन
हिंडीर }
हिताल ताड़भेदवृक्ष
हिम जाड़ा पाला हेमंतऋतु ठंढा
हिमवत् हिमालयपर्वत
हिमवालुका कपूर
हिमसंहति बहुतपालावजाड़ा
हिमांशु चंद्रमा जिसकीकिरणठंढीहै
हिमानी बहुतजाड़ावपाला
हिमावती औषधिभेद
हिरण्य धनीवनयनीचांदीवसोना धन सुवर्ण
हिरण्यगर्भ ब्रह्मा
हिरण्यवाह शोणभद्रनद
हिरण्यरेतस् अग्नि
हिरुक् विना समीप
हिलमोचिका हिलसायपुगी
ही विस्मय विषाद
हीन कम निंदा त्याग
हीर महादेवजी
हुतभुक्प्रिया अग्निकीप्रियास्वाहा
हुतभुज् अग्नि
हुम् प्रश्नमें तर्कमें
हूहू गंधर्व

हूति बुलाना गोहराना
हूहू गंधर्व
हृणिया } घृणा घिन
हृणीया }
हृद् } चित्त मन हृदय छातीमेंगहिराई
हृदय }
हृदयंगम बंधीबातें बातोंकेलच्छे
हृदयालु दिलकासाफ सुन्दरहृदय
हृद्य प्यारा सुननेलायकप्यारीबात
हृषीक इंद्रिय आंखकानआदि
हृषीकेश विष्णु
हृष्ट आनंदी खुसी
हृष्टमानस खुसी मन आनंदयुत
हे संबोधनार्थ
हेति,आकाश मकारा शस्त्र आगिकीलपट
हेतु कारण
हेमकूट एकपहाड
हेमदुग्ध गूलरकापेड
हेमन् सुवर्ण सोना
हेमंत ऋतुभेद
हेमपुष्पक चंपा
हेमपुष्पिका पीलीजुही
हेमाद्रि सुमेरुपहाड
हेरंब गणेशजी
हेला स्त्रियोंकीइच्छादिचेष्टा
हेषा घोड़ोंकाहिनहिनाना
है संबोधनार्थ
हैम सुवर्णकीबनीकोईवस्तु. [चीरी.
हैमवती श्रीपार्वती हर्र सपेदबच स्वर्ण
हैयंगवीन एकरातिकेदहीकाघी
होतृ यज्ञमेंऋग्वेदी
होम वैश्वदेवादिमें
होरा लग्न आधीलग्न शास्त्रेखभेद
ह्यस् बीतादिन
ह्रद जिसजलमेंथाहनहो
ह्रसिष्ठ बहुतछोटा
ह्रस्व बउना छोटा ह्रस्व
ह्रस्वगवेधुका बरियारीभेद ककही
ह्रस्वांग जीवकऔषधि [औषधि.
ह्रादिनी वज्र बिजुली नदी शालय
ह्री लाज शर्म
ह्रीण } लजाया शरमाया
ह्रीत }
ह्रीवेर सुगंधवाला हाऊबेर
ह्रेषा घोड़ोंकाहिनहिनाना
ह्लादिनी शालयऔषधि



ग्रन्थसमाप्तौग्रन्थरचनाप्रकारमाह ॥

श्लोक ॥

श्रीकान्यकुब्जद्विजवृंदमध्ये आसीद्भरद्वाजकुलप्रसूतः ॥ शुक्लादिमोनामगुरुप्रसादोविख्यातकीर्तिःश्रुतशीलकर्मा ॥ १ ॥ श्रीमान्महादेवकृपावलोकादानीसदाचाररतोतिधीरः ॥ तस्यात्मजासुद्गुणैरुपेतापुत्रोपितुःकीर्तिकरोप्रजज्ञे ॥ २ ॥ तयोःकनिष्ठस्त्वकुलावतंसोदुर्गाप्रसादाभिधवाजपेयी ॥ श्रियाप्रयुक्तस्तुविचारदक्षोबभूवमित्रैरतिपूज्यमानः ॥ ३ ॥ तस्याज्ञामवगम्यविप्रकुलजोजातोतिसूरेश्शिवा धाराख्याच्छिवशक्तिपूजनरतात्श्रीविश्वनाथस्सुधीः ॥ गङ्गावामतटाजुक्रोशयुगकेग्रामेवड़ौराभिधेस्यायीदीक्षितवंशवर्द्धनकरश्रीमच्छिवशूनांमुदे ॥ ४ ॥ ग्रन्थंअर्थप्रकाशनामकमसुंशब्दादिमंशास्त्रतोमासेभाद्रपदेऽसितेगुहतिथौवारेभृगोश्चाल्पभे ॥ अंकेन्दून्मितसंज्ञकेशततमेपंचाशदेकोनके श्रीमद्विक्रमवत्सरेतुकृतवान् दुर्गाशिवांतोप्यवै ॥ ५ ॥

अलक्छंदोभंगभयाद्विवक्षितत्वाद्वाकचिन्नसंधिः ॥

समाप्तोयं शब्दार्थप्रकाशः शुभम्भवतु ॥

